· HINDI EDITION

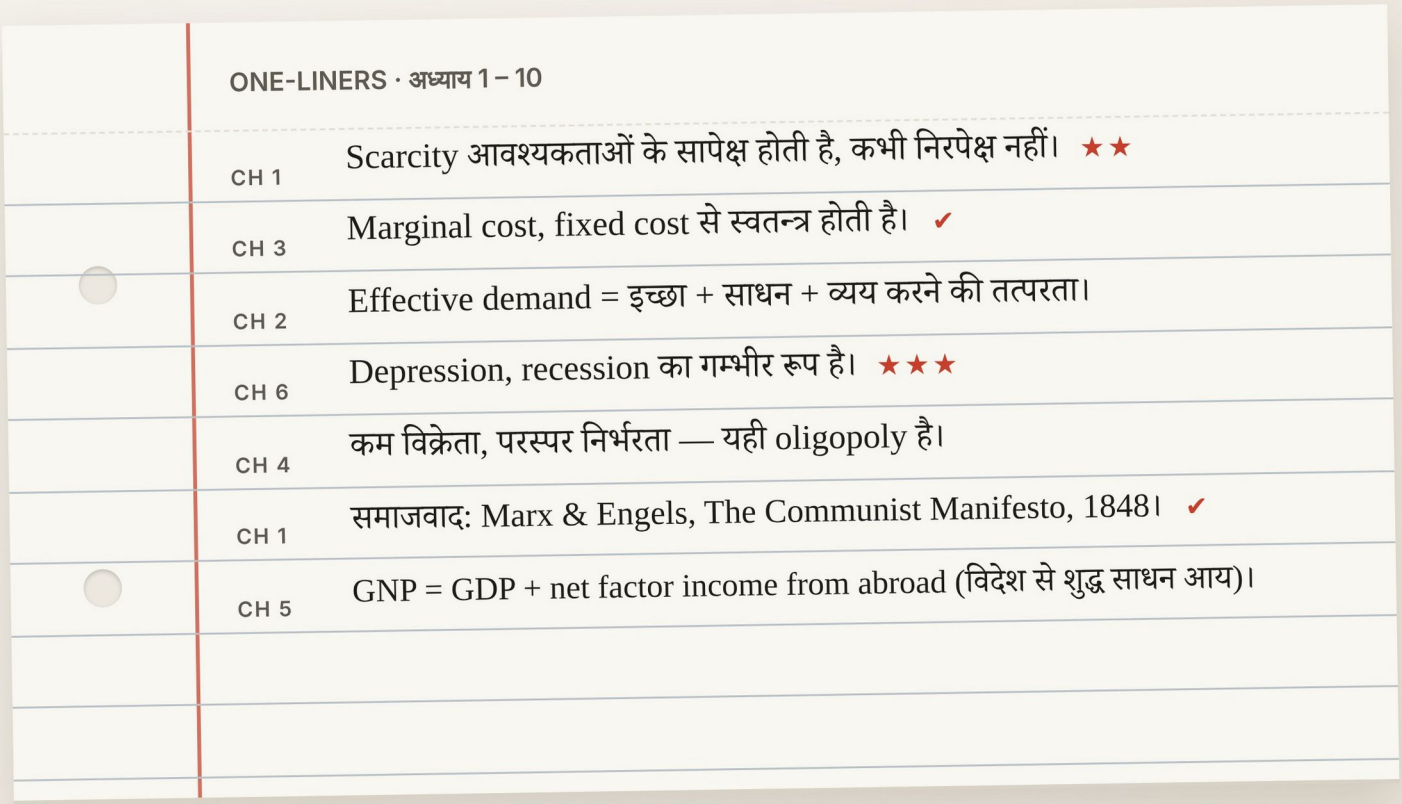
CA FOUNDATION · PAPER 4

Business Economics

हिन्दी संस्करण

Scanner Revision Pointers

हर Scanner प्रश्न **ICAI Study Material (July 2026)** से जुड़ा — और साथ में वह एक पंक्ति जो उसका उत्तर है।



10 अध्याय

2,495 SCANNER प्रश्न

1,211 ONE-LINERS

Shuchita Prakashan
PVT. LTD.

प्रस्तावना-टिप्पणी

Business Economics की परीक्षा पूर्णतः objective प्रश्नों के माध्यम से होती है, और ICAI बार-बार उन्हीं तथ्यों पर लौटता है — पहले किसी पिछले प्रश्न-पत्र में, फिर किसी RTP में, फिर किसी MTP में, हर बार थोड़े भिन्न शब्दों में। यह पुस्तिका इसी अवलोकन पर आधारित है। CA Foundation Paper 4 के Shuchita Scanner के प्रत्येक प्रश्न को ICAI Study Material के उस अनुच्छेद तक खोजा गया है जो उसका उत्तर देता है, और वह उत्तर एक ही पंक्ति में लिखा गया है।

परिणाम: 2,495 Scanner प्रश्न — पिछले परीक्षा प्रश्न-पत्र, RTPs, MTPs तथा Shuchita Model Questions — 1,211 One-liners में समेटे गए, और उन्हें आगे 694 पुनरावृत्ति बिन्दुओं (revision pointers) में संक्षिप्त किया गया। प्रत्येक One-liner ICAI Study Material (July 2026) की शब्दावली का अनुसरण करता है। जहाँ परीक्षा की उत्तर-कुंजी (key) और Study Material में मतभेद है, वहाँ One-liner Study Material का पक्ष ही सिखाता है।

प्रत्येक अध्याय की व्यवस्था

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners। विषयवार, Scanner के क्रम में। प्रत्येक पंक्ति में दिया गया है:

- **संदर्भ** — पंक्ति का पता, Topic.Row (उदाहरणार्थ 1.2.9 विषय 1.2 की नौवीं पंक्ति है);
- **One-liner** — वह तथ्य जो प्रश्न का उत्तर देता है, Study Material की भाषा में;
- **Scanner प्रश्न** — वे Scanner प्रश्न जिनका यह उत्तर देता है (MQ = Model Question; '+' उस प्रश्न को चिह्नित करता है जो किसी अन्य विषय के अन्तर्गत रखा गया है);
- **कब पूछा गया** — प्रत्येक परीक्षा, RTP तथा MTP जिसमें ICAI ने वे प्रश्न दिए;
- **SM स्रोत** — Study Material का खण्ड एवं पृष्ठ।

भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)। वही अध्याय संक्षिप्त बिन्दुओं (pointers) में, Study Material के क्रम में; प्रत्येक बिन्दु का महत्त्व इस आधार पर दिया गया है कि ICAI ने उसे कितनी बार पूछा है, और वह अपनी भाग A पंक्ति से जुड़ा है।

इस पुस्तिका का उपयोग कैसे करें

1. पहले Study Material में अध्याय पढ़िए; यह पुस्तिका पुनरावृत्ति के लिए है, पहली बार सीखने के लिए नहीं।
2. भाग B से पुनरावृत्ति कीजिए। जहाँ कोई बिन्दु तुरन्त स्पष्ट न हो, उसके भाग A संदर्भ पर जाइए, पूरा One-liner पढ़िए और उसके सामने दिए गए Scanner प्रश्न हल कीजिए।
3. अन्तिम सप्ताह में प्रत्येक अध्याय की केवल ★★★ तथा ★★ पंक्तियाँ पढ़िए — ICAI ने जो पूछा है, उसका अधिकांश इन्हीं में है।
4. धूसर तिरछे अक्षरों (grey italics) में 'विषय … देखें' से आरम्भ होने वाली पंक्तियाँ आपको किसी अन्य विषय के अन्तर्गत दिए गए One-liner पर भेजती हैं; Scanner में प्रश्न उसी स्थान पर रखा गया है, पर उसका उत्तर अन्यत्र दिया गया है।

प्रयुक्त संकेत (Conventions)

PYQ	ICAI परीक्षा का पिछले वर्ष का प्रश्न (माह एवं वर्ष दर्शाए गए हैं)
RTP / MTP	ICAI Revision Test Paper / Mock Test Paper (S1, S2 = शृंखला / series)
MQ / Model Q (आदर्श प्रश्न)	Shuchita Model Question, Study Material के किसी खण्ड पर आधारित
★★★ ★★ ★	ICAI द्वारा 6 या अधिक बार पूछा गया · 3 – 5 बार · एक या दो बार
MQ (महत्त्व)	अब तक केवल Model Questions में आया
SM में नहीं	तथ्य परीक्षा में पूछा गया है, पर Study Material में नहीं दिया गया; One-liner ICAI की उत्तर-कुंजी (key) का अनुसरण करता है

अध्याय-क्रमांक। यह पुस्तिका Scanner के अध्याय-क्रम का अनुसरण करती है। July 2026 Study Material में राष्ट्रीय आय का निर्धारण (Determination of National Income) अध्याय 6 है तथा व्यापार चक्र (Business Cycles) अध्याय 5; यहाँ वे क्रमशः अध्याय 5 और 6 हैं, और उनके Study Material पृष्ठ-संदर्भों में Study Material की अपनी संख्याएँ (6.x तथा 5.x) ही दी गई हैं।

अध्याय एक दृष्टि में

अ.	अध्याय	प्रश्न	One-liners	पुनरावृत्ति बिन्दु	★★★ अंश
1	व्यावसायिक अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र (Nature and Scope of Business Economics)	170	67	50	56%
2	माँग एवं पूर्ति का सिद्धान्त (Theory of Demand and Supply)	345	165	93	57%
3	उत्पादन एवं लागत का सिद्धान्त (Theory of Production and Cost)	248	107	66	56%
4	विभिन्न बाज़ारों में मूल्य-निर्धारण (Price Determination in Different Markets)	376	128	102	54%
5	राष्ट्रीय आय का निर्धारण (Determination of National Income)	270	133	74	28%
6	व्यापार चक्र (Business Cycles)	191	58	40	74%
7	लोक वित्त (Public Finance)	259	174	86	17%
8	मुद्रा बाज़ार (Money Market)	201	101	53	43%
9	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade)	257	165	85	22%
10	भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy)	178	113	45	43%
	कुल	**2,495**	**1,211**	**694**	

Prof. Arun Kumar
प्रधान सम्पादक (Editor-in-Chief), Shuchita Prakashan Pvt. Ltd.
अक्टूबर 2026

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना-टिप्पणी 1

अध्याय 1 व्यावसायिक अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र (Nature and Scope of Business Economics) 7

इकाई 1: प्रस्तावना (Introduction) 7

विषय 1.0 प्रस्तावना (Introduction) 7
विषय 1.1 Business Economics की परिभाषाएँ (Definitions of Business Economics) 8
विषय 1.2 Business Economics की प्रकृति (Nature of Business Economics) 8
विषय 1.3 Business Economics का विषय-क्षेत्र (Scope of Business Economics) 10
विषय 1.4 Economics तथा Business Economics में अन्तर (Difference between Economics and Business Economics) 11

इकाई 2: अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएँ तथा मूल्य-तन्त्र की भूमिका (Basic Problems of an Economy and Role of Price Mechanism) 12

विषय 2.0 अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएँ (Basic Problems of an Economy) 12
विषय 2.1 पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy) 13
विषय 2.2 समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy) 14
विषय 2.3 मिश्रित अर्थव्यवस्था (The Mixed Economy) 16

भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet) 17

अध्याय 2 माँग एवं पूर्ति का सिद्धान्त (Theory of Demand and Supply) 20

इकाई 1: माँग का नियम एवं माँग की लोच (Law of Demand and Elasticity of Demand) 20

विषय 1.0 माँग का अर्थ (Meaning of Demand) 20
विषय 1.1 माँग किससे तय होती है (What Determines Demand) 21
विषय 1.2 माँग फलन (The Demand Function) 23
विषय 1.3 माँग का नियम (Law of Demand) 24
विषय 1.4 माँग का विस्तार एवं संकुचन (Expansion and Contraction of Demand) 26
विषय 1.5 माँग की लोच (Elasticity of Demand) 27
विषय 1.6 माँग की आय-लोच (Income Elasticity of Demand) 31
विषय 1.7 माँग की तिरछी मूल्य-लोच (Cross-Price Elasticity of Demand) 31
विषय 1.8 विज्ञापन-लोच (Advertisement Elasticity) 32

इकाई 2: उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त (Theory of Consumer Behaviour) 33

विषय 2.0 मानवीय आवश्यकताओं की प्रकृति (Nature of Human Wants) 33
विषय 2.1 आवश्यकताओं का वर्गीकरण (Classification of Wants) 33
विषय 2.2 TU तथा MU का सम्बन्ध (Relationship between TU & MU) 34
विषय 2.3 घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम (Law of Diminishing Marginal Utility) 34
विषय 2.4 उपभोक्ता की बचत (Consumer Surplus) 35
विषय 2.5 तटस्थता-वक्र विश्लेषण (Indifference Curve Analysis) 36

इकाई 3: पूर्ति (Supply) 38

विषय 3.0 प्रस्तावना (Introduction) 38
विषय 3.1 पूर्ति के निर्धारक (Determinants of Supply) 39
विषय 3.2 पूर्ति का नियम (Law of Supply) 39
विषय 3.3 पूर्ति-रेखा पर गति — पूर्ति की मात्रा में वृद्धि अथवा कमी (Movements on Supply Curve-increase or decrease in the quantity supplied) 40
विषय 3.4 पूर्ति-रेखा का खिसकना — पूर्ति में वृद्धि अथवा कमी (Shifts in Supply Curve-increase or decrease in supply) 40
विषय 3.5 पूर्ति की लोच (Elasticity of Supply) 40
विषय 3.6 सन्तुलन मूल्य (Equilibrium Price) 42

भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet) 43

अध्याय 3 उत्पादन एवं लागत का सिद्धान्त (Theory of Production and Cost) 48

इकाई 1: उत्पादन का सिद्धान्त (Theory of Production) 48

विषय 1.0 उत्पादन का अर्थ (Meaning of Production) 48
विषय 1.1 उत्पादन के साधन (Factors of Production) 49
विषय 1.2 उत्पादन फलन (Production Function) 52
विषय 1.3 उत्पादन का इष्टतमीकरण (Production Optimisation) 55

इकाई 2: लागत का सिद्धान्त (Theory of Cost) 55

विषय 2.0 लागत की अवधारणाएँ (Cost Concepts) 55

विषय 2.1 लागत फलन (Cost Function)....58
विषय 2.2 अल्पकालीन कुल लागत (Short Run Total Cost)....58
विषय 2.3 दीर्घकालीन औसत लागत रेखा (Long Run Average Cost Curve)....60
विषय 2.4 पैमाने की बचतें एवं अपव्यय (Economies & Diseconomies of Scale)....61
भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)....63

अध्याय 4 विभिन्न बाज़ारों में मूल्य-निर्धारण (Price Determination in Different Markets)....67
इकाई 1: बाज़ार का अर्थ एवं प्रकार (Meaning and Types of Markets)....67
विषय 1.0 बाज़ार का अर्थ (Meaning of Market)....67
विषय 1.1 बाज़ार-संरचनाओं के प्रकार (Types of Market Structures)....69
विषय 1.2 TR, AR एवं MR की अवधारणाएँ (Concepts of Total Revenue, Average Revenue and Marginal Revenue)....70
इकाई 2: मूल्यों का निर्धारण (Determination of Prices)....72
विषय 2.0 प्रस्तावना (Introduction)....72
विषय 2.1 मूल्यों का निर्धारण — एक सामान्य दृष्टि (Determination of Prices - A General View)....72
विषय 2.2 माँग एवं पूर्ति में परिवर्तन (Changes in Demand and Supply)....73
विषय 2.3 माँग एवं पूर्ति में एक साथ परिवर्तन (Simultaneous Changes in Demand and Supply)....73
इकाई 3: विभिन्न बाज़ार-रूपों में मूल्य एवं उत्पादन का निर्धारण (Price-Output Determination under Different Market Forms)....74
विषय 3.0 पूर्ण प्रतिस्पर्धा (Perfect Competition)....74
विषय 3.1 एकाधिकार (Monopoly)....77
विषय 3.2 अपूर्ण प्रतिस्पर्धा — एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा (Imperfect Competition-Monopolistic Competition)....80
विषय 3.3 अल्पाधिकार (Oligopoly)....82
भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)....85

अध्याय 5 राष्ट्रीय आय का निर्धारण (Determination of National Income)....91
इकाई 1: राष्ट्रीय आय लेखांकन (National Income Accounting)....91
विषय 1.1 राष्ट्रीय आय लेखांकन (National Income Accounting)....91
विषय 1.2 राष्ट्रीय आय के अनुमानों की उपयोगिता एवं महत्त्व (Usefulness and Significance of National Income Estimates)....91
विषय 1.3 राष्ट्रीय आय की विभिन्न अवधारणाएँ (Different Concepts of National Income)....92
विषय 1.4 भारत में राष्ट्रीय आय का मापन (Measurement of National Income in India)....96
विषय 1.5 भारत में क्षेत्रीय लेखा प्रणाली (The System of Regional Accounts in India)....99
विषय 1.6 GDP तथा कल्याण (GDP and Welfare)....99
विषय 1.7 राष्ट्रीय आय की गणना की सीमाएँ एवं चुनौतियाँ (Limitations and Challenges of National Income Computation)....100
इकाई 2: राष्ट्रीय आय निर्धारण का Keynes सिद्धान्त (The Keynesian Theory of Determination of National Income)....100
विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)....100
विषय 2.2 सरल द्वि-क्षेत्रीय मॉडल में चक्रीय प्रवाह (Circular flow in a Simple Two-Sector Model)....101
विषय 2.3 मूल अवधारणाएँ एवं फलन (Basic Concepts and Functions)....102
विषय 2.4 राष्ट्रीय आय निर्धारण का द्वि-क्षेत्रीय मॉडल (The Two-Sector Model of National Income Determination)....104
विषय 2.5 विनियोग गुणक (The Investment Multiplier)....105
विषय 2.6 सन्तुलन आय का निर्धारण — त्रि-क्षेत्रीय मॉडल (Determination of Equilibrium Income: Three Sector Model)....106
विषय 2.7 सन्तुलन आय का निर्धारण — चतुर्-क्षेत्रीय मॉडल (Determination of Equilibrium Income: Four Sector Model)....107
विषय 2.8 निष्कर्ष (Conclusion)....107
भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)....109

अध्याय 6 व्यापार चक्र (Business Cycles)....113
व्यापार चक्र (Business Cycles)....113
विषय 6.0 प्रस्तावना (Introduction)....113
विषय 6.1 व्यापार चक्र की अवस्थाएँ (Phase of Business Cycle)....114
विषय 6.2 व्यापार चक्र के लक्षण (Features of Business Cycle)....118
विषय 6.3 व्यापार चक्र के कारण (Causes of Business Cycles)....119
विषय 6.4 व्यावसायिक निर्णयों में व्यापार चक्र की प्रासंगिकता (Relevance of Business Cycles in Business Decision Making)....121
भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)....122

अध्याय 7 लोक वित्त (Public Finance)....125
इकाई 1: राजकोषीय कार्य — एक अवलोकन, तथा केन्द्र एवं राज्य का वित्त (Fiscal Functions: An Overview, Centre and State Finance) 125
विषय 1.2 आर्थिक प्रणाली में सरकार की भूमिका (The Role of Government in an Economic System)....125

विषय 1.3 आवंटन कार्य (The Allocation Function)....125
विषय 1.4 पुनर्वितरण कार्य (The Redistribution Function)....126
विषय 1.5 स्थिरीकरण कार्य (Stabilization Function)....127
इकाई 2: बाज़ार की विफलता तथा उसे सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Market Failure/Government Intervention to Correct Market Failure)....130
विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)....130
विषय 2.2 बाज़ार की विफलता की अवधारणा (The Concept of Market Failure)....130
विषय 2.3 बाज़ार विफल क्यों होते हैं (Why Do Market Fail)....131
विषय 2.4 सार्वजनिक वस्तुएँ (Public Goods)....132
विषय 2.5 अपूर्ण सूचना (Incomplete Information)....133
विषय 2.6 बाज़ार-शक्ति न्यूनतम करने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention to Minimize Market Power)....134
विषय 2.7 Externalities सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention to Correct Externalities)....134
विषय 2.8 Merit goods के सन्दर्भ में सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention in The Case of Merit Goods)....135
विषय 2.12 सूचना-विफलता सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention for Correcting Information Failure)....135
इकाई 3: बजट बनाने की प्रक्रिया — राजस्व के स्रोत, व्यय-प्रबन्धन तथा लोक ऋण का प्रबन्धन (The Process of Budget Making: Sources of Revenue, Expenditure Management and Management of Public Debt)....135
विषय 3.1 प्रस्तावना (Introduction)....135
विषय 3.2 बजट बनाने की प्रक्रिया (The Process of Budget Making)....137
विषय 3.3 राजस्व के स्रोत (Sources of Revenue)....138
विषय 3.4 सार्वजनिक व्यय का प्रबन्धन (Public Expenditure Management)....139
विषय 3.5 लोक ऋण का प्रबन्धन (Public Debt Management)....141
इकाई 4: राजकोषीय नीति (Fiscal Policy)....143
विषय 4.1 प्रस्तावना (Introduction)....143
विषय 4.2 राजकोषीय नीति के उद्देश्य (Objectives of Fiscal Policy)....144
विषय 4.3 राजकोषीय नीति के प्रकार (Types of Fiscal Policy)....145
विषय 4.4 राजकोषीय नीति के उपकरण (The Instruments of Fiscal Policy)....146
भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)....148

अध्याय 8 मुद्रा बाज़ार (Money Market)....153
इकाई 1: मुद्रा की माँग की अवधारणा — प्रमुख सिद्धान्त (The Concept of Money Demand: Important Theories)....153
विषय 1.1 प्रस्तावना (Introduction)....153
विषय 1.2 मुद्रा की माँग (The Demand for Money)....153
विषय 1.3 मुद्रा की माँग के सिद्धान्त (Theories of Demand for Money)....154
विषय 1.4 मुद्रा-माँग के सिद्धान्त में Keynes-उत्तर विकास (Post-Keynesian Developments in the Theory of Demand for Money)....156
विषय 1.5 निष्कर्ष (Conclusion)....158
इकाई 2: मुद्रा की पूर्ति की अवधारणा (The Concept of Money Supply)....158
विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)....158
विषय 2.2 मुद्रा-पूर्ति के मापन का औचित्य (Rationale of Measuring Money Supply)....159
विषय 2.3 मुद्रा-पूर्ति के स्रोत (The Sources of Money Supply)....159
विषय 2.4 मुद्रा-पूर्ति का मापन (Measurement of Money Supply)....160
विषय 2.5 मुद्रा-पूर्ति के निर्धारक (Determinants of Money Supply)....161
विषय 2.6 मुद्रा गुणक की अवधारणा (The Concept of Money Multiplier)....162
विषय 2.7 मुद्रा-पूर्ति का गुणक दृष्टिकोण (The Money Multiplier Approach to Supply of Money)....162
विषय 2.8 मौद्रिक नीति तथा मुद्रा-पूर्ति (Monetary Policy and Money Supply)....163
विषय 2.9 मुद्रा-पूर्ति पर सरकारी व्यय का प्रभाव (Effect of Government Expenditure on Money Supply)....163
इकाई 3: मौद्रिक नीति (Monetary Policy)....163
विषय 3.1 प्रस्तावना (Introduction)....163
विषय 3.2 मौद्रिक नीति की परिभाषा (Monetary Policy Defined)....163
विषय 3.3 मौद्रिक नीति का ढाँचा (The Monetary Policy Framework)....164
विषय 3.4 मौद्रिक नीति के निर्णयों का संगठनात्मक ढाँचा (The Organisational Structure for Monetary Policy Decisions)....166
विषय 3.5 निष्कर्ष (Conclusion)....167
भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)....168

अध्याय 9 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade) **171**

इकाई 1: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त (Theories of International Trade) **171**

विषय 1.1 प्रस्तावना (Introduction) 171

विषय 1.2 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख सिद्धान्त (Important Theories of International Trade) 172

इकाई 2: व्यापार नीति के उपकरण (The Instruments of Trade Policy) **173**

विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction) 173

विषय 2.2 प्रशुल्क (Tariffs) 174

विषय 2.3 ग़ैर-प्रशुल्क उपाय — NTMs (Non-Tariff Measures) 176

विषय 2.4 निर्यात-सम्बन्धी उपाय (Export-Related Measures) 178

इकाई 3: व्यापार वार्ताएँ (Trade Negotiations) **178**

विषय 3.1 प्रस्तावना (Introduction) 178

विषय 3.2 क्षेत्रीय व्यापार समझौतों (RTAs) का वर्गीकरण (Taxonomy of Regional Trade Agreements) 178

विषय 3.3 प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता — GATT (The General Agreement on Tariffs and Trade) 179

विषय 3.4 Uruguay Round तथा WTO की स्थापना (The Uruguay Round and the Establishment of WTO) 179

विषय 3.5 विश्व व्यापार संगठन — WTO (The World Trade Organisation) 180

विषय 3.6 Doha Round (The Doha Round) 183

विषय 3.7 G 20 अर्थव्यवस्थाएँ (Economies): व्यापार को सुगम बनाना (Facilitating Trade) 184

इकाई 4: विनिमय दर तथा उसके आर्थिक प्रभाव (Exchange Rate and its Economic Effects) **184**

विषय 4.1 प्रस्तावना (Introduction) 184

विषय 4.2 विनिमय दर (The Exchange Rate) 184

विषय 4.3 विनिमय दर की प्रणालियाँ (The Exchange Rate Regimes) 184

विषय 4.4 Nominal बनाम Real विनिमय दर (Nominal versus Real Exchange Rates) 186

विषय 4.5 विदेशी मुद्रा बाज़ार (The Foreign Exchange Market) 186

विषय 4.6 Nominal विनिमय दर का निर्धारण (Determination of Nominal Exchange Rate) 187

विषय 4.7 विनिमय दरों में परिवर्तन (Changes in Exchange Rates) 188

विषय 4.8 Devaluation बनाम Depreciation 189

विषय 4.9 घरेलू अर्थव्यवस्था पर विनिमय दर के उतार-चढ़ाव का प्रभाव (Impacts of Exchange Rate Fluctuation on Domestic Economy) 189

इकाई 5: अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी-प्रवाह (International Capital Movements) **190**

विषय 5.2 विदेशी पूँजी के प्रकार (Type of Foreign Capital) 190

विषय 5.3 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (Foreign Direct Investment, FDI) 191

विषय 5.4 विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेश (Foreign Portfolio Investment, FPI) 192

विषय 5.5 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के कारण (Reason for Foreign Direct Investment) 192

विषय 5.6 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के प्रकार (Modes of Foreign Direct Investment) 193

विषय 5.7 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लाभ (Benefits of Foreign Direct Investment) 194

विषय 5.8 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से जुड़ी सम्भावित समस्याएँ (Potential Problems Associated with Foreign Direct Investment) 194

विषय 5.9 भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (Foreign Direct Investment in India, FDI) 195

विषय 5.10 भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश (Overseas Direct Investment by Indian Companies) 195

भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet) **197**

अध्याय 10 भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy) **202**

भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy) **202**

विषय 10.1 भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति — स्वतन्त्रता-पूर्व काल (1850-1947) (Status of Indian Economy: Pre Independence Period) 202

विषय 10.2 भारतीय अर्थव्यवस्था — स्वतन्त्रता के बाद (1947-1991) (Indian Economy: Post Independence) 203

विषय 10.4 1991 के आर्थिक सुधार (The Economic Reforms) 205

विषय 10.5 1991 के सुधारों के बाद GDP वृद्धि-दर (GDP Growth Rates) 209

विषय 10.6 NITI Aayog — भारत के रूपान्तरण का साहसिक क़दम (NITI Aayog: A Bold Step for Transforming India) 209

विषय 10.7 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान दशा — एक संक्षिप्त अवलोकन (The current state of the Indian Economy: A brief overview) 211

विषय 10.8 निष्कर्ष (Conclusion) 215

भाग B — पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet) **216**

अध्याय 1

व्यावसायिक अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र (Nature and Scope of Business Economics)

170 Scanner प्रश्न · 67 One-liners · 50 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: प्रस्तावना (Introduction)

SM अध्याय 1, इकाई 1, पृष्ठ 1.2 – 1.15

विषय 1.0 प्रस्तावना (Introduction)

17 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 11 · RTP – · MTP 12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.1	Adam Smith की 'An Inquiry into the Nature and Causes of the Wealth of Nations' (1776), संक्षेप में 'The Wealth of Nations', Economics की पहली आधुनिक कृति है।	Q1, Q4, Q7 (+ 1.2 Q12)	PYQ 2018-May, 2019-Nov, 2021-Jan, 2021-Jul, 2023-Dec; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	1.0.1, p. 1.2
1.0.2	'Economics' शब्द ग्रीक शब्द 'Oikonomia' से बना है, जिसका अर्थ है 'household' (गृहस्थी); 19वीं शताब्दी तक इसे 'Political Economy' कहा जाता था।	Q8	PYQ 2023-Dec	1.0.1, p. 1.2
1.0.3	Economics की विषय-वस्तु दो मूल तथ्यों से बनती है: मानव की आवश्यकताएँ (wants) असीमित हैं, और उन्हें पूरा करने के साधन अपेक्षाकृत दुर्लभ (relatively scarce) हैं — इसलिए सभी आवश्यकताएँ कभी पूरी तरह सन्तुष्ट नहीं हो सकतीं।	Q2, Q12, Q16	PYQ 2018-Nov; MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S2	1.0.1, p. 1.3
1.0.4	Economics में scarcity सदैव सापेक्ष (relative) होती है — समाज की आवश्यकताओं की तुलना में मापी जाती है — कभी निरपेक्ष (absolute) नहीं; economic goods इसलिए दुर्लभ हैं क्योंकि उनकी मात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।	Q3, Q6 (+ 1.3 Q2)	PYQ 2019-May, 2019-Nov, 2021-Jan	1.0.1, p. 1.3
1.0.5	साधनों की scarcity ही सभी आर्थिक समस्याओं की जड़ है।	Q5, Q9	PYQ 2020-Nov, 2022-Dec, 2023-Dec	1.0.1, p. 1.3 तथा आरेख (diagram) p. 1.5
1.0.6	असीमित लक्ष्य (unlimited ends) और सीमित साधन (limited means) मिलकर चुनाव की समस्या (problem of choice) पैदा करते हैं; हर चुनाव में (चाहे झपकी लेना हो या university जाना) एक trade-off होता है।	Q13, Q17	MTP 2025-Aug S2, 2025-Aug S1, 2026-Apr S2	1.0.1, p. 1.3
1.0.7	Rational decision-making का अर्थ है विकल्पों का मूल्यांकन करके वह विकल्प चुनना जो सबसे अधिक (अधिकतम सम्भव) सन्तुष्टि दे।	Q11	MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	1.0.1, p. 1.3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.8	Business एक आर्थिक क्रिया (economic activity) है — inputs (land, labour, capital, entrepreneurship) को output में बदलकर net value added पैदा करना; charitable dispensary जैसे NPOs भी 'social benefit' के लिए आर्थिक क्रिया करते हैं।	Q15	MTP 2026-Apr S2	1.0.0, p. 1.2
1.0.9	Business Economics आर्थिक सिद्धान्त (economic theory) तथा decision science के औज़ारों का प्रयोग करके किसी संगठन को अपने उद्देश्य सबसे कुशलता से प्राप्त करने में सहायता करती है, और प्रबन्धन को अनिश्चितता में निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक एवं मात्रात्मक औज़ार (जैसे break-even analysis) देती है।	Q10, Q14	MTP 2025-Jan S2, 2026-Apr S1	1.0.2, p. 1.7

विषय 1.1 Business Economics की परिभाषाएँ (Definitions of Business Economics)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 6 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	Joel Dean ने Business Economics को व्यावसायिक नीतियाँ बनाने (formulation of business policies) में आर्थिक विश्लेषण (economic analysis) के प्रयोग के रूप में परिभाषित किया।	Q1	PYQ 2018-May	1.1, p. 1.7
1.1.2	Business Economics को Managerial Economics भी कहते हैं; यह Applied Economics है जो आर्थिक सिद्धान्त और व्यावसायिक व्यवहार (business practice) के बीच की खाई को भरती है; और यह मूलतः Micro Economics से सम्बन्धित है।	Q2, Q5	PYQ 2018-Nov, 2024-Sep	1.0.2 and 1.1, p. 1.7; 1.2, p. 1.9
1.1.3	Applied Economics के रूप में Business Economics चुनी हुई quantitative techniques का प्रयोग करती है: linear programming, regression analysis, capital budgeting, break-even analysis तथा cost analysis।	Q3 (+ 1.3 Q4)	PYQ 2019-May, 2021-Jul	1.1, p. 1.7
1.1.4	अर्थव्यवस्था (economy) दो तथ्यों के कारण अस्तित्व में है: मानव की आवश्यकताएँ असीमित हैं और साधन (अपेक्षाकृत) दुर्लभ हैं।	Q4, Q6	PYQ 2021-Jan, 2025-May	1.0.1, p. 1.3; Summary, p. 1.14

विषय 1.2 Business Economics की प्रकृति (Nature of Business Economics)

51 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 49 · RTP 4 · MTP 16

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	Economics मोटे तौर पर दो भागों में बँटा है — Micro Economics और Macro Economics; Managerial Economics, Economics की एक शाखा है, परन्तु 'family structure' **नहीं** है।	Q1, Q24	PYQ 2018-Nov, 2023-Jun	1.2, p. 1.8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.2	Micro Economics किसी आर्थिक प्रणाली के भीतर विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों (consumers, firms, resource owners) के व्यवहार का अध्ययन है — व्यक्तिगत इकाइयाँ अपने दुर्लभ साधनों का आवंटन कैसे करती हैं और वस्तुओं, सेवाओं तथा साधनों के मूल्य कैसे निर्धारित होते हैं। (इसे 'price theory' भी कहते हैं।)	Q7, Q9, Q13, Q20, Q47, Q49	PYQ 2019-Nov, 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Jul, 2022-Jun; RTP 2025-Sep, 2026-Jan	1.2, p. 1.8 ('price theory' शब्द SM में नहीं है)
1.2.3	Micro Economics इनका अध्ययन करता है: product pricing; consumer behaviour; factor pricing; लोगों के किसी वर्ग की आर्थिक स्थिति; फर्मों का व्यवहार; तथा उद्योग की अवस्थिति (location of industry)। फर्म-स्तर के विषय — staff की आवश्यकता, product pricing, outlet की अवस्थिति, किसी उद्योग में मज़दूरी, demand forecasting, cost एवं inventory analysis — सभी Micro हैं।	Q16, Q17, Q25, Q36, Q37, Q39, Q41, Q45	PYQ 2021-Dec (×4), 2023-Jun, 2024-Sep, 2025-May, 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S1	1.2, p. 1.8
1.2.4	Macro Economics सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का अध्ययन करता है — बड़े आर्थिक समूहों (aggregates) का (इसीलिए 'aggregate economics'): national income एवं output; general price level एवं interest rates; balance of trade एवं balance of payments; मुद्रा का बाह्य मूल्य (external value of currency); कुल बचत एवं निवेश; रोज़गार का स्तर एवं आर्थिक संवृद्धि। Consumer behaviour और फर्मों का व्यवहार Macro **नहीं** हैं।	Q6, Q11, Q14, Q18, Q23, Q28, Q35, Q40, Q43	PYQ 2019-May, 2019-Nov, 2021-Jan (×2), 2021-Jul, 2021-Dec, 2022-Dec, 2024-Jun, 2025-Jan, 2025-Sep, 2026-May; RTP 2026-Jan; MTP 2025-May S2	1.2, pp. 1.8 – 1.9
1.2.5	Business Economics मूलतः Micro Economics से सम्बन्धित है, परन्तु इसमें Macro विश्लेषण के तत्त्व भी शामिल हैं क्योंकि फर्म शून्य (vacuum) में काम नहीं करती — general price level, आय एवं रोज़गार के स्तर, कराधान, ब्याज एवं विनिमय दरें, सभी उसके निर्णयों को प्रभावित करते हैं।	Q2, Q46	PYQ 2018-Nov; MTP 2025-Aug S2	1.2, pp. 1.9 – 1.10
1.2.6	Business Economics की प्रकृति (आठ बिन्दु): यह एक Science है; Micro Economics पर आधारित है; Macro विश्लेषण के तत्त्व समेटे है; यह एक Art है; बाज़ारों एवं निजी उद्यम (theory of markets and private enterprise) के सिद्धान्त का प्रयोग करती है; दृष्टिकोण में Pragmatic है; प्रकृति में Interdisciplinary है; प्रकृति में Normative है। 'Abstract and purely theoretical' इसका वर्णन **नहीं** है।	Q3, Q4, Q34, Q44, Q46	PYQ 2018-Nov, 2019-May, 2025-Jan; MTP 2025-Apr S1 (×2), 2025-May S2, 2025-Aug S1, 2025-Aug S2	1.2, pp. 1.9 – 1.10
1.2.7	Business Economics अन्तर-विषयक (interdisciplinary) है — यह Mathematics, Operations Research, Management Theory, Accounting, Marketing, Finance, Statistics तथा Econometrics से औज़ार लेती है।	Q3, Q4, Q44	PYQ 2018-Nov, 2019-May; MTP 2025-Apr S1 (×2), 2025-May S2, 2025-Aug S1	1.2, p. 1.10
1.2.8	Pragmatic दृष्टिकोण: Micro Economics अमूर्त (abstract) और विशुद्ध सैद्धान्तिक है तथा अवास्तविक मान्यताओं (unrealistic assumptions) के अन्तर्गत घटनाओं का विश्लेषण करता है; इसके विपरीत Business Economics वास्तविक जगत में फर्मों के सामने आने वाली व्यावहारिक समस्याओं से जूझती है।	Q10, Q15, Q22, Q26, Q27, Q34	PYQ 2020-Nov (×2), 2021-Jul, 2022-Jun, 2023-Dec, 2024-Jun, 2025-Jan	1.2, p. 1.10

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.9	Positive economics कारण-परिणाम (cause-and-effect) का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करता है, 'what is' (क्या है) बताता है और इसमें कोई value judgement नहीं होता; Normative economics में value judgements होते हैं, यह prescriptive है, 'what should be / ought to be' (क्या होना चाहिए) बताता है और इसमें कल्याण (welfare) के विचार निहित होते हैं। कराधान में incidence तथा incentives पर प्रभाव positive हैं; 'fairness' normative है।	Q5, Q8, Q19, Q21, Q29, Q31, Q32, Q42, Q51	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Dec, 2022-Jun, 2024-Jun, 2025-Jan, 2026-Jan; RTP 2025-May; MTP 2024-Aug S2, 2024-Aug, 2025-Apr S1, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	1.2, p. 1.10
1.2.10	Business Economics सामान्यतः normative (prescriptive) है — यह नीति-निर्माण, निर्णय-निर्धारण और नियोजन में बताती है कि क्या किया जाना चाहिए — परन्तु यह normative और positive दोनों सिद्धान्तों के मूल तत्त्वों को जोड़ती है, और ज़ोर normative पर रहता है।	Q30, Q50	PYQ 2024-Jun; MTP 2026-Apr S1	1.2, pp. 1.10 – 1.11
1.2.11	Business Economics, Economics की applied branch है (इसका उलटा नहीं), इसका विषय-क्षेत्र अपेक्षाकृत संकुचित है, यह किसी विशेष business entity में उचित निर्णय-निर्धारण से सम्बन्धित है, और demand, supply तथा profit जैसे micro-स्तर के विषयों का विश्लेषण करती है।	Q38	PYQ 2024-Jun, 2025-May	1.4 table, p. 1.13
1.2.12	Macro-economic stability तब होती है जब inflation कम और स्थिर हो, कुल व्यय (total spending) कुल उत्पादन (total output) के बराबर हो, और श्रम-संसाधन पूर्णतः रोज़गार में हों।	Q33	MTP 2024-Aug	SM अध्याय 1 में नहीं (केवल MTP)
1.2.13	Economics में हमारा सम्बन्ध exchange value (value in exchange) से है, value in use से नहीं।	Q48	MTP 2025-Dec S1	SM अध्याय 1 में नहीं (केवल MTP)
1.2.14	*विषय 1.0 देखें: 'The Wealth of Nations' — Adam Smith।*	Q12	PYQ 2021-Jul	1.0.1, p. 1.2 (1.0 Q7 की दोहरी प्रविष्टि)

विषय 1.3 Business Economics का विषय-क्षेत्र (Scope of Business Economics)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.1	आर्थिक सिद्धान्त दो श्रेणियों के व्यावसायिक मुद्दों पर लागू होता है: internal या operational issues (Micro Economics से हल) तथा external या environmental issues (Macro Economics से हल)।	Q9	PYQ 2026-Sep	1.3, p. 1.11
1.3.2	Internal issues पर लागू Micro सिद्धान्त: Demand analysis and forecasting; Production and cost analysis; Inventory management; Market structure and pricing policies; Resource allocation; Theory of capital and investment decisions (capital budgeting); Profit analysis; Risk and uncertainty analysis। Accounting standards और 'cost standards' इसके विषय-क्षेत्र में **नहीं** आते।	Q1, Q3, Q5, Q7	PYQ 2019-Nov, 2021-Jul, 2021-Dec; MTP 2025-May S2, 2026-Apr S1	1.3, pp. 1.11 – 1.12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.3	प्रमुख macro-economic (external) कारक: आर्थिक प्रणाली का प्रकार; business cycle की अवस्था; national income, रोज़गार, मूल्य, बचत एवं निवेश की सामान्य प्रवृत्तियाँ; सरकार की आर्थिक नीतियाँ; central banks, financial sector तथा capital market की कार्यप्रणाली; सामाजिक-आर्थिक संगठन (trade unions, cooperatives); सामाजिक एवं राजनीतिक वातावरण। प्रबन्धन का इन पर **कोई नियन्त्रण नहीं** होता, इसलिए उसे इनके प्रतिकूल प्रभाव कम करने के लिए अपनी नीतियों को सूक्ष्मता से समायोजित (fine-tune) करना पड़ता है।	Q6, Q8	PYQ 2026-Sep; MTP 2025-Dec S1	1.3, pp. 1.12 – 1.13
1.3.4	*विषय 1.1 देखें: Applied Economics की quantitative techniques — 'economic analysis' सूचीबद्ध techniques में से एक **नहीं** है।*	Q4	PYQ 2021-Jul	1.1, p. 1.7
1.3.5	*विषय 1.0 देखें: Economics में scarcity सापेक्ष (relative) है, निरपेक्ष (absolute) नहीं।*	Q2	PYQ 2019-Nov	1.0.1, p. 1.3

विषय 1.4 Economics तथा Business Economics में अन्तर (Difference between Economics and Business Economics)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.1	Economics की scarcity definition, Lionel Robbins से जुड़ी है (Scanner/MTP में 'Robinson' छपा है — Editorial Note 1 देखें)। SM अध्याय 1 यह परिभाषा किसी के नाम से नहीं देता।	Q1	MTP 2025-Aug S1	SM अध्याय 1 में नहीं
1.4.2	Economics बनाम Business Economics — Economics सिद्धान्त गढ़ता है, micro और macro दोनों है, positive और normative दोनों है, विषय-क्षेत्र व्यापक है, उत्पादन से उपभोग तक के सभी सिद्धान्त समेटता है, और Business Economics इसकी applied branch है; Business Economics सिद्धान्तों को लागू करती है, स्वभाव से micro है, केवल normative है, विषय-क्षेत्र संकुचित है, profit theory एवं micro विषयों (demand, supply, profit) से सम्बन्धित है, व्यावसायिक समस्या के आर्थिक एवं ग़ैर-आर्थिक दोनों पक्षों पर विचार करती है, और लागू करने पर इसकी कुछ मान्यताएँ अमान्य हो जाती हैं।	(+ 1.2 Q38)	PYQ 2024-Jun, 2025-May	1.4 table, pp. 1.13 – 1.14

इकाई 2: अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएँ तथा मूल्य-तन्त्र की भूमिका (Basic Problems of an Economy and Role of Price Mechanism)

SM अध्याय 1, इकाई 2, पृष्ठ 1.16 – 1.27

विषय 2.0 अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएँ (Basic Problems of an Economy)

16 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 16 · RTP 1 · MTP 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.1	केन्द्रीय आर्थिक समस्या (central economic problem) आवश्यकताओं की तुलना में साधनों की scarcity है; यह इसलिए उत्पन्न होती है कि साधन सीमित हैं **और** उनके वैकल्पिक उपयोग (alternative uses) हैं — यदि साधन असीमित होते, या उनका केवल एक ही उपयोग होता, तो कोई आर्थिक समस्या उत्पन्न न होती।	Q3, Q5	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun, 2023-Jun	2.0, p. 1.16
2.0.2	केन्द्रीय समस्या चार मूल आर्थिक समस्याओं में बँटती है: What to produce? (क्या उत्पादन करें?) How to produce? (कैसे उत्पादन करें?) For whom to produce? (किसके लिए उत्पादन करें?) What provisions are to be made for economic growth? (आर्थिक संवृद्धि के लिए क्या प्रावधान करें?) ('Where' और 'When' to produce, तथा FDI स्वीकार करें या नहीं — ये मूल समस्याएँ **नहीं** हैं।)	Q2, Q4, Q10, Q12	PYQ 2021-Jul, 2022-Dec (×2), 2023-Dec, 2025-Jan, 2026-May	2.0, pp. 1.16 – 1.17
2.0.3	'What to produce' में दोनों बातें आती हैं — कौन-सी वस्तुएँ एवं सेवाएँ उत्पादित हों और प्रत्येक की कितनी इकाइयाँ (guns vs butter; capital goods vs consumer goods); market economy में यह market demand और profit signals से निर्देशित होता है।	Q8, Q15	PYQ 2023-Dec; MTP 2026-Apr S1	2.0 (i), p. 1.17; 2.1.0, p. 1.20
2.0.4	Capital goods (मशीनें, उपकरण, बाँध) का अधिक उत्पादन भविष्य की उत्पादन-क्षमता बढ़ाता है और भविष्य में अधिक उत्पादन की ओर ले जाता है।	Q6	PYQ 2019-Nov, 2023-Dec; MTP 2025-Aug S1	2.0 (i) and (iv), pp. 1.17 – 1.18
2.0.5	'How to produce' तकनीक का चुनाव है — labour-intensive या capital-intensive — जो साधनों की उपलब्धता और उनके सापेक्ष मूल्यों पर निर्भर करता है; जहाँ capital अपेक्षाकृत सस्ती हो (capital-surplus economy) वहाँ capital-intensive तकनीक चुनी जाती है, और जहाँ labour अपेक्षाकृत सस्ता हो वहाँ labour-intensive।	Q7, Q11, Q14	PYQ 2023-Dec; RTP 2025-Jan; MTP 2026-Apr S1	2.0 (ii), p. 1.17; 2.1.0, p. 1.20
2.0.6	'For whom to produce' यह तय करता है कि कुल उत्पादन में से किसे कितना मिले — 'national cake' में विभिन्न लोगों का हिस्सा (जैसे अमीरों के लिए उत्पादन करें या गरीबों के लिए)।	Q4	PYQ 2022-Dec	2.0 (iii), pp. 1.17 – 1.18
2.0.7	'Provision for economic growth' का अर्थ है यह तय करना कि भावी प्रगति के लिए कितनी बचत और निवेश — वर्तमान उपभोग का कितना त्याग — किया जाए; सभी साधन वर्तमान उपभोग में लगा देने से जीवन-स्तर स्थिर (stagnant) रह जाता है।	Q16	PYQ 2026-Sep	2.0 (iv), p. 1.18

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.8	आर्थिक प्रणाली (economic system) किसी समाज में वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन और वितरण की व्यवस्थाओं (arrangements/devices) का कुल योग है; उत्पादन, विनिमय, वितरण की पद्धति और सरकार की भूमिका के आधार पर अर्थव्यवस्थाओं को capitalist, socialist और mixed में वर्गीकृत किया जाता है।	Q9	PYQ 2024-Sep	2.0, p. 1.18
2.0.9	जब सापेक्ष लाभप्रदता (relative profitability) बदलती है (जैसे EV का लाभ पारम्परिक वाहनों के लाभ से अधिक हो जाए), तो price mechanism उत्पादकों को अधिक लाभप्रद वस्तु की ओर मोड़ देता है।	Q13	MTP 2026-Apr S1	2.1.0, p. 1.20
2.0.10	*विषय 1.0/1.1 देखें: Business Economics आर्थिक सिद्धान्त को business practice से जोड़ती है।*	Q1	PYQ 2018-Nov	1.0.2, p. 1.7 (इकाई 2 के अन्तर्गत गलत स्थान पर रखा गया)

विषय 2.1 पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy)

28 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 30 · RTP 1 · MTP 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	Capitalism — आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रमुख प्रणाली — वह प्रणाली है जिसमें उत्पादन के सभी साधन (means of production) लाभ के लिए निजी व्यक्तियों के स्वामित्व और नियन्त्रण में होते हैं; इसे free market (free) economy या laissez-faire economy भी कहते हैं (laissez-faire = न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप)। उदाहरण: USA, UK, Hong Kong, South Korea (कोई भी विशुद्ध capitalist नहीं)।	Q7, Q11, Q18, Q23	PYQ (CPT) 2016-Dec, 2019-Nov, 2020-Nov, 2021-Jan, 2023-Jun, 2026-Jan	2.1, pp. 1.18 – 1.19
2.1.2	Capitalist economy की सात विशेषताएँ: निजी सम्पत्ति का अधिकार (right to private property); उद्यम की स्वतन्त्रता (freedom of enterprise); आर्थिक चुनाव की स्वतन्त्रता (freedom of economic choice); profit motive (प्रेरक शक्ति); consumer sovereignty; competition; सरकारी हस्तक्षेप का अभाव। 'Collective ownership' और 'absence of consumer choice' इसकी विशेषताएँ **नहीं** हैं।	Q2, Q10, Q22, Q26, Q28	PYQ 2018-Nov, 2021-Jan, 2025-Sep, 2026-Sep; MTP 2025-May S2	2.1, p. 1.19
2.1.3	Competition, capitalist economy की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता है — यह क्रेताओं और विक्रेताओं में सर्वश्रेष्ठ को सामने लाती है और साधनों के कुशल उपयोग का परिणाम देती है।	Q12	PYQ 2021-Dec	2.1, p. 1.19
2.1.4	Consumer sovereignty (consumer is king) का अर्थ है कि अन्ततः क्रेता ही तय करते हैं कि कौन-सी वस्तुएँ एवं सेवाएँ और कितनी मात्रा में उत्पादित होंगी — यह capitalist / laissez-faire economy की विशेषता है।	Q8, Q16, Q21, Q25	PYQ 2019-Nov, 2022-Dec, 2025-Jan, 2026-May; RTP 2026-May	2.1, p. 1.19

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.5	Capitalist economy में **कोई central planning authority नहीं** होती; यह what, how और for whom to produce को निर्वैयक्तिक price mechanism (demand और supply की market forces) से हल करती है — यह self-regulating है, 'invisible hand' से चलती है, और price ही साधनों के आवंटन का प्रमुख माध्यम है।	Q1, Q4, Q6, Q14, Q17, Q19, Q20	PYQ 2018-May, 2018-Nov, 2019-May, 2019-Nov, 2022-Dec, 2023-Jun, 2023-Dec, 2024-Sep	2.1 and 2.1.0, pp. 1.19 – 1.20
2.1.6	Capitalism में 'how to produce' का निर्णय cost minimisation और profit maximisation से होता है — उद्यमी (entrepreneur) वह तकनीक चुनता है जिससे उत्पादन-लागत न्यूनतम हो।	Q27	MTP 2026-Apr S1	2.1.0, p. 1.20
2.1.7	Capitalism के गुण (merits): price mechanism द्वारा self-regulating; निजी सम्पत्ति और profit motive से कुशलता तथा काम करने की प्रेरणा; तेज़ संवृद्धि; साधनों का अनुकूलतम आवंटन (optimum allocation); उच्च operative efficiency; कुशल आर्थिक निर्णयों के लिए प्रोत्साहन; उपभोक्ताओं के लिए विविधता एवं चुनाव की स्वतन्त्रता; नवाचार (innovation) और तकनीकी प्रगति के लिए प्रोत्साहन; मौलिक अधिकारों की रक्षा; पहल (initiative) को पुरस्कार; लोकतान्त्रिक ढाँचा; उद्यम एवं जोखिम उठाने को प्रोत्साहन।	Q5, Q15 (+ 2.2 Q20)	PYQ 2019-May, 2021-Jan, 2022-Dec, 2025-May	2.1.1, p. 1.21
2.1.8	Capitalism के दोष (demerits): भारी असमानता और सामाजिक अन्याय ('haves' और 'have-nots'); मानव अधिकारों पर सम्पत्ति के अधिकारों की प्रधानता; मानव कल्याण की उपेक्षा; श्रम का शोषण; consumer sovereignty एक मिथक बन जाती है; विलासिता की वस्तुओं की ओर गलत आवंटन और merit goods कम; अस्थिरता (over-production, depression, unemployment); विज्ञापन पर अपव्यय; monopolies; पर्यावरण का क्षरण।	Q3, Q9, Q13, Q24	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Dec, 2026-Jan; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S1	2.1.2, pp. 1.21 – 1.22

विषय 2.2 समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy)

28 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 24 · RTP – · MTP 8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	Socialist economy की अवधारणा Karl Marx और Frederick Engels ने 1848 में प्रकाशित 'The Communist Manifesto' में प्रतिपादित की।	Q1, Q7, Q9, Q13, Q15, Q27	PYQ 2018-May, 2021-Jul, 2021-Dec, 2022-Dec, 2023-Dec; MTP 2026-Apr S2	2.2, p. 1.22
2.2.2	Socialist economy में उत्पादन के भौतिक साधन (factories, capital, mines) State द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले सम्पूर्ण समुदाय के स्वामित्व में होते हैं; इसे Command Economy या Centrally Planned Economy भी कहते हैं; साधनों का आवंटन central planning authority के आदेशों (commands) से होता है, और उत्पादन तथा वितरण का लक्ष्य सम्पूर्ण समुदाय का कल्याण अधिकतम करना होता है — केन्द्रीय समस्याएँ नियोजन (planning) से हल की जाती हैं।	Q3, Q4, Q5, Q6, Q8, Q10, Q17, Q19	PYQ 2019-May, 2020-Nov (×2), 2021-Jul, 2021-Dec, 2022-Jun, 2024-Sep, 2025-May	2.2, pp. 1.22 – 1.23

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.3	Socialism की विशेषताएँ: collective ownership (छोटे खेतों, कार्यशालाओं, व्यापारिक फर्मों को छोड़कर); central planning authority द्वारा आर्थिक नियोजन; consumer choice का अभाव; आय का अपेक्षाकृत समान वितरण; price mechanism की न्यूनतम भूमिका; competition का अभाव (State ही एकमात्र उद्यमी है)।	Q28	PYQ 2026-Sep	2.2, p. 1.23
2.2.4	Consumer choice का अभाव: भूख से मुक्ति की गारंटी है, परन्तु चयनात्मक, नियोजित उत्पादन के कारण consumers' sovereignty सीमित है; काम के अधिकार (right to work) की गारंटी है, परन्तु व्यवसाय (occupation) का चुनाव सीमित है, क्योंकि वह central planning authority तय करती है।	Q21, Q23, Q25	PYQ 2019-May, 2025-Jan, 2025-Sep, 2026-May; MTP 2026-Apr S1	2.2, p. 1.23
2.2.5	Socialism में price mechanism की भूमिका केवल गौण (secondary — सबसे कमज़ोर) होती है; मूल्य 'administered prices' होते हैं — जिन्हें एक बाहरी प्राधिकारी, central planning authority (सरकार), सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों के आधार पर तय करती है, demand और supply **नहीं**।	Q24, Q26	MTP 2026-Apr S1, 2026-Apr S2	2.2, pp. 1.23 – 1.24
2.2.6	भूतपूर्व USSR (1917–1990) socialist economy का उदाहरण था; आज कोई भी देश विशुद्ध socialist नहीं है — China, Vietnam, Cuba और North Korea उदाहरण के रूप में उद्धृत किए जाते हैं।	Q16	MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	2.2, p. 1.24
2.2.7	Socialism के गुण (merits): धन और आय का न्यायसंगत वितरण; तीव्र और सन्तुलित आर्थिक विकास; साधनों का बेहतर उपयोग, विज्ञापन पर अपव्यय नहीं; unemployment न्यूनतम और व्यावसायिक उतार-चढ़ाव (business fluctuations) समाप्त; सहयोग की मानसिकता, वर्ग-संघर्ष नहीं; काम का अधिकार और न्यूनतम जीवन-स्तर; शोषण से सुरक्षा; व्यापक सामाजिक सुरक्षा। (लाभों का न्यायसंगत बँटवारा **न** होना socialism के विपरीत है।)	Q2, Q14, Q18 (+ 2.3 Q9)	PYQ 2019-May, 2023-Jun, 2023-Dec; MTP 2025-Jan S2	2.2.0, p. 1.24
2.2.8	Socialism के दोष (demerits): bureaucracy का प्रभुत्व, जिससे अकुशलता, विलम्ब, भ्रष्टाचार, red-tapism और पक्षपात (favouritism); व्यक्तिगत स्वतन्त्रता पर रोक; निजी सम्पत्ति का अधिकार छिन जाता है; कड़ी मेहनत के लिए कोई profit incentive नहीं; administered prices का कोई cost आधार नहीं; अनियन्त्रित State monopolies; सीमित consumer choice; व्यक्तिगत कुशलता का कोई पुरस्कार नहीं; अति-socialism अव्यावहारिक।	Q11, Q12, Q22	PYQ 2022-Jun, 2022-Dec, 2026-Jan	2.2.1, pp. 1.24 – 1.25
2.2.9	*विषय 2.1 देखें: 'collective ownership' capitalist economy का गुण (या विशेषता)* ***नहीं*** *है।*	Q20	PYQ 2025-May	2.1.1, p. 1.21

विषय 2.3 मिश्रित अर्थव्यवस्था (The Mixed Economy)

14 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 14 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	Mixed economy साधनों के आवंटन के लिए बाज़ारों और सरकारों दोनों पर निर्भर करती है; वास्तविक जगत की हर अर्थव्यवस्था दोनों का प्रयोग करती है और इसलिए स्वभाव से mixed है — भारत एक mixed economy है। साधनों का उपयोग consumers, firms **और** सरकार के निर्णयों के परिणामस्वरूप होता है।	Q2, Q8, Q10, Q13	PYQ 2018-Nov, 2022-Dec, 2026-May; MTP 2024-Dec S1	2.3, p. 1.25
2.3.2	Mixed economy की पहली विशेषता निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों (private and public sectors) का सह-अस्तित्व है; इसमें उद्योग के तीन क्षेत्र होते हैं — private, public और combined (joint) sector।	Q1, Q4, Q5, Q6, Q11	PYQ 2018-May, 2021-Jan (×2), 2021-Dec, 2025-Sep; MTP 2025-Aug S1	2.3.0, pp. 1.25 – 1.26
2.3.3	Mixed economy के गुण — यह दोनों प्रणालियों का सर्वश्रेष्ठ लेती है: आर्थिक स्वतन्त्रता और निजी सम्पत्ति (काम करने की प्रेरणा); price mechanism और competition; consumer sovereignty और चुनाव की स्वतन्त्रता; नवाचार के लिए प्रोत्साहन; उद्यम एवं जोखिम उठाने को प्रोत्साहन; नियोजन और तीव्र विकास; अधिक समानता और शोषण से मुक्ति; नियमन (regulation) द्वारा गला-काट प्रतिस्पर्धा (cut-throat competition) पर रोक।	Q12, Q14	PYQ 2024-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-May S2	2.3.0, p. 1.26
2.3.4	Mixed economy सदैव capitalism और socialism के बीच का 'golden path' **नहीं** है — इसके दोष हैं: अत्यधिक State नियन्त्रण, नियोजन का कमज़ोर क्रियान्वयन, ऊँचा कराधान, अकुशलता, भ्रष्टाचार, विलम्ब, public sector का कमज़ोर प्रदर्शन, दोनों क्षेत्रों में सन्तुलन बिठाने की कठिनाई, और private sector का असमानुपातिक विस्तार।	Q7	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun	2.3.0, pp. 1.26 – 1.27
2.3.5	Mixed economy में मूल आर्थिक प्रश्नों के उत्तर के लिए cost–benefit analysis का प्रयोग होता है (ICAI का keyed answer; यह वाक्यांश SM में नहीं है)।	Q3	PYQ 2020-Nov	SM अध्याय 1 में नहीं (केवल PYQ)
2.3.6	*विषय 2.2 देखें: centrally planned (socialist) economy में शोषण और असमानता न्यूनतम होते हैं।*	Q9	PYQ 2023-Dec	2.2.0, p. 1.24

भाग B — अध्याय 1 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 56% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — प्रस्तावना (Introduction)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Economics ← ग्रीक 'Oikonomia' = household (गृहस्थी); पहले Political Economy कहलाता था।	★	1.0.2
2	**'The Wealth of Nations' (1776), Adam Smith — Economics की पहली आधुनिक कृति।**	★★★	1.0.1
3	असीमित आवश्यकताएँ + अपेक्षाकृत दुर्लभ साधन = Economics की विषय-वस्तु।	★★	1.0.3, 1.1.4
4	Scarcity आवश्यकताओं के सापेक्ष (relative) होती है, कभी निरपेक्ष नहीं।	★★	1.0.4
5	**Scarcity → सभी आर्थिक समस्याएँ; असीमित लक्ष्य + सीमित साधन → चुनाव की समस्या; हर चुनाव एक trade-off है।**	★★★	1.0.5, 1.0.6
6	Rational choice = वह विकल्प जो सबसे अधिक सन्तुष्टि दे।	★	1.0.7
7	Business = net value added पैदा करने वाली आर्थिक क्रिया; NPOs का लक्ष्य social benefit।	★	1.0.8
8	Business Economics = Managerial Economics = Applied Economics; आर्थिक सिद्धान्त को business practice से जोड़ती है; मूलतः Micro।	★★	1.0.9, 1.1.2
9	Joel Dean: व्यावसायिक नीतियाँ बनाने में आर्थिक विश्लेषण का प्रयोग।	★	1.1.1
10	Quantitative techniques: linear programming, regression, capital budgeting, break-even, cost analysis।	★	1.1.3
11	Economics = Micro + Macro।	★	1.2.1
12	**Micro = व्यक्तिगत इकाइयों (consumers, firms) का व्यवहार; 'price theory'।**	★★★	1.2.2
13	**Micro सूची: product pricing, consumer behaviour, factor pricing, लोगों के किसी वर्ग की स्थिति, फर्मों का व्यवहार, उद्योग की अवस्थिति।**	★★★	1.2.3
14	**Macro सूची: national income/output, general price level एवं interest rates, BoT एवं BoP, मुद्रा का बाह्य मूल्य, कुल बचत एवं निवेश, रोज़गार एवं संवृद्धि।**	★★★	1.2.4
15	**प्रकृति (8 बिन्दु): Science · Micro पर आधारित · Macro समेटे · Art · theory of markets एवं private enterprise · Pragmatic · Interdisciplinary · Normative।**	★★★	1.2.5, 1.2.6, 1.2.7
16	**Pragmatic: Micro अमूर्त, सैद्धान्तिक, अवास्तविक मान्यताएँ; BE वास्तविक जगत की समस्याएँ सुलझाती है।**	★★★	1.2.8
17	**Positive = 'what is', कारण–परिणाम, कोई value judgement नहीं; Normative = 'what ought to be', value judgement, prescriptive, welfare।**	★★★	1.2.9
18	**कर: incidence एवं incentive effect = positive; fairness = normative।**	★★★	1.2.9
19	BE दोनों को जोड़ती है, ज़ोर normative पर (Nature वाला पाठ) — परन्तु Economics-vs-BE तालिका में 'only normative'।	★★	1.2.10, 1.4.2

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
20	Scope: internal/operational issues → Micro; external/environmental issues → Macro।	★	1.3.1
21	Micro scope सूची: demand analysis एवं forecasting, production एवं cost, inventory, market structure एवं pricing, resource allocation, capital एवं investment, profit, risk एवं uncertainty। Accounting standards नहीं।	★★	1.3.2
22	Macro कारक: आर्थिक प्रणाली, business cycle, राष्ट्रीय प्रवृत्तियाँ, सरकारी नीतियाँ, central bank/financial sector, सामाजिक-आर्थिक संगठन, सामाजिक एवं राजनीतिक वातावरण — प्रबन्धन का इन पर कोई नियन्त्रण नहीं।	★	1.3.3
23	BE, Economics की applied branch है; संकुचित विषय-क्षेत्र; micro-स्तर के विषय; business entity में निर्णय-निर्धारण।	★	1.2.11, 1.4.2

इकाई 2 — मूल समस्याएँ एवं मूल्य-तन्त्र (Basic Problems and Price Mechanism)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	केन्द्रीय समस्या = आवश्यकताओं की तुलना में scarcity; उत्पन्न होती है क्योंकि साधन सीमित हैं और उनके वैकल्पिक उपयोग हैं।	★★	2.0.1
2	**चार मूल समस्याएँ: What · How · For whom · What provision for growth (Where / When नहीं)।**	★★★	2.0.2
3	What to produce = कौन-सी वस्तुएँ + कितनी; guns vs butter; capital vs consumer goods।	★	2.0.3
4	आज अधिक capital goods → भविष्य में अधिक उत्पादन।	★★	2.0.4
5	How to produce = labour- बनाम capital-intensive तकनीक, साधनों की उपलब्धता और सापेक्ष मूल्यों से तय।	★★	2.0.5
6	Growth provision = कितनी बचत एवं निवेश (वर्तमान उपभोग का त्याग)।	★	2.0.7
7	Economic system = उत्पादन और वितरण की व्यवस्थाओं का कुल योग; तीन प्रकार: capitalist, socialist, mixed।	★	2.0.8
8	**Capitalist = free market = laissez-faire: उत्पादन के साधन लाभ के लिए निजी स्वामित्व में; USA, UK, Hong Kong, S. Korea।**	★★★	2.1.1
9	Capitalist विशेषताएँ (7): निजी सम्पत्ति · उद्यम की स्वतन्त्रता · आर्थिक चुनाव की स्वतन्त्रता · profit motive · consumer sovereignty · competition · सरकारी हस्तक्षेप नहीं।	★★	2.1.2
10	Competition = capitalism की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता।	★	2.1.3
11	Consumer sovereignty: क्रेता तय करते हैं कि क्या और कितनी मात्रा में उत्पादित हो।	★★	2.1.4
12	**Capitalism केन्द्रीय समस्याएँ price mechanism (demand एवं supply) से हल करता है; कोई central planning authority नहीं; invisible hand; self-regulating।**	★★★	2.1.5, 2.0.9
13	Capitalist 'how' = cost-minimising तकनीक; 'for whom' = जिनके पास क्रय-क्षमता (आय) है।	★	2.1.6, 2.0.6
14	Capitalist गुण: self-regulating, कुशलता एवं प्रेरणा, तेज़ संवृद्धि, optimum allocation, उच्च operative efficiency, कुशल आर्थिक निर्णय, नवाचार, स्वतन्त्रता, उद्यम एवं जोखिम।	★★	2.1.7

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
15	**Capitalist दोष: असमानता, मानव अधिकारों पर सम्पत्ति अधिकार, कल्याण की उपेक्षा, श्रम-शोषण, sovereignty एक मिथक, विलासिता-वस्तुओं की ओर झुकाव, अस्थिरता, विज्ञापन पर अपव्यय, monopolies, पर्यावरण।**	★★★	2.1.8
16	**Socialism: Karl Marx एवं Frederick Engels, 'The Communist Manifesto', 1848।**	★★★	2.2.1
17	**Socialist = Command = Centrally Planned economy; उत्पादन के साधनों का स्वामी State; लक्ष्य = समुदाय का कल्याण; नियोजन से समाधान।**	★★★	2.2.2
18	Socialist विशेषताएँ: collective ownership · आर्थिक नियोजन · consumer choice का अभाव · अपेक्षाकृत समान आय · price mechanism की न्यूनतम भूमिका (administered prices) · competition का अभाव।	★	2.2.3
19	भूख से मुक्ति की गारंटी पर consumer sovereignty सीमित; काम के अधिकार की गारंटी पर व्यवसाय का चुनाव सीमित।	★★	2.2.4
20	Administered prices = central planning authority / सरकार द्वारा तय, demand और supply से नहीं।	★	2.2.5
21	USSR 1917–1990; आज कोई विशुद्ध socialist देश नहीं (China, Vietnam, Cuba, North Korea उद्धृत)।	★★	2.2.6
22	Socialist गुण: न्यायसंगत वितरण, तीव्र एवं सन्तुलित विकास, अपव्यय नहीं, unemployment/उतार-चढ़ाव नहीं, सहयोग, काम का अधिकार, शोषण से सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा।	★★	2.2.7
23	Socialist दोष: bureaucracy → अकुशलता, विलम्ब, भ्रष्टाचार, red-tapism; स्वतन्त्रता नहीं, निजी सम्पत्ति नहीं, profit incentive नहीं, cost आधार नहीं, State monopolies, सीमित चुनाव, कुशलता का पुरस्कार नहीं।	★★	2.2.8
24	Mixed economy: बाज़ार और सरकार दोनों; हर वास्तविक अर्थव्यवस्था mixed है; भारत।	★★	2.3.1
25	**Mixed economy की पहली विशेषता: private एवं public sectors का सह-अस्तित्व; तीन क्षेत्र — private, public, combined (joint)।**	★★★	2.3.2
26	Mixed गुण: दोनों का सर्वश्रेष्ठ — निजी सम्पत्ति एवं प्रेरणा, price mechanism एवं competition, consumer sovereignty, नवाचार, उद्यम एवं जोखिम, नियोजन, समानता, cut-throat competition का नियमन।	★★	2.3.3
27	Mixed economy सदैव 'golden path' नहीं; दोष: अत्यधिक नियन्त्रण, कमज़ोर नियोजन, ऊँचे कर, भ्रष्टाचार, विलम्ब, क्षेत्रों में सन्तुलन कठिन।	★	2.3.4

अध्याय 2

माँग एवं पूर्ति का सिद्धान्त (Theory of Demand and Supply)

345 Scanner प्रश्न · 165 One-liners · 93 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: माँग का नियम एवं माँग की लोच (Law of Demand and Elasticity of Demand)

SM अध्याय 2, इकाई 1, पृष्ठ 2.1 – 2.49

विषय 1.0 माँग का अर्थ (Meaning of Demand)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP – · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.1	व्यावसायिक फर्मों को यह जानना आवश्यक है कि क्रेता उनके उत्पादों की कितनी मात्रा चाहेंगे — हर व्यावसायिक फर्म के लिए theory of demand (and supply) की गहरी समझ अनिवार्य है, इसलिए सफल फर्में अपने उत्पादों की माँग (demand) का विश्लेषण करती हैं।	Q4	MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1	इकाई की प्रस्तावना (Unit introduction), p. 2.3
1.0.2	'Demand' किसी वस्तु या सेवा की वह मात्रा है जिसे क्रेता एक निश्चित अवधि में विभिन्न मूल्यों पर खरीदने के लिए इच्छुक और समर्थ हैं; Economics में यह खरीदने की इच्छा (desire) से कुछ अधिक है (desire इसका केवल एक तत्त्व है), इसलिए यह desire, need, choice, preference या order के समान नहीं है।	Q5	MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1	1.0, pp. 2.3 – 2.4
1.0.3	प्रभावी माँग (effective demand) तीन बातों पर निर्भर करती है: (i) desire, (ii) खरीदने के साधन (means to purchase) और (iii) उन साधनों को उस खरीद पर लगाने की तत्परता (willingness); जब तक desire के पीछे क्रय-शक्ति (purchasing power — ability to pay) और भुगतान की तत्परता (willingness to pay) न हो, वह demand नहीं बनती — 'unlimited wants' इसका तत्त्व नहीं है। आर्थिक विश्लेषण में केवल effective demand ही गिनी जाती है।	Q2, Q3, Q6, Q7	PYQ 2021-Jan, 2021-Dec; MTP 2026-Apr S1 (×2)	1.0, p. 2.4; Summary, p. 2.47
1.0.4	*विषय 1.1 देखें: status चाहने वाले धनी लोगों द्वारा दिखावटी उपभोग (conspicuous consumption) के लिए उपभोग की जाने वाली ऊँचे मूल्य की वस्तुएँ= Veblen effect /*	Q1	PYQ 2018-May	1.1 (iv), p. 2.7

विषय 1.1 माँग किससे तय होती है (What Determines Demand)

32 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 21 · RTP 1 · MTP 14

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	माँग के महत्त्वपूर्ण निर्धारक (determinants of demand): वस्तु का अपना मूल्य; सम्बन्धित वस्तुओं (related commodities) के मूल्य; उपभोक्ता की प्रयोज्य आय (disposable income); क्रेताओं की रुचियाँ एवं पसन्द (tastes and preferences); उपभोक्ताओं की प्रत्याशाएँ (expectations); तथा अन्य कारक — जनसंख्या का आकार एवं आयु-वितरण, राष्ट्रीय आय का स्तर एवं उसका वितरण, consumer-credit सुविधा एवं ब्याज दरें, सरकारी नीतियाँ एवं विनियम। उत्पादन-लागत (cost of production) supply का निर्धारक है, demand का नहीं।	Q2, Q18	PYQ 2019-May; MTP 2025-Jan S2	1.1, pp. 2.4 – 2.9
1.1.2	Ceteris paribus का अर्थ है 'other things being equal' (अन्य बातें समान रहने पर): ceteris paribus, किसी वस्तु की माँग उसके अपने मूल्य से विपरीत रूप से (inversely) सम्बन्धित होती है (income effect और substitution effect के कारण)।	Q16	PYQ 2025-Jan	1.1 (i), p. 2.4
1.1.3	सम्बन्धित वस्तुएँ (related commodities) दो प्रकार की होती हैं: (i) पूरक वस्तुएँ (complementary goods) और (ii) प्रतियोगी वस्तुएँ या स्थानापन्न (competing goods or substitutes)।	Q30	MTP 2025-Aug S2	1.1 (ii), p. 2.4
1.1.4	Complementary goods साथ-साथ खरीदी या उपभोग की जाती हैं — चाय और चीनी, automobile और petrol, pen और ink, computers और computer software। एक का मूल्य बढ़ने पर दूसरी की माँग घटती है: किसी वस्तु की माँग और उसकी पूरक वस्तु (complement) के मूल्य में विपरीत (inverse) सम्बन्ध होता है। (MTP में scooter और petrol के लिए प्रयुक्त 'joint demand' SM की शब्दावली नहीं है।)	Q5, Q19, Q27, Q28, Q31	PYQ 2021-Jul, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-May S2, 2025-Dec S1	1.1 (ii), pp. 2.4 – 2.5
1.1.5	Substitutes (competing goods) एक ही आवश्यकता को पूरा करती हैं और आसानी से एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग की जा सकती हैं — चाय और coffee, ink pen और ball pen, toothpaste के विभिन्न brands। किसी उत्पाद की माँग और उसके substitute के मूल्य में प्रत्यक्ष (direct — positive) सम्बन्ध होता है: यदि चाय का मूल्य गिरे, तो लोग अधिक चाय और कम coffee माँगते हैं; यदि किसी वस्तु का मूल्य बढ़े, तो उसके substitute की माँग बढ़ती है।	Q3, Q4, Q9, Q20	PYQ 2019-May, 2020-Nov; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	1.1 (ii), p. 2.5
1.1.6	Normal goods की माँग उपभोक्ताओं की disposable income बढ़ने के साथ बढ़ती मात्रा में होती है (घरेलू furniture, वस्त्र, automobiles, consumer durables); आय घटने पर उनकी माँग घटती है।	Q26	PYQ 2025-Sep	1.1 (iii), p. 2.5
1.1.7	Inferior goods: माँगी गई मात्रा आय के एक निश्चित स्तर तक ही बढ़ती है, और उस स्तर के बाद मौद्रिक आय (money income) बढ़ने पर घटती है।	Q22	PYQ 2025-May	1.1 (iii), p. 2.6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.8	Demonstration effect — यह शब्द James Duesenberry ने गढ़ा — लोगों की दूसरों के उपभोग-व्यवहार (consumption behaviour) का अनुकरण करने की इच्छा को दर्शाता है (पड़ोसी के पास है, इसलिए नया cell phone खरीदना)।	Q8 (+ 1.2 Q5)	PYQ 2021-Dec, 2023-Jun	1.1 (iv), p. 2.6
1.1.9	Bandwagon effect वह सीमा है जिस तक किसी वस्तु की माँग इसलिए बढ़ती है कि दूसरे भी उसका उपभोग कर रहे हैं — fashionable दिखने या दूसरों के अनुरूप चलने की इच्छा; जैसे बहुत-से लोग share market के लाभ-हानि पर विचार किए बिना दूसरों के पीछे-पीछे उसमें चले जाते हैं।	Q14, Q15, Q24, Q32	PYQ 2025-Jan, 2025-May, 2026-Sep; MTP 2024-Dec S1	1.1 (iv), p. 2.7
1.1.10	Snob effect वह सीमा है जिस तक किसी उपभोक्ता-वस्तु (consumers' good) की माँग इसलिए घटती है कि दूसरे भी उसका उपभोग कर रहे हैं — विशिष्ट (exclusive) दिखने और 'common herd' (आम भीड़) से अलग रहने की इच्छा; जब कोई उत्पाद आम हो जाता है, तो कुछ लोग उसका उपभोग घटा या बन्द कर देते हैं (एक धनी प्रतिद्वन्द्वी वह पोशाक नहीं लेता जो दूसरा पहने है, और उससे महँगी खरीदता है)। Snob effect दूसरों के उपभोग का फलन (function) है; Veblen effect मूल्य का फलन है।	Q6, Q10, Q21 (+ 1.2 Q4)	PYQ 2021-Jul (×2), 2022-Dec, 2024-Sep; RTP 2025-Jan; MTP 2025-Aug S1	1.1 (iv), p. 2.7
1.1.11	Veblen effect (Thorstein Veblen के नाम पर): status चाहने वाले धनी लोगों द्वारा अपनी conspicuous consumption (दिखावटी उपभोग) की आवश्यकता पूरी करने के लिए उपभोग की जाने वाली ऊँचे मूल्य की वस्तुएँ — जैसे महँगी cars और jewels (आभूषण)।	Q7, Q23 (+ 1.0 Q1)	PYQ 2018-May, 2021-Jul (×2), 2025-May	1.1 (iv), p. 2.7
1.1.12	जनसंख्या का आयु-वितरण (age distribution of population): यदि लोगों का बड़ा अनुपात अधिक आयु-वर्गों का हो, तो geriatric care services (वृद्धजन देखभाल सेवाओं), चश्मों और छड़ियों (walking sticks) की माँग बढ़ती है, तथा बच्चों की पुस्तकों की माँग घटती है।	Q25	PYQ 2025-Sep	1.1 (b), p. 2.8
1.1.13	उपभोक्ता सन्तुलन (consumer equilibrium): उपभोक्ता वहाँ सन्तुष्टि अधिकतम करता है जहाँ प्रति रुपया marginal utility समान हो (MUx/Px = MUy/Py), और indifference-curve analysis में जहाँ budget line, IC को स्पर्श (tangent) करे — दोनों शर्तें लागू होती हैं।	Q1	PYQ 2019-May; MTP 2025-May S2	1.3.4 (2), p. 2.15 (tangency condition: SM इकाई 2)
1.1.14	*विषय 1.3 देखें: जब मूल्य गिरने से कोई वस्तु अन्य वस्तुओं की तुलना में सापेक्ष रूप से सस्ती हो जाती है और उसकी माँग बढ़ती है, तो यह substitution effect है।*	Q11	MTP 2024-Dec S1	1.3.4 (1)(a), p. 2.14
1.1.15	*विषय 1.3 देखें: demand curve का ढाल (slope) −ΔP/ΔQ है (ऊर्ध्व अक्ष पर परिवर्तन ÷ क्षैतिज अक्ष पर परिवर्तन); ऋणात्मक चिह्न law of demand के अनुरूप है।*	Q17	PYQ 2025-Jan	1.3.1, p. 2.12
1.1.16	*विषय 1.4 देखें: demand में खिसकाव (shift in demand) मूल्य-भिन्न कारकों (non-price factors — आय, रुचियाँ, सम्बन्धित वस्तुओं के मूल्य आदि) में परिवर्तन से होता है।*	Q12	MTP 2024-Dec S1	1.4.1, pp. 2.19 – 2.20

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.17	*विषय 1.4 देखें: demand curve पर गति (movement along the demand curve) केवल वस्तु के अपने मूल्य में परिवर्तन से होती है, इसलिए price elasticity of demand वक्र पर गति को मापती है; income और cross elasticities, shifts से सम्बन्धित हैं।*	Q13	MTP 2024-Dec S1	1.4.2, p. 2.21; 1.5.1, p. 2.23
1.1.18	प्रभावी माँग की कमी (deficiency of effective demand) बेरोज़गारी का Keynesian कारण है; MTP इसे किसी विकासशील देश में बेरोज़गारी के कारण के रूप में keyed answer देता है — यह इस SM इकाई से बाहर है और संदिग्ध है (Editorial Note देखें)।	Q29	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 1.2 माँग फलन (The Demand Function)

14 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 6 · RTP – · MTP 9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	Demand function समीकरण के रूप में किसी उत्पाद की माँग (dependent variable — आश्रित चर) और उसके निर्धारकों (independent variables — स्वतन्त्र चर) के बीच सम्बन्ध बताता है: Qx = f(Px, Y, Pr) — अपना मूल्य, मौद्रिक आय (money income) और सम्बन्धित वस्तुओं के मूल्य; जो कारक सूची में नहीं हैं, उन्हें अप्रासंगिक या स्थिर माना जाता है। असम्बन्धित वस्तुओं के मूल्य निर्धारक नहीं हैं।	Q2	PYQ 2021-Jan	1.2, p. 2.9
1.2.2	Q = k/P रूप का demand function (जैसे Qx = 1,500/Px) P × Q को स्थिर रखता है — एक rectangular hyperbola — इसलिए हर बिन्दु पर elasticity एक के बराबर होती है ($8 से $2 तक गिरावट पर भी Ep = 1)।	Q7	MTP 2024-Dec S1	1.5.5, p. 2.30
1.2.3	*विषय 1.3 देखें: demand curve नीचे की ओर ढलान वाला होता है — price effect (substitution + income effects), घटती सीमान्त उपयोगिता (diminishing marginal utility), नए उपभोक्ताओं के आगमन और विभिन्न उपयोगों के कारण।*	Q1	PYQ 2021-Jan	1.3.4, pp. 2.14 – 2.16
1.2.4	*विषय 1.3 देखें: market demand प्रत्येक मूल्य पर सभी व्यक्तिगत परिवारों (households) और उपभोक्ताओं द्वारा माँगी गई मात्राओं का कुल योग है।*	Q12	MTP 2025-May S2	1.3.2, pp. 2.12 – 2.13
1.2.5	*विषय 1.3 देखें: conspicuous goods और conspicuous necessities (TV sets, refrigerators, air-conditioners) law of demand के अपवाद हैं; जब ऋणात्मक income effect, substitution effect से अधिक हो, तब यह नियम टूटता है (उल्लंघन होता है)।*	Q3, Q13, Q14	PYQ 2021-Jan; MTP 2025-May S2 (×2)	1.3.4 – 1.3.5, pp. 2.15 – 2.17
1.2.6	*विषय 1.1 देखें: snob effect = दूसरों द्वारा भी वस्तु का उपभोग किए जाने के कारण माँग घटती है; 'demonstration effect' शब्द James Duesenberry ने गढ़ा।*	Q4, Q5	PYQ 2022-Dec, 2023-Jun	1.1 (iv), pp. 2.6 – 2.7
1.2.7	श्रम (labour) की अपनी मज़दूरी-दर (wage rate) के प्रत्युत्तर में उसकी माँग direct demand है; उसी श्रम की वह माँग जो उसके द्वारा उत्पादित वस्तुओं (जैसे electronic goods) के मूल्य से उत्पन्न होती है, derived demand है।	Q6	MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.8	*विषय 1.5 देखें: arc elasticity, demand curve के दो बिन्दुओं के बीच प्रतिक्रियाशीलता (responsiveness) मापती है; यदि किराए घटाने पर हवाई यात्रा (air travel) पर व्यय बढ़ता है, तो demand price elastic है (total outlay method) /*	Q8, Q9, Q11	MTP 2024-Dec S1 (×2), 2025-Jan S2	1.5.4, p. 2.28; 1.5.6, pp. 2.32 – 2.33
1.2.9	*विषय 1.7 देखें: A के सापेक्ष B की cross-price elasticity = B की माँग में % परिवर्तन ÷ A के मूल्य में % परिवर्तन = 30% ÷ 20% = +1.5 (धनात्मक: substitutes) /*	Q10	PYQ 2025-Jan	1.7, p. 2.43; Illustration 7, p. 2.45

विषय 1.3 माँग का नियम (Law of Demand)

34 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 21 · RTP 4 · MTP 15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.1	Prof. Alfred Marshall ने law of demand (traditional approach — परम्परागत दृष्टिकोण) को इस प्रकार परिभाषित किया: 'the amount demanded increases with a fall in price and diminishes with a rise in price' (मूल्य गिरने पर माँगी गई मात्रा बढ़ती है और मूल्य बढ़ने पर घटती है)। Marshall नीचे की ओर ढलान को diminishing marginal utility से समझाते हैं; Hicks और Allen इसे income effect और substitution effect से समझाते हैं।	Q30, Q31	RTP 2025-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.3, p. 2.10; 1.3.4, pp. 2.14 – 2.15; Summary, p. 2.48
1.3.2	Law of demand: अन्य बातें समान रहने पर, जब किसी वस्तु का मूल्य बढ़ता है तो माँगी गई मात्रा (quantity demanded) घटती है, और इसके विपरीत भी — ceteris paribus, मूल्य और माँगी गई मात्रा में विपरीत (inverse) सम्बन्ध। यह नियम मूल्य और माँगी गई मात्रा को जोड़ता है; normal goods के लिए मूल्य-वृद्धि से माँग घटती है।	Q2, Q4, Q6, Q12	PYQ 2018-Nov (×2), 2019-Nov, 2022-Jun	1.3, p. 2.10
1.3.3	Market demand वह कुल मात्रा है जिसे सभी क्रेता प्रति इकाई समय में प्रत्येक मूल्य पर खरीदने को इच्छुक हैं — यह व्यक्तिगत उपभोक्ताओं द्वारा माँगी गई मात्राओं को जोड़कर प्राप्त होती है; market demand curve व्यक्तिगत demand curves का क्षैतिज (horizontal / lateral) योग है।	(+ 1.2 Q12)	MTP 2025-May S2	1.3.2 – 1.3.3, pp. 2.12 – 2.14
1.3.4	Price effect (मूल्य बदलने पर किसी वस्तु की खरीद में होने वाला परिवर्तन) = substitution effect + income effect।	Q14	PYQ 2023-Jun	1.3.4 (1), p. 2.14
1.3.5	Substitution effect: सापेक्ष मूल्य (relative price) बदलने पर माँग में परिवर्तन — मूल्य गिरने से वस्तु सापेक्ष रूप से सस्ती हो जाती है, उपभोक्ता अब सापेक्ष रूप से महँगी वस्तुओं के स्थान पर इसे लेते हैं और 'the total demand for the commodity whose price has fallen increases' (जिस वस्तु का मूल्य गिरा है उसकी कुल माँग बढ़ती है)। मूल्य गिरने पर यह सदैव धनात्मक (positive) होता है, इसलिए real income स्थिर रखने पर demand curve सदैव नीचे की ओर ढलान वाला होता है।	Q23, Q32, Q33 (+ 1.1 Q11)	RTP 2025-Jan; MTP 2024-Dec S1, 2025-Dec S1 (×2)	1.3.4 (1)(a), pp. 2.14 – 2.15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.6	Substitution effect तब अधिक प्रबल होता है जब (a) वस्तुएँ अधिक निकट substitutes हों, (b) substitute की ओर जाने (switching) की लागत कम हो और (c) switching की असुविधा कम हो।	Q22	RTP 2024-Sep, 2025-Sep; MTP 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2025-Aug S2	1.3.4 (1)(a), p. 2.15
1.3.7	Income effect: मूल्य गिरने पर real income (क्रय-शक्ति — purchasing power) बढ़ने के कारण माँग में होने वाली वृद्धि — यह normal good की माँग बढ़ाता है।	(+ 1.4 Q3)	PYQ 2022-Dec	1.3.4 (1)(b), p. 2.15
1.3.8	Inferior goods के लिए income effect, substitution effect की विपरीत दिशा में काम करता है: मूल्य गिरने पर माँग तभी बढ़ती है जब substitution effect, income effect से अधिक हो; जहाँ ऋणात्मक income effect, substitution effect से अधिक हो, वहाँ law of demand का उल्लंघन होता है (Giffen paradox)।	Q8, Q29, Q34 (+ 1.2 Q13)	PYQ 2021-Dec; MTP 2025-May S2, 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	1.3.4 (1)(b), p. 2.15; 1.3.5 (ii), p. 2.16
1.3.9	Law of demand का औचित्य (rationale — demand curve नीचे की ओर क्यों ढलता है): (1) price effect — substitution + income effects; (2) utility अधिकतम करने वाला व्यवहार — diminishing marginal utility; (3) कम मूल्यों पर नए उपभोक्ताओं का आगमन; (4) विभिन्न उपयोग (जैसे बिजली — electricity)।	(+ 1.2 Q1)	PYQ 2021-Jan	1.3.4, pp. 2.14 – 2.16
1.3.10	Law of demand के अपवाद (exceptions): conspicuous goods; Giffen goods; conspicuous necessities; मूल्यों के बारे में भावी प्रत्याशाएँ (future expectations); अपूर्ण सूचना (incomplete information) एवं अविवेकपूर्ण (irrational) व्यवहार; अनिवार्य वस्तुओं (necessaries) की माँग; सट्टे की वस्तुएँ (speculative goods)। Normal goods, 'white goods', substitute goods, आय और मूल्य अपवाद **नहीं** हैं।	Q11, Q15, Q16, Q19, Q28 (+ 1.2 Q3)	PYQ 2021-Jan, 2022-Jun, 2023-Jun, 2023-Dec; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S1	1.3.5, pp. 2.16 – 2.17; Summary, p. 2.48
1.3.11	Conspicuous goods — प्रतिष्ठा-मूल्य (prestige value) या snob appeal वाली वस्तुएँ, जिन्हें धनी लोग सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने या धन का प्रदर्शन करने के लिए status symbols के रूप में प्रयोग करते हैं (जैसे हीरे — diamonds) — मूल्य बढ़ने पर और अधिक आकर्षक हो जाती हैं: यह Veblen का 'Conspicuous Consumption' का सिद्धान्त (doctrine) है (Veblen या prestige-goods effect), इसलिए demand curve ऊपर की ओर ढलान वाला होता है।	Q10, Q18, Q26	PYQ 2022-Jun, 2024-Jun, 2026-May	1.3.5 (i), p. 2.16
1.3.12	Giffen goods (Sir Robert Giffen — British मज़दूरों ने bread का मूल्य बढ़ने पर उसे अधिक खरीदा) में मूल्य और माँग का प्रत्यक्ष (direct) सम्बन्ध दिखता है, इसलिए demand curve दाईं ओर ऊपर की ओर ढलान वाला होता है; ये ऐसी inferior goods हैं जिनके कोई निकट substitutes नहीं होते और जो उपभोक्ता के बजट में बड़ा स्थान घेरती हैं (मोटे अनाज जैसे बाजरा — bajra, निम्न गुणवत्ता का चावल)। सभी Giffen goods, inferior goods होती हैं, परन्तु सभी inferior goods, Giffen goods नहीं होतीं।	Q7, Q13, Q17, Q24	PYQ 2021-Jul, 2023-Jun, 2023-Dec, 2025-Sep; MTP 2025-May S2	1.3.5 (ii), p. 2.16

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.13	Inferior होने के कारण Giffen good की माँग आय बढ़ने पर घटती है — इसलिए उसका income–quantity (Engel) curve ऋणात्मक ढलान वाला होता है (Engel curve स्वयं SM में नहीं है)।	Q3, Q9	PYQ 2018-Nov, 2021-Dec; MTP 2025-Apr S1	1.1 (iii), p. 2.6; 1.3.5 (ii), p. 2.16 (Engel curve SM में नहीं)
1.3.14	Conspicuous necessities: अपने सामाजिक समूह के demonstration effect के कारण TV sets, refrigerators और air-conditioners जैसी वस्तुएँ जीवन की आवश्यकताएँ बन जाती हैं — इनके मूल्य बढ़ते रहने पर भी इनकी माँग में घटने की कोई प्रवृत्ति नहीं दिखती (ऊपर की ओर ढलान वाला demand curve)।	Q25 (+ 1.2 Q14)	PYQ 2026-May; MTP 2025-May S2	1.3.5 (iii), p. 2.17
1.3.15	*विषय 1.4 देखें: normal goods के लिए माँग में वृद्धि (increase in demand — rightward shift) आय में वृद्धि से होती है — बाज़ार मूल्य में गिरावट से केवल वक्र पर गति (movement along the curve) होती है।*	Q1	PYQ 2018-May	1.4.1, p. 2.20
1.3.16	Law of demand के अनुसार मूल्य और माँगी गई मात्रा विपरीत रूप से (inversely) सम्बन्धित हैं (प्रत्यक्ष रूप से नहीं); supply, उत्पादन-लागत (cost of production) से विपरीत रूप से सम्बन्धित है (theory of supply, SM इकाई 3)।	Q5	PYQ 2019-May	1.3, p. 2.10; supply: SM अध्याय 2, इकाई 3
1.3.17	*विषय 1.5 देखें: क्षैतिज (perfectly elastic) demand curve पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाज़ार (perfectly competitive market) में पाया जाता है, जहाँ फर्म price-taker होती है।*	Q20	MTP 2024-Aug	1.5.5, pp. 2.30 – 2.31
1.3.18	Average revenue = total revenue ÷ मात्रा = मूल्य, इसलिए फर्म का AR curve ही उसका demand curve है।	Q21	MTP 2024-Aug	SM में नहीं (केवल MTP)
1.3.19	*विषय 1.5 देखें: भारी कर उपभोग को काफ़ी घटाता है केवल वहाँ जहाँ demand elastic हो (ed > 1); सरकारें inelastic demand वाली वस्तुओं पर कर लगाकर राजस्व जुटाती हैं।*	Q27	MTP 2025-Apr S1	1.5.5, p. 2.30; 1.5.8, p. 2.37

विषय 1.4 माँग का विस्तार एवं संकुचन (Expansion and Contraction of Demand)

12 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP – · MTP 7

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.1	माँग का विस्तार (expansion / extension of demand): मूल्य गिरने के कारण माँगी गई मात्रा बढ़ती है — उसी demand curve पर नीचे की ओर गति (सेब: मूल्य गिरता है, उपभोक्ता अधिक खरीदता है)। माँग का संकुचन (contraction of demand): मूल्य बढ़ने के कारण माँगी गई मात्रा घटती है — उसी वक्र पर ऊपर की ओर गति।	Q1, Q2, Q12 (+ 1.5 Q9)	PYQ 2018-Nov, 2020-Nov, 2022-Jun; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S1, 2026-Apr S1	1.4, p. 2.18; Summary, p. 2.48
1.4.2	*विषय 1.3 देखें: उपभोक्ता की real income में वृद्धि के कारण माँग में होने वाला परिवर्तन income effect है।*	Q3	PYQ 2022-Dec	1.3.4 (1)(b), p. 2.15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.3	माँग में वृद्धि और कमी (increase and decrease in demand) मूल्य-भिन्न (non-price) कारकों से होती है: कोई भी परिवर्तन जो प्रत्येक मूल्य पर माँगी गई मात्रा बढ़ाए, वक्र को दाईं ओर खिसकाता है (increase in demand); जो उसे घटाए, वक्र को बाईं ओर खिसकाता है (decrease in demand)। आय में वृद्धि वक्र को दाईं ओर, और आय में कमी बाईं ओर खिसकाती है (normal goods)।	Q4, Q6 (+ 1.1 Q12, 1.3 Q1)	PYQ 2018-May, 2023-Jun, 2025-Sep; MTP 2024-Dec S1	1.4.1, pp. 2.18 – 2.20
1.4.4	बाईं ओर खिसकाव (leftward shift — decrease in demand): आय में कमी (normal goods) या आय में वृद्धि (inferior goods); substitute के मूल्य में गिरावट; complement के मूल्य में वृद्धि; क्रेताओं की संख्या में कमी; रुचियों का वस्तु के विरुद्ध हो जाना; भविष्य में मूल्य गिरने की प्रत्याशा; उपभोग को हतोत्साहित करने वाले सरकारी विनियम। इनके विपरीत परिवर्तन दाईं ओर खिसकाव (rightward shift) लाते हैं।	Q7 (+ 1.5 Q44)	PYQ 2025-May, 2026-Jan	1.4.1 table, pp. 2.20 – 2.21
1.4.5	Demand curve पर गति (movement along) = माँगी गई मात्रा में परिवर्तन (change in quantity demanded), जो केवल वस्तु के अपने मूल्य में परिवर्तन से होता है; demand curve का खिसकाव (shift) = माँग में परिवर्तन (change in demand), जो आय, रुचियों, अन्य वस्तुओं के मूल्यों आदि से होता है। वस्तु के अपने मूल्य में परिवर्तन उसके demand curve को नहीं खिसकाता।	Q5, Q11 (+ 1.1 Q13)	PYQ 2023-Jun; MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S2	1.4.2, pp. 2.21 – 2.22
1.4.6	आरामदायक वस्तुएँ (comforts) अनिवार्यताओं (necessities) और विलासिताओं (luxuries) के बीच आती हैं।	Q8	MTP 2025-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
1.4.7	*विषय 1.5 देखें: बिजली (electricity) की माँग elastic है क्योंकि उसके वैकल्पिक (अनेक) उपयोग हैं — जितने अधिक उपयोग, उतनी अधिक price elasticity।*	Q9	MTP 2025-Apr S1	1.5.8 (4), p. 2.36; 1.3.4 (4), p. 2.16
1.4.8	*विषय 1.6 देखें: ऋणात्मक income elasticity = inferior good — आय गिरने पर खरीदी गई मात्रा बढ़ती है।*	Q10	MTP 2025-Apr S1	1.6, pp. 2.39 – 2.40

विषय 1.5 माँग की लोच (Elasticity of Demand)

67 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 53 · RTP 2 · MTP 26

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.1	Price elasticity of demand (PED) = माँगी गई मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन ÷ अपने मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन, अन्य बातें समान रहने पर; यह मूल्य में प्रत्येक 1% परिवर्तन पर मात्रा में होने वाला % परिवर्तन बताती है — अतः Ep = −3 का अर्थ है कि मूल्य में 1% गिरावट मात्रा को 3% बढ़ाती है या 1% वृद्धि उसे 3% घटाती है; Ep = 1 होने पर मात्रा में 15% परिवर्तन, मूल्य में 15% परिवर्तन के साथ होता है; 25% ÷ 22% = 1.14 elastic है।	Q26, Q28, Q36	PYQ 2022-Dec, 2023-Dec (×2); MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2	1.5, p. 2.23; 1.5.1, pp. 2.23 – 2.24

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.2	Two-point formula: Ep = (ΔQ/ΔP) × (P/Q), जहाँ P और Q **मूल** मूल्य और मात्रा हैं; ऋणात्मक चिह्न law of demand को दर्शाता है, परन्तु परिपाटी (convention) के अनुसार केवल परिमाण (magnitude) पढ़ा जाता है (₹40→₹50, 25→20 इकाइयाँ: −0.8; ₹10→₹6, 10→20 इकाइयाँ: −2.5; ₹50→₹60, 25→15 इकाइयाँ: −2.0)।	Q24, Q56, Q67	PYQ 2023-Jun, 2026-May, 2026-Sep	1.5.1, p. 2.24; Illustration 1, p. 2.25
1.5.3	दिए गए Ep से नई मात्रा: ΔQ = Ep × Q × (ΔP/P), मूल आधार (original base) पर, मूल्य की विपरीत दिशा में (₹200→₹120, Ep 2, Q 60: ΔQ 48 → 108; ₹5→₹3, Ep 2.5, Q 20 → 40; ₹200→₹150, Ep 2.5, 25 kg → 40.625 kg; ₹10→₹15, Ep 1.25, 120 इकाइयाँ → 45; ₹300→₹180, Ep 1, Q 90 → 126)। % के रूप में: 25% मूल्य-गिरावट (₹80→₹60) और Ep 1.25 पर माँग 31.25% बढ़ती है; 20% गिरावट और Ep −1 पर Q 20% बढ़ता है (= 120 इकाइयाँ, अत: 600 → 720)।	Q4, Q11, Q15, Q30, Q52, Q55, Q65	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jul, 2024-Jun, 2026-Jan, 2026-May, 2026-Sep	उदाहरण (Illustrations) 3 – 4, pp. 2.25 – 2.26
1.5.4	दिए गए Ep से नया मूल्य: %ΔP = %ΔQ ÷ Ep, जिसे मूल मूल्य पर मात्रा की विपरीत दिशा में लागू किया जाता है (₹6 पर 100 → 80 इकाइयाँ, Ep −3: %ΔQ −20%, %ΔP +6.67%, नया मूल्य ₹6.40)।	Q45	PYQ 2025-May; MTP 2025-Aug S1	Illustration 5, p. 2.26
1.5.5	Point elasticity, demand curve के किसी विशेष बिन्दु पर price elasticity है, जिसका प्रयोग तब होता है जब मूल्य में परिवर्तन अत्यल्प (infinitesimal — small) हो: Ep = −(dq/dp) × (p/q) — उस बिन्दु पर price–quantity अनुपात और demand line के ढाल के व्युत्क्रम (reciprocal of the slope) का गुणनफल (जैसे किसी car के मूल्य में ₹100 की कटौती)।	Q22, Q49, Q63	PYQ 2022-Dec, 2026-Jan; MTP 2026-Apr S2	1.5.2, pp. 2.26 – 2.27
1.5.6	Linear demand function Q = a − bP के लिए dQ/dP = −b: Q = 1,000 − 50P में P = ₹10 पर Q = 500 और Ep = −50 × 10/500 = −1।	Q42	PYQ 2024-Sep	1.3.3, p. 2.14; 1.5.2, p. 2.26
1.5.7	ज्यामितीय विधि (geometric method): सीधी रेखा वाले demand curve tT पर बिन्दु R पर elasticity = निचला खण्ड ÷ ऊपरी खण्ड (RT/Rt); ढाल (slope) स्थिर रहता है परन्तु elasticity हर बिन्दु पर भिन्न होती है — मध्य-बिन्दु (mid-point) पर यह 1 होती है, उसके ऊपर > 1, नीचे < 1, price-axis वाले छोर (t) पर अनन्त (infinity) और quantity-axis वाले छोर (T) पर शून्य (zero); T से t की ओर ऊपर जाने पर यह बढ़ती है।	Q1, Q6, Q7	PYQ 2018-May, 2019-May (×2)	1.5.3, pp. 2.27 – 2.28
1.5.8	Arc elasticity दो बिन्दुओं (दो मूल्यों) के बीच चाप (arc) पर elasticity मापती है, जब मूल्य और मात्रा के परिवर्तन असतत (discrete) और बड़े हों; आधार चुनने की समस्या से बचने के लिए mid-point method दोनों मूल्यों और मात्राओं के औसत को आधार लेती है: Ep = (Q2 − Q1)/(Q2 + Q1) × (P2 + P1)/(P2 − P1), और ऋण चिह्न छोड़ दिया जाता है।	Q2, Q10, Q25, Q51 (+ 1.2 Q8, 1.2 Q11)	PYQ 2018-May, 2020-Nov, 2023-Jun, 2026-Jan; RTP 2026-May; MTP 2024-Dec S1, 2025-Jan S2	1.5.4, pp. 2.28 – 2.29

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.9	Arc numericals (आँकड़ों के प्रश्न): LED TV ₹60,000→₹50,000, 1,500→2,000 = 500/3,500 × 1,10,000/10,000 = 1.57; movie ₹120→₹200, 300→200 = 0.8; cable TV ₹300→₹400, 30,000→20,000 = 1.4; P ₹15→₹20, Q 50→75 = 1.4; ₹20→₹22, 300→200 = निरपेक्ष मान (absolute value) में 4.2 (keyed −4.2)।	Q23, Q27, Q29, Q53, Q62	PYQ 2023-Jun, 2023-Dec, 2024-Jun, 2026-May; MTP 2026-Apr S1	1.5.4, p. 2.29
1.5.10	Price elasticity का संख्यात्मक मान शून्य और अनन्त के बीच कुछ भी हो सकता है (Table 4): 0 perfectly inelastic; 0 और 1 के बीच inelastic; 1 unit elasticity (demand curve एक rectangular hyperbola); 1 और अनन्त के बीच elastic; अनन्त perfectly elastic। (सख्ती से कहें तो, चिह्न सहित, यह ऋण अनन्त से शून्य तक जाता है।)	Q17	PYQ 2021-Dec	1.5.5, pp. 2.30 – 2.32; 1.5.1, p. 2.24
1.5.11	Ep = 0 — perfectly (completely) inelastic: मूल्य बदलने पर माँगी गई मात्रा बिलकुल नहीं बदलती (हर मूल्य पर 52 aeroplanes); demand curve ऊर्ध्वाधर (vertical) होता है।	Q18, Q37, Q60	PYQ 2021-Dec; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2	1.5.5, p. 2.30; Table 4, p. 2.31
1.5.12	Ep > 1 — elastic: माँगी गई मात्रा में % परिवर्तन, मूल्य में % परिवर्तन से अधिक होता है (काफ़ी समतल वक्र — fairly flat curve), इसलिए मूल्य-वृद्धि से मात्रा में आनुपातिक रूप से बड़ी गिरावट आती है; Ep < 1 — inelastic: मात्रा में % परिवर्तन, मूल्य में % परिवर्तन से कम होता है (काफ़ी खड़ा वक्र — fairly steep curve)।	Q20, Q31, Q32, Q48	PYQ 2022-Jun, 2025-Sep; MTP 2024-Aug (×2), 2025-Aug S2	1.5.5, p. 2.30; Table 4, pp. 2.31 – 2.32
1.5.13	Ep = ∞ — perfectly (infinitely) elastic: demand curve मूल्य-स्तर पर क्षैतिज (horizontal) होता है और ऊर्ध्व अक्ष को छूता है; क्रेता उस मूल्य पर कोई भी मात्रा लेते हैं और थोड़े-से अधिक मूल्य पर कुछ भी नहीं — यह perfectly competitive market में पाया जाता है।	Q13, Q54 (+ 1.3 Q20)	PYQ 2021-Jan, 2026-May; MTP 2024-Aug	1.5.5, pp. 2.30 – 2.31
1.5.14	वक्र के आकार से elasticity पढ़िए: ऊर्ध्वाधर (vertical) = 0; क्षैतिज (horizontal) = ∞; rectangular hyperbola = 1; काफ़ी समतल (fairly flat) = > 1; काफ़ी खड़ा (fairly steep) = < 1।	Q64	PYQ 2026-Sep	1.5.5, p. 2.30 (Fig. 8)
1.5.15	Total revenue = मूल्य × बेची गई मात्रा — demand curve के किसी बिन्दु के नीचे का आयत (rectangle) (क्षेत्रफल OP1RQ1)।	Q40	MTP 2024-Aug	1.5.7, p. 2.34
1.5.16	Total outlay method (Table 5): elastic — मूल्य-वृद्धि से TR घटता है, मूल्य-गिरावट से TR बढ़ता है; unitary — TR अपरिवर्तित; inelastic — मूल्य-वृद्धि से TR (उपभोक्ताओं का व्यय) बढ़ता है, मूल्य-गिरावट से घटता है। अतः मूल्य के साथ TR बढ़े → inelastic (0 < e < 1); TR अपरिवर्तित → unitary; किराए घटाने के बाद व्यय बढ़े → elastic। कमी: यह केवल यह बताती है कि demand elastic है या inelastic, सटीक गुणांक (coefficient) नहीं।	Q38, Q39, Q46, Q50, Q59, Q66 (+ 1.2 Q9)	PYQ 2023-Dec, 2024-Sep, 2025-May, 2026-Jan, 2026-Sep; MTP 2024-Aug (×2), 2024-Dec S1, 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	1.5.6 – 1.5.7, pp. 2.32 – 2.35

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.17	Price elasticity के निर्धारक: substitutes की उपलब्धता (निकट substitutes → अत्यधिक elastic); उपभोक्ता के बजट में स्थान (आय का जितना अधिक अनुपात व्यय हो, उतनी अधिक elasticity); आवश्यकता की प्रकृति (luxuries elastic, necessities inelastic); उपयोगों की संख्या (अधिक उपयोग → अधिक elastic); समयावधि (लम्बी → अधिक elastic); उपभोक्ता की आदतें; बँधी हुई माँग (tied demand); मूल्य-सीमा (बहुत ऊँचा या बहुत नीचा → inelastic, मध्य → elastic); छोटी पूरक वस्तुएँ (minor complementary items)।	Q12, Q47, Q58, Q61 (+ 1.4 Q9)	PYQ 2021-Jan, 2025-May; MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2025-Aug S1, 2025-Aug S2	1.5.8, pp. 2.35 – 2.37
1.5.18	यदि कोई व्यक्ति किसी वस्तु का आदतन उपभोक्ता (habitual consumer) है, तो उसकी माँग inelastic होती है, उसका मूल्य चाहे जितना बदले।	Q8, Q21	PYQ 2019-Nov, 2022-Jun	1.5.8 (6), p. 2.37
1.5.19	अनिवार्य वस्तुओं (necessities — नमक, school uniform, दवाइयाँ, सब्ज़ियाँ) की माँग inelastic होती है — मूल्य बढ़ने पर भी उपभोक्ता उतनी ही मात्रा खरीदते हैं (lockdown में सब्ज़ियाँ); आभूषण (jewellery) जैसी luxuries अत्यधिक elastic होती हैं।	Q16, Q19, Q33, Q34	PYQ 2021-Jul, 2021-Dec; MTP 2024-Aug (×2), 2025-Dec S1 (×2)	1.5.8 (2) – (3), p. 2.36; 1.5.5, p. 2.32
1.5.20	कर-भार (tax incidence): demand जितनी अधिक elastic होगी, कर का उतना बड़ा भाग विक्रेता वहन करेगा; price elasticity सरकारों को बताती है कि कर-भार कैसे बँटेगा और indirect taxes, inelastic demand वाली वस्तुओं (alcohol, tobacco) पर क्यों बढ़ाए जाते हैं।	Q57 (+ 1.6 Q15)	RTP 2025-May; MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल RTP); तुलना करें 1.5.8, p. 2.37
1.5.21	*विषय 1.4 देखें: ₹120 → ₹90 पर खरीद का 1 kg से 2 kg हो जाना माँग का विस्तार (expansion of demand) है; भविष्य में मूल्य गिरने की प्रत्याशा demand curve को बाईं ओर खिसकाती है।*	Q9, Q44	PYQ 2020-Nov, 2025-May	1.4, p. 2.18; 1.4.1 table, p. 2.21
1.5.22	*विषय 1.6 देखें: एक से अधिक income elasticity, luxury good का संकेत है।*	Q41	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.6, p. 2.40
1.5.23	*विषय 1.7 देखें: coffee के सापेक्ष चाय की cross elasticity = (ΔQx/ΔPy) × (Py/Qx) = 3/10 × 25/5 = +1.5 (तथा 5/10 × 30/10 = +1.5) — धनात्मक, इसलिए substitutes।*	Q14, Q43	PYQ 2021-Jan, 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.7, p. 2.44; Illustration 9, p. 2.46
1.5.24	Cardinal (utility) approach, law of equi-marginal utility से सम्बन्धित है; indifference curves दाईं ओर नीचे की ओर ढलान वाले होते हैं, मूल-बिन्दु (origin) की ओर उन्नतोदर (convex) होते हैं, कभी एक-दूसरे को नहीं काटते और किसी भी अक्ष को नहीं छूते।	Q3, Q5	PYQ 2018-May, 2019-May	SM इकाई 1 में नहीं (केवल PYQ) — SM अध्याय 2, इकाई 2
1.5.25	Investment multiplier = 1/(1 − MPC); C = 10 + 0.6Y होने पर k = 2.5, अतः निवेश में ₹100 crore की वृद्धि आय को ₹250 crore बढ़ाती है।	Q35	MTP 2024-Aug	SM इकाई 1 में नहीं (केवल MTP) — राष्ट्रीय आय (National Income) अध्याय

विषय 1.6 माँग की आय-लोच (Income Elasticity of Demand)

15 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 11 · RTP – · MTP 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.6.1	Income elasticity of demand = माँगी गई मात्रा में % परिवर्तन ÷ आय में % परिवर्तन = (ΔQ/ΔY) × (Y/Q) — उपभोक्ताओं की आय में परिवर्तन के प्रति माँगी गई मात्रा की प्रतिक्रियाशीलता (30% ÷ 20% = 1.5; 30% ÷ 15% = 2; ₹3,000→₹3,600 पर 25→30 CDs = 20% ÷ 20% = 1.00)।	Q6, Q8, Q10, Q12	PYQ 2022-Dec, 2023-Jun, 2023-Dec; MTP 2024-Aug	1.6, p. 2.38
1.6.2	धनात्मक income elasticity → normal good। Ei > 1 → luxury good (आय बढ़ने पर व्यय में इसका हिस्सा और बड़ा होता जाता है; Scanner इसे 'superior' भी कहता है); 0 < Ei < 1 → आवश्यकता पूरी करने वाली normal good (गेहूँ 0.5, भोजन, दवाइयाँ); Ei = 1 → आय का जो अनुपात उस पर व्यय होता है, वह समान रहता है।	Q3, Q7, Q11, Q13 (+ 1.5 Q41)	PYQ 2019-Nov, 2022-Dec, 2024-Sep, 2026-May; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2	1.6, pp. 2.38 – 2.40
1.6.3	ऋणात्मक income elasticity → inferior good: आय बढ़ने पर माँग घटती है (उपभोक्ता श्रेष्ठ substitutes चुनते हैं) और आय घटने पर बढ़ती है — जैसे बाजरा (bajra, −0.4), पुरानी cars (used cars); Giffen goods भी, inferior होने के कारण, आय और माँग में विपरीत सम्बन्ध दिखाती हैं।	Q1, Q2, Q4, Q5, Q9 (+ 1.4 Q10)	PYQ 2018-May, 2019-May, 2021-Jan, 2021-Jul, 2023-Jun; MTP 2025-Apr S1	1.6, pp. 2.39 – 2.40; 1.3.5 (ii), p. 2.16
1.6.4	अल्पकाल और दीर्घकाल (short run and long run) में income elasticity भिन्न होती है — लगभग सभी वस्तुओं के लिए यह दीर्घकाल में अधिक होती है।	Q14	MTP 2025-Aug S2	1.6, p. 2.41
1.6.5	*विषय 1.5 देखें: price elasticity (income elasticity नहीं) सरकारों को बताती है कि कर-भार कैसे बँटेगा।*	Q15	MTP 2026-Apr S1	1.5.8, p. 2.37

विषय 1.7 माँग की तिरछी मूल्य-लोच (Cross-Price Elasticity of Demand)

19 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 13 · RTP – · MTP 9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.7.1	Cross demand: किसी वस्तु की वे मात्राएँ जो किसी सम्बन्धित वस्तु के विभिन्न मूल्यों पर खरीदी जाती हैं, अन्य बातें (आय और उसका अपना मूल्य) स्थिर रहने पर; substitutes के लिए cross-demand curve ऊपर की ओर (धनात्मक) ढलान वाला होता है — coffee का मूल्य बढ़ने पर चाय की माँग बढ़ती है।	Q16	MTP 2025-Aug S2	1.7.1 (a), p. 2.42
1.7.2	Complementary goods (bread और butter, car और petrol, बिजली और बिजली के उपकरण — electricity and electrical gadgets, solar panels और batteries, चाय और चीनी) में एक के मूल्य और दूसरी की माँग के बीच विपरीत सम्बन्ध होता है; blazer और jacket substitutes हैं, complements नहीं।	Q14	PYQ 2026-May	1.7.1 (b), p. 2.43

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.7.3	Cross-price elasticity Ec = X की माँगी गई मात्रा में % परिवर्तन ÷ Y के मूल्य में % परिवर्तन = (ΔQx/ΔPy) × (Py/Qx); चिह्न बनाए रखें (2% ÷ 8% = +0.25; 5% ÷ 25% = 0.2; 5% ÷ 20% = 0.25; 8% ÷ 25% = 0.32; 15% ÷ 10% = +1.5; coffee ₹500→₹450 पर चीनी 10→15 kg: 50% ÷ −10% = −5)।	Q2, Q3, Q4, Q9, Q10, Q13 (+ 1.5 Q14, 1.5 Q43)	PYQ 2021-Jan, 2021-Jul, 2022-Jun, 2022-Dec, 2024-Jun, 2024-Sep, 2026-May; MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2 (×2), 2025-Dec S1	1.7, pp. 2.43 – 2.44; उदाहरण (Illustrations) 7 – 10, pp. 2.45 – 2.46
1.7.4	Substitutes: cross elasticity धनात्मक होती है — Y का मूल्य बढ़ने पर X की माँग बढ़ती है (दालें महँगी → अधिक हरी सब्ज़ियाँ); मान जितना अधिक, substitute उतना निकट: perfect substitutes → अनन्त (infinite); close substitutes → धनात्मक और बड़ा; निकट नहीं → धनात्मक और छोटा।	Q1, Q5, Q6, Q8, Q18, Q19	PYQ 2018-May, 2022-Dec, 2023-Jun (×2); MTP 2026-Apr S1, 2026-Apr S2	1.7, p. 2.44
1.7.5	पूर्णत: असम्बन्धित वस्तुएँ (totally unrelated goods): cross elasticity शून्य होती है।	Q7, Q12	PYQ 2023-Jun, 2026-Jan	1.7, p. 2.44
1.7.6	Complements: cross elasticity ऋणात्मक होती है — एक का मूल्य बढ़ने पर दूसरी की मात्रा घटती है, इसलिए उनकी खरीद साथ-साथ बढ़ती या घटती है; शून्य से केवल थोड़ा कम → weak complements; ऋणात्मक और बहुत अधिक → strong complements। (ऋणात्मक cross elasticity प्रबल income effect से भी उत्पन्न हो सकती है।)	Q11, Q15, Q17	PYQ 2025-May; MTP 2025-Aug S1 (×2), 2025-Dec S1	1.7, pp. 2.44 – 2.45
1.7.7	Cross elasticity से माँग का पूर्वानुमान: Qx में % परिवर्तन = Ec × Py में % परिवर्तन (−0.8 × 20% = −16%; −1.20 × 25% = −30%)।	(+ 1.8 Q7)	PYQ 2026-Sep	Illustration 8, p. 2.45

विषय 1.8 विज्ञापन-लोच (Advertisement Elasticity)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 6 · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.8.1	Advertisement (promotional) elasticity of demand फर्म के विज्ञापन-व्यय में परिवर्तन के प्रति किसी वस्तु की माँग की प्रतिक्रियाशीलता मापती है — नई बिक्री लाने में विज्ञापन अभियान (advertisement campaign) की प्रभावशीलता: Ea = माँगी गई मात्रा में % परिवर्तन ÷ विज्ञापन-व्यय में % परिवर्तन = (ΔQd/Qd) ÷ (ΔA/A)।	Q6	MTP 2026-Apr S1	1.8, pp. 2.46 – 2.47
1.8.2	Advertising elasticity of demand सामान्यत: धनात्मक होती है और शून्य से अनन्त के बीच रहती है; इसका मान जितना अधिक, विज्ञापन के प्रति माँग की प्रतिक्रियाशीलता उतनी अधिक।	Q1	PYQ 2022-Jun	1.8, pp. 2.46 – 2.47
1.8.3	Ea आँकड़े (numericals): 5% ÷ 25% = 0.2 (आनुपातिक से कम); ₹2 lakh → ₹3 lakh (50%) पर बिक्री 10 → 20 lakh इकाइयाँ (100%) = 2; 60% ÷ 20% = 3; 40% ÷ 20% = 2 — Ea > 1 का अर्थ है कि माँग विज्ञापन-व्यय से अधिक दर से बढ़ती है।	Q2, Q3, Q4, Q5	PYQ 2022-Jun, 2022-Dec, 2024-Sep, 2025-Sep	1.8 table, p. 2.47

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.8.4	*विषय 1.7 देखें: A की माँग में % परिवर्तन = cross elasticity × B के मूल्य में % परिवर्तन = −1.20 × 25% = −30% (ऋणात्मक: complements) ।*	Q7	PYQ 2026-Sep	Illustration 8, p. 2.45

इकाई 2: उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त (Theory of Consumer Behaviour)

SM अध्याय 2, इकाई 2, पृष्ठ 2.50 – 2.73

विषय 2.0 मानवीय आवश्यकताओं की प्रकृति (Nature of Human Wants)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.1	Utility किसी वस्तु की आवश्यकता-सन्तुष्टि की शक्ति (want-satisfying power) है (सामान्यतः, सन्तुष्टि)। यह निरपेक्ष नहीं बल्कि सापेक्ष है, और लोगों की मानसिक प्रवृत्ति पर निर्भर एक व्यक्तिपरक (subjective) अवधारणा है: आवश्यकताएँ व्यक्तिपरक एवं सापेक्ष होती हैं और समय, स्थान तथा व्यक्ति के साथ बदलती हैं, अतः utility भी बदलती है। Utility एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है, उपयोगिता-मात्र (usefulness) से भिन्न, और इसका नैतिक (moral) या नीतिपरक (ethical) मूल्यों से कोई सम्बन्ध नहीं।	Q1 (+ 2.1 Q3)	PYQ 2025-Jan; MTP 2024-Aug	2.0, pp. 2.50 – 2.51; Summary, p. 2.72

विषय 2.1 आवश्यकताओं का वर्गीकरण (Classification of Wants)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	आवश्यकताओं (wants) को necessaries, comforts और luxuries में वर्गीकृत किया जाता है। Comforts, necessaries और luxuries के बीच आते हैं: वे necessaries (जो जीवन को सम्भव बनाती हैं) से कम अनिवार्य (less urgent) हैं, जीवन को आरामदायक और सन्तोषजनक बनाते हैं, जबकि luxuries अनावश्यक (superfluous) और महँगी होती हैं। यह वर्गीकरण कठोर (rigid) नहीं है — जो एक व्यक्ति के लिए या एक समय पर comfort या luxury है, वह दूसरे के लिए necessity हो सकती है।	Q4	MTP 2025-Aug S1	2.1, pp. 2.51 – 2.52
2.1.2	*विषय 2.0 देखें: utility वस्तुओं एवं सेवाओं की आवश्यकता-पूर्ति की क्षमता (want-satisfying power) है — सापेक्ष (relative), निरपेक्ष (absolute) नहीं, और व्यक्तिपरक (subjective) ।*	Q3	PYQ 2025-Jan	2.0, p. 2.50; Summary, p. 2.72
2.1.3	*विषय 2.2 देखें: MU = TUn − TUn−1 (830 − 750 = 80; 960 − 930 = 30) ।*	Q1, Q2	PYQ 2021-Jul (×2)	2.0, p. 2.51; 2.2, p. 2.53

विषय 2.2 TU तथा MU का सम्बन्ध (Relationship between TU & MU)

12 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 9 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	TU उपभोग की गई सभी इकाइयों से मिलने वाली utilities का कुल योग है (TU = ∑MU); MU एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से प्राप्त अतिरिक्त utility है — total utility में किया गया योग: MU = TUn − TUn−1 (या ΔTU/ΔN)। पहली इकाई पर TU = MU, अतः TU2 = TU1 + MU2 (200 + 180 = 380) और MU3 = TU3 − TU2 (480 − 380 = 100)।	Q1, Q2, Q3, Q7 (+ 2.1 Q1, 2.1 Q2)	PYQ 2018-Nov (×3), 2021-Jul (×2), 2023-Dec	2.0, p. 2.51; 2.2, p. 2.53
2.2.2	जब TU घटती दर से बढ़ती है, तब MU घटती है परन्तु धनात्मक (positive) रहती है; जब TU अधिकतम (और स्थिर) होती है — satiation (तृप्ति) का बिन्दु — तब MU शून्य होती है; जब TU घटने लगती है, तब MU ऋणात्मक (negative) हो जाती है।	Q4, Q6, Q10, Q11	PYQ 2019-May, 2021-Dec, 2025-May; MTP 2025-May S2	2.2, p. 2.53
2.2.3	Total utility के दूसरे नाम के रूप में 'Total satiety' ICAI का keyed answer है; SM में ऐसा कोई शब्द नहीं है (TU बस marginal utilities का योग है, जो MU = 0 होने पर अधिकतम होती है)।	Q5	PYQ 2019-Nov	SM में नहीं (केवल PYQ)
2.2.4	एक वस्तु की स्थिति में उपभोक्ता तब equilibrium में होता है जब वस्तु की MU उसके price के बराबर हो; यदि MU, utils में दी गई हो और money की MU (MUm) ज्ञात हो, तो Price = MUx ÷ MUm (50 ÷ 10 = ₹5)।	Q12	MTP 2025-Apr S1	2.4, p. 2.55 (MUx ÷ MUm वाला रूप SM में नहीं है)
2.2.5	*विषय 2.4 देखें: consumer surplus = उपभोक्ता जितना देने को तैयार है − वह वास्तव में जितना देता है (Marshall का 'excess of the price …'); price बढ़ने पर यह घटता है और price घटने पर बढ़ता है।*	Q8, Q9	PYQ 2025-Jan; MTP 2024-Dec S1	2.4, pp. 2.55, 2.57

विषय 2.3 घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम (Law of Diminishing Marginal Utility)

17 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 11 · RTP 2 · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम (Law of diminishing marginal utility): जैसे-जैसे उपभोक्ता किसी वस्तु की अधिक इकाइयाँ लेता है, प्रत्येक अतिरिक्त इकाई से मिलने वाली अतिरिक्त सन्तुष्टि घटती जाती है — घटती MU है, TU नहीं। अतः lemonade का दूसरा गिलास पहले की तुलना में कम सन्तुष्टि देता है, और पहली इकाई का योगदान सबसे अधिक होता है। यह नियम इस तथ्य पर आधारित है कि प्रत्येक एकल आवश्यकता (single want) तृप्त की जा सकती है (satiable)।	Q2, Q15	PYQ 2021-Jan; RTP 2026-Jan	2.3, p. 2.53; Summary, p. 2.72
2.3.2	Utility को utils (utility की इकाई) में मापा जाता है; marginal utility analysis cardinal है (Marshall का दृष्टिकोण)।	Q4	PYQ 2021-Dec	2.3, p. 2.54; 2.5, p. 2.59

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.3	नियम की मान्यताएँ (assumptions): इकाइयाँ सभी प्रकार से समान (identical) हों और उपभोक्ता की आदत, रुचि, व्यवहार (treatment) तथा आय अपरिवर्तित रहें; इकाइयाँ standard हों (लगातार चम्मच-भर नहीं); कोई time gap न हो — उपभोग लगातार (continuous) हो; यह gold या cash पर लागू न भी हो; substitutes और complements, utility curve के आकार को प्रभावित करते हैं। Cardinal होने के कारण MU analysis, ordinal measurability की मान्यता **नहीं** लेता, और 'income changing frequently' कोई मान्यता नहीं है।	Q6, Q16	PYQ 2022-Dec; MTP 2026-Apr S1	2.3, p. 2.54; 2.5, p. 2.59
2.3.4	*विषय 2.2 देखें: MUn = TUn − TUn−1 (108 − 100 = 8); जब MU = 0, तब TU अधिकतम होती है; TU = MU केवल पहली इकाई पर होता है (TU1 = 25 = 25 − 0)।*	Q5, Q7, Q8, Q17	PYQ 2022-Dec, 2023-Jun, 2023-Dec, 2026-Sep	2.0, p. 2.51; 2.2, p. 2.53
2.3.5	*विषय 2.4 देखें: consumer surplus की अवधारणा law of diminishing marginal utility से व्युत्पन्न (उस पर आधारित) है — इसका उलटा नहीं; वस्तु का price घटने पर consumer surplus बढ़ता है।*	Q3, Q9, Q10	PYQ 2021-Dec, 2024-Sep; RTP 2024-Sep	2.4, pp. 2.55, 2.57
2.3.6	*विषय 2.5 देखें: consumer equilibrium पर MUx/Px = MUy/Py और MRSxy = Px/Py, अतः चुने गए bundle पर budget line से अधिक ढलवाँ (steeper) IC, equilibrium नहीं है; budget-line का slope = X-axis वाली वस्तु का price ÷ Y-axis वाली वस्तु का price (X पर Pepsi, Y पर Nachos: PP/PN); ऊँचा IC (IC3) अधिक सन्तुष्टि देता है।*	Q1, Q11, Q12, Q13	PYQ 2018-Nov, 2025-Jan; MTP 2024-Dec S1 (×2), 2025-Apr S1	2.5.2, p. 2.62; 2.5.5, p. 2.69; 2.5.6, p. 2.71
2.3.7	Giffen good एक inferior good है — आय बढ़ने पर इसकी quantity demanded घटती है — इसलिए इसका Engel curve (आय–मात्रा) ऋणात्मक ढाल वाला (negatively sloped) होता है।	Q14	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 2.4 उपभोक्ता की बचत (Consumer Surplus)

16 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 13 · RTP 2 · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.1	Consumer surplus की अवधारणा Alfred Marshall ने प्रतिपादित की, जिन्होंने इसे 'excess of the price which a consumer would be willing to pay rather than go without a thing over that which he actually does pay' के रूप में परिभाषित किया। इस प्रकार consumer surplus = उपभोक्ता जितना देने को तैयार है – वह वास्तव में जितना देता है: किसी वस्तु की खरीद से क्रेता का शुद्ध लाभ (net gain)।	Q5, Q7, Q13 (+ 2.2 Q8, 2.2 Q9, 3.4 Q5)	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun, 2025-Jan, 2026-Jan; MTP 2024-Dec S1, 2026-Apr S1	2.4, pp. 2.54 – 2.55; Summary, p. 2.72
2.4.2	Numericals: CS = वह अधिकतम राशि जो उपभोक्ता देने को तैयार है – वास्तव में चुकाया गया price, जहाँ वास्तविक price हर discount घटाने के बाद का होता है (₹11,000 – 20% = ₹8,800 – ₹300 cash discount = ₹8,500; CS = ₹12,000 – ₹8,500 = ₹3,500; ₹60,000 – ₹55,000 = ₹5,000)।	Q4, Q8	PYQ 2020-Nov, 2024-Jun	2.4, p. 2.55

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.3	Consumer surplus, law of diminishing marginal utility से व्युत्पन्न है: उपभोक्ता तब तक खरीदता है जब तक MU, price के बराबर न हो जाए, और चूँकि सभी इकाइयों का price समान है, उसे सीमान्त (margin) वाली इकाई को छोड़कर हर इकाई पर अतिरिक्त utility (surplus) मिलती है; सीमान्त इकाई पर consumer surplus शून्य होता है।	Q1, Q3, Q6 (+ 2.3 Q3, 2.3 Q10)	PYQ 2018-May, 2019-May, 2021-Dec (×2); RTP 2024-Sep	2.4, pp. 2.55 – 2.56
2.4.4	Consumer surplus का demand curve से घनिष्ठ सम्बन्ध है, जो क्रेताओं की भुगतान-तत्परता (willingness to pay) दर्शाता है; रेखाचित्र में यह demand curve के नीचे और price line के ऊपर का त्रिभुजाकार क्षेत्र है।	Q12, Q16	PYQ 2025-Sep, 2026-Sep	2.4, pp. 2.56 – 2.57
2.4.5	किसी वस्तु का price बढ़ने से consumer surplus घटता है; price घटने से यह बढ़ता है (ऊँचा price → कम surplus)।	Q15 (+ 2.2 Q8, 2.3 Q9)	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S2	2.4, p. 2.57; Summary, p. 2.72
2.4.6	सीमाएँ (limitations): consumer surplus को सटीक रूप से मापा नहीं जा सकता (विभिन्न इकाइयों की MUs मापना कठिन है); necessaries के मामले में यह सदैव अनन्त (infinite) होता है; यह substitutes की उपलब्धता से प्रभावित होता है; prestige goods (हीरे) के लिए कोई नियम नहीं है; money की MU स्थिर नहीं रहती; और utility को money में मापना सम्भव न भी हो।	Q2, Q14	PYQ 2018-Nov; RTP 2025-May	2.4.2, p. 2.59
2.4.7	*विषय 2.5 देखें: एक-दूसरे को काटते (intersecting) ICs तार्किक रूप से असंगत (logically absurd) हैं (कोई 'highest-satisfaction' बिन्दु नहीं); IC analysis, consumer preferences पर आधारित ordinal approach है; perfect substitutes सीधी रेखा वाला IC देते हैं।*	Q9, Q10, Q11	PYQ 2024-Sep (×2); RTP 2024-Sep	2.5, p. 2.59; 2.5.4, pp. 2.65 – 2.66

विषय 2.5 तटस्थता-वक्र विश्लेषण (Indifference Curve Analysis)

43 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 30 · RTP – · MTP 19

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.1	Ordinal utility approach उपभोक्ता व्यवहार के विश्लेषण के लिए indifference curve का प्रयोग करता है और consumer preferences पर आधारित है: सन्तुष्टि को मापा नहीं जा सकता, केवल क्रम (rank) दिया जा सकता है (utility केवल ordinally व्यक्त की जा सकती है), जबकि Marshall का cardinal approach इससे भिन्न है। SM में ordinal analysis, J.R. Hicks और R.G.D. Allen का है।	Q10, Q12, Q36 (+ 2.4 Q10)	PYQ 2021-Jul, 2021-Dec, 2024-Sep; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S1	2.5, p. 2.59; 2.5.0, p. 2.60; 2.5.1, p. 2.60
2.5.2	'More is better' (non-satiation) मान्यता: यदि bundle A में bundle B से अधिक वस्तुएँ हैं, तो A को प्राथमिकता दी जाती है — अर्थात् preferences monotonic हैं: कम से कम एक वस्तु अधिक और दूसरी कम नहीं।	Q25	MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1	2.5.0 (iv), p. 2.60 ('monotonic' शब्द SM में नहीं है)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.3	Indifference curve दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों (combinations) को दर्शाता है जो उपभोक्ता को समान (equal) सन्तुष्टि देते हैं — एक iso-utility curve। यह बाएँ से दाएँ नीचे की ओर ढलता है, क्योंकि एक वस्तु अधिक लेने पर, सन्तुष्टि समान बनाए रखने के लिए दूसरी वस्तु कम लेनी पड़ती है।	Q7, Q17, Q19	PYQ 2019-Nov, 2022-Dec, 2023-Dec; MTP 2025-May S2	2.5.1, p. 2.60; 2.5.4 (i), pp. 2.64 – 2.65
2.5.4	MRS वह दर है जिस पर उपभोक्ता, सन्तुष्टि स्थिर रखते हुए, वस्तु X और Y का विनिमय करने को तैयार है: MRSxy = ΔY/ΔX, अर्थात् Y की वह मात्रा जिसकी हानि की पूर्ति X की एक इकाई के लाभ से ठीक-ठीक हो जाती है, = MUx/MUy = IC का slope। जैसे-जैसे X अधिक लिया जाता है, MRS घटती जाती है (प्रत्येक आवश्यकता satiable है; वस्तुएँ imperfect substitutes हैं), जिससे IC convex बनता है।	Q4, Q11, Q28, Q37	PYQ 2018-Nov, 2021-Dec, 2025-May; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S1	2.5.3, pp. 2.62 – 2.64
2.5.5	ICs की विशेषताएँ (properties): (i) दाईं ओर नीचे ढलते हैं; (ii) सदैव origin की ओर convex होते हैं; (iii) एक-दूसरे को कभी नहीं काटते (या छूते) — काटना तार्किक रूप से असंगत है, क्योंकि इससे ऊँची और नीची सन्तुष्टि बराबर दिखती है; (iv) ऊँचा IC (origin से अधिक दूर) अधिक सन्तुष्टि दर्शाता है; (v) किसी भी axis को कभी नहीं छूते। Concave, ऊपर की ओर ढलते, एक-दूसरे को काटते या axis को छूते ICs विशेषताएँ **नहीं** हैं।	Q3, Q14, Q32, Q33, Q43 (+ 2.3 Q13, 2.4 Q9)	PYQ 2018-Nov, 2021-Dec, 2024-Sep, 2025-Jan, 2026-Jan, 2026-May, 2026-Sep	2.5.2, p. 2.61; 2.5.4, pp. 2.64 – 2.67
2.5.6	दो चरम स्थितियाँ: perfect substitutes सीधे, समानान्तर ICs देते हैं जिनकी MRS स्थिर होती है; perfect complements (बायाँ और दायाँ जूता, केवल निश्चित अनुपात में उपभुक्त) ऐसा IC देते हैं जो समकोण मोड़ वाली दो सीधी रेखाओं से बना है — L-shaped (MRS अपरिभाषित)।	Q1, Q8, Q15, Q16, Q18, Q27 (+ 2.4 Q11)	PYQ 2018-May, 2020-Nov, 2022-Jun (×2), 2023-Jun; RTP 2024-Sep; MTP 2025-Jan S2	2.5.4 (ii), p. 2.65
2.5.7	Budget line (price line) दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों को दर्शाती है जिन्हें उपभोक्ता दिए गए prices पर अपनी दी गई money income खर्च करके खरीद सकता है (PxQx + PyQy = B)। इसके भीतर/नीचे का बिन्दु (K) underspending दर्शाता है — पूरी आय खर्च नहीं हुई; इसके बाहर/ऊपर का बिन्दु (H) उपभोक्ता की पहुँच से बाहर (unattainable) है।	Q6, Q20, Q22, Q26	PYQ 2019-Nov, 2023-Dec, 2024-Jun; MTP 2024-Aug	2.5.5, pp. 2.67 – 2.69
2.5.8	किसी axis पर budget-line का intercept = income ÷ उस वस्तु का price, अतः price = income ÷ intercept (₹750 ÷ 25 = ₹30; ₹750 ÷ 50 = ₹15)।	Q21	PYQ 2024-Jun	2.5.5, pp. 2.67 – 2.68 (Table 9)
2.5.9	Budget line का slope दोनों वस्तुओं के relative prices — price ratio Px/Py — से निर्धारित होता है और उस दर को मापता है जिस पर उपभोक्ता एक वस्तु को दूसरी से बदल सकता है; relative price एक money price का दूसरे money price से अनुपात है।	Q31, Q38 (+ 2.3 Q11)	PYQ 2025-Sep; MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	2.5.5, p. 2.69

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.10	Budget line खिसकती (shift होती) है — एक या दोनों वस्तुओं के price में परिवर्तन से (income स्थिर), nominal income में परिवर्तन से (relative prices स्थिर), या दोनों से। Income में परिवर्तन समानान्तर (parallel) shift देता है; केवल एक वस्तु का price बढ़ने पर रेखा उस वस्तु के axis पर अन्दर की ओर घूमती (rotate होती) है (दूसरा intercept वहीं रहता है), जिससे उपभोक्ता नीचे के IC पर आ जाता है; यदि दोनों prices समान अनुपात में बदलें तो slope वही रहता है।	Q9, Q13, Q35, Q40, Q41	PYQ 2020-Nov, 2021-Dec; MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S2 (×2)	2.5.5, p. 2.69 (rotation/parallel का विवरण व्युत्पन्न)
2.5.11	Consumer equilibrium (optimal choice) budget line पर स्थित वह बिन्दु है जो सर्वोच्च सम्भव IC पर हो — जहाँ price line, IC को स्पर्श (tangent) करती है, अतः IC का slope = price line का slope: MRSxy = MUx/MUy = Px/Py। उपभोक्ता बाधाओं (constraints) — दिए गए prices और सीमित money income — के अधीन अपनी सन्तुष्टि अधिकतम करता है।	Q2, Q29, Q39, Q42 (+ 2.3 Q12)	PYQ 2018-Nov, 2025-Sep; MTP 2024-Dec S1, 2025-May S2, 2025-Dec S1	2.5.5, p. 2.67; 2.5.6, pp. 2.70 – 2.71
2.5.12	समतुल्य रूप में, equilibrium पर MUx/Px = MUy/Py (= MUz/Pz): सभी वस्तुओं के लिए प्रति रुपया marginal utility बराबर होती है।	Q30 (+ 2.3 Q1)	PYQ 2018-Nov, 2025-Sep	2.5.6, p. 2.71; Summary, p. 2.73
2.5.13	IC analysis, utility analysis से श्रेष्ठ है: यह utility की measurability की आवश्यकता समाप्त कर देता है; एक समय में एक से अधिक वस्तुओं का अध्ययन करता है; money की MU को स्थिर नहीं मानता; और income effect को substitution effect से अलग करता है।	Q34	MTP 2025-Aug S1	2.5.6, p. 2.71
2.5.14	Price गिरने का substitution effect (ceteris paribus) उसी IC पर नीचे की ओर गति है (utility स्थिर), अब सस्ती हुई वस्तु की ओर।	Q23	MTP 2024-Aug, 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
2.5.15	Inferior goods का income effect ऋणात्मक और income elasticity ऋणात्मक होती है (maize, −0.30 पर): आय बढ़ने पर demand घटती है।	Q5, Q24	PYQ 2019-May (×2); MTP 2024-Aug	SM इकाई 2 में नहीं (यहाँ केवल PYQ; income elasticity SM अध्याय 2 इकाई 1 में है)

इकाई 3: पूर्ति (Supply)

SM अध्याय 2, इकाई 3, पृष्ठ 2.74 – 2.90

विषय 3.0 प्रस्तावना (Introduction)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.0.1	Supply (quantity supplied) किसी वस्तु या सेवा की वह मात्रा है जिसे उत्पादक एक दी गई अवधि में विभिन्न prices पर बाज़ार में प्रस्तुत करने (बेचने की योजना बनाने) के इच्छुक और समर्थ हैं — जो बिक्री के लिए प्रस्तुत है, आवश्यक नहीं कि जो बिक गया हो।	Q1	PYQ 2019-Nov	3.0, pp. 2.74 – 2.75

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.0.2	Supply एक flow है: इसे एक निर्दिष्ट समय-अवधि के लिए पहचाना जाता है — प्रति दिन, सप्ताह या वर्ष 'so much'।	Q2	PYQ 2018-May, 2019-Nov, 2021-Jan	3.0 (iii), p. 2.75

विषय 3.1 पूर्ति के निर्धारक (Determinants of Supply)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.1	Supply के निर्धारक (determinants): वस्तु का price; सम्बन्धित वस्तुओं के prices; factors of production के prices (input costs); technology की स्थिति; सरकारी नीति (taxes, subsidies); competition की प्रकृति और उद्योग का आकार; expectations; विक्रेताओं की संख्या; अन्य कारक (मौसम, हड़तालें आदि)। Consumer preferences, demand को निर्धारित करती हैं, supply को नहीं।	Q1	MTP 2024-Aug	3.1, pp. 2.75 – 2.76
3.1.2	सम्बन्धित वस्तुओं के prices: यदि Y का price बढ़ता है, तो उत्पादक साधनों को Y की ओर ले जाते हैं और X की quantity supplied घटती है (wheat का price बढ़ा → भूमि corn से हटाई गई)। अतः जो वस्तुएँ उत्पादन में substitutes हैं, उनमें एक की demand बढ़ने से दूसरी की supply घटती है।	(+ 3.5 Q18)	MTP 2025-Jan S2	3.1 (ii), p. 2.75

विषय 3.2 पूर्ति का नियम (Law of Supply)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP 1 · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.1	Law of supply: अन्य बातें स्थिर रहने पर, वस्तु का price बढ़ने पर quantity supplied बढ़ती है और price घटने पर घटती है — quantity supplied में परिवर्तन वस्तु के अपने price से सम्बन्धित है।	Q2	PYQ 2018-Nov	3.2, p. 2.77; Summary, p. 2.89
3.2.2	Ceteris paribus, ऊँचे price का अर्थ है अधिक लाभ और इसलिए supply करने की अधिक प्रेरणा; अल्पकाल (short run) में supply price बढ़ने से उत्पादक का लाभ बढ़ता है।	Q1	PYQ 2018-May	3.1 (i), p. 2.75; 3.2, p. 2.77
3.2.3	Supply curve प्रत्येक price पर quantity supplied दर्शाता है, जबकि अन्य सभी कारक (input prices, technology, मौसम) स्थिर रखे जाते हैं; इस पर केवल वस्तु का अपना price बदलता है।	Q4	RTP 2024-Sep	3.2, p. 2.78
3.2.4	*विषय 3.4 देखें: supply curve का दाईं ओर shift होना increase in supply है।*	Q3	PYQ 2021-Jan	3.4, p. 2.79

विषय 3.3 पूर्ति-रेखा पर गति — पूर्ति की मात्रा में वृद्धि अथवा कमी (Movements on Supply Curve-increase or decrease in the quantity supplied)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.1	वस्तु का अपना price बढ़ने से expansion of supply होता है (supply curve पर ऊपर की ओर गति); price घटने से contraction of supply होता है (नीचे की ओर गति)।	Q1	PYQ 2019-May	3.3, p. 2.79

विषय 3.4 पूर्ति-रेखा का खिसकना — पूर्ति में वृद्धि अथवा कमी (Shifts in Supply Curve-increase or decrease in supply)

8 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.1	वस्तु के अपने price के अतिरिक्त किसी भी कारक में परिवर्तन supply curve को shift करता है: दाईं ओर shift, increase in supply है (हर price पर अधिक प्रस्तुत); बाईं ओर shift, decrease in supply है। Expansion और contraction, curve पर गतियाँ (movements along the curve) हैं, shifts नहीं।	Q1, Q2, Q8 (+ 3.2 Q3)	PYQ 2018-May, 2021-Jan, 2023-Jun, 2026-Sep	3.4, pp. 2.79 – 2.80
3.4.2	नई फर्मों (नए supplier) का प्रवेश industry supply curve को दाईं ओर shift करता है; वस्तु पर tax या ऊँची wage costs लागत बढ़ाकर इसे बाईं ओर shift करती हैं; वस्तु का अपना price बढ़ना इसी curve पर गति है।	Q7	MTP 2026-Apr S2	3.1 (iii), (v), (viii), pp. 2.75 – 2.76
3.4.3	*विषय 3.5 देखें: Es = (Δq/Δp) × (p/q) — SM उदाहरण 500/100 × 2,000/2,500 = 4; %ΔP = %ΔQ ÷ Es = 20% ÷ 1.25 = 16%, अतः नया price ₹11.60 है।*	Q3, Q4	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Aug	3.5, pp. 2.80 – 2.81
3.4.4	*विषय 3.6 देखें: जब supply बढ़ती है और demand घटती है, तो equilibrium price निश्चित रूप से गिरता है; quantity में परिवर्तन अनिश्चित रहता है।*	Q6	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
3.4.5	इकाई 2, विषय 2.4 देखें: consumer surplus की अवधारणा Alfred Marshall ने प्रतिपादित की।	Q5	MTP 2026-Apr S1	2.4, p. 2.54

विषय 3.5 पूर्ति की लोच (Elasticity of Supply)

24 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 22 · RTP – · MTP 8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.1	Elasticity of supply, price में परिवर्तन के प्रति quantity supplied की प्रतिक्रियाशीलता (responsiveness) है: Es = quantity supplied में % परिवर्तन ÷ price में % परिवर्तन = (Δq/Δp) × (p/q), जहाँ p और q मूल (original) मान हैं। यह धनात्मक होती है क्योंकि price और quantity supplied एक ही दिशा में चलते हैं। पुनर्व्यवस्थित करने पर: %ΔQs = Es × %ΔP (5 × 15% = 75%) और %ΔP = %ΔQs ÷ Es।	Q1, Q5, Q9, Q13, Q14, Q15 (+ 3.4 Q3, 3.4 Q4)	PYQ 2018-Nov, 2019-Nov, 2022-Jun, 2023-Jun, 2023-Dec, 2024-Sep, 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1	3.5, pp. 2.80 – 2.81

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.2	Supply elasticity दो प्रकार से मापी जाती है: point elasticity (supply curve के किसी दिए गए बिन्दु पर) और arc elasticity (दो बिन्दुओं के बीच)। 'Inelasticity' और 'perfect elasticity' श्रेणियाँ (degrees) हैं, मापन की विधियाँ नहीं।	Q8, Q22	PYQ 2022-Jun, 2026-Jan	3.5.1, p. 2.84; Summary, p. 2.89
3.5.3	Point elasticity: Es = (dq/dp) × (p/q), जहाँ dq/dp, supply function में p का गुणांक (coefficient) है — पहले दिए गए p पर q ज्ञात करें (Q = 20p − 200, p = 30 पर: 20 × 30/400 = 1.5; q = 120 + 6p, p = 10 पर: 6 × 10/180 = 1/3)।	Q7, Q17	PYQ 2021-Dec, 2025-Jan; MTP 2025-Aug S2	3.5.1, pp. 2.84 – 2.85
3.5.4	Arc elasticity (दो prices के बीच): Es = (Q2 − Q1)/(Q2 + Q1) × (P2 + P1)/(P2 − P1) (50/350 × 210/10 = 3)।	Q20	PYQ 2025-May	3.5.1, p. 2.85
3.5.5	Perfectly inelastic supply: Es = 0 — price चाहे जो हो, quantity supplied अपरिवर्तित रहती है; supply curve लम्बवत् (vertical) होता है (Y-axis के समानान्तर)। अर्थव्यवस्था के लिए भूमि (land) की कुल supply इसका मानक उदाहरण है: demand में परिवर्तनों से अप्रभावित।	Q2, Q3, Q10, Q21	PYQ 2018-Nov, 2019-May, 2019-Nov, 2022-Jun, 2026-Jan; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S1	3.5.0 (i), p. 2.81 (land का उदाहरण SM में नहीं)
3.5.6	Relatively less-elastic supply: 0 < Es < 1 (%ΔQ < %ΔP); relatively greater-elastic supply: 1 < Es < ∞ — price में थोड़े परिवर्तन पर quantity काफ़ी बदलती है; unit-elastic: Es = 1 (%ΔQ = %ΔP), विभाजक रेखा। Origin से गुज़रने वाले सीधी रेखा वाले supply curve की Es = 1 होती है, उसका कोण चाहे जो हो।	Q6, Q23	PYQ 2020-Nov; MTP 2025-Aug S2, 2025-Dec S1	3.5.0 (ii) – (iv), pp. 2.82 – 2.83 (origin से गुज़रने वाली रेखा का नियम SM में नहीं)
3.5.7	Perfectly elastic supply: Es = ∞ — supply curve क्षैतिज (horizontal) होता है (X-axis के समानान्तर); कम price पर कुछ भी supply नहीं होता और उस price पर कितनी भी मात्रा।	Q11, Q16, Q24	PYQ 2022-Dec, 2025-Jan, 2026-Sep	3.5.0 (v), p. 2.83
3.5.8	Supply कम elastic होती है जब output के साथ लागत तेज़ी से बढ़े, उत्पादन जटिल या धीमा हो (aircraft), समय-अवधि छोटी हो, क्षमता का पूरा उपयोग हो रहा हो, inputs या कुशल श्रम दुर्लभ हों, या वस्तु का मूल्य घटाए बिना उसका भण्डारण न हो सके — इसलिए अण्डे जैसी perishables, और पर्यटकों की भीड़ में होटल के कमरों की supply inelastic होती है (Es < 1)। लम्बी अवधि, अनेक उत्पादक, कम entry barriers, अतिरिक्त (spare) क्षमता, आसान भण्डारण, और factors के सरल प्रतिस्थापन एवं गतिशीलता (mobility) होने पर यह अधिक elastic होती है।	Q4, Q12, Q19	PYQ 2019-May, 2023-Jun; MTP 2025-Jan S2	3.5.2, pp. 2.85 – 2.86
3.5.9	*विषय 3.1 देखें: जो वस्तुएँ उत्पादन में substitutes हैं, उनमें corn की demand बढ़ने पर inputs, wheat से हटकर corn की ओर चले जाते हैं, अतः wheat की supply घटती है।*	Q18	MTP 2025-Jan S2	3.1 (ii), p. 2.75

विषय 3.6 सन्तुलन मूल्य (Equilibrium Price)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.6.1	Equilibrium price, demand और supply के प्रतिच्छेदन (intersection) से निर्धारित होता है: quantity demanded, quantity supplied के बराबर होती है — न कोई बिना बिका स्टॉक, न excess demand। इसे market equilibrium या market clearing price भी कहते हैं। इससे ऊपर excess supply, price को नीचे धकेलती है; इससे नीचे excess demand इसे ऊपर धकेलती है।	Q3	PYQ 2023-Dec	3.6, p. 2.87
3.6.2	बीजगणितीय (algebraic) equilibrium: Qd = Qs रखकर P, फिर Q ज्ञात करें (12 − 2P = 3 + P → P = 3, Q = 6)।	Q5	MTP 2025-Apr S1, 2025-Dec S1	3.6, p. 2.87
3.6.3	Producer surplus वह लाभ है जो उत्पादकों को किसी इकाई को उसकी उत्पादन-लागत से अधिक पर बेचने से मिलता है; यह तब उत्पन्न होता है जब market price उस न्यूनतम price से अधिक हो जिस पर उत्पादक supply करने को तैयार होगा — supply curve के ऊपर और price line के नीचे का क्षेत्र।	Q2	PYQ 2022-Dec	3.6.1, p. 2.88
3.6.4	जब demand घटती है और supply बढ़ती है, तो equilibrium price निश्चित रूप से गिरता है (दोनों shifts इसे नीचे धकेलते हैं), परन्तु quantity पर प्रभाव अनिश्चित है (दोनों shifts, quantity को विपरीत दिशाओं में खींचते हैं)।	Q4 (+ 3.4 Q6)	PYQ 2026-Jan; MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल PYQ)
3.6.5	Short-run price को market price भी कहते हैं (ICAI का keyed answer)। SM, equilibrium price को 'market equilibrium' या 'market clearing price' कहता है, short-run price नहीं।	Q1	PYQ 2018-May	SM में नहीं (केवल PYQ)

भाग B — अध्याय 2 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 57% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — माँग का नियम एवं माँग की लोच (Law of Demand and Elasticity of Demand)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Business firms को अपने उत्पादों की demand का विश्लेषण करना चाहिए।	★	1.0.1
2	Demand = वह मात्रा जिसे क्रेता एक दी गई अवधि में विभिन्न prices पर खरीदने के इच्छुक और समर्थ हैं — केवल इच्छा (desire) से अधिक।	★	1.0.2
3	Effective demand = इच्छा (desire) + खरीदने के साधन + उनका प्रयोग करने की तत्परता (unlimited wants इसका तत्त्व नहीं)।	★★	1.0.3, 1.1.18
4	निर्धारक: अपना price, सम्बन्धित वस्तुओं के prices, disposable income, रुचियाँ (tastes), expectations, जनसंख्या का आकार एवं आयु-संरचना, national income और उसका वितरण, credit एवं ब्याज, सरकारी नीति — cost of production नहीं।	★★	1.1.1, 1.1.12
5	Ceteris paribus = अन्य बातें समान रहने पर।	★	1.1.2
6	सम्बन्धित वस्तुएँ (related goods): दो प्रकार — complements और substitutes।	★	1.1.3
7	Complements (साथ-साथ उपभुक्त — car एवं petrol, computer एवं software): demand बनाम complement का price = विपरीत (inverse)।	★★	1.1.4
8	Substitutes (एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त — tea एवं coffee): demand बनाम substitute का price = प्रत्यक्ष (direct)।	★★	1.1.5
9	Normal goods: आय के साथ demand बढ़ती है; inferior goods: demand आय के एक स्तर तक ही बढ़ती है, फिर घटती है।	★	1.1.6, 1.1.7
10	Demonstration effect — James Duesenberry — दूसरों के उपभोग का अनुकरण।	★★	1.1.8, 1.2.6
11	Bandwagon: दूसरे खरीदते हैं इसलिए demand बढ़ती है (share-market के अनुयायी)।	★★	1.1.9
12	**Snob: दूसरे खरीदते हैं इसलिए demand घटती है (विशिष्टता — exclusivity; दूसरों के उपभोग का फलन)।**	★★★	1.1.10
13	Veblen: प्रतिष्ठा चाहने वाले धनी, conspicuous consumption; price का फलन।	★★	1.1.11, 1.0.4
14	Demand function Qx = f(Px, Y, Pr); असम्बन्धित वस्तुओं के prices शामिल नहीं।	★	1.2.1
15	Q = k/P एक rectangular hyperbola है → हर बिन्दु पर Ep = 1।	★	1.2.2
16	**Law of demand (Marshall): price–quantity का विपरीत सम्बन्ध, ceteris paribus।**	★★★	1.3.1, 1.3.2, 1.3.16
17	Demand curve का slope = −ΔP/ΔQ।	★	1.1.15
18	Market demand = व्यक्तिगत demands का क्षैतिज योग (horizontal summation)।	★	1.3.3, 1.2.4
19	Price effect = substitution effect + income effect (Hicks एवं Allen); Marshall → diminishing marginal utility।	★★	1.3.4, 1.3.1

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
20	**Substitution effect: relative price में परिवर्तन की प्रतिक्रिया; price गिरने पर सदैव धनात्मक; substitutes जितने निकट, switching cost और असुविधा जितनी कम, उतना प्रबल।**	★★★	1.3.5, 1.3.6, 1.1.14
21	Income effect = real income में परिवर्तन से demand में परिवर्तन।	★	1.3.7, 1.4.2
22	Inferior goods: income effect, substitution effect के विपरीत; ऋणात्मक IE > SE → नियम का उल्लंघन (Giffen paradox)।	★★	1.3.8
23	Demand curve नीचे क्यों ढलता है: price effect, diminishing MU, नए उपभोक्ता, विभिन्न उपयोग।	★	1.3.9, 1.2.3
24	**अपवाद (exceptions): conspicuous goods, Giffen goods, conspicuous necessities, price expectations, अपूर्ण जानकारी / अतार्किकता (irrationality), necessaries, speculative goods।**	★★★	1.3.10, 1.2.5
25	Conspicuous (prestige) goods: Veblen effect → ऊपर की ओर ढलता demand curve।	★★	1.3.11
26	**Giffen: inferior, कोई निकट substitute नहीं, budget में बड़ा हिस्सा, ऊपर की ओर ढलता curve (bajra); सभी Giffen goods inferior हैं, इसका उलटा नहीं।**	★★★	1.3.12, 1.3.13
27	Conspicuous necessities: TV, refrigerator, AC — prices बढ़ने पर demand नहीं घटती।	★	1.3.14
28	**Expansion = price गिरना → अधिक मात्रा की demand (नीचे की ओर गति); contraction = price बढ़ना → कम मात्रा की demand (ऊपर की ओर गति)।**	★★★	1.4.1
29	Price के अतिरिक्त अन्य कारक curve को shift करते हैं: दाईं ओर = increase in demand, बाईं ओर = decrease in demand।	★★	1.4.3, 1.3.15, 1.1.16
30	बाईं ओर shift: complement का price बढ़ना, substitute का price गिरना, price गिरने की अपेक्षा, क्रेताओं की संख्या कम होना, आय में गिरावट (normal goods)।	★	1.4.4
31	Curve पर गति = quantity demanded में परिवर्तन (अपना price); shift = demand में परिवर्तन (अन्य कारक)।	★★	1.4.5, 1.1.17
32	Elasticity = Q में % परिवर्तन ÷ किसी निर्धारक में % परिवर्तन; केवल 'elasticity' कहने का अर्थ = price elasticity।	★★	1.5.1
33	PED = (ΔQ/ΔP) × (P/Q) मूल आधार (original base) पर; चिह्न ऋणात्मक, परिमाण (magnitude) पढ़ें।	★★	1.5.2
34	**नया Q: ΔQ = Ep × Q × ΔP/P; नया P: %ΔP = %ΔQ ÷ Ep।**	★★★	1.5.3, 1.5.4
35	Point elasticity: अत्यल्प (infinitesimal) परिवर्तन; −(dq/dp) × (p/q) = price–quantity अनुपात × slope का व्युत्क्रम (reciprocal); Q = a − bP → dQ/dP = −b।	★★	1.5.5, 1.5.6
36	रैखिक (linear) curve: निचला खण्ड ÷ ऊपरी खण्ड; मध्य-बिन्दु पर 1, price-axis वाले सिरे पर ∞, quantity-axis वाले सिरे पर 0।	★★	1.5.7
37	**Arc: दो बिन्दु, बड़े परिवर्तन, औसत आधार — (Q2−Q1)/(Q2+Q1) × (P2+P1)/(P2−P1), चिह्न छोड़ दिया जाता है।**	★★★	1.5.8, 1.5.9, 1.2.8

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
38	**0 से ∞ तक मान: 0 लम्बवत् (vertical); < 1 तीव्र ढाल (steep); 1 rectangular hyperbola; > 1 चपटा (flat)।**	★★★	1.5.10, 1.5.11, 1.5.12, 1.5.14
39	Ep = ∞: price स्तर पर क्षैतिज, vertical axis को छूता हुआ — perfect competition।	★★	1.5.13, 1.3.17
40	**TR = P × Q; elastic: price बढ़े → TR घटे; unitary: TR वही; inelastic: price बढ़े → TR बढ़े।**	★★★	1.5.15, 1.5.16
41	**PED के निर्धारक: substitutes, budget में हिस्सा (बड़ा हिस्सा → अधिक elastic), luxury बनाम necessity, उपयोगों की संख्या, समय, आदतें, tied demand, price range, गौण complements (minor complements)।**	★★★	1.5.17, 1.4.7
42	**आदतन उपभोग और necessities (नमक, दवा, सब्ज़ियाँ) → inelastic; आभूषण (jewellery) → elastic।**	★★★	1.5.18, 1.5.19
43	अधिक elastic demand → tax का अधिक भार विक्रेता पर; सरकारें राजस्व के लिए inelastic वस्तुओं पर tax लगाती हैं; भारी tax उपभोग पर अंकुश तभी लगाते हैं जब ed > 1।	★★	1.5.20, 1.3.19, 1.6.5
44	Income elasticity = Q में % परिवर्तन ÷ income में % परिवर्तन।	★★	1.6.1
45	**Ei > 1 luxury; 0 < Ei < 1 necessity (normal); Ei < 0 inferior।**	★★★	1.6.2, 1.6.3, 1.4.8, 1.5.22
46	Income elasticity, short run और long run में भिन्न होती है (long run में अधिक)।	★	1.6.4
47	Cross demand: substitutes के लिए cross-demand curve ऊपर की ओर ढलता है।	★	1.7.1
48	**Ec = Qx में % परिवर्तन ÷ Py में % परिवर्तन — चिह्न (sign) महत्त्वपूर्ण है।**	★★★	1.7.3, 1.5.23, 1.2.9
49	**Substitutes: Ec धनात्मक (perfect substitutes ∞); असम्बन्धित वस्तुएँ: 0।**	★★★	1.7.4, 1.7.5
50	Complements: Ec ऋणात्मक (0 से थोड़ा कम = कमज़ोर; अत्यधिक ऋणात्मक = प्रबल); blazer एवं jacket complements नहीं हैं।	★★	1.7.6, 1.7.2
51	पूर्वानुमान: Qx में % परिवर्तन = Ec × Py में % परिवर्तन।	★	1.7.7, 1.8.4
52	**Advertisement elasticity = Qd में % परिवर्तन ÷ विज्ञापन-व्यय (ad spend) में % परिवर्तन; सामान्यतः धनात्मक, 0 से ∞; > 1 = demand, ad spend से अधिक तेज़ी से बढ़ती है।**	★★★	1.8.1, 1.8.2, 1.8.3
53	**इस इकाई के बाहर: consumer equilibrium, IC properties, cardinal approach (इकाई 2); supply एवं cost (इकाई 3); AR = demand curve (अध्याय 4); multiplier (National Income); direct बनाम derived demand; comforts।**	★★★	1.1.13, 1.5.24, 1.3.18, 1.5.25, 1.2.7, 1.4.6

इकाई 2 — उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त (Theory of Consumer Behaviour)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Utility = want-satisfying power; सापेक्ष, व्यक्तिपरक — व्यक्ति, समय और स्थान के साथ बदलती है।	★	2.0.1
2	आवश्यकताएँ: necessaries · comforts · luxuries; comforts, necessaries और luxuries के बीच आते हैं।	★	2.1.1
3	**TU = ∑MU; MU = TUn − TUn−1 = TU में किया गया योग; पहली इकाई पर TU = MU।**	★★★	2.2.1, 2.3.4

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
4	MU घटती पर +ve → TU घटती दर से बढ़ती है; MU = 0 → TU अधिकतम (satiation); MU −ve → TU घटती है।	★★	2.2.2
5	Law of DMU: हर अतिरिक्त इकाई कम जोड़ती है; MU (TU नहीं) घटती है; पहली इकाई सबसे अधिक देती है; प्रत्येक आवश्यकता satiable है।	★	2.3.1
6	Utility, utils में मापी जाती है; MU analysis cardinal है।	★	2.3.2
7	DMU की मान्यताएँ: समान standard इकाइयाँ · आदत, रुचि, आय अपरिवर्तित · लगातार उपभोग · gold/cash पर नहीं।	★	2.3.3
8	**Consumer surplus (Marshall) = उपभोक्ता जितना देने को तैयार है – वह वास्तव में जितना देता है (सभी discounts घटाकर)।**	★★★	2.4.1, 2.4.2
9	**CS, law of DMU से व्युत्पन्न; MU = price होने तक खरीदता है; सीमान्त इकाई पर surplus शून्य।**	★★★	2.4.3, 2.3.5, 2.2.4
10	CS ↔ demand curve; demand curve के नीचे और price line के ऊपर का त्रिभुजाकार क्षेत्र।	★	2.4.4
11	Price ↑ → CS ↓; price ↓ → CS ↑।	★★	2.4.5
12	CS की सीमाएँ: सटीक मापन सम्भव नहीं · necessaries के लिए अनन्त · substitutes से प्रभावित।	★	2.4.6
13	IC analysis = preferences पर आधारित ordinal approach; Hicks एवं Allen।	★★	2.5.1
14	'More is better' (non-satiation) = monotonic preferences।	★	2.5.2
15	IC = समान सन्तुष्टि देने वाले संयोग (iso-utility); दाईं ओर नीचे ढलता है।	★★	2.5.3
16	MRS = सन्तुष्टि स्थिर रखते हुए X का Y से विनिमय करने की दर = ΔY/ΔX = MUx/MUy; घटती MRS → convex IC।	★★	2.5.4
17	**IC की विशेषताएँ: नीचे ढलता है · convex · कभी नहीं काटते · ऊँचा = बेहतर · axes को कभी नहीं छूता।**	★★★	2.5.5
18	**Perfect substitutes → सीधी रेखा; perfect complements → L-shaped (समकोण मोड़)।**	★★★	2.5.6
19	Budget line = price line; भीतर (K) = underspending; बाहर (H) = unattainable।	★★	2.5.7
20	Intercept = income ÷ price; slope = Px/Py (relative prices)।	★★	2.5.8, 2.5.9
21	Budget line के shifts: income में परिवर्तन → समानान्तर; एक price में परिवर्तन → उस axis पर rotation (price बढ़े तो नीचे का IC)।	★★	2.5.10
22	**Equilibrium: price line सर्वोच्च IC को स्पर्श करती है; MRSxy = MUx/MUy = Px/Py; MUx/Px = MUy/Py।**	★★★	2.5.11, 2.5.12
23	IC श्रेष्ठ: measurability आवश्यक नहीं · कई वस्तुएँ · money की MU स्थिर नहीं · income और substitution effects को अलग करता है।	★	2.5.13
24	**SM से बाहर: substitution effect = उसी IC पर गति; inferior goods → ऋणात्मक income effect; Giffen का Engel curve नीचे ढलता है।**	★★★	2.5.14, 2.5.15, 2.3.7

इकाई 3 — पूर्ति (Supply)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Supply = वह मात्रा जिसे उत्पादक एक अवधि में विभिन्न prices पर प्रस्तुत करने के इच्छुक और समर्थ हैं; प्रस्तुत, आवश्यक नहीं कि बिकी हो; एक flow।	★★	3.0.1, 3.0.2
2	निर्धारक: अपना price · सम्बन्धित वस्तुएँ · factor prices · technology · सरकारी नीति · competition · expectations · विक्रेताओं की संख्या (consumer preferences नहीं)।	★	3.1.1
3	Y का price ↑ → X की quantity supplied ↓ (उत्पादन में substitutes)।	★	3.1.2, 3.5.9
4	Law of supply: price–quantity का प्रत्यक्ष सम्बन्ध, ceteris paribus; ऊँचा price = अधिक लाभ।	★	3.2.1, 3.2.2
5	Supply curve, अपने price के अतिरिक्त हर कारक को स्थिर रखता है।	★	3.2.3
6	अपने price में परिवर्तन = गति: expansion (price ↑) / contraction (price ↓)।	★	3.3.1
7	अन्य कारक = shift: दाईं ओर = increase, बाईं ओर = decrease; नई फर्में → दाईं ओर; tax, wage costs → बाईं ओर।	★★	3.4.1, 3.4.2, 3.2.4
8	**Es = %ΔQs ÷ %ΔP = (Δq/Δp) × (p/q), मूल p और q; धनात्मक।**	★★★	3.5.1, 3.4.3
9	**मापन: point Es = (dq/dp) × (p/q); arc Es = (Q2 − Q1)/(Q2 + Q1) × (P2 + P1)/(P2 − P1)।**	★★★	3.5.2, 3.5.3, 3.5.4
10	**Es = 0 → vertical (Y-axis के समानान्तर), जैसे land; Es = ∞ → horizontal (X-axis के समानान्तर)।**	★★★	3.5.5, 3.5.7
11	0 < Es < 1 less elastic · Es > 1 greater elastic · Es = 1 unit (origin से गुज़रती रेखा)।	★★	3.5.6
12	Es कम: बढ़ती लागत, जटिल उत्पादन, छोटी अवधि, अतिरिक्त क्षमता नहीं, दुर्लभ inputs, भण्डारण-अयोग्य वस्तुएँ।	★★	3.5.8
13	Equilibrium: Qd = Qs; market clearing price; Qd = Qs को बीजगणितीय रूप से हल करें।	★★	3.6.1, 3.6.2
14	Producer surplus: न्यूनतम supply price से ऊपर का price; supply curve के ऊपर, price line के नीचे का क्षेत्र।	★	3.6.3
15	Demand ↓ + supply ↑ → price गिरता है, quantity अनिश्चित (SM में नहीं)।	★	3.6.4, 3.4.4
16	Short-run price = market price (केवल PYQ)।	★	3.6.5

अध्याय 3

उत्पादन एवं लागत का सिद्धान्त (Theory of Production and Cost)

248 Scanner प्रश्न · 107 One-liners · 66 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: उत्पादन का सिद्धान्त (Theory of Production)

SM अध्याय 3, इकाई 1, पृष्ठ 3.2 – 3.34

विषय 1.0 उत्पादन का अर्थ (Meaning of Production)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.1	Economics में उत्पादन (production) का अर्थ utility का सृजन अथवा उसमें वृद्धि है — पदार्थ (matter) का सृजन नहीं, क्योंकि मनुष्य पदार्थ का सृजन नहीं कर सकता; वह केवल पहले से विद्यमान वस्तु का रूप बदलता है (बढ़ई लकड़ी से मेज़ बनाता है)। उत्पादन वह कोई भी आर्थिक क्रिया (economic activity) है जो inputs को ऐसे outputs में बदलती है जो मानवीय आवश्यकताओं (human wants) को सन्तुष्ट कर सकें।	Q1, Q4	PYQ 2018-May, 2021-Jan	1.0, p. 3.3
1.0.2	उत्पादन में वस्तुओं के साथ सेवाएँ भी आती हैं (डॉक्टरों, वकीलों, शिक्षकों, अभिनेताओं, नर्तकों का कार्य उत्पादन है), परन्तु इसमें प्रेम और स्नेह (love and affection) के कारण घर के भीतर किया गया कार्य, स्वैच्छिक सेवाएँ (voluntary services), अथवा स्व-उपभोग (self-consumption) के लिए उत्पादित वस्तुएँ **नहीं** आतीं — बाज़ार में विनिमय का इरादा (intention to exchange) उत्पादन का एक अनिवार्य घटक है।	Q3, Q5	PYQ 2019-May, 2024-Sep	1.0, pp. 3.3 – 3.4
1.0.3	अध्याय 1 देखें: व्यावसायिक निर्णय (business decisions) की आवश्यकता वाले मुद्दों में शामिल हैं — इष्टतम output (optimum output) और वह मूल्य जिस पर बेचना है, उत्पाद को बाज़ार में कैसे स्थापित (placed) किया जाएगा, तथा इसमें निहित जोखिमों एवं अनिश्चितताओं (risks and uncertainties) का सामना कैसे करें — ये सभी (all of these)।	Q2	PYQ 2018-Nov	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल PYQ)

विषय 1.1 उत्पादन के साधन (Factors of Production)

41 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 38 · RTP 1 · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	भूमि (land), श्रम (labour), पूँजी (capital) और उद्यमशीलता की योग्यता (entrepreneurial ability) वे चार साधन (factors or resources) हैं जिनसे वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन सम्भव होता है; land प्रकृति का नि:शुल्क उपहार (free gift of nature) है, जबकि मानवीय प्रयास labour, capital और entrepreneurial skills में बँटता है।	Q27	PYQ 2025-Sep	1.1, p. 3.5
1.1.2	Land की सात विशेषताएँ: प्रकृति का नि:शुल्क उपहार (free gift of nature); पूर्ति स्थिर (supply is fixed); स्थायी (permanent), मौलिक एवं अविनाशी शक्तियों (original and indestructible powers) सहित (Ricardo) — अत: नाशवान (perishable) **नहीं**; निष्क्रिय साधन (passive factor), सक्रिय (active) **नहीं**; भौगोलिक अर्थ में गतिहीन (immobile); अनेक उपयोग (multiple uses); विषमरूप (heterogeneous) — भूमि के कोई दो टुकड़े एक जैसे नहीं होते (उर्वरता एवं स्थिति में भिन्न होते हैं), अत: समरूप (homogeneous) **नहीं**।	Q2, Q11, Q14, Q16, Q21, Q24, Q37	PYQ (CPT) 2016-Dec, 2018-Nov, 2022-Jun, 2022-Dec, 2023-Jun, 2024-Jun, 2025-Jan, 2026-Sep	1.1.0, p. 3.6
1.1.3	Land की पूर्ति स्थिर है: माँग में कोई भी परिवर्तन विद्यमान भूमि की मात्रा को नहीं बदल सकता, अत: अर्थव्यवस्था की दृष्टि से इसकी पूर्ति पूर्णत: बेलोचदार (perfectly inelastic) है (परन्तु एक फर्म की दृष्टि से अपेक्षाकृत लोचदार — relatively elastic)।	Q4, Q21	PYQ 2019-Nov, 2024-Jun	1.1.0 (ii), p. 3.6
1.1.4	Land एक निष्क्रिय साधन (passive factor) है — जब तक उस पर मानवीय प्रयास न लगाया जाए, वह कुछ भी उत्पादन नहीं करती; labour एक सक्रिय साधन (active factor) है — इसकी सक्रिय भागीदारी के बिना land और capital सम्भवत: कुछ भी उत्पादन न कर सकें।	Q8	PYQ 2021-Jul	1.1.0 (iv), p. 3.6; 1.1.1, p. 3.7
1.1.5	Labour आर्थिक प्रतिफल (economic reward) के लिए किया गया मानसिक या शारीरिक परिश्रम है (प्रेम और स्नेह के कारण नहीं)। विशेषताएँ: मानवीय प्रयास; नाशवान (perishable — संग्रह नहीं किया जा सकता); सक्रिय साधन (active factor); श्रमिक से अविभाज्य (inseparable from the labourer); विषमरूप (heterogeneous); सारा labour उत्पादक (productive) नहीं होता; कमज़ोर (दुर्बल) सौदेबाज़ी शक्ति (bargaining power) — कोई reserve price नहीं; गतिशील (mobile — यद्यपि बाधाओं सहित); labour की पूर्ति का उसकी माँग के अनुसार शीघ्र समायोजन **नहीं** होता।	Q18, Q33, Q36	PYQ 2023-Dec, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S1	1.1.1, pp. 3.6 – 3.8
1.1.6	श्रमिक द्वारा श्रम के घण्टों और अवकाश (leisure) के घण्टों के बीच चुनाव से labour के supply curve को उसका backward-bending आकार मिलता है: मज़दूरी बढ़ने पर वह पहले अधिक काम करता है, परन्तु आय के एक वांछित स्तर के बाद वह अधिक धन की अपेक्षा अधिक आराम और अवकाश पसन्द करता है।	Q35	MTP 2026-Apr S2	1.1.1, p. 3.8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.7	Capital किसी व्यक्ति या समुदाय की सम्पत्ति (wealth) का वह भाग है जो सम्पत्ति के आगे उत्पादन में प्रयुक्त होता है — 'produced means of production' (उत्पादित उत्पादन-साधन) या 'man-made instruments of production' (मानव-निर्मित उत्पादन-उपकरण); यह एक stock concept है जिससे आय का flow प्राप्त होता है, और (land और labour के विपरीत) यह primary factor नहीं है।	Q32	PYQ 2026-May	1.1.2, p. 3.8
1.1.8	Capital के प्रकार: Fixed — टिकाऊ, समय के साथ सेवाओं की एक श्रृंखला देती है (औज़ार, मशीनें); Circulating — एक ही प्रयोग में उत्पादन में अपना कार्य पूरा करती है और आगे प्रयोग के लिए उपलब्ध नहीं रहती (बीज, ईंधन, कच्चा माल); Real — भौतिक वस्तुएँ; Human — कौशल और योग्यता; Tangible बनाम Intangible (इन्द्रियों से अनुभव न होने वाले अधिकार और लाभ: copyrights, goodwill, patent rights); Individual — व्यक्तिगत सम्पत्ति; Social — सम्पूर्ण समाज की (सड़कें, पुल)।	Q20, Q25, Q29, Q34, Q38	PYQ 2024-Jun, 2025-May, 2026-Jan, 2026-Sep; RTP 2026-May; MTP 2025-May S2	1.1.2, pp. 3.8 – 3.9
1.1.9	उद्यमी (entrepreneur) land, labour और capital को जुटाता है, उन्हें सही अनुपात में मिलाता है, उत्पादन आरम्भ करता है और जोखिम उठाता है। कार्य: (i) व्यावसायिक उद्यम का आरम्भ एवं साधनों का समन्वय (initiating business enterprise and resource co-ordination — पहला और सबसे प्रमुख); (ii) जोखिम या अनिश्चितता वहन (risk or uncertainty bearing); (iii) नवप्रवर्तन (innovations)। नैत्यिक संगठन एवं प्रबन्धन (routine organisation and management) — जैसे दैनिक उत्पादन का पर्यवेक्षण — manager का कार्य है, उद्यमी का अनिवार्य कार्य **नहीं**।	Q9, Q30, Q39	PYQ 2021-Jul, 2026-Jan, 2026-Sep	1.1.3, pp. 3.10 – 3.11
1.1.10	Profit उद्यमी के प्रयासों और जोखिम उठाने का प्रतिफल है — नियुक्त साधनों को निश्चित संविदात्मक प्रतिफल (fixed contractual rewards) चुकाने के बाद बचा अनिश्चित अधिशेष (uncertain surplus) (labour को wages, land के लिए rent, capital पर interest); वह लाभ कमा भी सकता है या हानि भी उठा सकता है।	Q12	PYQ 2022-Jun	1.1.3 (i), p. 3.11
1.1.11	Risk bearing उद्यमी का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य है: लगभग अन्य सभी कार्य वेतनभोगी managers को सौंपे जा सकते हैं, परन्तु risk bearing नहीं। Frank Knight: profit अनिश्चितताओं (uncertainties — वे जोखिम जिनका बीमा नहीं कराया जा सकता) को वहन करने का प्रतिफल है।	Q23	MTP 2024-Dec S1	1.1.3 (ii), pp. 3.11 – 3.12
1.1.12	Innovative entrepreneurship (the innovation theory) Schumpeter की देन है: उद्यमी का वास्तविक कार्य निरन्तर innovations लाना है — किसी नए विचार या आविष्कार का व्यावसायिक प्रयोग (नए उत्पाद, प्रक्रियाएँ, कच्चे माल के स्रोत, technology, business models, बाज़ार)।	Q5, Q15, Q17, Q23	PYQ 2020-Nov (×2), 2023-Jun, 2023-Dec; MTP 2024-Dec S1	1.1.3 (iii), p. 3.12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.13	उद्यम (enterprise) के पाँच उद्देश्य: Organic, Economic, Social, Human, National। Organic = अस्तित्व बनाए रखने (survive) का मूल न्यूनतम उद्देश्य — उद्यम तभी टिकता है जब वह ऐसे मूल्य पर उत्पादन और वितरण कर सके जिससे उसकी लागतें वसूल हों — और अस्तित्व सुनिश्चित होने के बाद वृद्धि एवं विस्तार (growth and expansion)।	Q26, Q41	PYQ 2025-May, 2026-Sep	1.1.3, pp. 3.12 – 3.13
1.1.14	Accounting profit में केवल explicit costs घटाई जाती हैं; economic profit में explicit **और** implicit costs (स्व-स्वामित्व वाले साधनों की opportunity cost) दोनों घटाई जाती हैं, अतः economic profit सामान्यतः accounting profit से कम होता है।	Q19	PYQ 2023-Dec	1.1.3, p. 3.14
1.1.15	Human objectives में कार्य की विषय-वस्तु (job contents) को रोचक एवं चुनौतीपूर्ण बनाना शामिल है (साथ ही fair deal, नए कौशल, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी); National objectives में युवाओं को apprentices के रूप में प्रशिक्षित करना शामिल है ताकि कौशल-निर्माण (skill formation) में योगदान हो (साथ ही समान अवसर, राष्ट्रीय प्राथमिकताएँ, आत्मनिर्भरता — self-reliance)।	Q31, Q40	PYQ 2026-May, 2026-Sep	1.1.3, pp. 3.15 – 3.16
1.1.16	बाज़ार की पहचान करने के बाद उद्यम 4 P's तय करता है — Product, Promotion, Price और Place।	Q28	PYQ 2025-Sep	1.1.3 (विपणन सम्बन्धी समस्याएँ — Problems relating to marketing), p. 3.19
1.1.17	*विषय 1.2 देखें: AP = MP केवल वहाँ होता है जहाँ AP अपने अधिकतम पर हो; MP के अधिकतम (point of inflexion) पर AP अभी भी MP से नीचे होता है — अतः 'when MP is maximum, AP equals MP' असत्य कथन है।*	Q10	PYQ 2021-Dec	1.2.1, pp. 3.23 – 3.25
1.1.18	Profit-maximising output वहाँ है जहाँ MR = MC (प्रश्न के 'output maximised' का अर्थ profit-maximising output है)।	Q13	PYQ 2022-Jun	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल PYQ); SM अध्याय 4, p. 4.31 देखें
1.1.19	बड़े पैमाने के उत्पादन की बचतें (economies of large-scale production) दो प्रकार की होती हैं — internal और external।	Q7	PYQ 2021-Jan	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल PYQ); SM इकाई 2, 2.4, p. 3.48 देखें
1.1.20	छिपी बेरोज़गारी (disguised unemployment): वे अतिरिक्त श्रमिक जिनकी marginal productivity शून्य या लगभग शून्य हो, जिससे उन्हें हटा देने पर भी कुल output अपरिवर्तित रहता है।	Q3	PYQ 2019-May	SM में नहीं (केवल PYQ)
1.1.21	Consumption सभी उत्पादन-क्रियाओं का आधार है — वस्तुएँ और सेवाएँ मानवीय आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने के लिए उत्पादित की जाती हैं (ICAI का keyed answer)।	Q6	PYQ 2020-Nov	SM में नहीं (केवल PYQ)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.22	दीर्घकाल (long run) में labour supply में कमी उत्पादन क्षमता (productive capacity) को घटाती है: output गिरता है और aggregate price level बढ़ता है।	Q1	PYQ 2018-May	SM में नहीं (केवल PYQ)
1.1.23	Investment multiplier k = ΔY/ΔI = 1/(1 – MPC), अत: MPC = 1 – 1/k; ΔI = ₹600 cr और ΔY = ₹1,800 cr होने पर k = 3 और MPC = 2/3 — 'None of these'।	Q22	MTP 2024-Aug	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल MTP)

विषय 1.2 उत्पादन फलन (Production Function)

65 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 62 · RTP 1 · MTP 18

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	Production function = inputs और output के बीच तकनीकी (technical/technological) सम्बन्ध, Q = f(a, b, c, d … n)। Samuelson: उत्पादित किए जा सकने वाले output की अधिकतम मात्रा और उसके लिए आवश्यक input के बीच का सम्बन्ध — तकनीकी ज्ञान की दी हुई अवस्था (given state of technical knowledge) में inputs की दी हुई मात्राओं से अधिकतम output; इसे output की दी हुई मात्रा प्राप्त करने के लिए आवश्यक विभिन्न inputs की न्यूनतम मात्राओं के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है।	Q13, Q25, Q44, Q47, Q59, Q62	PYQ 2020-Nov (×2), 2023-Jun, 2025-Jan, 2025-May, 2026-May; MTP 2025-Dec S1	1.2, p. 3.20; Summary, p. 3.33
1.2.2	Short run (अल्पकाल): कम से कम एक input की मात्रा अपरिवर्तित रहती है (capital स्थिर है); long run (दीर्घकाल): उत्पादन के सभी साधन परिवर्तनशील (variable) होते हैं। यह भेद calendar time का माप नहीं है।	Q54	PYQ 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2	1.2, p. 3.21
1.2.3	Cobb-Douglas (Paul H. Douglas और C.W. Cobb, USA) सम्पूर्ण अमेरिकी manufacturing के लिए एक statistical production function है: output, manufacturing production है और inputs, labour तथा capital हैं। Q = K·L^a·C^(1–a), जहाँ L = labour, C = capital, K और a = धनात्मक स्थिरांक (positive constants)। Manufacturing production की वृद्धि में labour का योगदान लगभग 3/4 और capital का लगभग 1/4 रहा।	Q16, Q41, Q55	PYQ 2018-May, 2021-Jan, 2025-Jan, 2025-Sep	1.2.0, pp. 3.21 – 3.22
1.2.4	एक परिवर्ती input (labour) और अन्य सभी inputs स्थिर होने पर इस नियम को law of variable proportions, law of returns to a variable input, या law of diminishing returns कहते हैं; यह केवल short run में लागू होता है (जब सभी साधन एक साथ नहीं बदले जा सकते) — long run में नहीं।	Q4, Q18, Q20, Q33	PYQ 2018-May, 2021-Jan, 2022-Jun, 2024-Sep	1.2.1, pp. 3.22, 3.24; Summary, p. 3.33
1.2.5	Marginal product = परिवर्ती साधन (variable factor) में प्रति इकाई परिवर्तन से total product में परिवर्तन — अन्य inputs अपरिवर्तित रहते हुए variable input की एक और इकाई से मिलने वाला अतिरिक्त output: MPn = TPn – TPn–1 (रेखाचित्र में, TP curve का slope)।	Q15, Q22, Q37	PYQ 2018-May, 2019-Nov, 2021-Jan, 2022-Dec; RTP 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.2.1, p. 3.23

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.6	Product-schedule numericals: MPn = TPn − TPn−1; TPn = TPn−1 + MPn (TP = MPs का योग); AP = TP ÷ variable factor की इकाइयाँ, अतः TP = AP × इकाइयाँ। पहले पूरी schedule भरें, फिर उत्तर पढ़ें। Diminishing marginal returns तब दिखते हैं जब TP उत्तरोत्तर छोटी वृद्धियों से बढ़ता है (50, 90, 120, 140 → MP 50, 40, 30, 20)।	Q9, Q10, Q11, Q12, Q28, Q29, Q30, Q39, Q40, Q42, Q43, Q51, Q52, Q53	PYQ 2019-Nov (×4), 2024-Jun (×3), 2024-Sep (×2), 2025-Jan (×3), 2025-Sep (×3)	1.2.1, p. 3.23 (Table 1)
1.2.7	AP–MP सम्बन्ध: जब AP बढ़ता है, MP, AP से अधिक होता है; जब AP अधिकतम होता है, MP, AP के बराबर होता है (MP curve, AP curve को उसके अधिकतम पर काटता है); जब AP गिरता है, MP, AP से कम होता है।	Q17, Q50 (+ 1.1 Q10)	PYQ 2019-May, 2021-Jan, 2021-Dec, 2025-May, 2025-Sep	1.2.1, pp. 3.23 – 3.24
1.2.8	Law of variable proportions की मान्यताएँ (assumptions): technology दी हुई और अपरिवर्तित; कुछ inputs स्थिर रखे जाते हैं; जहाँ साधनों का स्थिर अनुपात (fixed proportions) में प्रयोग अनिवार्य हो वहाँ यह लागू नहीं होता; केवल भौतिक inputs और outputs पर विचार होता है (लाभदायकता — profitability — पर नहीं)। 'All units of the variable factor are different' कोई मान्यता **नहीं** है।	Q45	MTP 2025-Jan S2	1.2.1, p. 3.24
1.2.9	TP curve के point of inflexion पर MP अधिकतम होता है: उससे पहले TP बढ़ती दर से बढ़ता है, उसके बाद घटती दर से — TP curve चपटा होने लगता है और diminishing marginal returns आरम्भ हो जाते हैं (MP गिरता है पर धनात्मक रहता है; MP, AP से पहले घटना आरम्भ करता है)।	Q2, Q14, Q38, Q46, Q56	PYQ 2018-May, 2020-Nov, 2025-Sep; MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1, 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	1.2.1 (प्रथम चरण — Stage 1), pp. 3.24 – 3.25
1.2.10	तीन चरण — increasing, diminishing और negative returns। Stage 1: AP निरन्तर बढ़ता है, MP > AP, वहाँ समाप्त होता है जहाँ AP अधिकतम हो। Stage 2: TP घटती दर से अपने अधिकतम तक बढ़ता रहता है; AP और MP दोनों घटते हैं पर धनात्मक रहते हैं; जहाँ TP अधिकतम है वहाँ MP = 0। Stage 3: TP घटता है, MP ऋणात्मक है, AP घटता है (MP पूरी तरह AP से नीचे रहता है)।	Q19, Q24, Q48, Q58, Q60, Q61, Q65	PYQ 2022-Jun (×2), 2023-Jun, 2025-May, 2026-Jan, 2026-May, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S1	1.2.1, pp. 3.25 – 3.27
1.2.11	Increasing returns इन कारणों से लागू होते हैं: स्थिर साधन (fixed factor) का पूर्णतर (बेहतर) उपयोग, fixed factor की अविभाज्यता (indivisibility), तथा variable factor की अधिक कुशलता (division of labour, specialisation); diminishing returns इसलिए आरम्भ होते हैं क्योंकि fixed factor, variable factor की तुलना में अपर्याप्त हो जाता है (और अपूर्ण प्रतिस्थापनीयता — imperfect substitutability) — 'limitation of the fixed factor' diminishing returns की व्याख्या करता है, increasing returns की नहीं।	Q31	MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2	1.2.1, pp. 3.25 – 3.26
1.2.12	एक विवेकशील (rational) उत्पादक सदैव Stage 2 में उत्पादन करता है; Stages 1 और 3 'economic absurdity' (आर्थिक असंगति) के चरण हैं — Stage 3 में variable factor का MP ऋणात्मक होता है, और Stage 1 में fixed factor का सर्वोत्तम उपयोग नहीं हो रहा होता।	Q35, Q58	PYQ 2026-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1	1.2.1, p. 3.27

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.13	उत्पादन के सिद्धान्त (theory of production) में आते हैं: उत्पादन के नियम (law of variable proportions / diminishing returns to a factor; returns to scale), production function तथा उत्पादन के इष्टतमीकरण (production optimisation) की विधियाँ — साधनों का न्यूनतम-लागत संयोग (least-cost combination of factors) production optimisation है, उत्पादन का नियम नहीं।	Q8	PYQ 2018-Nov	1.0, p. 3.4; 1.3, p. 3.31
1.2.14	Returns to scale = जब सभी inputs एक ही अनुपात में बदले जाएँ (पैमाने में परिवर्तन) तब output का व्यवहार; यह केवल long run में लागू होता है, जब सभी साधन बदले जा सकते हैं — अतः उत्पादन का पैमाना (scale of production) केवल दीर्घ अवधि (long period) में ही बदला जा सकता है।	Q21, Q23, Q57, Q64	PYQ 2021-Jan, 2022-Dec, 2023-Jun, 2026-Jan; MTP 2026-Apr S2	1.2.2, pp. 3.27 – 3.28; Summary, p. 3.34
1.2.15	Constant returns to scale: output सभी inputs के समान अनुपात में बढ़ता है — इसे Linear Homogeneous Production Function भी कहते हैं। Increasing: output अनुपात से अधिक बढ़ता है। Decreasing: output अनुपात से कम बढ़ता है (प्रबन्धन, समन्वय एवं नियन्त्रण की कठिनाइयाँ)। फर्म को पहले increasing returns, फिर constant returns की एक लम्बी अवस्था, फिर decreasing returns मिलते हैं।	Q3, Q26, Q34, Q36, Q49, Q64	PYQ 2018-May, 2023-Jun, 2024-Sep, 2025-May; MTP 2024-Aug, 2026-Apr S2	1.2.2, pp. 3.28 – 3.29
1.2.16	Cobb-Douglas और returns to scale: मूलतः constant returns (घातांक a + (1–a) = 1); शिथिल रूप Q = K·L^a·C^b — a + b > 1 increasing, a + b = 1 constant, a + b < 1 decreasing returns to scale, अतः यह तीनों में से कोई भी दिखा सकता है। उदाहरण: Q = 4L^½K^⅔: ½ + ⅔ = 7/6 > 1 → increasing returns to scale।	Q1, Q7, Q27, Q63	PYQ 2018-May, 2018-Nov, 2023-Dec; MTP 2026-Apr S1	1.2.2, p. 3.29
1.2.17	External economies वे लाभ हैं जो उद्योग के विस्तार के साथ उस उद्योग की प्रत्येक फर्म को प्राप्त होते हैं; internal economies के साथ मिलकर ये increasing economies of scale (गिरता LAC) उत्पन्न करते हैं। ICAI का key 'increasing returns to scale' है।	Q5	PYQ 2018-May	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल PYQ); SM इकाई 2, 2.4, pp. 3.47 – 3.48 देखें
1.2.18	Perfect competition में MR curve एक क्षैतिज रेखा (horizontal line) होती है, जो X-axis के समानान्तर है।	Q6	PYQ 2018-Nov	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल PYQ); SM अध्याय 4 देखें
1.2.19	अति दीर्घ अवधि (very long period) को secular period भी कहते हैं।	Q32	MTP 2024-Aug	SM अध्याय 3 इकाई 1 में नहीं (केवल MTP); SM अध्याय 4, इकाई 1, p. 4.5 देखें

विषय 1.3 उत्पादन का इष्टतमीकरण (Production Optimisation)

12 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP 2 · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.1	Isoquant, inputs के उन सभी संयोगों को दर्शाता है जो output का समान स्तर उत्पन्न करने में सक्षम हैं; isoquants को equal-product curves, production indifference curves या iso-product curves (product lines) भी कहते हैं।	Q1, Q3, Q4, Q5, Q11	PYQ 2018-May, 2021-Jan, 2023-Dec, 2024-Jun, 2026-Jan	1.3, pp. 3.29 – 3.30
1.3.2	Isoquants ऋणात्मक ढाल वाले (negatively sloped), मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर (convex to the origin — घटती MRTS के कारण) और परस्पर न काटने वाले (non-intersecting) होते हैं — नतोदर (concave) **नहीं**। Indifference curves के विपरीत, isoquant पर output को मापा (quantify) जा सकता है; अधिक दाईं ओर का curve अधिक output दर्शाता है।	Q2, Q9	PYQ 2020-Nov; RTP 2025-Jan, 2025-Sep; MTP 2025-Apr S1	1.3, p. 3.30
1.3.3	Iso-cost (equal-cost) line — जिसे budget line या budget constraint line भी कहते हैं — दो साधनों के वे वैकल्पिक संयोग दर्शाती है जिन्हें फर्म दिए हुए व्यय (outlay) से खरीद सकती है; इस पर हर बिन्दु की लागत समान होती है, और factor prices दिए होने पर (inputs के बीच विनिमय की स्थिर दर) यह एक सीधी रेखा होती है।	Q6, Q8, Q10	PYQ 2025-May; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	1.3, pp. 3.30 – 3.31
1.3.4	Producer's equilibrium (least-cost combination): वह बिन्दु जहाँ iso-cost line दिए हुए isoquant को स्पर्श (tangent) करती है। स्पर्श-बिन्दु पर ढाल (slopes) बराबर होते हैं — MRTS_LK (= MP_L/MP_K) = P_L/P_K, अर्थात् MP_L/P_L = MP_K/P_K।	Q12	MTP 2025-Aug S1	1.3, pp. 3.31 – 3.32 (केवल स्पर्श-बिन्दु — tangency; price-ratio वाली शर्तें SM में नहीं हैं)
1.3.5	MRTS_LK = MP_L/MP_K; अत: यदि MRTS_LK = 2, तो MP_K/MP_L = 1/2।	Q7	MTP 2024-Aug	SM में नहीं (केवल MTP); SM में केवल diminishing MRTS का उल्लेख है, 1.3, p. 3.30

इकाई 2: लागत का सिद्धान्त (Theory of Cost)

SM अध्याय 3, इकाई 2, पृष्ठ 3.35 – 3.54

विषय 2.0 लागत की अवधारणाएँ (Cost Concepts)

31 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 25 · RTP 3 · MTP 12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.1	Accounting costs, explicit costs हैं — उत्पादक साधनों के पूर्तिकर्ताओं को उद्यमी द्वारा किए गए नकद भुगतान: नियुक्त श्रमिकों को wages, कच्चे माल, ईंधन एवं बिजली के मूल्य, किराए पर लिए गए भवन का rent तथा उधार लिए गए धन पर interest। ये पहले ही किए जा चुके व्यय हैं जो financial statements में दर्ज होते हैं; इनमें implicit costs शामिल नहीं होतीं।	Q9, Q15, Q29	PYQ 2023-Dec, 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	2.0, pp. 3.35 – 3.36

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.2	Economic costs में accounting (explicit) costs और implicit costs दोनों शामिल हैं — अत: economic cost, accounting cost से भिन्न और उससे अधिक होती है (accounting cost, economic cost से कम होती है)।	Q2, Q4, Q7, Q8	PYQ 2018-Nov, 2019-Nov, 2022-Dec, 2023-Jun	2.0, p. 3.36
2.0.3	Implicit costs उन साधनों की लागतें हैं जिनका स्वामी स्वयं उद्यमी है और जो उसके अपने व्यवसाय में लगे हैं: (1) उसके द्वारा निवेशित money capital पर सामान्य प्रतिफल (normal return — अपनी पूँजी पर ब्याज); (2) वह wages या वेतन जो वह अपनी सेवाएँ अन्यत्र बेचकर कमा सकता था। स्व-स्वामित्व वाले input की explicit cost शून्य होती है; उसकी लागत implicit होती है।	Q10, Q13, Q22	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2018-May, 2019-May, 2024-Jun; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	2.0, p. 3.36
2.0.4	अपनी पूँजी की implicit cost = निवेशित capital × सामान्य बाज़ार प्रतिफल-दर (normal market rate of return) (₹50,000 × 10% = ₹5,000); प्रश्न में दी गई explicit cost of production इस राशि के लिए अप्रासंगिक है।	Q24 (+ 2.1 Q4)	PYQ 2025-Sep (×2)	2.0, p. 3.36
2.0.5	Normal profit, implicit costs का भाग है; normal profits कमाने के लिए उद्यमी को अपनी economic cost (explicit + implicit, अर्थात् normal profit सहित) पूरी करनी होती है — इसीलिए परीक्षा का रिक्त-स्थान 'Total economic cost = explicit + implicit + normal profit'।	Q3, Q6, Q23	PYQ 2019-Nov, 2022-Jun; RTP 2025-Jan	2.0, p. 3.36
2.0.6	यदि total revenue केवल explicit + implicit costs को पूरा करता है, तो economic profit शून्य होता है (केवल normal profit) — परीक्षा की भाषा में, price = (minimum) ATC; supernormal (abnormal) profit तभी उत्पन्न होता है जब revenue इससे अधिक हो। प्रति इकाई economic cost = (explicit cost + अपनी पूँजी पर normal return) ÷ output, उदाहरण (₹25,000 + ₹1,50,000 का 10%) ÷ 500 = ₹80, अत: supernormal profit केवल ₹80 से ऊपर के मूल्य (₹82) पर।	Q27 (+ 2.4 Q12)	PYQ 2026-May (×2)	2.0, p. 3.36 ('P = minimum ATC' अध्याय 4 का विषय है)
2.0.7	Accounting (business) profit = TR − explicit costs; economic profit = TR − explicit − implicit costs। अत: implicit cost = business profit − economic profit, और जब भी अपने स्वामित्व वाले साधनों की opportunity cost हो, economic profit, accounting profit से कम होता है।	Q5, Q21	PYQ 2021-Jan; RTP 2025-Jan; MTP 2025-Jan S2	2.0, p. 3.36 (profit के सूत्र व्युत्पन्न; SM में नहीं दिए गए)
2.0.8	Outlay costs में wages, materials, rent, interest आदि पर धन का वास्तविक व्यय होता है; वित्तीय व्यय होने के कारण ये लेखा-पुस्तकों (books of account) में दर्ज की जाती हैं।	Q11, Q31	PYQ 2024-Jun, 2026-Sep	2.0, p. 3.36
2.0.9	Opportunity cost अगले सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक अवसर (next best alternative opportunity) के त्याग की लागत है (चुनाव करते समय हम जो छोड़ देते हैं); यह त्यागे गए विकल्पों से सम्बन्धित है, सामान्यत: books of account में दर्ज **नहीं** होती, और दीर्घकालीन लागत-गणनाओं में उपयोगी है (जैसे उच्च शिक्षा में छोड़ी गई आय — earnings foregone)। यह marginal, variable या fixed cost नहीं है।	Q14, Q17, Q25 (+ 2.1 Q1)	PYQ 2018-May, 2026-Jan; RTP 2024-Sep; MTP 2024-Aug	2.0, pp. 3.36 – 3.37

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.10	Incremental cost किसी व्यावसायिक निर्णय के परिणामस्वरूप होने वाली अतिरिक्त लागत है — product line बदलना, घिसी हुई मशीनरी बदलना, नई उत्पादन-सुविधा खरीदना या ग्राहकों (clients) का नया समूह प्राप्त करना।	Q26	PYQ 2026-May	2.0, p. 3.37
2.0.11	Sunk costs एक बार में सदा के लिए की जा चुकी होती हैं और वसूल नहीं की जा सकतीं (पिछली प्रतिबद्धताएँ जिन्हें पलटा नहीं जा सकता) — जैसे पहले ही किया गया advertising व्यय, R&D, विशिष्ट उपकरण (specialised equipment), रेल-लाइनों जैसी स्थायी सुविधाएँ (fixed facilities); ये प्रवेश की एक महत्त्वपूर्ण बाधा (barrier to entry) हैं।	Q20, Q30	PYQ 2023-Dec, 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	2.0, pp. 3.37 – 3.38
2.0.12	Sunk-cost numerical: केवल SM की sunk मदें जोड़ें — R&D ₹150 cr + advertisement ₹5 cr = ₹155 cr; fuel and power तथा wages चालू (variable) costs हैं और rent एक fixed cost है, सूचीबद्ध sunk cost नहीं (ICAI का key ₹164 cr rent को sunk मानता है)।	Q16	PYQ 2024-Sep	2.0, pp. 3.37 – 3.38
2.0.13	चूँकि sunk costs वसूल नहीं की जा सकतीं (उनकी opportunity cost शून्य है), वे आर्थिक निर्णयों में प्रासंगिक नहीं हैं — A और R दोनों सत्य, R, A की व्याख्या करता है।	Q18	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP); परिभाषा 2.0, p. 3.37 पर
2.0.14	Fixed costs संचालन चलते रहने तक टाली नहीं जा सकतीं — केवल पूर्ण बन्दी (complete close-down) पर ही टलती हैं; कुछ (shut down costs, जैसे पुरानी मशीनों का भण्डारण) संचालन स्थगित होने के बाद भी जारी रहती हैं। 'never zero even when production stops' वाली cost का key 'supplementary cost' है (= fixed/overhead cost; SM का शब्द नहीं)।	Q12	MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1	2.0, p. 3.38; 2.2, pp. 3.39 – 3.40
2.0.15	Variable costs, output का फलन (function) हैं — अस्थायी श्रमिकों (casual labourers) की मज़दूरी, कच्चा माल तथा output के साथ बदलने वाले सभी inputs; factory rent, insurance और वेतनभोगी staff, fixed costs हैं।	Q28	PYQ 2026-May	2.0, p. 3.38; 2.2, p. 3.40
2.0.16	*विषय 2.2 देखें: वे costs जो output की एक सीमा तक स्थिर रहती हैं पर एक निश्चित सीमा के बाद अचानक नए ऊँचे स्तर पर उछल जाती हैं, stair-step variable costs हैं।*	Q1	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2018-May	2.2, p. 3.41
2.0.17	*विषय 2.4 देखें (अध्याय 4 की सामग्री): shut-down point पर P = minimum AVC, TR = TVC और फर्म की हानि TFC के बराबर होती है।*	Q19	MTP 2024-Dec	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 2.1 लागत फलन (Cost Function)

8 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP 1 · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	Cost function किसी उत्पाद की लागत और लागत के विभिन्न निर्धारकों (determinants of cost) के बीच गणितीय (functional) सम्बन्ध है; यह लागत और output के बीच सम्बन्ध व्यक्त करता है, production function तथा inputs की market supply से प्राप्त होता है, और cost curves के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है — cost curves का आकार cost function पर निर्भर करता है।	Q2, Q3	RTP 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2	2.1, p. 3.39
2.1.2	लागत के निर्धारक (independent variables): factors का मूल्य, output का आकार, technology, क्षमता-उपयोग का स्तर (level of capacity utilisation), कार्यकुशलता (efficiency) और समय-अवधि — फर्म के अपने output का मूल्य उसके cost function का निर्धारक नहीं है।	Q7	MTP 2025-Apr S1	2.1, p. 3.39
2.1.3	Cost function में TFC स्थिर पद (constant term — Q रहित भाग) है और हर output पर समान रहता है: TC = 2,000 + 15Q − 6Q² + Q³ से किसी भी Q पर TFC = 2,000।	Q8	MTP 2025-Dec S1, 2026-Apr S1	2.2, pp. 3.39, 3.42
2.1.4	*विषय 2.0 देखें: opportunity cost अगला सर्वश्रेष्ठ त्यागा गया विकल्प (next best alternative foregone) है — यह marginal, variable या total fixed cost नहीं है (none of these)।*	Q1	PYQ 2018-May	2.0, p. 3.36
2.1.5	*विषय 2.0 देखें: implicit cost = ₹50,000 × 10% = ₹5,000 (विषय 2.0 Q24 की पुनरावृत्ति)।*	Q4	PYQ 2025-Sep	2.0, p. 3.36
2.1.6	*विषय 2.2 देखें: TFC = शून्य output पर TC (₹270); AVC = (TC − TFC) ÷ Q = (610 − 270) ÷ 4 = ₹85; AFC = TFC ÷ Q = 270 ÷ 3 = ₹90।*	Q5, Q6	PYQ 2026-Jan (×2)	2.2, pp. 3.42 – 3.43

विषय 2.2 अल्पकालीन कुल लागत (Short Run Total Cost)

60 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 50 · RTP 2 · MTP 16

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	Short run: केवल variable factors बदले जा सकते हैं, fixed factors अपरिवर्तित रहते हैं; long run: सभी साधनों की मात्राएँ बदली जा सकती हैं — long run में सभी साधन (और इसलिए सभी costs) variable हो जाते हैं।	Q38	MTP 2024-Dec	2.2, p. 3.39
2.2.2	परिवर्तनशीलता के आधार पर costs fixed, variable और semi-variable होती हैं; semi-variable costs न तो पूर्णतः variable होती हैं और न पूर्णतः fixed (जैसे बिजली: एक fixed charge और एक consumption charge)। अतः ऐसा wage bill जिसके केवल एक भाग को हटाया जा सकता है, आंशिक रूप से fixed और आंशिक रूप से variable है।	Q37, Q50	PYQ 2026-May; MTP 2024-Dec	2.2, p. 3.40

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.3	Stair-step variable costs output की एक निश्चित सीमा तक स्थिर रहती हैं परन्तु output एक दी हुई सीमा से आगे जाने पर अचानक नए ऊँचे स्तर पर उछल जाती हैं (जैसे एक अतिरिक्त foreman का वेतन)।	Q36 (+ 2.0 Q1)	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2018-May, 2024-Sep	2.2, p. 3.41
2.2.4	Variable costs, output में परिवर्तन के साथ बदलती हैं — उत्पादन बढ़ने पर ये निरन्तर बढ़ती हैं, जबकि fixed costs एक निश्चित राशि बनी रहती हैं, output कम हो या अधिक।	Q27	PYQ 2022-Jun	2.2, pp. 3.39 – 3.40, 3.42
2.2.5	TC = TFC + TVC; अतः TVC = TC − TFC और TFC = TC − TVC — हर output पर TC और TVC curves के बीच की ऊर्ध्वाधर दूरी TFC के बराबर होती है (उनके slopes समान हैं)।	Q6, Q12, Q17, Q24	PYQ 2018-May, 2019-Nov, 2020-Nov, 2021-Jul; MTP 2025-Apr S1	2.2, p. 3.42
2.2.6	TFC curve: Y-axis से आरम्भ होने वाली क्षैतिज सीधी रेखा; TVC curve: मूल बिन्दु (origin) से आरम्भ होकर पहले घटती दर से, फिर बढ़ती दर से बढ़ती है (inverse-S) — पहले increasing और फिर diminishing returns के कारण; diminishing returns लागू होते ही TVC बढ़ती दर से बढ़ती है।	Q33, Q41	MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1	2.2, p. 3.42
2.2.7	AFC = TFC ÷ Q; चूँकि TFC स्थिर है, output बढ़ने पर AFC लगातार गिरती है — यह अपनी पूरी लम्बाई में नीचे की ओर (बाएँ से दाएँ) झुकी रहती है और कभी X-axis को नहीं छूती, क्योंकि AFC शून्य नहीं हो सकती। यह वह short-run curve है जो निरन्तर गिरती है और कभी U-shaped नहीं होती।	Q1, Q2, Q4, Q7, Q13, Q20, Q39, Q40, Q57	PYQ (CPT) 2017-Dec, 2018-May (×2), 2018-Nov, 2019-Nov, 2021-Jan; RTP 2026-Jan; MTP 2024-Dec (×2), 2025-Apr S1, 2026-Apr S1	2.2, p. 3.42
2.2.8	AFC numericals: TFC = शून्य output पर TC (या AFC × Q); नए output पर AFC = TFC ÷ Q — जैसे 6 इकाइयों पर AFC ₹20 → TFC ₹120 → 3 इकाइयों पर ₹40, 4 इकाइयों पर ₹30।	Q3, Q5, Q14, Q21, Q29, Q45, Q59	PYQ (CPT) 2016-Decc, 2018-May (×2), 2020-Nov, 2021-Jul, 2023-Dec, 2025-May, 2026-Sep	2.2, p. 3.42
2.2.9	AVC = TVC ÷ Q (= ATC − AFC भी); variable factors के increasing returns के कारण यह सामान्य क्षमता output (normal capacity output) तक गिरती है, फिर diminishing returns के कारण बढ़ती है — जबकि AFC गिरती ही रहती है।	Q43, Q55	MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S1	2.2, pp. 3.42 – 3.43
2.2.10	AVC numericals: TVC = TC − TFC (TFC = शून्य output पर TC) और AVC = TVC ÷ Q; या AVC = ATC − AFC, जहाँ AFC = TFC ÷ Q।	Q9, Q15, Q28, Q35, Q47, Q48, Q51	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jan, 2022-Dec, 2024-Sep, 2025-May, 2025-Sep, 2026-May	2.2, pp. 3.42 – 3.43
2.2.11	ATC = AFC + AVC = TC ÷ Q; यह तब तक गिरती है जब तक AFC की गिरावट AVC की वृद्धि से अधिक हो, न्यूनतम पर पहुँचती है और फिर बढ़ती है — 'U'-आकार का curve। अधिक output पर ATC और AVC निकट आ जाती हैं क्योंकि AFC, ATC का अपेक्षाकृत छोटा भाग रह जाती है।	Q19, Q34	PYQ (CPT) 2017-Dec, 2021-Jan, 2024-Sep; MTP 2025-May S2	2.2, p. 3.43
2.2.12	ATC numericals: ATC = (TFC + TVC) ÷ Q, जैसे (₹800 + ₹2,000) ÷ 5 = ₹560; TC स्वयं = TFC + TVC (₹500 + ₹2,100 = ₹2,600)।	Q18, Q30, Q52	PYQ (CPT) 2016-Dec, 2021-Jan, 2024-Jun, 2026-May	2.2, pp. 3.42 – 3.43

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.13	Marginal cost एक और इकाई के उत्पादन से total cost में होने वाली वृद्धि है: MCn = TCn − TCn−1 (= TVCn − TVCn−1); कई इकाइयों के चरण पर MC = ΔTC ÷ ΔQ, जैसे (₹320 − ₹220) ÷ 10 = ₹10।	Q16, Q22, Q30, Q49, Q53, Q60	PYQ 2020-Nov, 2021-Jul, 2024-Jun, 2025-May, 2026-May, 2026-Sep	2.2, pp. 3.43 – 3.44
2.2.14	Marginal cost, fixed cost से स्वतन्त्र है — यह केवल variable cost में परिवर्तन के कारण होती है, अत: इसे सीधे TVC से निकाला जा सकता है; MC = ΔTC ÷ ΔQ (TC स्वयं नहीं), जबकि TC = AC × Q। Fixed cost में परिवर्तन short-run MC को नहीं बढ़ा सकता।	Q25, Q26, Q54, Q56	PYQ 2021-Dec, 2022-Jun; RTP 2025-Sep; MTP 2025-May S2	2.2, pp. 3.43 – 3.44
2.2.15	MC curve, law of variable proportions के कारण 'U'-आकार का होता है: यह गिरता है, TC curve के point of inflexion पर न्यूनतम पर पहुँचता है, फिर बढ़ता है — diminishing marginal returns का अर्थ है बढ़ती marginal cost।	Q11	PYQ 2019-May	2.2, p. 3.44
2.2.16	Cost table में diminishing marginal returns वहाँ आरम्भ होते हैं जहाँ MC गिरना बन्द करके बढ़ने लगती है: MC 135, 120, 105, 90, 105 → 4 और 5 इकाइयों के बीच; MC 110, 100, 90, 104 → 3 और 4 इकाइयों के बीच।	Q23, Q46	PYQ 2021-Jul, 2025-May	2.2, p. 3.44
2.2.17	AC–MC: (1) जब AC गिरती है, MC, AC से कम होती है; (2) जब AC बढ़ती है, MC, AC से अधिक होती है; (3) जब AC न्यूनतम होती है, MC = AC — MC, AC (और AVC) को उसके न्यूनतम (optimum) बिन्दु पर काटती है, अत: MC अपना न्यूनतम AVC और AC से पहले ही प्राप्त कर लेती है, सदैव। 'AC falling ⇒ MC must fall' गलत है।	Q8, Q10, Q32, Q42, Q58	PYQ 2018-Nov, 2019-May, 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2026-Apr S2	2.2, p. 3.45; Fig. 10, p. 3.43
2.2.18	Fig. 10 को पढ़ना: MC वह तीखा U है जो AVC और ATC को उनके न्यूनतम बिन्दुओं पर काटता है; ATC, AVC से ऊपर रहती है (अन्तर = AFC, जो output के साथ घटता जाता है); AFC निरन्तर गिरने वाला सबसे नीचे का curve है।	Q31	PYQ 2024-Jun	2.2, Fig. 10, p. 3.43
2.2.19	*विषय 2.4 देखें: increasing returns to scale, internal economies से आते हैं — विशिष्ट मशीनरी (specialised machinery), थोक-खरीद पर छूट (bulk-purchase discounts) और अधिक श्रम-विभाजन (division of labour) (all of the above) I*	Q44	MTP 2025-Jan S2	2.4, pp. 3.48 – 3.49

विषय 2.3 दीर्घकालीन औसत लागत रेखा (Long Run Average Cost Curve)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 6 · RTP 2 · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	अल्पकालीन औसत लागत रेखाओं (short run average cost curves — SACs) को 'plant curves' भी कहते हैं — प्रत्येक एक दिए हुए plant के आकार से सम्बन्धित होती है।	Q8	PYQ 2025-Sep	2.3, p. 3.45
2.3.2	LAC curve 'envelope curve' है: यह प्रत्येक SAC को स्पर्श करती है और SACs के समूह को नीचे से घेरती (सहारा देती) है — परन्तु उनके न्यूनतम बिन्दुओं पर स्पर्श नहीं करती।	Q3, Q5, Q7 (+ 2.4 Q9)	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan; RTP 2025-Jan, 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2	2.3, pp. 3.46 – 3.47

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.3	LAC curve 'planning curve' है: फर्म short run में कार्य करती है और long run के लिए योजना बनाती है, LAC पर वह plant size चुनती है जो दिया हुआ output न्यूनतम सम्भव लागत पर उत्पादित करे।	Q2	PYQ 2023-Jun; MTP 2025-Aug S1	2.3, p. 3.47
2.3.4	LAC का 'U' आकार returns to scale के कारण है, variable factor ratio के कारण नहीं: increasing returns to scale (output का inputs से अधिक बढ़ना) — internal और external economies से — LAC को गिराते हैं; decreasing returns — internal और external diseconomies of scale से — इसे बढ़ाते हैं।	Q1, Q4, Q9 (+ 2.4 Q4)	PYQ 2018-May, 2020-Nov, 2024-Jun; MTP 2025-May S2	2.3, p. 3.47
2.3.5	Economies of scope: जब फर्म एक से अधिक उत्पाद बनाती है तो average total cost में होने वाली गिरावट।	Q6	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 2.4 पैमाने की बचतें एवं अपव्यय (Economies & Diseconomies of Scale)

17 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 9 · RTP 4 · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.1	Internal economies फर्म को स्वयं तब प्राप्त होती हैं जब वह अपना output बढ़ाती है — ये फर्म के भीतर endogenous factors से उत्पन्न होती हैं और केवल विस्तार करने वाली फर्म को ही उपलब्ध होती हैं; external economies वे लाभ हैं जो उद्योग (industry) के विस्तार के फलस्वरूप उसकी प्रत्येक सदस्य फर्म को प्राप्त होते हैं।	Q7	RTP 2024-Sep	2.4, p. 3.48
2.4.2	आरम्भ में फर्म को internal economies of scale प्राप्त होती हैं और एक निश्चित सीमा के बाद उसे internal diseconomies of scale झेलनी पड़ती हैं।	Q8	PYQ 2025-Jan	2.4, p. 3.48
2.4.3	Internal economies हैं — technical (specialised machinery, superior techniques, division of labour एवं specialisation), managerial, commercial (materials के bulk orders, advertising, by-products की बिक्री), financial तथा risk-bearing; skilled labour की पूर्ति और localisation of industry external हैं, internal नहीं।	Q11, Q14, Q15 (+ 2.2 Q44)	PYQ 2026-Jan; RTP 2025-May, 2025-Dec, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2	2.4, pp. 3.48 – 3.50
2.4.4	External economies उद्योग के विस्तार से उत्पन्न होती हैं: (1) सस्ते raw materials एवं capital equipment; (2) technological external economies; (3) skilled labour का विकास; (4) ancillary industries की वृद्धि; (5) बेहतर transportation एवं marketing सुविधाएँ; (6) economies of information।	Q3, Q6, Q15, Q17	PYQ 2020-Nov, 2023-Jun; RTP 2025-May, 2025-Dec, 2026-Jan; MTP 2026-Apr S2	2.4, pp. 3.50 – 3.51
2.4.5	*विषय 2.3 देखें: increasing returns to scale (output का inputs से अधिक अनुपात में बढ़ना) internal और external economies के संयुक्त परिणाम होते हैं — फर्म दोनों का लाभ एक साथ (simultaneously) उठा सकती है।*	Q4, Q16	PYQ 2020-Nov; MTP 2026-Apr S1	2.3, p. 3.47 ('simultaneously' SM का शब्द नहीं है)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.6	External diseconomy: जैसे-जैसे उद्योग का विस्तार होता है, inputs की बढ़ती माँग factor prices को ऊपर धकेलती है; इसके विपरीत, input demand में कमी input prices को नीचे ले आती है।	Q13	MTP 2025-Apr S1	2.4, pp. 3.51 – 3.52
2.4.7	*विषय 2.3 देखें: LAC, U-shaped होती है और इसे envelope curve भी कहते हैं (दोनों)।*	Q9	MTP 2025-Jan S2	2.3, p. 3.47
2.4.8	*विषय 2.0 देखें: supernormal profit के लिए मूल्य का प्रति इकाई economic cost से अधिक होना आवश्यक है — (₹25,000 + ₹1,50,000 का 10%) ÷ 500 = ₹80, अतः ₹82।*	Q12	PYQ 2026-May	2.0, p. 3.36
2.4.9	अध्याय 4 की सामग्री: short run में हानि उठा रही फर्म तब तक उत्पादन जारी रखती है जब तक P ≥ AVC हो, और P < AVC होने पर बन्द (shut down) हो जाती है; shut-down point है P = minimum AVC (TR = TVC, हानि = TFC)।	Q1, Q2, Q5 (+ 2.0 Q19)	PYQ 2018-May, 2019-Nov, 2022-Dec; MTP 2024-Dec	SM में नहीं (केवल PYQ)
2.4.10	इकाई 3.1 (production) देखें: returns to scale का सम्बन्ध output में उस परिवर्तन से है जो सभी inputs के समान अनुपात में बदलने पर होता है; किसी एक input की एक अतिरिक्त इकाई से output में होने वाला परिवर्तन उसका marginal product है (उत्तर-कुंजी में 'returns to scale')।	Q10	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)

भाग B — अध्याय 3 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 56% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — उत्पादन का सिद्धान्त (Theory of Production)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Production = utility का सृजन/वृद्धि, matter (पदार्थ) का सृजन कभी नहीं।	★	1.0.1
2	Production में सेवाएँ (doctors, actors) शामिल हैं; प्रेम एवं स्नेह से किया गया काम, voluntary services, self-consumption शामिल नहीं — बाज़ार में विनिमय (exchange) का उद्देश्य अनिवार्य है।	★	1.0.2
3	चार साधन (factors): land, labour, capital, entrepreneurial ability।	★	1.1.1
4	**Land (7): free gift (प्रकृति का उपहार) · fixed supply · permanent/indestructible (Ricardo) · passive · immobile · multiple uses · heterogeneous। Perishable, active या homogeneous नहीं।**	★★★	1.1.2, 1.1.4
5	Land की supply: सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए perfectly inelastic; किसी फर्म के लिए relatively elastic।	★	1.1.3
6	Labour: perishable · active · श्रमिक से अविभाज्य (inseparable) · heterogeneous · सारा श्रम productive नहीं · कमज़ोर bargaining power · mobile · supply का शीघ्र समायोजन नहीं।	★★	1.1.5
7	Backward-bending labour supply: वांछित आय के बाद अधिक धन की अपेक्षा leisure (अवकाश) को प्राथमिकता।	★	1.1.6
8	Capital = धन (wealth) का वह भाग जो आगे धन के उत्पादन में प्रयुक्त हो; produced means of production; stock concept।	★	1.1.7
9	**Fixed = सेवाओं की शृंखला (series of services); Circulating = एक ही बार प्रयोग (बीज, ईंधन, raw materials); Intangible = goodwill, patents, copyrights; Social = सड़कें, पुल।**	★★★	1.1.8
10	Entrepreneur: initiating एवं resource co-ordination (पहला कार्य) · risk/uncertainty bearing · innovations — दैनिक पर्यवेक्षण (day-to-day supervision) नहीं।	★★	1.1.9
11	Profit = संविदागत भुगतानों (contractual payments) के बाद entrepreneur का अनिश्चित अवशिष्ट (residual) पुरस्कार।	★	1.1.10
12	Risk bearing = सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य (इसे किसी अन्य को सौंपा नहीं जा सकता); Knight: profit, uncertainty का पुरस्कार है।	★	1.1.11
13	Schumpeter: innovation = entrepreneur का वास्तविक कार्य; 'innovative entrepreneurship'।	★★	1.1.12
14	उद्देश्य (Objectives): Organic (लागत वसूल करके survive करना → growth) · Economic · Social · Human · National।	★	1.1.13
15	Accounting profit = TR − explicit costs; economic profit में implicit costs भी घटाई जाती हैं → सामान्यतः कम।	★	1.1.14

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
16	Human: काम की विषय-वस्तु (job contents) रोचक एवं चुनौतीपूर्ण; National: कौशल-निर्माण (skill formation) के लिए apprentices को प्रशिक्षण।	★	1.1.15
17	4 P's (चार P): Product, Promotion, Price, Place।	★	1.1.16
18	इस इकाई से बाहर: MR = MC (अध्याय 4); economies of scale internal एवं external (इकाई 2); MPC = 1 − 1/k।	★★	1.1.18, 1.1.19, 1.1.23
19	**Production function = inputs → output का तकनीकी सम्बन्ध (technical relationship); Samuelson: दी हुई technology में दिए गए inputs से अधिकतम output; अथवा दिए गए output के लिए न्यूनतम inputs।**	★★★	1.2.1
20	Short run: कम-से-कम एक input fixed; long run: सभी inputs variable।	★	1.2.2
21	Cobb-Douglas: Q = K·L^a·C^(1−a); US manufacturing पर आधारित; inputs labour एवं capital; labour ≈ 3/4, capital ≈ 1/4।	★★	1.2.3
22	Law of variable proportions = law of diminishing returns = returns to a variable input; केवल short run।	★★	1.2.4
23	**MPn = TPn − TPn−1 (TP का slope); AP = TP ÷ units; TP = ΣMP = AP × units — पहले schedule बनाइए।**	★★★	1.2.5, 1.2.6
24	AP बढ़ रहा → MP > AP; AP अधिकतम → MP = AP; AP घट रहा → MP < AP।	★★	1.2.7, 1.1.17
25	LVP की मान्यताएँ: technology अपरिवर्तित · कोई input fixed · fixed proportions नहीं · केवल भौतिक (physical) मात्राओं में।	★	1.2.8
26	**Point of inflexion → MP अधिकतम; TP का चपटा होना (flattening) → diminishing marginal returns आरम्भ।**	★★★	1.2.9
27	**अवस्थाएँ (Stages): increasing · diminishing · negative returns; TP का गिरना और MP < 0 केवल Stage 3 में; Stage 2 का अन्त TP अधिकतम पर (MP = 0)।**	★★★	1.2.10
28	Increasing returns: fixed factor का पूर्ण उपयोग एवं indivisibility, variable factor की कुशलता (efficiency); diminishing: fixed factor अपर्याप्त।	★	1.2.11
29	Rational producer: केवल Stage 2; Stages 1 एवं 3 = 'economic absurdity'।	★★	1.2.12
30	Laws of production ≠ least-cost combination (वह production optimisation है)।	★	1.2.13
31	Returns to scale: सभी inputs समान अनुपात में परिवर्तित; केवल long run।	★★	1.2.14
32	**CRS = linear homogeneous production function; IRS > आनुपातिक; DRS < आनुपातिक; क्रम IRS → लम्बा CRS → DRS।**	★★★	1.2.15
33	Cobb-Douglas: a + b > 1 IRS, = 1 CRS, < 1 DRS; मूल रूप में CRS माना गया था।	★★	1.2.16
34	Secular period = बहुत दीर्घ अवधि (very long period) (अध्याय 4)।	★	1.2.19
35	Isoquant = equal-product / iso-product curve: वे संयोग जो समान output देते हैं।	★★	1.3.1

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
36	Isoquants: ऋणात्मक ढाल (negatively sloped), मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर (convex to origin) (diminishing MRTS), परस्पर नहीं काटते (non-intersecting)।	★★	1.3.2
37	Iso-cost = budget line: दिए गए व्यय (outlay) से खरीदे जा सकने वाले संयोग; दी हुई factor prices पर सीधी रेखा।	★★	1.3.3
38	Least-cost combination: isoquant, iso-cost को स्पर्श करे (tangent); MRTS_LK = MP_L/MP_K = P_L/P_K।	★	1.3.4, 1.3.5

इकाई 2 — लागत का सिद्धान्त (Theory of Cost)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Accounting cost = explicit = नकद भुगतान (wages, materials, fuel, rent, उधार पर ब्याज); books में दर्ज।	★★	2.0.1
2	Economic cost = explicit + implicit; accounting cost < economic cost।	★★	2.0.2
3	**Implicit = अपनी पूँजी का normal return + entrepreneur का त्यागा गया वेतन (foregone salary); अपना input → explicit cost शून्य; ₹ capital × normal rate।**	★★★	2.0.3, 2.0.4
4	Normal profit, implicit cost का भाग है; TR = explicit + implicit → economic profit शून्य; supernormal केवल इससे ऊपर।	★★	2.0.5, 2.0.6
5	Accounting profit = TR − explicit; economic profit = TR − explicit − implicit; implicit = business profit − economic profit।	★★	2.0.7
6	**Outlay cost = वास्तविक व्यय, books में दर्ज; opportunity cost = त्यागा गया अगला सर्वश्रेष्ठ विकल्प, दर्ज नहीं होती, दीर्घकालीन गणनाओं में उपयोगी।**	★★★	2.0.8, 2.0.9, 2.1.4
7	Incremental = किसी निर्णय की अतिरिक्त लागत (नई product line, नई machinery, नए clients)।	★	2.0.10
8	**Sunk = एक बार सदा के लिए व्यय, वसूल न होने वाली (advertising, R&D, specialised equipment, railway lines); प्रवेश में बाधा (barrier to entry); निर्णयों के लिए अप्रासंगिक।**	★★★	2.0.11, 2.0.12, 2.0.13
9	Fixed costs बन्द होने तक अपरिहार्य; shut down costs कार्य स्थगित होने के बाद भी चलती रहती हैं; casual wages एवं raw materials variable हैं।	★★	2.0.14, 2.0.15
10	Cost function = cost और उसके निर्धारकों (factor prices, output, technology, capacity use, efficiency, समय) के बीच फलनात्मक सम्बन्ध — output price नहीं; यही cost curves का आकार तय करता है।	★★	2.1.1, 2.1.2
11	Short run: केवल variable factors बदलते हैं; long run: सभी factors, अतः सभी costs, variable।	★	2.2.1
12	Fixed · variable · semi-variable (बिजली); stair-step = एक सीमा तक fixed, फिर छलाँग (foreman)।	★★	2.2.2, 2.2.3, 2.0.16
13	**TC = TFC + TVC; TC − TVC = TFC (ऊर्ध्वाधर अन्तर); TFC = cost function का स्थिर पद (constant term)।**	★★★	2.2.5, 2.1.3

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
14	TFC, Y-axis से क्षैतिज (horizontal); TVC मूल बिन्दु (origin) से, inverse-S — diminishing returns आरम्भ होते ही बढ़ती दर से बढ़ती है।	★★	2.2.4, 2.2.6
15	**AFC = TFC ÷ Q: निरन्तर घटती है, X-axis को कभी नहीं छूती, कभी U-shaped नहीं।**	★★★	2.2.7
16	**AFC के प्रश्न: TFC = Q = 0 पर TC (या AFC × Q), फिर नए Q से ÷।**	★★★	2.2.8, 2.1.6
17	**AVC = TVC ÷ Q = ATC − AFC; पहले घटती है (increasing returns), फिर बढ़ती है (diminishing returns)।**	★★★	2.2.9, 2.2.10
18	**ATC = AFC + AVC = TC ÷ Q; U-shaped; AFC घटने के साथ ATC और AVC निकट आती जाती हैं।**	★★★	2.2.11, 2.2.12
19	**MCn = TCn − TCn−1 = ΔTVC; steps में, ΔTC ÷ ΔQ; fixed cost से स्वतन्त्र।**	★★★	2.2.13, 2.2.14
20	MC U-shaped (law of variable proportions के कारण); diminishing returns वहाँ आरम्भ होते हैं जहाँ MC बढ़ने लगती है।	★★	2.2.15, 2.2.16
21	**AC घट रही → MC < AC; AC बढ़ रही → MC > AC; AC न्यूनतम → MC = AC (MC, AC और AVC को उनके न्यूनतम बिन्दुओं पर काटती है)।**	★★★	2.2.17, 2.2.18
22	**SACs = plant curves; LAC = envelope (प्रत्येक SAC को स्पर्श करती है, उनके न्यूनतम बिन्दुओं पर नहीं) = planning curve।**	★★★	2.3.1, 2.3.2, 2.3.3, 2.4.7
23	LAC का U-आकार returns to scale से: economies (internal + external) → घटती; diseconomies → बढ़ती।	★★	2.3.4, 2.4.5
24	Internal economies: फर्म के भीतर, केवल उसी को उपलब्ध — पहले economies, फिर diseconomies।	★	2.4.1, 2.4.2
25	**Internal प्रकार: technical · managerial · commercial (bulk buying, by-products) · financial · risk-bearing।**	★★★	2.4.3, 2.2.19
26	**External (उद्योग-विस्तार): सस्ती materials · technology · skilled labour · ancillary industries · transport एवं marketing · information।**	★★★	2.4.4
27	External diseconomy: बढ़ती input demand → ऊँची factor prices (और इसका उलटा भी)।	★	2.4.6
28	SM इकाई से बाहर: economies of scope; shut-down rule P < AVC (अध्याय 4)।	★★	2.3.5, 2.4.9, 2.0.17

अध्याय 4

विभिन्न बाज़ारों में मूल्य-निर्धारण (Price Determination in Different Markets)

376 Scanner प्रश्न · 128 One-liners · 102 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: बाज़ार का अर्थ एवं प्रकार (Meaning and Types of Markets)

SM अध्याय 4, इकाई 1, पृष्ठ 4.1 – 4.15

विषय 1.0 बाज़ार का अर्थ (Meaning of Market)

34 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 30 · RTP 1 · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.1	Price का आशय money-value (मौद्रिक मूल्य) से है — किसी वस्तु की क्रय-शक्ति (purchasing power) जिसे मुद्रा में व्यक्त किया जाए; वस्तुओं के मूल्य उनका exchange value (value in exchange) व्यक्त करते हैं, जिसका अर्थ Ricardo के अनुसार है सामान्यतः वस्तुओं पर अधिकार (command over commodities in general), अथवा सामान्यतः क्रय-योग्य वस्तुओं पर विनिमय-शक्ति (power in exchange over purchasable commodities in general)। Economics में हमारा सम्बन्ध केवल exchange value से है, value in use या sentimental value से नहीं।	Q33 (+ 2.0 Q3)	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep	1.0, pp. 4.2 – 4.3; 2.0, p. 4.16
1.0.2	Market क्रेताओं और विक्रेताओं का ऐसा समूह है जिनमें व्यापार (trade) की सम्भावना हो — किसी वस्तु या सेवा के वे सभी क्रेता और विक्रेता जो उसके मूल्य को प्रभावित करते हैं; यह क्रेता और विक्रेता के बीच का प्रत्यक्ष सम्बन्ध है, और इसका औपचारिक होना या किसी विशेष स्थान पर लगना आवश्यक नहीं (जैसे online)।	Q13	PYQ 2022-Jun	1.0, p. 4.3
1.0.3	Market के पाँच तत्त्व हैं: (i) क्रेता और विक्रेता; (ii) कोई वस्तु या सेवा; (iii) मूल्य के लिए मोल-भाव (bargaining); (iv) बाज़ार की दशाओं का ज्ञान (knowledge about market conditions); (v) किसी निश्चित समय पर किसी वस्तु या सेवा का एक मूल्य (one price)। व्यवसाय की मात्रा (volume of business), विज्ञापन एवं जागरूकता, 'no bargaining', 'multiple prices' और 'firm' — ये तत्त्व **नहीं** हैं।	Q3, Q9, Q10, Q17, Q27 (+ 1.1 Q2)	PYQ 2019-May, 2021-Jan, 2021-Jul, 2022-Dec, 2023-Jun, 2026-May	1.0, pp. 4.3 – 4.4
1.0.4	Markets को सामान्यतः product markets (परिवार फर्मों से वस्तुएँ एवं सेवाएँ खरीदते हैं) और factor markets (फर्में अपनी आवश्यकता के साधन खरीदती हैं — land, labour, capital और entrepreneurship) में वर्गीकृत किया जाता है; factor markets के मूल्य factor prices कहलाते हैं।	Q26	PYQ 2026-Jan	1.0.0, p. 4.4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.5	Markets का वर्गीकरण इन आधारों पर होता है: (a) भौगोलिक क्षेत्र (geographical area); (b) समय (time); (c) लेन-देन की प्रकृति (nature of transaction); (d) नियमन (regulation); (e) व्यवसाय की मात्रा (volume of business); (f) प्रतिस्पर्धा का प्रकार (type of competition)।	Q23, Q34	PYQ 2026-Sep; RTP 2024-Sep	1.0.0, p. 4.4
1.0.6	भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर: local markets (अत्यधिक शीघ्र नष्ट होने वाली और भारी-भरकम वस्तुएँ; hair dressers, retailers); regional markets (अधिक विस्तृत क्षेत्र, जैसे कुछ आस-पास के शहर, राज्यों के भाग या राज्यों का समूह); national markets (demand राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित — सरकार की trade policy किसी वस्तु के व्यापार को देश के भीतर तक सीमित कर सकती है, जैसे हिन्दी पुस्तकें); international markets (उच्च मूल्य और कम आयतन वाली वस्तुएँ, जैसे सोना और चाँदी)।	Q21, Q31, Q34	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep (×2); MTP 2024-Aug	1.0.0, pp. 4.4 – 4.5
1.0.7	Markets में 'time' तत्त्व की परिकल्पना Alfred Marshall ने की।	Q16, Q29, Q30	PYQ 2022-Dec; MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S2	1.0.0, p. 4.5
1.0.8	समय के आधार पर: very short period या market period — supply स्थिर (fixed) रहती है, इसलिए मूल्य demand पर निर्भर करता है (शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुएँ: सब्ज़ियाँ, फूल, मछली, अंडे, फल, दूध); short period — अधिक variable factors लगाकर supply बढ़ाई जाती है; long period — सभी factors variable, long-run equilibrium price ही 'normal price' है; very long या secular period — जनसंख्या, पूँजी की पूर्ति (capital supply) और कच्चे माल में दीर्घकालीन (secular) परिवर्तन। (ICAI का keyed answer short-run price के लिए 'market price' है; SM में market price, market period से सम्बन्धित है।)	Q2, Q8, Q14, Q20	PYQ 2018-May, 2021-Jan, 2022-Jun, 2024-Jun; MTP 2025-Apr S1	1.0.0, p. 4.5
1.0.9	लेन-देन की प्रकृति के आधार पर: spot या cash market — वस्तुओं का विनिमय मुद्रा के बदले, जिसका भुगतान तुरन्त या थोड़े समय के भीतर देय हो (mandi में चालू मूल्यों पर तुरन्त नकद के लिए बेचा गया अनाज); forward या future market — भविष्य की किसी तिथि पर भुगतान करने और वस्तुएँ सुपुर्द करने के वादे वाले अनुबन्ध (बैंक से भावी दर पर foreign currency contract की खरीद)।	Q1, Q5, Q6, Q7, Q12, Q18, Q19 (+ 1.1 Q5)	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2019-Nov, 2020-Nov (×2), 2021-Jul, 2023-Jun, 2023-Dec, 2026-Jan; MTP 2025-Aug S2	1.0.0, pp. 4.5 – 4.6
1.0.10	नियमन के आधार पर: regulated market — अनुचित व्यवहारों (unfair practices) को समाप्त करने के लिए लेन-देन वैधानिक रूप से नियमित होते हैं (जैसे stock exchange); unregulated market — इसे free market भी कहते हैं क्योंकि लेन-देन पर कोई शर्तें नहीं होतीं (जैसे साप्ताहिक Haat Bazaar)।	Q4, Q32	PYQ 2019-Nov, 2026-Sep	1.0.0, p. 4.6
1.0.11	व्यवसाय की मात्रा के आधार पर: wholesale market — वस्तुएँ थोक में या बड़ी मात्रा में खरीदी-बेची जाती हैं, लेन-देन व्यापारियों के बीच (B2B); retail market — वस्तुएँ थोड़ी मात्रा में अन्तिम उपभोक्ताओं (ultimate consumers) को बेची जाती हैं (B2C)।	Q11, Q15, Q28	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun, 2026-May	1.0.0, p. 4.6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.0.12	*विषय 1.2 देखें: AR = price, इसलिए average revenue curve ही फर्म का demand curve भी है।*	Q24	PYQ 2025-Jan	1.2, p. 4.8
1.0.13	*विषय 1.2 देखें: प्रत्येक बिन्दु पर TR = P × Q निकालिए, फिर MRn = TRn − TRn−1 (₹30 × 19 = 570 → ₹28 × 20 = 560, अतः MR = −₹10; MR ऋणात्मक हो सकता है)।*	Q25	PYQ 2025-May	1.2, p. 4.9
1.0.14	इस इकाई से बाहर: market economy में साधनों का आवंटन बाज़ार में consumer demand और supply द्वारा होता है — price mechanism (SM अध्याय 1, इकाई 2)।	Q22	MTP 2024-Aug	SM में नहीं (केवल MTP); देखें SM अध्याय 1, 2.1.0, p. 1.20

विषय 1.1 बाज़ार-संरचनाओं के प्रकार (Types of Market Structures)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP 1 · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	किसी फर्म की demand को उद्योग (बाज़ार) की demand के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करें तो वह उसका market share है; market demand फर्मों में किस प्रकार बँटी है, यही market behaviour को आकार देता है।	Q1	PYQ 2022-Jun	1.1, pp. 4.6 – 4.7 (शब्द प्रयुक्त, परिभाषित नहीं)
1.1.2	चार मूल market forms: perfect competition (अनेक विक्रेता, एकसमान products); monopolistic competition (अनेक विक्रेता, विभेदित (differentiated) products — shampoo); oligopoly (कुछ विक्रेता, प्रतिस्पर्धी products — telecom); monopoly (एकमात्र विक्रेता — Indian Railways)। फर्म की price elasticity of demand: perfect competition में अनन्त (infinite), monopolistic competition में अधिक (large), oligopoly और monopoly में कम (small)।	Q7	MTP 2025-Aug S2	1.1, p. 4.7 (Table 1)
1.1.3	Market का प्रकार निर्धारित करने वाले कारक हैं: वस्तु की प्रकृति (nature of commodity), उत्पादन का आकार (size of production) और demand का विस्तार (extent of demand)।	Q6	PYQ 2026-May	Summary, p. 4.14
1.1.4	ऋणात्मक ढाल वाला (negatively sloped) market demand curve हर market structure में पाया जाता है, इसलिए उससे structure निर्धारित नहीं किया जा सकता; अन्तर व्यक्तिगत फर्म के demand (AR) curve में होता है — perfect competition में perfectly elastic, imperfect competition के सभी रूपों में नीचे की ओर ढलवाँ (downward sloping)।	Q3, Q4	RTP 2024-Sep; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	SM में नहीं (केवल RTP/MTP); तुलना करें 1.2, p. 4.11
1.1.5	*विषय 1.0 देखें: market के पाँच तत्त्व — 'firm' उनमें से एक **नहीं** है।*	Q2	PYQ 2023-Jun	1.0, pp. 4.3 – 4.4
1.1.6	*विषय 1.0 देखें: बैंक से भावी दर पर foreign currency contract की खरीद forward (future) market का लेन-देन है।*	Q5	PYQ 2026-Jan	1.0.0, p. 4.6

विषय 1.2 TR, AR एवं MR की अवधारणाएँ (Concepts of Total Revenue, Average Revenue and Marginal Revenue)

60 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 54 · RTP – · MTP 14

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	Total revenue वह मुद्रा-राशि है जो फर्म किसी वस्तु की कुछ इकाइयाँ बेचकर प्राप्त करती है: TR = P × Q (130 इकाइयाँ × ₹50 = ₹6,500)। प्रतिस्पर्धी फर्म (perfectly elastic demand) के लिए TR curve मूल बिन्दु (origin) से आरम्भ होने वाली धनात्मक ढाल की सीधी रेखा (positively sloped straight line) होता है।	Q13, Q17, Q27	PYQ 2020-Nov, 2021-Jan, 2022-Jun	1.2, p. 4.8
1.2.2	Average revenue उत्पादन की प्रति इकाई अर्जित आय है: AR = TR/Q = P (₹6,050 ÷ 121 = ₹50)। चूँकि AR ही price है, इसलिए average revenue curve फर्म का demand curve भी है।	Q12, Q15, Q23, Q25, Q31 (+ 1.0 Q24)	PYQ 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Dec, 2022-Jun, 2023-Jun, 2025-Jan	1.2, pp. 4.8 – 4.9
1.2.3	Marginal revenue एक अतिरिक्त इकाई की बिक्री से total revenue में होने वाला परिवर्तन है: MR = ΔTR/ΔQ; एक इकाई के परिवर्तन के लिए MRn = TRn − TRn−1। जब दो उत्पादन-स्तरों पर TR दिया हो, तो TR के परिवर्तन को इकाइयों के परिवर्तन से भाग दीजिए (बिक्री 50 → 53 होने पर ₹6,000 → ₹6,204: MR = 204/3 = ₹68); क्रमागत इकाइयों के लिए सीधे घटाइए (TR5 − TR4 = 400 − 360 = ₹40)।	Q10, Q11, Q14, Q21, Q32, Q39, Q48, Q49, Q51	PYQ 2020-Nov (×3), 2021-Jul, 2023-Jun, 2025-Sep, 2026-Jan, 2026-May; MTP 2024-Aug	1.2, p. 4.9
1.2.4	जब price और quantity दिए हों, तो पहले प्रत्येक बिन्दु पर TR = P × Q निकालिए, फिर MR = ΔTR/ΔQ: ₹20 × 10 = 200 → ₹19 × 11 = 209 से MR = ₹9; ₹100 × 900 → ₹90 × 1,000 (दोनों ₹90,000) से MR = 0; MR ऋणात्मक हो सकता है (570 → 560 से −₹10)।	Q6, Q8, Q9, Q22, Q26, Q44 (+ 1.0 Q25)	PYQ 2019-May, 2019-Nov (×2), 2021-Dec, 2022-Jun, 2025-Jan, 2025-May	1.2, pp. 4.9 – 4.10 (Table 2)
1.2.5	किसी भी उत्पादन-स्तर पर TR उस स्तर तक के marginal revenues का योग होता है: TR = ΣMR (MR ₹10 + ₹5 + ₹3 = TR ₹18)।	Q41, Q58	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep	1.2, p. 4.10
1.2.6	गिरती हुई AR (price) schedule में MR सदैव price से कम होता है: MR curve, AR curve के नीचे रहता है और अधिक तेज़ी से गिरता है, तथा शून्य होने के बाद MR ऋणात्मक हो जाता है जबकि AR (price) धनात्मक बना रहता है — इसलिए monopoly या imperfect competition में AR शून्य नहीं हो सकता, परन्तु MR शून्य या ऋणात्मक हो सकता है।	Q34	PYQ 2023-Dec	1.2, p. 4.10
1.2.7	जब तक MR धनात्मक है, TR बढ़ता है: घटते marginal revenue के कारण आरम्भ में यह घटती दर से बढ़ता है, MR शून्य होने पर अधिकतम होता है (TR का slope = 0), और MR ऋणात्मक होने पर गिरता है।	Q5, Q7, Q16, Q19, Q29, Q33, Q37	PYQ 2019-May, 2019-Nov (×2), 2021-Jan (×2), 2022-Dec, 2023-Dec, 2024-Jun	1.2, pp. 4.10 – 4.11
1.2.8	Perfect competition में फर्म price taker होती है: उसका AR (demand) curve perfectly elastic होता है, price स्थिर रहता है, इसलिए MR = AR और AR तथा MR curves एक ही क्षैतिज रेखा के रूप में मिल जाते (coincide) हैं।	Q55	MTP 2025-Aug S2	1.2, p. 4.11

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.9	MR, AR और price elasticity of demand का एक अद्वितीय (unique) सम्बन्ध है: MR = AR × (e − 1)/e, जहाँ e = price elasticity of demand।	Q2, Q42, Q59	PYQ 2018-Nov, 2025-Jan, 2026-Sep; MTP 2025-May S2	1.2.0, pp. 4.11 – 4.12
1.2.10	Numericals: MR = AR × (e − 1)/e में e को धनात्मक संख्या के रूप में रखिए — AR 5, e 2 → MR = 2.5; AR 45, e 3 → MR = 30; AR 21 के साथ e = 3 और 7 → MR = 14 और 18।	Q18, Q38, Q45	PYQ 2021-Jan, 2024-Jun, 2025-May; MTP 2025-Apr S1	1.2.0, p. 4.12
1.2.11	यदि e = 1 तो MR = 0; यदि e > 1 तो MR धनात्मक; यदि e < 1 तो MR ऋणात्मक। सीधी रेखा वाले demand curve पर MR मध्य-बिन्दु (e = 1) पर शून्य, ऊपरी भाग पर धनात्मक और निचले भाग पर ऋणात्मक होता है।	Q4, Q20, Q50, Q52	PYQ 2019-May, 2021-Jul, 2026-Jan; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	1.2.0, p. 4.12
1.2.12	Total revenue वहाँ अधिकतम होता है जहाँ price elasticity of demand एक के बराबर हो, क्योंकि वहाँ MR = 0 होता है।	Q43, Q54, Q60	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.2.0, p. 4.12
1.2.13	Behavioural Principle 1: यदि फर्म की total variable costs भी पूरी न हों तो उसे उत्पादन बिल्कुल नहीं करना चाहिए — प्रतिस्पर्धी फर्म तब बन्द (shut down) हो जाती है जब price (AR), AVC से कम हो। न्यूनतम AVC ही shut-down price है; shut-down point पर P = AVC, TR = TVC और फर्म का loss उसकी fixed cost (TFC) के बराबर होता है। Shut down अस्थायी होता है।	Q1, Q3, Q40	PYQ 2018-May, 2019-May; MTP 2024-Aug, 2025-May S2	1.2.1, p. 4.13
1.2.14	Behavioural Principle 2: फर्म अधिकतम लाभ तब कमाती है जब वह उत्पादन को उस स्तर तक बढ़ाए जहाँ marginal revenue, marginal cost के बराबर हो (MR = MC, first-order condition); जब तक MR, MC से अधिक है, उत्पादन जारी रखना लाभदायक है। MR curve नीचे की ओर ढलता है और MC curve ऊपर की ओर; ये profit-maximising output पर एक-दूसरे को काटते हैं।	Q3, Q24, Q28, Q35, Q36, Q46, Q47	PYQ (CPT) 2016-Dec, 2019-May, 2021-Dec, 2022-Jun, 2022-Dec, 2023-Dec (×2), 2025-May; MTP 2025-May S2	1.2.1, pp. 4.13 – 4.14
1.2.15	Profit (TR − TC) वहाँ अधिकतम होता है जहाँ TR, TC से सबसे अधिक मात्रा में अधिक हो — वह output जिस पर TR और TC के slopes बराबर हों (MR = MC)।	Q30	PYQ 2022-Dec	SM में नहीं (केवल PYQ); 1.2.1, p. 4.14 से निष्कर्षित
1.2.16	विवेकशील (rational) व्यक्ति तब तक कोई कार्य नहीं करता जब तक उससे मिलने वाले marginal benefits, marginal costs से अधिक न हों।	Q57	MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
1.2.17	इकाई 3 की सामग्री: monopolistic competition में प्रत्येक फर्म स्वतन्त्र रूप से MR = MC पर लाभ अधिकतम करती है (price leadership, cartels और kink point, oligopoly की स्थितियाँ हैं)।	Q53	MTP 2025-Aug S1	SM इकाई 1 में नहीं (केवल MTP); SM अध्याय 4, इकाई 3
1.2.18	अध्याय 3 की सामग्री: explicit cost वह वास्तविक भुगतान है जो उद्यमी (entrepreneur) factor services प्रदान करने वालों को करता है।	Q56	MTP 2025-Dec S1	SM अध्याय 4 में नहीं (केवल MTP); SM अध्याय 3

इकाई 2: मूल्यों का निर्धारण (Determination of Prices)

SM अध्याय 4, इकाई 2, पृष्ठ 4.16 – 4.26

विषय 2.0 प्रस्तावना (Introduction)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP 1 · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.0.1	वस्तुओं के मूल्य उनका exchange value व्यक्त करते हैं; मूल्य factors of production की सेवाओं का मूल्य भी व्यक्त करते हैं — land, labour, capital और organisation के लिए क्रमशः rent, wages, interest और profit।	Q1, Q2 (+ 1.0 Q33)	PYQ 2018-Nov, 2023-Jun, 2026-Sep	2.0, p. 4.16
2.0.2	*विषय 1.0 देखें: Ricardo के अनुसार exchange value का अर्थ है सामान्यतः वस्तुओं पर अधिकार (command over commodities in general), अथवा सामान्यतः क्रय-योग्य वस्तुओं पर विनिमय-शक्ति (power in exchange over purchasable commodities in general)।*	Q3	PYQ 2024-Sep	1.0, pp. 4.2 – 4.3
2.0.3	सामान्यतः demand और supply मूल्य निर्धारित करते हैं, परन्तु कभी-कभी सरकार हस्तक्षेप करके मूल्य पूर्णतः या आंशिक रूप से तय करती है — जैसे गेहूँ, चावल और गन्ने के procurement prices (किसानों को आश्वस्त minimum support price)। Price floor, equilibrium price से ऊपर तय किया गया न्यूनतम मूल्य है।	Q5, Q6	RTP 2025-May; MTP 2025-Apr S1 (×2), 2025-Aug S2	2.0, pp. 4.16 – 4.17 ('support price' और 'price floor' SM में परिभाषित नहीं)
2.0.4	अध्याय 3 की सामग्री: economic cost = explicit cost + implicit cost। TR ₹1,20,000, explicit cost ₹95,000, छोड़ा गया वेतन (forgone salary) ₹30,000 → accounting cost ₹95,000, accounting profit ₹25,000, economic cost ₹1,25,000, economic loss ₹5,000।	Q4	PYQ 2025-May	SM अध्याय 4 में नहीं (केवल PYQ); SM अध्याय 3

विषय 2.1 मूल्यों का निर्धारण — एक सामान्य दृष्टि (Determination of Prices - A General View)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	खुले प्रतिस्पर्धी बाज़ार (open competitive market) में demand और supply, equilibrium price निर्धारित करते हैं; equilibrium price या market clearing price वह मूल्य है जिस पर quantity demanded, quantity supplied के बराबर होती है, अतः न कोई बिना बिका स्टॉक रहता है और न कोई अपूरित demand।	Q1	PYQ 2021-Jul	2.1, p. 4.17
2.1.2	यदि market price, equilibrium से ऊपर हो तो excess supply (surplus) होती है और प्रतिस्पर्धी विक्रेता मूल्य घटाते हैं; यदि यह equilibrium से नीचे हो (equilibrium price, market price से अधिक) तो excess demand (shortage) होती है और क्रेता बोली लगाकर मूल्य बढ़ा देते हैं — price mechanism के माध्यम से stable equilibrium स्वतः पुनः स्थापित हो जाता है।	Q2	MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1	2.1, pp. 4.18 – 4.19

विषय 2.2 माँग एवं पूर्ति में परिवर्तन (Changes in Demand and Supply)

22 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 22 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	वस्तु के अपने मूल्य के अतिरिक्त अन्य कारक (आय, रुचियाँ, जनसंख्या, तकनीक, factors के मूल्य) curves को खिसकाते (shift) हैं; चार परिवर्तन हैं — demand में वृद्धि (दाईं ओर shift) या कमी (बाईं ओर shift), और supply में वृद्धि (दाईं ओर shift) या कमी (बाईं ओर shift)।	Q8	PYQ 2024-Jun	2.2, p. 4.19
2.2.2	Demand में वृद्धि (supply अपरिवर्तित): पुराने मूल्य पर excess demand से equilibrium price बढ़ता है, और खरीदी-बेची गई मात्रा भी बढ़ती है। भविष्य में मूल्य बढ़ने की आशा (अगले वर्ष कारें, मोटरसाइकिलें) वर्तमान demand बढ़ाती है — demand curve दाईं ओर खिसकता है।	Q12, Q20, Q22	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep; MTP 2025-Aug S1	2.2 (i), pp. 4.19 – 4.20; Illustration 1, p. 4.25
2.2.3	Demand में कमी (जैसे आय में गिरावट; supply अपरिवर्तित): equilibrium price तथा demand एवं supply की गई मात्रा, दोनों घटते हैं।	Q7, Q16	PYQ 2023-Jun, 2025-Jan	2.2 (ii), p. 4.20
2.2.4	Supply में वृद्धि (जैसे उन्नत तकनीक; demand अपरिवर्तित): पुराने मूल्य पर surplus के कारण equilibrium price घटता है और quantity demanded बढ़ती है।	Q3, Q19	PYQ 2019-Nov, 2025-Sep	2.2 (iii), pp. 4.20 – 4.21
2.2.5	Supply में कमी (जैसे अप्रचलित तकनीक, भारी वर्षा या तूफ़ान से फ़सल की क्षति; demand अपरिवर्तित): पुराने मूल्य पर कमी (deficit) के कारण equilibrium price बढ़ता है, जबकि बेची और खरीदी गई मात्रा घटती है।	Q1, Q11, Q13	PYQ 2018-Nov, 2024-Jun, 2024-Sep	2.2 (iv), p. 4.21; Illustration 1, p. 4.25
2.2.6	*विषय 2.3 देखें: एक साथ shifts — एक ही दिशा में होने पर quantity निश्चित और price अनिश्चित (बराबर वृद्धि से price अपरिवर्तित); विपरीत दिशाओं में होने पर price निश्चित और quantity अनिश्चित; बड़ा shift निर्णायक होता है।*	Q2, Q4, Q5, Q6, Q9, Q10, Q14, Q15, Q17, Q18, Q21	PYQ 2019-May, 2021-Jul, 2021-Dec, 2022-Dec, 2024-Jun (×2), 2024-Sep, 2025-Jan (×3), 2025-May, 2025-Sep; MTP 2025-Apr S1	2.3, pp. 4.21 – 4.25

विषय 2.3 माँग एवं पूर्ति में एक साथ परिवर्तन (Simultaneous Changes in Demand and Supply)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	Demand और supply का एक ही दिशा में shift: दोनों बढ़ें तो equilibrium quantity बढ़ती है परन्तु equilibrium price में परिवर्तन अनिश्चित होता है; दोनों घटें तो equilibrium quantity घटती है परन्तु price में परिवर्तन अनिश्चित होता है। यदि demand में वृद्धि, supply में वृद्धि के बराबर हो, तो price वही रहता है और quantity बढ़ती है।	(+ 2.2 Q2, 2.2 Q4, 2.2 Q5, 2.2 Q15, 2.2 Q21)	PYQ 2019-May, 2021-Jul, 2021-Dec, 2025-Jan (×2), 2025-Sep	2.3, p. 4.22
2.3.2	बड़ा shift मूल्य तय करता है: यदि demand, supply से अधिक बढ़े तो price बढ़ता है; यदि supply, demand से अधिक अनुपात में बढ़े तो नया equilibrium price मूल price से कम होता है (इसके विपरीत, यदि supply में गिरावट, demand में गिरावट से अधिक हो तो price बढ़ता है)।	(+ 2.2 Q6, 2.2 Q17)	PYQ 2022-Dec, 2025-Jan	2.3, p. 4.22

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.3	Demand और supply का विपरीत दिशाओं में shift: demand बढ़े और supply घटे तो equilibrium price बढ़ता है परन्तु equilibrium quantity के बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता; demand घटे और supply बढ़े तो equilibrium price गिरता है, और quantity अनिश्चित रहती है।	(+ 2.2 Q9, 2.2 Q14, 2.2 Q18)	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2025-May; MTP 2025-Apr S1	2.3, p. 4.23
2.3.4	Illustration 1 (D1 और S1 बिन्दु 1 पर मिलते हैं, SM की figure numbering): demand में वृद्धि + factor price में वृद्धि → D2 के साथ S3 = बिन्दु 2; demand में वृद्धि + supply में वृद्धि (complement सस्ता / बेहतर तकनीक / सस्ता factor) → D2 के साथ S2 = बिन्दु 7; भारी वर्षा से फ़सल की क्षति → केवल S3 = बिन्दु 3; भविष्य में मूल्य-वृद्धि की आशा → केवल D2 = बिन्दु 5।	(+ 2.2 Q10, 2.2 Q11, 2.2 Q12)	PYQ 2024-Jun (×3)	Illustration 1, pp. 4.24 – 4.25
2.3.5	Price ceiling किसी वस्तु के लिए लिया जा सकने वाला अधिकतम मूल्य है; equilibrium price से नीचे तय किए जाने पर यह shortages पैदा करता है, सीमित supply को बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बीच बाँटने की समस्या उत्पन्न करता है, और black marketing को जन्म देता है।	Q1, Q2	MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1, 2025-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP); p. 4.17 पर price ceilings और floors का उल्लेख केवल equilibrium analysis के उपयोगों के रूप में है

इकाई 3: विभिन्न बाज़ार-रूपों में मूल्य एवं उत्पादन का निर्धारण (Price-Output Determination under Different Market Forms)

SM अध्याय 4, इकाई 3, पृष्ठ 4.27 – 4.65

विषय 3.0 पूर्ण प्रतिस्पर्धा (Perfect Competition)

64 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 49 · RTP 4 · MTP 19

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.0.1	Perfect competition में सभी फर्में व्यक्तिगत रूप से price takers होती हैं: कोई भी फर्म मूल्य को नियन्त्रित या प्रभावित नहीं कर सकती, जो उद्योग के लिए total (market) demand और total (market) supply की market forces द्वारा निर्धारित होता है — equilibrium price वहाँ है जहाँ ये बराबर हों।	Q1, Q5, Q27, Q36, Q40	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2018-May, 2020-Nov, 2023-Jun, 2024-Sep, 2025-Sep; MTP 2025-May S2	3.0.0 (vi), p. 4.29; 3.0.1, pp. 4.29 – 4.30
3.0.2	Pure competition = (i) बड़ी संख्या में क्रेता और विक्रेता, (ii) homogeneous (एकसमान) products जो perfect substitutes हैं और एक ही market price पर बिकते हैं, (iii) free entry and exit; इसकी अनिवार्य विशेषता monopoly के किसी भी तत्त्व का अभाव है। Perfect competition इनमें जोड़ता है — बाज़ार की दशाओं का पूर्ण ज्ञान (perfect knowledge), बहुत कम transaction costs और सभी फर्मों का price-taking (Summary में factors की पूर्ण गतिशीलता (perfect mobility of factors), सरकारी हस्तक्षेप का अभाव और collusion का अभाव भी सूचीबद्ध हैं)।	Q23, Q32, Q46, Q48	PYQ 2022-Dec, 2026-May; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	3.0.0, pp. 4.28 – 4.29; Summary, p. 4.63

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.0.3	Perfect (pure) competition की विशेषताएँ **नहीं**: selling costs या advertising (चाहे 'informative' advertising हो), inelastic demand, साधनों का अकुशल आवंटन (inefficient allocation of resources), और 'absence of transport cost' — SM केवल बहुत कम transaction costs सूचीबद्ध करता है, और वह भी केवल perfect (pure नहीं) competition की अतिरिक्त शर्त के रूप में। Perfect competition में कोई selling costs नहीं, फर्म की demand infinitely elastic और साधनों का कुशल आवंटन (efficient allocation of resources) होता है।	Q7, Q17, Q20, Q30, Q38, Q49	PYQ 2018-Nov, 2021-Jan, 2021-Dec, 2023-Dec, 2025-May; MTP 2025-May S2, 2025-Dec S1	3.0.0, pp. 4.28 – 4.29; Table 7, pp. 4.55 – 4.56
3.0.4	Perfectly competitive market को एक मिथक (myth) माना जाता है — इसकी मान्यताएँ वास्तविक जगत के बाज़ारों में कभी नहीं मिलतीं; कृषि उत्पाद, financial instruments (stocks, bonds, foreign exchange) और बहुमूल्य धातुएँ (सोना, चाँदी, platinum) केवल इसके निकट पहुँचते हैं।	Q15, Q22	PYQ 2019-Nov, 2022-Jun	3.0.0, p. 4.29; 3.0.5, p. 4.39
3.0.5	Price-taking फर्म का demand (AR) curve market price पर एक क्षैतिज रेखा है — X-axis के समानान्तर — इसलिए यह perfectly (infinitely) elastic है: फर्म की price elasticity of demand केवल perfect competition में अनन्त (infinite) होती है, और perfectly elastic demand curve का सामना करने वाली फर्म perfect competitor होती है।	Q10, Q12, Q28, Q29, Q31, Q37, Q44, Q63	PYQ 2018-Nov, 2019-Nov, 2023-Dec (×2), 2024-Jun, 2025-Jan, 2026-Sep; RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2	3.0.1, pp. 4.30 – 4.31; Summary table, p. 4.62
3.0.6	Perfect competition में AR = MR = Price (AR और MR एक ही curve हैं), लाभ का स्तर चाहे जो हो — अतः supernormal profit कमाने वाली फर्म में भी AR = MR होता है; यह समानता केवल perfect competition में लागू होती है।	Q11, Q26	PYQ 2019-May, 2023-Jun; MTP 2025-Apr S1	3.0.1, p. 4.31; Table 7, p. 4.56
3.0.7	केवल व्यक्तिगत फर्म का demand curve क्षैतिज होता है; perfect competition में market (industry) demand curve DD किसी भी market demand curve की तरह नीचे की ओर ढलता है (चित्र 14 और 16)। सूचीबद्ध सभी market forms के market demand curves ऋणात्मक ढाल वाले (negatively sloped) होते हैं।	Q45	MTP 2025-Jan S2	3.0.1, pp. 4.29 – 4.32 (चित्र 14, 16)
3.0.8	फर्म के equilibrium की दो शर्तें: (i) MR = MC — profit-maximisation की शर्त; (ii) MC curve, MR curve को नीचे से काटे, अर्थात् MC का slope धनात्मक हो। जहाँ MC, MR को ऊपर से काटता है (बिन्दु T) वहाँ equilibrium नहीं होता; R, जहाँ यह नीचे से काटता है, equilibrium है।	Q2, Q8, Q16, Q19, Q35, Q42	PYQ 2018-May, 2018-Nov, 2019-May, 2021-Jul, 2024-Sep, 2025-Jan	3.0.1, pp. 4.31 – 4.32
3.0.9	यदि MR > MC तो फर्म को उत्पादन बढ़ाना चाहिए (प्रत्येक अतिरिक्त इकाई लागत की अपेक्षा आय में अधिक जोड़ती है); यदि MR < MC तो उत्पादन घटाना चाहिए; लाभ केवल वहीं अधिकतम होता है जहाँ MR = MC (प्रतिस्पर्धी फर्म के लिए = P)।	Q4	PYQ 2018-May	3.0.1, pp. 4.31 – 4.32

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.0.10	Perfectly competitive industry में फर्म का MC curve उसका supply curve दर्शाता है — सटीक रूप से, short-run supply curve, MC curve का वह भाग है जो AVC curve के न्यूनतम बिन्दु से ऊपर स्थित है।	Q9, Q34	PYQ 2018-Nov, 2019-Nov, 2024-Sep; MTP 2025-Apr S1	3.0.2, pp. 4.32 – 4.33
3.0.11	Shut-down rule: यदि price, AVC से नीचे गिर जाए — अर्थात् total revenue से total variable cost भी पूरी न हो — तो फर्म शून्य supply करती है और बन्द हो जाती है (सम्भवतः अस्थायी रूप से); यदि यह AVC और fixed cost का कुछ भाग पूरा कर ले, तो short run में चलती रहती है।	Q33, Q39, Q60	PYQ 2024-Sep, 2025-Sep; RTP 2026-Jan	3.0.2, p. 4.33; 3.0.3, p. 4.35
3.0.12	Normal profit = शून्य economic profit: average revenue ठीक average total cost के बराबर (AR = ATC; TR – TC = 0); उद्यमी की प्रबन्धकीय सेवाओं के लिए लाभ का एक सामान्य प्रतिशत उत्पादन-लागत (cost of production) में पहले से शामिल होता है।	Q14, Q18, Q62	PYQ 2019-Nov, 2021-Jul, 2026-Sep	3.0.3, pp. 4.33 – 4.35
3.0.13	Supernormal profit: AR (price) > ATC — फर्म सामान्य दर से अधिक अतिरिक्त लाभ कमाती है; चूँकि equilibrium पर P = MC, इसका अर्थ यह भी है कि ATC < MC। Losses तब होते हैं जब ATC > AR। Short run में प्रतिस्पर्धी फर्म इन तीनों में से कोई भी स्थिति अर्जित कर सकती है।	Q13, Q43	PYQ 2019-Nov, 2025-Jan	3.0.3, pp. 4.33 – 4.35
3.0.14	Long run में entry और exit, supernormal profits और losses को समाप्त कर देते हैं: प्रत्येक perfectly competitive फर्म केवल normal profit कमाती है (इसलिए long run में 'all firms earn profit' कथन असत्य है)। Short run में industry उस मूल्य पर equilibrium में होती है जो बाज़ार को clear करता है (market demand = market supply)।	Q6, Q21, Q55	PYQ 2018-Nov, 2021-Dec; MTP 2025-Dec S1	3.0.1, p. 4.29; 3.0.4, p. 4.37; Summary, p. 4.63
3.0.15	प्रतिस्पर्धी फर्म का long-run equilibrium: LMC = LAC = P (MR = MC और AR = AC के साथ), अर्थात् SMC = LMC = SAC = LAC = P = MR; industry के लिए LAR = LMR = P = LMC = LAC।	Q3, Q25	PYQ 2018-May, 2022-Dec	3.0.4, pp. 4.37 – 4.38; 3.0.5, p. 4.39
3.0.16	Perfect competition में long-run optimality: न्यूनतम सम्भव लागत (minimum feasible cost) पर उत्पादन; उपभोक्ता न्यूनतम मूल्य चुकाते हैं, P = MC; plants का पूर्ण क्षमता पर उपयोग, अतः साधनों का कोई अपव्यय नहीं (MC = AC) — इसलिए excess capacity नहीं; केवल normal profits (AC = AR); फर्मों की optimum संख्या।	Q53, Q54, Q61, Q64	PYQ 2026-Sep; RTP 2025-May, 2025-Sep; MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S2	3.0.5, p. 4.39; Table 7, p. 4.56
3.0.17	Price केवल perfect competition में marginal cost के बराबर होता है; monopoly और monopolistic competition में price, MC से अधिक होता है। Monopolists प्रतिस्पर्धी फर्मों की तुलना में ऊँचे मूल्य लेते हैं और कम उत्पादन करते हैं, इसलिए supply, monopolised दशाओं की अपेक्षा प्रतिस्पर्धी दशाओं में अधिक होती है।	Q41, Q47	PYQ 2025-Sep, 2026-Jan	Table 7, p. 4.55; 3.1.5 (2), p. 4.51

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.0.18	तीव्र प्रतिस्पर्धा वाले बहुत बड़ी संख्या में विक्रेता होने पर ICAI का keyed answer elasticity of supply को infinite मानता है; स्वयं SM केवल फर्म की demand (supply नहीं) के infinitely elastic होने की बात करता है।	Q24	PYQ 2022-Dec	SM में नहीं (केवल PYQ); तुलना करें 3.0.1, p. 4.31
3.0.19	Monopolist का कोई unique supply curve नहीं होता क्योंकि वह P > MC रखता है (price–quantity का एक-से-एक सम्बन्ध नहीं); perfect competition में P = MC, इसलिए MC curve ही supply curve है।	Q50	MTP 2025-Aug S2	SM में नहीं (केवल MTP); तुलना करें 3.0.2, p. 4.32
3.0.20	Accounting cost में explicit भुगतान (rent, salaries, उधार ली गई राशि पर interest) आते हैं परन्तु normal profit नहीं, जो उद्यमी के अपने साधनों की implicit cost है और economic cost में शामिल होता है; TFC = TC – TVC (fixed cost = शून्य उत्पादन पर total cost)।	Q58, Q59	MTP 2025-Dec S1 (×2)	3.0.3, pp. 4.33 – 4.34; Illustration 2, pp. 4.35 – 4.36
3.0.21	लागत-सिद्धान्त सम्बन्धी बिन्दु (अध्याय 3): AFC curve एक rectangular hyperbola है; MC बढ़ते हुए भी AVC गिर सकता है, बशर्ते MC < AVC; LAC प्रत्येक output के उत्पादन की न्यूनतम लागत है, SAC curves का envelope है, और U-shaped है; SAC, increasing और फिर diminishing returns के कारण U-shaped होता है।	Q51, Q52, Q56, Q57	MTP 2025-Dec S1 (×4)	SM अध्याय 4 इकाई 3 में नहीं (केवल MTP; SM अध्याय 3, Theory of Cost)

विषय 3.1 एकाधिकार (Monopoly)

66 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 51 · RTP 4 · MTP 31

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.1	Monopoly ('alone to sell'): ऐसी वस्तु का एकमात्र विक्रेता जिसका कोई निकट स्थानापन्न (close substitute) नहीं है। विशेषताएँ: एकमात्र विक्रेता (फर्म = उद्योग); entry की प्रबल बाधाएँ (strong barriers to entry); कोई close substitutes नहीं; market power। बड़ी संख्या में विक्रेता, एकमात्र क्रेता, free entry या homogeneous product — ये monopoly की विशेषताएँ **नहीं** हैं (Summary तालिका इसके product को 'unique product without close substitute' कहती है)।	Q15, Q22, Q25, Q27, Q42	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun, 2023-Jun, 2023-Dec, 2025-May	3.1, 3.1.0, pp. 4.39 – 4.40; Summary table, p. 4.62
3.1.2	Monopoly का मूल कारण barriers to entry है — आर्थिक, संस्थागत, वैधानिक या कृत्रिम: जैसे दुर्लभ साधनों पर नियन्त्रण, सरकार द्वारा दिए गए अनन्य अधिकार (exclusive government rights), intellectual property rights की रक्षा के लिए सरकार द्वारा दिए गए patents और copyrights, भारी start-up costs, natural monopoly। Entry हर समय प्रतिबन्धित रहती है। भारत में: रेल परिवहन में Indian Railways; nuclear power पर सरकार का monopoly।	Q8, Q19, Q29, Q46, Q56	PYQ 2019-May, 2021-Dec, 2024-Jun, 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-Aug S1	3.1.0 – 3.1.1, pp. 4.39 – 4.41

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.3	Close substitutes न होने के कारण monopolist के product की किसी अन्य product के साथ cross elasticity of demand शून्य या बहुत कम होती है और उसकी price elasticity of demand एक से कम होती है: monopolist एक खड़े (steep), नीचे की ओर ढलवाँ (अत्यधिक inelastic) demand curve का सामना करता है — उसका AR curve बाएँ से दाएँ गिरता है।	Q7, Q34, Q37, Q38, Q49, Q57	PYQ 2018-Nov, 2025-Jan, 2026-Jan; MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1, 2025-Apr S1, 2025-May S2	3.1.0 (3), pp. 4.39 – 4.40; 3.1.2, p. 4.41; Table 7, p. 4.55
3.1.4	एकमात्र फर्म ही उद्योग होती है — फर्म और उद्योग में कोई अन्तर नहीं — इसलिए monopolist का demand curve, market demand curve के समान होता है।	Q4, Q55	PYQ 2018-May, 2026-May; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S1	3.1.0 (1), p. 4.39; 3.1.2, p. 4.41
3.1.5	मूल्य पर नियन्त्रण की मात्रा (degree of control over price): perfect competition में कोई नहीं, monopolistic competition और oligopoly में कुछ, monopoly में बहुत अधिक (very considerable) — monopolist, price maker होता है।	Q17, Q18	PYQ 2021-Dec (×2); MTP 2025-May S2	3.1.0 (3), p. 4.39; Summary table, pp. 4.62 – 4.63
3.1.6	Monopoly में AR और MR: दोनों नीचे की ओर ढलते हैं; MR, AR से कम होता है (उसके नीचे रहता है) क्योंकि एक अतिरिक्त इकाई बेचने के लिए monopolist को सभी इकाइयों पर मूल्य घटाना पड़ता है; MR का slope, AR के slope का दोगुना होता है (MR, AR और Y-axis के ठीक बीच में रहता है); AR शून्य नहीं हो सकता परन्तु MR शून्य (जहाँ TR अधिकतम है) या ऋणात्मक भी हो सकता है।	Q5, Q21, Q28, Q52, Q63	PYQ 2018-Nov, 2022-Jun, 2024-Jun, 2026-Jan; MTP 2026-Apr S1	3.1.2, pp. 4.41 – 4.43
3.1.7	AR–MR–elasticity सम्बन्ध: MR = AR × (1 – 1/e), अत: AR = MR × e/(e – 1); AR और MR के बीच का अन्तर price elasticity पर निर्भर करता है। उदाहरण: P = 60: e = 5 से MR = 48, e = 6 से MR = 50; MR = 15 और e = 1.5 से AR = 45। Output को अधिक MR (अधिक elasticity) वाले बाज़ार की ओर तब तक खिसकाया जाता है जब तक MRs बराबर न हो जाएँ।	Q51, Q53, Q65	PYQ 2021-Dec, 2026-Jan, 2026-May; MTP 2026-Apr S2	3.1.4 (संख्यात्मक उदाहरण), p. 4.47
3.1.8	Monopolist का short-run equilibrium: MC = MR, जहाँ MC, MR को नीचे से काटे; प्रति इकाई लाभ = AR – ATC। Monopolist का सदैव लाभ कमाना आवश्यक नहीं: यदि ATC > AR तो उसे losses होते हैं (यदि AVC पूरी हो रही हो तो वह उत्पादन जारी रखता है)।	Q48	PYQ 2026-Jan	3.1.3, pp. 4.43 – 4.45
3.1.9	Long run में monopolist losses होने पर चलता नहीं रहेगा (वह exit कर सकता है, या अपने plant को समायोजित करके break even कर सकता है अथवा लाभ कमा सकता है), परन्तु long run में भी वह supernormal profits कमाता रहता है क्योंकि बाहरी फर्मों का entry अवरुद्ध रहता है; उसके लिए LAC के न्यूनतम बिन्दु पर उत्पादन करना आवश्यक नहीं।	Q3, Q24, Q32, Q40, Q61	PYQ 2018-May (×2), 2022-Dec; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2, 2025-May S2, 2025-Aug S2, 2025-Aug S1	3.1.3, pp. 4.44 – 4.45; Summary, p. 4.63
3.1.10	Market power: marginal cost से ऊपर मूल्य लेने और धनात्मक लाभ कमाने की क्षमता — इसलिए monopoly power की मात्रा price और MC के अन्तर से आँकी जाती है।	Q47, Q58	PYQ 2025-Sep; MTP 2025-May S2	3.1.0 (4), p. 4.40; Summary, p. 4.63 ('measure' SM की शब्दावली नहीं है)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.11	Monopoly के आर्थिक प्रभाव: प्रतिस्पर्धी फर्मों की तुलना में ऊँचे मूल्य और कम उत्पादन, long run में अनुचित economic profits, MC से ऊपर price, घटा हुआ consumer surplus, price discrimination — monopolies शोषणकारी होती हैं, इसलिए सरकारें उनके नियमन और उनके निर्माण को रोकने के लिए कदम उठाती हैं।	Q2, Q23, Q54	PYQ 2018-May, 2022-Jun, 2026-May	3.1.5, p. 4.51; Summary, p. 4.64
3.1.12	Price discrimination: एक ही वस्तु की विभिन्न इकाइयों के लिए (विभिन्न क्रेताओं से) ऐसे कारणों से अलग-अलग मूल्य लेना जो लागत के अन्तर से सम्बन्धित नहीं हैं — abnormal profits कमाने के लिए monopolist द्वारा अपनाई गई pricing पद्धति। Simple monopoly एकसमान मूल्य लेती है; discriminating monopoly अलग-अलग मूल्य लेती है (जैसे Indian Railways के dynamic fares)।	Q16, Q31, Q35	PYQ 2021-Dec, 2024-Sep; MTP 2024-Aug	3.1.2, p. 4.43; 3.1.4, p. 4.46
3.1.13	Perfect competition में price discrimination टिक नहीं सकता (विक्रेता का market price पर कोई प्रभाव नहीं होता); इसके लिए monopoly का कोई तत्त्व आवश्यक है।	Q10, Q36, Q59	PYQ 2019-May, 2021-Dec; RTP 2024-Sep; MTP 2025-May S2	3.1.4, p. 4.46
3.1.14	Price discrimination की शर्तें: (I) विक्रेता का supply पर कुछ नियन्त्रण हो (मूल्य तय करने की शक्ति); (II) बाज़ार को दो या अधिक sub-markets में बाँटा जा सके; (III) sub-markets के बीच price elasticity भिन्न हो — discrimination तभी लाभदायक है जब elasticities भिन्न हों; (IV) कम मूल्य वाले बाज़ार के क्रेता ऊँचे मूल्य वाले बाज़ार में पुनः न बेच सकें (no arbitrage)।	Q1, Q39, Q43, Q64	PYQ (CPT) 2016-Dec, 2025-May; RTP 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	3.1.4, p. 4.46
3.1.15	Price discrimination के उद्देश्य: अधिकतम लाभ कमाना; अतिरिक्त स्टॉक (surplus stock) निपटाना; economies of scale का लाभ उठाना; विदेशी बाज़ारों पर कब्ज़ा करना; मूल्य-निर्धारण के माध्यम से समानता (equity) सुनिश्चित करना ('to escape foreign markets' या 'to hold excess stock' **नहीं**)।	Q26, Q45	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2023-Jun, 2025-Sep	3.1.4, pp. 4.47 – 4.48
3.1.16	Prof. Pigou ने तीन degrees वर्गीकृत कीं: first degree — बाज़ार को प्रत्येक व्यक्तिगत उपभोक्ता (individual consumer) में बाँट दिया जाता है, प्रत्येक से उतना मूल्य लिया जाता है जितना वह चुकाने को इच्छुक और समर्थ है, जिससे सम्पूर्ण consumer surplus ले लिया जाता है (doctors, lawyers, auctions); second degree — बेची गई विभिन्न मात्राओं के लिए भिन्न-भिन्न मूल्य, जिससे surplus का केवल एक भाग लिया जाता है; third degree — मूल्य location या customer segment जैसी विशेषताओं के अनुसार बदलता है।	Q6, Q33, Q44, Q50, Q60, Q62	PYQ 2018-Nov, 2025-May, 2026-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-May S2 (×2), 2025-Aug S1	3.1.4, p. 4.48; Summary, p. 4.64
3.1.17	Third-degree के उदाहरण: dumping; घरेलू (domestic) और व्यावसायिक (commercial) उपयोगों के लिए भिन्न मूल्य (उद्योग की तुलना में ग्रामीण घरों या किसानों के लिए सस्ती बिजली); senior citizens के लिए कम रेल किराया — ये सभी price discrimination हैं।	Q13, Q14, Q20, Q30, Q41, Q66	PYQ 2020-Nov, 2021-Jul, 2021-Dec, 2023-Dec, 2024-Jun; RTP 2025-Jan, 2025-May; MTP 2025-Aug S2, 2026-Apr S2	3.1.4, pp. 4.45 – 4.48

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.18	Equilibrium तक पहुँचने के लिए discriminating monopolist तीन निर्णय लेता है: कुल कितना output उत्पादित करना है (aggregate MR = MC), उसे sub-markets के बीच कैसे बाँटना है (equal MRs), और कौन-से मूल्य वसूलने हैं (less elastic market में अधिक)।	Q9	PYQ 2019-May	3.1.4, pp. 4.48 – 4.50
3.1.19	*विषय 3.3 देखें: kinked demand curve प्रचलित मूल्य (prevailing price) से ऊपर highly elastic और नीचे inelastic होता है।*	Q11	PYQ 2019-May	3.3.3, p. 4.61
3.1.20	*विषय 3.0 देखें: demand curve केवल perfect competition में ही horizontal (perfectly elastic) होता है।*	Q12	PYQ 2019-May	3.0.1, pp. 4.30 – 4.31

विषय 3.2 अपूर्ण प्रतिस्पर्धा — एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा (Imperfect Competition-Monopolistic Competition)

30 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 20 · RTP 3 · MTP 13

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.1	Monopolistic competition: अनेक विक्रेता अनेक क्रेताओं को differentiated products — निकट, परन्तु पूर्ण नहीं, substitutes — बेचते हैं। विशेषताएँ: विक्रेताओं की बड़ी संख्या, product differentiation, प्रवेश एवं निकास की स्वतन्त्रता (freedom of entry and exit), non-price competition (ऊँची selling costs के साथ); यह monopoly और perfect competition का मिश्रण (blend) है।	Q3, Q15, Q16, Q19, Q22	PYQ 2019-May, 2024-Sep, 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	3.2.0, pp. 4.52 – 4.53; Summary, p. 4.64
3.2.2	Product differentiation (brand, आकार, design, रंग, packaging, promotion द्वारा — वास्तविक या काल्पनिक) monopolistic competition की मुख्य विशेषता है और वही एकमात्र पहलू है जिसमें यह perfect competition से भिन्न है (दोनों में अनेक विक्रेता, अनेक क्रेता, स्वतन्त्र प्रवेश एवं निकास, और long run में केवल normal profit होते हैं)। Hamburger, shirt और automobile — सभी differentiated products हैं।	Q2, Q12, Q13, Q24, Q30	PYQ 2018-Nov, 2023-Jun, 2024-Jun, 2026-Sep; MTP 2025-Apr S1	3.2.0 (ii), p. 4.52; Table 7, p. 4.55
3.2.3	SM में monopolistic competition के उदाहरण: soaps और detergents (Lux, Liril, Dettol, Dove ...), वस्त्र (clothing), खुदरा व्यापार (retail trade), किराना एवं जूतों की दुकानें, restaurants, मरम्मत की दुकानें (repair shops), laundries, beauty parlours — अत: toothpaste brands, hotels और pubs, restaurants तथा car repair monopolistically competitive हैं।	Q1, Q7, Q20, Q21, Q29	PYQ 2018-Nov, 2021-Jul, 2025-Jan, 2025-Sep; RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2026-Apr S2	3.2, pp. 4.51 – 4.52
3.2.4	Non-price competition: फर्में मूल्य के अतिरिक्त अन्य आधारों पर प्रतिस्पर्धा करती हैं — आक्रामक advertising, product development, बेहतर वितरण (distribution), after-sales service — ताकि price wars से बचा जा सके; monopolistic competition में selling costs अत्यन्त महत्त्वपूर्ण (भारी) होती हैं, जबकि perfect competition में कोई नहीं और monopoly में सामान्यत: कम।	Q9, Q11, Q14	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun; MTP 2024-Aug, 2024-Aug S2	3.2.0 (iv), pp. 4.52 – 4.53; Table 7, p. 4.56

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.5	Edward Chamberlin (USA) ने monopolistic competition का सिद्धान्त प्रतिपादित किया और selling costs को production costs से अलग किया।	Q26, Q28	RTP 2025-May; MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल RTP/MTP)
3.2.6	प्रत्येक फर्म price maker है, जिसके सामने downward-sloping परन्तु अपेक्षाकृत elastic (चपटा) demand curve होता है क्योंकि प्रतिद्वन्द्वी brands निकट substitutes हैं, और MR उसके नीचे रहता है; product जितना कम differentiated होगा, curve उतना अधिक elastic होगा। Monopoly का demand curve अधिक खड़ा (steeper — highly inelastic) होता है; monopoly और monopolistic competition दोनों के demand curves downward-sloping होते हैं।	Q5, Q8, Q10, Q17	PYQ 2019-Nov, 2021-Jul, 2021-Dec; RTP 2024-Sep; MTP 2025-Apr S1, 2025-Dec S1	3.2.0 (ii), p. 4.52; 3.2.1, p. 4.53; Table 7, p. 4.55
3.2.7	फर्म का equilibrium: MC = MR तथा MC, MR को नीचे से काटता है; short run में monopolistically competitive फर्म supernormal profit या normal profit कमा सकती है, या हानि (losses) उठा सकती है।	Q25	MTP 2025-May S2	3.2.1, pp. 4.53 – 4.54
3.2.8	Long run में प्रवेश (या निकास) supernormal profits (या losses) को समाप्त कर देता है: सभी फर्में केवल normal profits कमाती हैं — perfect competition के साथ long-run समानता।	Q4, Q6	PYQ 2019-Nov, 2021-Jan	3.2.1, p. 4.54; Table 7, p. 4.56
3.2.9	Long-run equilibrium वहाँ है जहाँ AR, AC को उसके गिरते भाग (falling portion) पर स्पर्श (tangent) करता है: फर्म कभी LAC के न्यूनतम बिन्दु पर उत्पादन नहीं करती, optimum size की नहीं होती और उसमें excess capacity रहती है।	Q18	MTP 2024-Dec S1	3.2.1, pp. 4.54 – 4.55; Summary, p. 4.64
3.2.10	Differentiated products, monopolistic competition और (differentiated या imperfect) oligopoly — दोनों में पाए जाते हैं।	Q27	MTP 2025-Dec S1	3.3, p. 4.56; Types of Oligopoly (अल्पाधिकार के प्रकार), p. 4.57
3.2.11	*विषय 3.0 देखें: perfectly competitive उद्योग के long-run equilibrium में सभी फर्में equilibrium में होती हैं और केवल normal (supernormal नहीं) profits कमाती हैं, quantity supplied, quantity demanded के बराबर होती है, और plants का पूर्ण क्षमता (full capacity) पर उपयोग होता है।*	Q23	PYQ 2021-Jan, 2026-Jan	3.0.5, pp. 4.38 – 4.39

विषय 3.3 अल्पाधिकार (Oligopoly)

83 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 70 · RTP 5 · MTP 25

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.1	Oligopoly — 'competition among the few' (थोड़े-से विक्रेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा): homogeneous या differentiated products के कुछ (दो से दस) बड़े विक्रेता, जिनमें से प्रत्येक बाज़ार को प्रभावित करने लायक बड़ा होता है; प्रवेश की मज़बूत बाधाओं (strong barriers to entry) के पीछे उद्योग पर कुछ बड़ी फर्मों का प्रभुत्व होता है; फर्में price makers होती हैं, और कुछ प्रभुत्वशाली फर्मों का सामूहिक व्यवहार मूल्य को आकार देता है। Stigler: फर्म अपनी market policy आंशिक रूप से कुछ निकट प्रतिद्वन्द्वियों के अपेक्षित व्यवहार पर आधारित करती है।	Q20, Q21, Q27, Q30, Q44, Q53	PYQ 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Dec (×2); MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1	3.3, pp. 4.56 – 4.57; 3.3.0, p. 4.58
3.3.2	Oligopoly वह बाज़ार-रूप है जो homogeneous या differentiated — किसी भी प्रकार के products बेचता है; differentiated product उत्पादित करने वाले उद्योग की फर्में या तो monopolistically competitive होती हैं या oligopolists।	Q60, Q79	RTP 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	3.3, p. 4.56; Summary table, p. 4.63
3.3.3	SM में oligopoly के उदाहरण: भारत में cold drinks और automobile उद्योग, airlines, petroleum refining, बिजली का उत्पादन एवं आपूर्ति (power generation and supply), mobile telephony तथा Internet service providers (अत: smartphones और telecom); oligopolists के बीच समझौते (cartel) का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण OPEC है।	Q2, Q14, Q16, Q41, Q48, Q76, Q82	PYQ 2018-May, 2020-Nov (×3), 2023-Dec, 2024-Sep, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S1	3.3, p. 4.57; 3.3.1 (iii), p. 4.60
3.3.4	The Theory of Games — अनिश्चितता (uncertainty) में oligopolists के रणनीतिक व्यवहार (strategic behaviour) का एक भिन्न दृष्टिकोण — Von Neumann और Oskar Morgenstern (1944) ने विकसित किया।	Q55, Q69	PYQ 2026-May; MTP 2024-Dec S1	Game Theory in Oligopoly (अल्पाधिकार में खेल सिद्धान्त), p. 4.57
3.3.5	Oligopoly के प्रकार: pure (perfect) — homogeneous product, जैसे aluminium, steel, petroleum; differentiated (imperfect) — product differentiation के आधार पर बेची जाने वाली वस्तुएँ, जैसे talcum powder; open — नई फर्में प्रवेश कर सकती हैं और विद्यमान फर्मों से प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं; closed — प्रवेश प्रतिबन्धित।	Q15, Q22, Q40, Q49, Q65, Q70	PYQ 2020-Nov, 2021-Jan, 2023-Jun, 2024-Sep, 2025-Sep, 2026-May; MTP 2025-Aug S2	Types of Oligopoly (अल्पाधिकार के प्रकार), p. 4.57
3.3.6	Collusive oligopoly — फर्में मूल्य या output या दोनों तय करने में आपसी समझ (common understanding) पर आती हैं (सहयोग करती हैं); competitive — ऐसी कोई समझ नहीं। Partial — उद्योग पर एक बड़ी फर्म का प्रभुत्व, जिसे नेता (price leader) माना जाता है; full — कोई price leadership नहीं। Syndicated — फर्में एक केन्द्रीकृत syndicate के माध्यम से बेचती हैं; organised — फर्में मूल्य, output, quotas तय करने के लिए एक केन्द्रीय संघ (central association) बनाती हैं।	Q12, Q18, Q29, Q58, Q63, Q77, Q78	PYQ (CPT) 2017-Jun, 2019-Nov, 2020-Nov (×2), 2021-Dec, 2024-Jun, 2025-Jan, 2025-May; RTP 2025-May; MTP 2025-Apr S1, 2026-Apr S1, 2026-Apr S2	Types of Oligopoly (अल्पाधिकार के प्रकार), pp. 4.57 – 4.58

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.7	Oligopoly की विशेषताएँ: strategic interdependence (सबसे महत्त्वपूर्ण — प्रत्येक फर्म को प्रतिद्वन्द्वियों की प्रतिक्रियाएँ तौलनी पड़ती हैं), advertising एवं selling costs का महत्त्व (non-price competition, price wars से बचाव) तथा group behaviour; kinked demand और cartels इसकी विशिष्टताएँ हैं। स्वतन्त्र प्रवेश (free entry), close substitutes बेचने वाली फर्मों की बड़ी संख्या, और 'no importance to advertising' इसकी विशेषताएँ **नहीं** हैं।	Q1, Q5, Q11, Q26, Q43, Q46, Q59, Q66, Q73	PYQ 2018-May, 2018-Nov, 2019-Nov, 2021-Jul, 2024-Jun, 2026-Jan, 2026-May; RTP 2026-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	3.3.0, pp. 4.58 – 4.59; Summary, p. 4.65
3.3.8	चूँकि प्रतिद्वन्द्वी प्रत्येक मूल्य-परिवर्तन पर प्रतिक्रिया करते हैं, oligopolist के पास निश्चित एवं निर्धार्य (sure and determinate) demand curve नहीं हो सकता — oligopoly में demand अनिर्धार्य (indeterminate) है, इसलिए अर्थशास्त्री कई models का प्रयोग करते हैं (independent action; Cournot, Stackelberg, Bertrand; collusion)।	Q47	MTP 2024-Aug, 2025-May S2	3.3.1, p. 4.59
3.3.9	Oligopoly price, perfect competition की तुलना में अधिक परन्तु monopoly की तुलना में कम होता है; यदि प्रतिद्वन्द्वी सहयोग करें, तो वे marginal cost से ऊपर मूल्य वसूल सकते हैं।	Q39	PYQ 2022-Dec	SM में नहीं (केवल PYQ); तुलनीय: 3.3.1, p. 4.59
3.3.10	Cartel: फर्मों का वह समूह जो अपनी गतिविधियों में समन्वय के लिए स्पष्ट रूप से सहमत होता है (collude करता है); cartels वहाँ बनते हैं जहाँ फर्में कुछ ही हों, सभी आकार में समान हों, और अधिकांश में producers का केवल एक subset होता है। Colluding फर्में मूल्य बढ़ाने और joint profit अधिकतम करने के लिए मिलकर एक monopoly की तरह कार्य करती हैं — यदि सदस्य समझौते पर टिके रहें तो cartel, monopoly profits कमाता है (इसलिए market-sharing cartel केवल कभी-कभी ही monopoly स्थिति तक पहुँचता है)। फर्मों की बड़ी संख्या होने पर collusion असम्भव है।	Q17, Q25, Q42, Q45, Q61, Q72, Q74, Q75	PYQ 2020-Nov, 2021-Jul, 2023-Dec, 2026-May; RTP 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	3.3.1 (iii), pp. 4.59 – 4.60; 3.3.2, p. 4.60
3.3.11	Price leadership, oligopoly की एक विशेषता है: dominant firm द्वारा (fringe firms के प्रति 'live and let live' दर्शन), low-cost firm द्वारा, या barometric — कोई पुरानी, अनुभवी, सबसे बड़ी या सर्वाधिक सम्मानित फर्म बाज़ार की स्थितियों का आकलन करती है और उसका मूल्य सामान्यतः शेष फर्मों द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है। 'Live and let live' dominant-firm leadership से सम्बन्धित है, barometric से नहीं।	Q6, Q8, Q19	PYQ 2018-Nov, 2019-Nov, 2020-Nov	3.3.2, p. 4.60
3.3.12	Kinked demand curve hypothesis — Sweezy का model, जिसे अमेरिकी अर्थशास्त्री Paul A. Sweezy ने दिया — oligopoly में पाई जाती है और price rigidity (मूल्य-दृढ़ता) की व्याख्या करती है: लागत या माँग बदलने पर भी मूल्य sticky (अडिग) बने रहते हैं।	Q13, Q23, Q24, Q31, Q34, Q37, Q62, Q64, Q80	PYQ 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Jul, 2021-Dec, 2022-Jun, 2022-Dec, 2025-May, 2025-Sep; MTP 2025-Apr S1, 2026-Apr S2	3.3.3, pp. 4.60 – 4.62; Summary, p. 4.65

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.13	Kink प्रचलित मूल्य (prevailing price) पर होता है: ऊपरी खण्ड (upper segment) highly (relatively) elastic और निचला खण्ड inelastic होता है — उपभोक्ता मूल्य-कटौती की तुलना में मूल्य-वृद्धि पर अधिक प्रतिक्रिया करते हैं।	Q32, Q35, Q38, Q50	PYQ 2021-Dec, 2022-Jun (×2), 2022-Dec, 2024-Sep	3.3.3, p. 4.61
3.3.14	मानी गई प्रतिक्रिया-पद्धति (assumed reaction pattern): प्रत्येक oligopolist मानता है कि यदि वह अपना मूल्य प्रचलित स्तर से नीचे करेगा तो प्रतियोगी अनुसरण करेंगे, परन्तु यदि मूल्य बढ़ाएगा तो प्रतियोगी अनुसरण नहीं करेंगे — इसलिए मूल्य बढ़ाने वाली फर्म अपने ग्राहक (market share) प्रतिद्वन्द्वियों के हाथों खो देती है।	Q68, Q83	PYQ 2026-Jan, 2026-Sep	3.3.3, p. 4.61
3.3.15	Chamberlin के oligopoly model और kinked demand curve model — दोनों में oligopolists अपनी पारस्परिक निर्भरता (interdependence) को पहचानते हैं, collude नहीं करते और मूल्यों को स्थिर रखने की प्रवृत्ति रखते हैं।	Q54	MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP); तुलनीय: 3.3.3, p. 4.62
3.3.16	Duopoly: बाज़ार में केवल दो फर्में (जैसे cold drinks के दो प्रतिद्वन्द्वी विक्रेता) — oligopoly का एक subset (विशेष स्थिति)।	Q9, Q10, Q71	PYQ 2019-Nov (×2), 2026-May	3.3.4, p. 4.62
3.3.17	Monopsony: किसी product या service का एकमात्र क्रेता, अधिकतर factor markets में जहाँ एक फर्म किसी factor की एकमात्र क्रेता होती है; oligopsony: थोड़े-से बड़े क्रेता, अधिकतर factor markets में।	Q7, Q57, Q67	PYQ 2019-May, 2025-Jan, 2026-Jan; MTP 2025-Apr S1	3.3.4, p. 4.62
3.3.18	Bilateral monopoly: केवल एक क्रेता और एक विक्रेता — monopoly market और monopsony market का संयोजन।	Q3, Q4, Q28, Q33, Q51, Q81	PYQ 2018-May, 2018-Nov, 2021-Dec (×2), 2023-Dec, 2024-Sep, 2026-Sep	3.3.4, p. 4.62
3.3.19	Zero-sum game में एक खिलाड़ी का लाभ ठीक-ठीक दूसरे की हानि होता है — जैसे निश्चित market share के लिए प्रतिस्पर्धा; prisoners' dilemma, zero-sum नहीं है।	Q52	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)
3.3.20	Short run में हानि उठाने वाला oligopolist, long run में व्यवसाय से बाहर हो सकता है, व्यवसाय में बना रह सकता है या break even कर सकता है — कोई भी परिणाम सम्भव है।	Q56	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)
3.3.21	*विषय 3.0 और 3.3 देखें: उद्योग (industry) अनेक फर्मों से बनता है; price rigidity, oligopoly की विशेषता है (monopoly की नहीं); perfect competition में कोई selling costs नहीं होतीं, जहाँfactors स्वतन्त्र रूप से गतिशील होते हैं।*	Q36	PYQ 2022-Dec	3.0.1, p. 4.29; 3.3.3, p. 4.62; Table 7, p. 4.56

भाग B — अध्याय 4 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 54% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — बाज़ार का अर्थ एवं प्रकार (Meaning and Types of Markets)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Price = money-value; मूल्य exchange value को व्यक्त करते हैं; Ricardo: सामान्य वस्तुओं पर अधिकार (command over commodities in general); Economics केवल exchange value से सम्बन्धित है।	★	1.0.1
2	Market = trade की सम्भावना वाले क्रेता और विक्रेता जो मूल्य को प्रभावित करते हैं; औपचारिक स्थान होना आवश्यक नहीं।	★	1.0.2
3	**पाँच तत्त्व: क्रेता एवं विक्रेता · product/service · मूल्य के लिए मोलभाव (bargaining) · बाज़ार की स्थितियों का ज्ञान · किसी दिए गए समय पर एक मूल्य (volume of business, advertisement, firm, multiple prices नहीं)।**	★★★	1.0.3, 1.1.5
4	Product markets (households फर्मों से खरीदते हैं) बनाम factor markets (फर्में land, labour, capital, entrepreneurship खरीदती हैं)।	★	1.0.4
5	छह आधार: क्षेत्र (area) · समय (time) · लेन-देन की प्रकृति (nature of transaction) · नियमन (regulation) · volume of business · competition।	★	1.0.5
6	Area: local · regional (निकटवर्ती शहर / राज्यों का समूह) · national (trade policy व्यापार को देश के भीतर रखती है) · international (सोना, चाँदी)।	★★	1.0.6
7	Time element की अवधारणा Alfred Marshall ने दी।	★★	1.0.7
8	Time: very short = market period (पूर्ति स्थिर, शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुएँ) · short · long ('normal price') · very long = secular period।	★★	1.0.8
9	**लेन-देन की प्रकृति: spot/cash (तत्काल भुगतान; mandi का अनाज) बनाम forward/future (भावी सुपुर्दगी; bank से forex contract)।**	★★★	1.0.9, 1.1.6
10	Regulation: regulated (stock exchange) बनाम unregulated = free market, कोई शर्तें नहीं (Haat Bazaar)।	★	1.0.10
11	Volume of business: wholesale (थोक, B2B) बनाम retail (कम मात्राएँ, B2C)।	★★	1.0.11
12	Market share = industry demand के प्रतिशत के रूप में फर्म की demand।	★	1.1.1
13	चार रूप: perfect competition · monopolistic competition · oligopoly · monopoly; फर्म की elasticity of demand केवल perfect competition में अनन्त (infinite)।	★	1.1.2
14	बाज़ार का प्रकार वस्तु की प्रकृति, उत्पादन के आकार और माँग के विस्तार पर निर्भर करता है।	★	1.1.3
15	Downward-sloping market demand हर संरचना में लागू होती है — उससे market structure का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।	★★	1.1.4
16	TR = P × Q; प्रतिस्पर्धी फर्म का TR मूल बिन्दु (origin) से निकलने वाली सीधी रेखा है।	★★	1.2.1
17	**AR = TR/Q = P; AR curve = फर्म का demand curve।**	★★★	1.2.2, 1.0.12

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
18	**MR = ΔTR/ΔQ; MRn = TRn − TRn−1; P और Q से पहले TR निकालें; MR शून्य या ऋणात्मक हो सकता है।**	★★★	1.2.3, 1.2.4, 1.0.13
19	TR = ΣMR।	★	1.2.5
20	गिरता AR → MR < मूल्य, MR, AR से नीचे; AR कभी शून्य नहीं, MR शून्य या ऋणात्मक हो सकता है।	★	1.2.6
21	**TR घटती दर से बढ़ता है (diminishing MR), MR = 0 पर अधिकतम होता है, MR < 0 पर गिरता है।**	★★★	1.2.7
22	Perfect competition: AR = MR, दोनों horizontal और एक-दूसरे पर सम्पाती (coincident)।	★	1.2.8
23	**MR = AR × (e − 1)/e — e को धनात्मक संख्या के रूप में लें।**	★★★	1.2.9, 1.2.10
24	e = 1 → MR = 0; e > 1 → MR धनात्मक; e < 1 → MR ऋणात्मक।	★★	1.2.11
25	TR वहाँ अधिकतम होता है जहाँ e = 1।	★★	1.2.12
26	सिद्धान्त 1: यदि TVC पूरी न हो (P < AVC) तो उत्पादन बन्द करें (shut down); shut-down point पर P = AVC, TR = TVC, हानि = TFC।	★★	1.2.13
27	**सिद्धान्त 2: अधिकतम लाभ MR = MC पर (first-order condition); MR नीचे की ओर ढलता है, MC ऊपर की ओर।**	★★★	1.2.14, 1.2.15

इकाई 2 — मूल्यों का निर्धारण (Determination of Prices)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	मूल्य exchange value व्यक्त करते हैं; factor prices = rent, wages, interest, profit।	★★	2.0.1
2	**सरकार मूल्य तय कर सकती है (procurement/support prices); floor, equilibrium से ऊपर; ceiling, equilibrium से नीचे → कमी (shortages), आवंटन की समस्याएँ, black marketing।**	★★★	2.0.3, 2.3.5
3	Equilibrium = market clearing price: Qd = Qs, कोई बिना बिका स्टॉक नहीं, कोई अपूरित माँग नहीं।	★	2.1.1
4	Equilibrium से ऊपर मूल्य → surplus → मूल्य गिरता है; नीचे → shortage → मूल्य बढ़ता है (stable equilibrium)।	★	2.1.2
5	Non-price factors curves को खिसकाते (shift) हैं: दाईं ओर = वृद्धि (increase), बाईं ओर = कमी (decrease)।	★	2.2.1
6	माँग (Demand) ↑ → P ↑, Q ↑; भविष्य में मूल्य-वृद्धि की अपेक्षा demand को दाईं ओर खिसकाती है।	★★	2.2.2
7	माँग ↓ → P ↓, Q ↓।	★	2.2.3
8	पूर्ति (Supply) ↑ → P ↓, Q ↑; पूर्ति ↓ → P ↑, Q ↓।	★★	2.2.4, 2.2.5
9	**एक ही दिशा में: मात्रा निश्चित, मूल्य अनिश्चित; समान shifts से मूल्य अपरिवर्तित; बड़ा shift मूल्य तय करता है।**	★★★	2.3.1, 2.3.2

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
10	विपरीत दिशाओं में: मूल्य निश्चित (demand के साथ चलता है), मात्रा अनिश्चित।	★★	2.3.3
11	Illustration 1: D2+S3 = बिन्दु 2; D2+S2 = बिन्दु 7; केवल S3 = बिन्दु 3; केवल D2 = बिन्दु 5।	★★	2.3.4

इकाई 3 — विभिन्न बाज़ार-रूपों में मूल्य एवं उत्पादन का निर्धारण (Price-Output Determination under Different Market Forms)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Perfect competition: क्रेताओं और विक्रेताओं की बड़ी संख्या · homogeneous products (perfect substitutes) · स्वतन्त्र प्रवेश एवं निकास = pure competition; + पूर्ण ज्ञान (perfect knowledge) · बहुत कम transaction costs · price-taking = perfect competition।	★★	3.0.2
2	**Perfect competition नहीं: selling costs, advertising, inelastic demand, अकुशल आवंटन (inefficient allocation); 'absence of transport cost' SM की शर्त नहीं है।**	★★★	3.0.3
3	Perfect competition एक मिथक (myth) है; कृषि उत्पाद, financial instruments और बहुमूल्य धातुएँ इसके निकट आते हैं।	★	3.0.4
4	**फर्में price takers हैं: मूल्य पर कोई नियन्त्रण नहीं; उद्योग का मूल्य market demand = market supply से तय होता है।**	★★★	3.0.1
5	**फर्म की demand (AR) = horizontal रेखा, X-axis के समानान्तर, infinitely elastic; परन्तु market demand curve फिर भी नीचे की ओर ढलता है।**	★★★	3.0.5, 3.0.7
6	AR = MR = P केवल perfect competition में।	★★	3.0.6
7	**Equilibrium: MR = MC तथा MC, MR को नीचे से काटता है (MC का धनात्मक ढलान)।**	★★★	3.0.8
8	MR > MC → output बढ़ाएँ; MR < MC → output घटाएँ।	★	3.0.9
9	Short-run supply curve = न्यूनतम AVC से ऊपर का MC।	★★	3.0.10
10	Price < AVC (TR < TVC) → उत्पादन बन्द (shut down)।	★★	3.0.11
11	Normal profit: AR = ATC (zero economic profit); supernormal: AR > ATC; loss: ATC > AR — short run में सभी सम्भव।	★★	3.0.12, 3.0.13
12	Long run: प्रवेश और निकास के बाद केवल normal profit बचता है।	★★	3.0.14
13	Long-run equilibrium (दीर्घकालीन सन्तुलन): LMC = LAC = P; LAR = LMR = P = LMC = LAC।	★	3.0.15
14	Long-run optimality: न्यूनतम लागत, P = MC, full capacity, कोई अपव्यय नहीं, कोई excess capacity नहीं, फर्मों की optimum संख्या।	★★	3.0.16
15	P = MC केवल perfect competition में; monopoly अधिक मूल्य लेता है और कम पूर्ति करता है (P > MC; कोई unique supply curve नहीं)।	★★	3.0.17, 3.0.19
16	तीव्र प्रतिस्पर्धा में elasticity of supply 'infinite' — केवल ICAI key में; SM demand की बात करता है।	★	3.0.18
17	Normal profit एक implicit cost है, accounting cost का भाग नहीं; TFC = TC – TVC।	★	3.0.20

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
18	Cost items (अध्याय 3): AFC rectangular hyperbola; AVC तब तक गिरता है जब तक MC < AVC; LAC envelope, U-shaped; SAC returns के कारण U-shaped।	★★	3.0.21
19	Monopoly = एकमात्र विक्रेता, कोई close substitutes नहीं; विशेषताएँ: एकमात्र विक्रेता · प्रवेश की बाधाएँ (barriers to entry) · कोई close substitutes नहीं · market power।	★★	3.1.1
20	**Barriers to entry = मूल कारण: patents और copyrights, सरकारी अधिकार, दुर्लभ संसाधन, natural monopoly; प्रवेश हर समय प्रतिबन्धित; nuclear power = सरकारी monopoly।**	★★★	3.1.2
21	**Cross elasticity शून्य या बहुत कम; price elasticity < 1; खड़ा (steep) downward-sloping AR।**	★★★	3.1.3
22	Firm = industry; monopolist की demand = market demand।	★★	3.1.4
23	मूल्य पर नियन्त्रण: monopoly में बहुत अधिक; price maker।	★★	3.1.5
24	MR < AR; MR का ढलान = 2 × AR का ढलान; AR शून्य नहीं हो सकता, MR शून्य या ऋणात्मक हो सकता है।	★★	3.1.6
25	MR = AR(1 − 1/e); AR = MR·e/(e − 1); output को ऊँचे MR वाले बाज़ार की ओर स्थानान्तरित करें।	★★	3.1.7
26	Monopolist short run में हानि उठा सकता है (ATC > AR)।	★	3.1.8
27	**Long run: लगातार हानि नहीं; प्रवेश अवरुद्ध होने से supernormal profit बना रहता है।**	★★★	3.1.9
28	Market power = धनात्मक लाभ के साथ MC से ऊपर मूल्य।	★	3.1.10
29	Monopoly के प्रभाव: ऊँचा मूल्य, कम output, अनुचित लाभ → सरकार नियमन करती है और monopolies को रोकती है।	★★	3.1.11
30	Price discrimination: एक ही वस्तु की विभिन्न इकाइयों के लिए भिन्न मूल्य, लागत पर आधारित नहीं; simple बनाम discriminating monopoly (dynamic fares)।	★★	3.1.12
31	Price discrimination के लिए monopoly आवश्यक; perfect competition में असम्भव।	★★	3.1.13
32	**शर्तें: मूल्य तय करने की शक्ति · अलग किए जा सकने वाले sub-markets · भिन्न elasticities (केवल तभी लाभप्रद) · पुनर्विक्रय (resale) नहीं।**	★★★	3.1.14
33	उद्देश्य: अधिकतम लाभ, अतिरिक्त स्टॉक (surplus stock) निपटाना, economies of scale, विदेशी बाज़ारों पर कब्ज़ा, मूल्य-निर्धारण द्वारा समता (equity)।	★★	3.1.15
34	**Pigou की degrees: 1st = प्रत्येक व्यक्तिगत उपभोक्ता (सम्पूर्ण surplus); 2nd = बेची गई मात्राएँ; 3rd = location या customer segment।**	★★★	3.1.16
35	**Third-degree उदाहरण: dumping; domestic बनाम commercial (ग्रामीण बनाम औद्योगिक) बिजली; रेलवे में senior-citizen किराया।**	★★★	3.1.17
36	Discriminating monopolist कुल output, उसका विभाजन (equal MRs) और मूल्य (जहाँ demand कम elastic हो वहाँ अधिक) तय करता है।	★	3.1.18

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
37	Monopolistic competition: अनेक विक्रेता, differentiated close substitutes, स्वतन्त्र प्रवेश, non-price competition।	★★	3.2.1
38	Product differentiation = मुख्य विशेषता; perfect competition से यही एकमात्र अन्तर है।	★★	3.2.2
39	**उदाहरण: soaps और detergents, toothpaste, restaurants, hotels, repair shops, clothing, retail।**	★★★	3.2.3
40	Non-price competition और भारी selling costs → monopolistic competition।	★★	3.2.4
41	Chamberlin (USA): monopolistic competition का सिद्धान्त; selling cost बनाम production cost।	★	3.2.5
42	**Demand curve downward sloping, अपेक्षाकृत elastic; MR उसके नीचे; monopoly का demand curve अधिक खड़ा (steeper)।**	★★★	3.2.6
43	Short run: normal profit, supernormal profit या हानि।	★	3.2.7
44	Long run: केवल normal profit (perfect competition की तरह)।	★	3.2.8
45	Long run: न्यूनतम LAC पर कभी नहीं → excess capacity, optimum size की नहीं।	★	3.2.9
46	**Differentiated products: monopolistic competition और oligopoly।**	★★★	3.2.10, 3.3.2
47	**Oligopoly = थोड़े-से विक्रेताओं में प्रतिस्पर्धा (2–10), homogeneous या differentiated, प्रवेश की मज़बूत बाधाएँ, price makers।**	★★★	3.3.1
48	**Oligopoly उदाहरण: cold drinks, automobiles, airlines, telecom, ISPs, smartphones; OPEC = cartel का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण।**	★★★	3.3.3
49	Game theory: Von Neumann और Oskar Morgenstern (1944)।	★	3.3.4
50	**Pure/perfect (homogeneous: aluminium) बनाम imperfect (differentiated: talcum powder); open बनाम closed।**	★★★	3.3.5
51	**Collusive बनाम competitive; partial (एक प्रभुत्वशाली leader) बनाम full; syndicated (केन्द्रीय syndicate) बनाम organised (केन्द्रीय संघ)।**	★★★	3.3.6
52	**विशेषताएँ: strategic interdependence (सबसे महत्त्वपूर्ण) · advertising एवं selling costs · group behaviour — स्वतन्त्र प्रवेश (free entry) नहीं।**	★★★	3.3.7
53	Oligopoly का demand curve अनिर्धार्य (indeterminate) है।	★	3.3.8
54	Oligopoly price, competitive और monopoly price के बीच होता है (केवल PYQ)।	★	3.3.9
55	**Cartel = स्पष्ट (explicit) collusion; समान आकार की कुछ फर्में; producers का subset; लक्ष्य मूल्य बढ़ाना; अनेक फर्मों के साथ असम्भव।**	★★★	3.3.10
56	Price leadership: dominant firm (live and let live) · low-cost firm · barometric (अनुभवी फर्म बाज़ार की स्थितियाँ परखती है)।	★★	3.3.11
57	**Kinked demand curve: Paul A. Sweezy; price rigidity की व्याख्या करता है।**	★★★	3.3.12

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
58	Kink प्रचलित मूल्य पर: ऊपरी खण्ड elastic, निचला inelastic।	★★	3.3.13
59	प्रतिद्वन्द्वी मूल्य-कटौती का अनुसरण करते हैं, मूल्य-वृद्धि का नहीं।	★	3.3.14
60	Chamberlin और kinked models: पारस्परिक निर्भरता (interdependence) की पहचान, कोई collusion नहीं, स्थिर मूल्य।	★	3.3.15
61	Duopoly = दो फर्में, oligopoly का subset।	★★	3.3.16
62	Monopsony = एकमात्र क्रेता; oligopsony = थोड़े-से बड़े क्रेता (factor markets)।	★★	3.3.17
63	**Bilateral monopoly = एकमात्र क्रेता + एकमात्र विक्रेता = monopoly + monopsony।**	★★★	3.3.18
64	Zero-sum game: market share के लिए प्रतिस्पर्धा।	★	3.3.19

अध्याय 5

राष्ट्रीय आय का निर्धारण (Determination of National Income)

270 Scanner प्रश्न · 133 One-liners · 74 पुनरावृत्ति बिन्दु · July 2026 Study Material में SM अध्याय 6

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: राष्ट्रीय आय लेखांकन (National Income Accounting)

SM अध्याय 6, इकाई 1, पृष्ठ 6.1 – 6.30

विषय 1.1 राष्ट्रीय आय लेखांकन (National Income Accounting)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	National Income Accounting, जिसका प्रवर्तन Nobel पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रियों Simon Kuznets और Richard Stone ने किया, वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन की अवस्था से लेकर उनके अन्तिम निपटान (final disposal) की अवस्था तक के macro-economic खातों (accounts) की प्रणाली है।	Q1	PYQ 2025-Sep	1.1, p. 6.2

विषय 1.2 राष्ट्रीय आय के अनुमानों की उपयोगिता एवं महत्त्व (Usefulness and Significance of National Income Estimates)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	*विषय 1.1 देखें: Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) के अन्तर्गत Central Statistical Organisation (CSO) National Accounts Statistics संकलित करने के लिए उत्तरदायी है; राज्य स्तर पर State Directorates of Economics and Statistics (DESs) State Domestic Product संकलित करते हैं।*	Q1, Q4	PYQ 2025-May, 2026-Sep	1.1, p. 6.2
1.2.2	राष्ट्रीय आय के अनुमानों के उपयोग (SM सूची): व्यवसाय अपने उत्पादों की भावी माँग का पूर्वानुमान (forecast) लगाते हैं; क्षेत्रवार (by sectors) राष्ट्रीय आय की संरचना एवं ढाँचा, आवधिक परिवर्तन तथा व्यापक क्षेत्रीय बदलाव (sectoral shifts); क्षेत्र-विशेष विकास नीतियाँ; macroeconomic modelling तथा आर्थिक नीतियों के चयन एवं मूल्यांकन का मात्रात्मक आधार; आय-वितरण एवं असमानता; structural ratios (investment, taxes, fiscal deficit, government expenditure का GDP से अनुपात); अन्तरराष्ट्रीय तुलनाएँ, जो ऋणों की पात्रता तय करती हैं; तथा वित्तीय एवं मौद्रिक आँकड़ों के साथ मिलकर growth और inflation सम्बन्धी नीतियों का मार्गदर्शन। जनसंख्या-वृद्धि सम्बन्धी नीतियाँ इस सूची में **नहीं** हैं।	Q2	PYQ 2025-May	1.2, pp. 6.2 – 6.3
1.2.3	*विषय 1.3 देखें: GNPMP = GDPMP + NFIA, अतः ऋणात्मक (negative) NFIA होने पर GNPMP, GDPMP से छोटा होता है (धनात्मक NFIA होने पर बड़ा)।*	Q3	PYQ 2026-Jan	1.3.2, p. 6.7

विषय 1.3 राष्ट्रीय आय की विभिन्न अवधारणाएँ (Different Concepts of National Income)

86 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 51 · RTP 2 · MTP 20 · Model Q 21

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.1	Gross Domestic Product (GDP) किसी दी गई अवधि में देश में (उसकी सीमाओं के भीतर) उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं (final goods and services) का मूल्य है, जिनमें से प्रत्येक का मूल्यांकन उसके market price पर होता है (GDPMP)।	Q17; MQ 1.3: Q1	PYQ 2025-Jan; Model Q	1.3.1, p. 6.3
1.3.2	GDP में केवल final goods शामिल होते हैं; उत्पादक द्वारा आगे के उत्पादन में प्रयोग के लिए खरीदी गई वस्तु (जैसे किसी professional team द्वारा खरीदी गई uniforms) intermediate good है, और उसे अलग से गिनना double counting होगा।	Q14	MTP 2024-Dec S1	1.3.1, p. 6.3 (final goods); उदाहरण केवल MTP में है
1.3.3	Nominal GDP चालू कीमतों (current prices) पर GDP है; real GDP स्थिर (base-year) कीमतों (constant prices) पर GDP है — final goods की मात्राओं को स्थिर कीमतों से गुणा करके प्राप्त योग — अतः यह कीमतों में परिवर्तन (inflation) का प्रभाव हटा देता है और समय के साथ output एवं कल्याण (welfare) की तुलना का सही माप है।	Q21, Q58; MQ 1.1: Q2; MQ 1.6: Q1	PYQ 2025-Jan; MTP 2026-Apr S1; Model Q ×2	1.3.1, pp. 6.3 – 6.4; Summary, p. 6.29
1.3.4	GDP deflator उसी वर्ष के nominal GDP और real GDP का अनुपात है; यह एक price index है जो inflation (base year की तुलना में कीमतों का वर्तमान स्तर) मापता है और nominal GDP को real GDP में 'deflate' करने में प्रयोग होता है। चूँकि यह चालू वर्ष के output से बनता है, इसलिए यह वर्तमान production basket का प्रयोग करता है।	Q8, Q55, Q61	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	1.3.1, pp. 6.4 – 6.5
1.3.5	GDP deflator = (Nominal GDP ÷ Real GDP) × 100 — जैसे 6,750 ÷ 4,500 × 100 = 150।	Q5, Q42	PYQ 2024-Jun, 2026-May	1.3.1, p. 6.4; Illustration 1, p. 6.5
1.3.6	Real GDP = (Nominal GDP ÷ GDP deflator या price index) × 100; Nominal GDP = Real GDP × price index ÷ 100 (जैसे real 450, index 120 → nominal 540)।	Q19, Q38, Q50, Q60; MQ Real GDP: Q1	PYQ 2025-Jan, 2026-Jan; RTP 2025-May; MTP 2025-Aug S2, 2026-Apr S2; Model Q	1.3.1, p. 6.5; उदाहरण (Illustrations) 3 – 4, p. 6.6
1.3.7	Base year में nominal और real GDP बराबर होते हैं, अतः deflator सदैव 100 होता है। Deflator 100 से अधिक → nominal GDP, real GDP से अधिक और कीमतें base year से ऊँची (120 = कीमतें base से 20% ऊपर); 100 से कम (nominal < real) → price level, base year से नीचा।	Q3, Q30, Q33, Q63; MQ GDP Deflator: Q1	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep (×2), 2026-Sep; Model Q	1.3.1, pp. 6.5 – 6.6; उदाहरण (Illustrations) 1 – 2
1.3.8	वर्ष 2 में inflation rate = (वर्ष 2 का GDP deflator − वर्ष 1 का GDP deflator) ÷ वर्ष 1 का GDP deflator × 100। यदि अगले वर्ष का deflator इस वर्ष से कम है, तो price level गिरा है; यदि अधिक है, तो कीमतें बढ़ी हैं।	Q6, Q9, Q22, Q34, Q35	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2025-May, 2025-Sep (×2)	1.3.1, p. 6.5; Illustration 1, pp. 6.5 – 6.6
1.3.9	Inflation को price indices द्वारा मापा जाता है — Wholesale Price Index, Consumer Price Index तथा GDP deflator; purchasing power parity कीमतें inflation का माप नहीं हैं।	Q53	MTP 2025-Aug S1	SM में नहीं (केवल MTP); SM केवल GDP deflator को लेता है, p. 6.4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.10	Net Domestic Product (NDP) = GDP − depreciation: उत्पादन का कुल मूल्य घटा प्रयुक्त पूँजी (capital used up) का मूल्य। Gross और net में अन्तर केवल depreciation (consumption of fixed capital) का है, अत: NDP कभी GDP से अधिक नहीं हो सकता, और gross domestic investment − net domestic investment = GDP − NDP।	Q10, Q13, Q49; MQ 1.1: Q1	PYQ 2024-Sep; RTP 2024-Sep; MTP 2025-Jan S2 (×2); Model Q	1.3.1, p. 6.7
1.3.11	Gross = Net + Depreciation, अत: gross investment = net investment + replacement investment। यदि depreciation, gross investment से अधिक हो, तो net investment ऋणात्मक (negative) होता है और अर्थव्यवस्था का capital stock घट रहा होता है।	Q15, Q51	MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2025-Dec S1	1.3.1, p. 6.7 (capital-stock सम्बन्धी निष्कर्ष केवल MTP में)
1.3.12	Gross National Product (GNP) किसी लेखा वर्ष (accounting year) में देश के domestic territory के भीतर normal residents द्वारा उत्पादित सभी अन्तिम आर्थिक वस्तुओं एवं सेवाओं (final economic goods and services) का market value है, जिसमें net factor income from abroad शामिल है; इसमें हमारे नागरिकों द्वारा विदेश में अर्जित आय शामिल होती है और विदेशियों द्वारा यहाँ अर्जित आय शामिल नहीं होती।	Q23; MQ 1.3: Q2	PYQ 2024-Jun, 2025-May; Model Q	1.3.2, p. 6.7
1.3.13	किसी विदेशी कम्पनी द्वारा भारत में अपने परिचालन से अर्जित लाभ (जैसे Apple का भारतीय विनिर्माण; किसी South Korean कम्पनी का भारतीय plant) भारत के GDP का भाग हैं, परन्तु मूल देश (home country) के GNP का — ये भारत की national income का भाग नहीं हैं।	Q31 (+ 1.4 MQ 1.4 Q1)	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep; Model Q	1.3.2, p. 6.7
1.3.14	GNPMP = GDPMP + NFIA; GDPMP = GNPMP − NFIA। NFIA = किसी देश के नागरिकों और कम्पनियों द्वारा विदेश में अर्जित आय − विदेशी नागरिकों और विदेशी कम्पनियों द्वारा उस देश में अर्जित आय (net compensation of employees + net income from property and entrepreneurship + net retained earnings)। ऋणात्मक NFIA → GDPMP, GNPMP से अधिक।	Q11, Q18; MQ 1.2: Q2; MQ 1.3.2: Q1	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2025-Jan; Model Q ×2	1.3.2, p. 6.7
1.3.15	'national' और 'domestic' के बीच का अन्तर net factor income from abroad है: National = Domestic + NFIA (depreciation, gross को net से अलग करता है; net indirect taxes, market price को factor cost से अलग करते हैं)।	Q48	PYQ 2026-May	1.3.2, p. 6.8
1.3.16	NNPMP = GNPMP − Depreciation = NDPMP + NFIA = GDPMP + NFIA − Depreciation (तीनों सही हैं; 'NDPMP − Depreciation' सही नहीं है)। पुनर्व्यवस्थित करने पर: Depreciation = GDPMP + NFIA − NNPMP; NFIA = NNPMP − NDPMP।	Q12, Q29, Q32; MQ 1.3.3: Q1	PYQ 2024-Sep, 2025-Sep (×2); Model Q	1.3.5, p. 6.8; Illustration 7, p. 6.14

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.17	Market price और factor cost में अन्तर net indirect taxes (indirect taxes − subsidies) का है: Market Price = Factor Cost + Indirect Taxes − Subsidies; Factor Cost = Market Price − Indirect Taxes + Subsidies। अतः GDPMP = GDPFC + NIT, और National Income (NNPFC) = NNPMP − NIT।	Q1, Q46, Q52; MQ 1.3: Q3	PYQ 2024-Jun, 2026-May; MTP 2025-May S2; Model Q	1.3.6, p. 6.8
1.3.18	MP ↔ FC numericals: केवल indirect taxes और subsidies (net indirect taxes) जोड़िए या घटाइए; direct taxes की कोई भूमिका नहीं — जैसे NNPMP = 15,000 + 450 − 250 = 15,200; subsidies = NNPFC − NNPMP + indirect taxes।	Q39, Q43, Q44; MQ 1.3.4: Q1	PYQ 2026-Jan, 2026-May (×2); Model Q	1.3.6, p. 6.8
1.3.19	GDPFC = Compensation of employees + Operating surplus (rent + interest + profit) + Mixed income of self-employed + Depreciation; GDPMP = NDPFC + Consumption of fixed capital + Net indirect taxes।	Q39, Q40, Q41	PYQ 2026-Jan (×3)	1.3.6, p. 6.8; Illustration 5, pp. 6.12 − 6.13
1.3.20	Basic price = Factor cost + Production taxes − Production subsidies (कर के बिना subsidised कीमत); Market price = Basic price + Product taxes − Product subsidies।	Q24	PYQ 2025-May	1.3.6, p. 6.9
1.3.21	Net Domestic Product at Factor Cost (NDPFC) उत्पादन के साधनों (factors of production) द्वारा अर्जित कुल factor incomes है: NDPFC = NDPMP − Net indirect taxes = GDPFC − Depreciation = Compensation of employees + Operating surplus + Mixed income।	MQ 1.3.5: Q1	Model Q	1.3.7, p. 6.10
1.3.22	National Income = NNP at Factor Cost: एक वर्ष में देश के normal residents को प्राप्त होने वाली factor income = domestic factor incomes (FID) का योग + net factor income from abroad।	Q57, Q62	PYQ 2026-Sep; MTP 2026-Apr S1	1.3.8, p. 6.10
1.3.23	Per capita income = कुल आय (output) ÷ कुल जनसंख्या (जैसे 1,200 billion ÷ 250 million = 4,800) — प्रति व्यक्ति आर्थिक output; यह किसी देश के जीवन-स्तर (standard of living) के सूचक का काम करती है।	MQ 1.2: Q1; MQ 1.3.6: Q1	Model Q ×2	1.3.9, p. 6.10
1.3.24	Personal income, Non-Profit Institutions Serving Households सहित household sector द्वारा प्राप्त आय है — सभी स्रोतों से वास्तविक चालू आय-प्राप्तियाँ, जो उत्पादक क्रियाओं से अर्जित हो भी सकती हैं और नहीं भी (अतः इसमें social security benefits और unemployment compensation जैसे transfer payments शामिल हैं: प्राप्त परन्तु अर्जित नहीं की गई आय)। इसमें retained earnings, indirect business taxes, corporate income taxes तथा social security हेतु अंशदान शामिल नहीं होते। PI = NI + income received but not earned − income earned but not received।	Q2, Q20, Q26, Q56	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan, 2025-May; MTP 2025-Dec S1	1.3.10, pp. 6.10 − 6.11

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.25	Disposable personal income (DI) व्यक्तियों के हाथ में उपभोग या बचत के लिए उपलब्ध धन है: DI = PI − Personal income taxes − Non-tax payments (सरकार को किए जाने वाले अन्य अनिवार्य भुगतान, जैसे provident fund, ESI)।	Q4, Q7, Q25; MQ 1.3.8: Q1, Q2	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2025-May; Model Q ×2	1.3.11, p. 6.11
1.3.26	Net National Disposable Income (NNDI) = Net National Income + शेष विश्व (rest of the world) से अन्य net current transfers; Gross National Disposable Income = NNDI + consumption of fixed capital।	MQ 1.3: Q1	Model Q	1.3.11, p. 6.11
1.3.27	Private income, देश के भीतर और बाहर सभी स्रोतों से private sector को प्राप्त होने वाली आय (factor और transfer income दोनों) है = NDP में से private sector को प्राप्त factor income + NFIA + national debt interest + सरकार से current transfers + शेष विश्व से अन्य net transfers। चूँकि PI = Private income − corporate tax − corporate saving (undistributed profits), अत: Private income = PI + corporate tax + undistributed profits।	Q27; MQ 1.3.9: Q1	PYQ 2025-May; Model Q	1.3.12, p. 6.12; Illustration 6, p. 6.13
1.3.28	*विषय 1.4 देखें: pensions, scholarships और unemployment allowance, transfer payments हैं — प्राप्तकर्ता के किसी चालू योगदान के बिना पुनर्वितरित आय — अत: ये न तो factor payments हैं और न ही government final consumption expenditure (जिसमें defence, education, healthcare आते हैं) का भाग। Defence कर्मियों को मुफ़्त uniforms, MPs के वेतन तथा imputed rent, factor payments हैं।*	Q36, Q47, Q54	PYQ 2026-Jan, 2026-May; MTP 2025-Aug S2	1.4.4, p. 6.19; 1.4.3, p. 6.18
1.3.29	*विषय 1.4 देखें: पहले से उत्पादित (second-hand) वस्तुओं तथा stocks और bonds के विनिमय national income में शामिल नहीं होते।*	Q16	MTP 2024-Dec S1, 2025-Dec S1	1.4.3, p. 6.18
1.3.30	*विषय 1.4 देखें: income method, domestic territory के भीतर सभी उत्पादन इकाइयों (production units) द्वारा भुगतान की गई factor incomes (wages and salaries, rent, interest, profit) का योग करता है, transfer income को छोड़कर।*	Q45	PYQ 2026-May	1.4.3, p. 6.18
1.3.31	*विषय 1.4 देखें: GVAMP = Value of output − Intermediate consumption = (Sales + Closing stock − Opening stock) − IC (market price पर GST के लिए किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं); NDPMP = GVAMP − Consumption of fixed capital (5,800 − 620 = 5,180); IC = Value of output − GVAMP (6,800 − 5,800 = 1,000) ।*	Q37, Q64, Q65	PYQ 2026-Jan, 2026-Sep (×2)	1.4.2, p. 6.17; 1.3.1, p. 6.7
1.3.32	*विषय 1.4 देखें: C + I + G + (X − M) से expenditure method द्वारा GDPMP प्राप्त होता है; national income (NNPFC) के लिए आगे − depreciation + NFIA − net indirect taxes करना होता है।*	Q59	MTP 2026-Apr S1	1.4.4, p. 6.20

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.33	*विषय 1.5 देखें: railways, communications, banking, insurance तथा central government administration जैसी क्रियाएँ, जो राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली होती हैं, 'supra-regional sectors' कहलाती हैं।*	Q28	PYQ 2025-May	1.5, p. 6.27
1.3.34	Opportunity cost वह सर्वाधिक मूल्य वाला विकल्प है जिसे कोई चुनाव करते समय त्यागना पड़ता है (यह अध्याय 1 / production-cost की अवधारणा है, national income की नहीं)।	MQ 1.3: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
1.3.35	भारत का real GDP स्थिर (2011-12) कीमतों पर प्रस्तुत किया जाता है; SM यह नहीं बताता कि base year कितनी बार संशोधित होता है (Model Q का उत्तर 'every 7–10 years' है)।	MQ 1.4: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q); 2011-12 base, 1.3.1, p. 6.4 पर

विषय 1.4 भारत में राष्ट्रीय आय का मापन (Measurement of National Income in India)

48 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 10 · RTP 3 · MTP 22 · Model Q 18

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.1	Circular flow of income के तीन परस्पर जुड़े चरण हैं — production, distribution (income) तथा disposition (expenditure); output का मूल्य factor incomes (rent, wages, interest, profit) के रूप में वितरित होता है, अतः उत्पन्न आय output के मूल्य के बराबर होती है।	Q3; MQ 1.4.1: Q1	PYQ 2024-Sep; Model Q	1.4.1, pp. 6.15 – 6.16
1.4.2	तीन विधियाँ: Value Added (Product) Method — कुल output में प्रत्येक उद्योग (production units) का अदोहरा (unduplicated) योगदान; Income Method — domestic territory के भीतर सभी production units द्वारा भुगतान की गई factor incomes का योग; Expenditure (Income Disposal) Method — किसी accounting year में कुल अन्तिम व्यय (aggregate final expenditure)।	Q30	PYQ 2026-Sep	1.4.1, Table 1.1.1, p. 6.16; 1.4.2 – 1.4.4, pp. 6.16 – 6.18
1.4.3	Value Added Method — जिसे Product Method, Industrial Origin Method, Net Output Method या production method भी कहते हैं — प्रत्येक उद्योग के उत्पादन में से अन्य सभी उद्योगों से की गई intermediate purchases घटाकर उसे समेकित करते हुए, किसी accounting year में domestic territory के भीतर प्रत्येक उत्पादक उद्यम (producing enterprise) का योगदान मापता है।	Q4, Q10, Q17, Q21	PYQ 2024-Sep, 2025-Jan, 2026-May; MTP 2025-May S2	1.4.2, p. 6.16; Summary, p. 6.30
1.4.4	Multiple (double) counting से बचने के लिए केवल final goods (या केवल value added) गिने जाते हैं; सभी अवस्थाओं पर जोड़े गए values added का योग final good की कीमत, कुल उत्पन्न आय तथा लाभ सहित उसकी कुल लागत के बराबर होता है।	Q8, Q14, Q20	RTP 2026-Jan; MTP 2024-Dec S1, 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-May S2 (×2)	1.4.2, p. 6.16; 1.3.1, p. 6.3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.5	Value added = Value of output − Intermediate consumption; अत: final product का मूल्य = intermediate purchases + value added (800 + 400 = 1,200), और किसी फर्म का value added केवल वही है जो वह स्वयं जोड़ती है।	MQ 1.4.2: Q1, Q2, Q3	Model Q ×3	1.4.2, p. 6.17
1.4.6	GVAMP = Value of output − Intermediate consumption = (Sales + Change in stock) − Intermediate consumption, जहाँ change in stock = closing − opening stock (750 + 200 − 300 − 250 = 400)।	Q1, Q12	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan	1.4.2, p. 6.17; उदाहरण (Illustrations) 9 और 12, pp. 6.21, 6.23
1.4.7	NVAMP = GVAMP − Depreciation; factor cost = market price − indirect taxes + subsidies (GVAFC = 180 + 15 − 100 + 10 = 105); NDPFC + NFIA = National Income। Rent और profit, value added के वितरण हैं, अतिरिक्त मदें नहीं।	Q9	MTP 2024-Dec S1	1.4.2, p. 6.17; Illustration 12, pp. 6.23 – 6.24
1.4.8	Value added में शामिल हैं: fixed assets का own-account production (जैसे किसी कारीगर द्वारा बनाया गया नया मकान), स्व-उपभोग (self-consumption) के लिए उत्पादित वस्तुओं का imputed value, स्वामी-अधिवासित मकानों (owner-occupied houses) का imputed rent तथा change in stock; अवैतनिक घरेलू कार्य (गृहिणियों का कार्य, अपने बच्चे को पढ़ाना) तथा पुराने shares की पुनर्बिक्री शामिल नहीं होते।	Q27	MTP 2025-Dec S1	1.4.2, p. 6.17; 1.4.3, p. 6.18; 1.6 (d), p. 6.27
1.4.9	Income Method (Factor Income / Factor Payment / Distributed Share Method): national income, domestic territory की सभी production units द्वारा भुगतान की गई factor incomes — wages and salaries, rent, interest और profit — का योग है: NDPFC; NI = Compensation of employees + Operating surplus + Mixed income + NFIA। Profits एक factor income है; transfers, subsidies और indirect taxes नहीं।	Q25, Q26; MQ 1.1: Q2	RTP 2025-Sep (×2); Model Q	1.4.3, p. 6.18
1.4.10	केवल primary factors के स्वामियों की आय शामिल होती है: wages (सेवानिवृत्त कर्मचारियों की pensions नहीं), bonus, DA, commission, provident fund में नियोक्ताओं (employers) का अंशदान, rent (वास्तविक एवं imputed), royalty, उत्पादक सेवाओं हेतु ऋणों पर interest, dividends, commissions तथा brokerages। शामिल नहीं: capital gains, windfall profits, transfer incomes, second-hand goods तथा financial assets (shares और bonds) की बिक्री, पिछली बचतों से किए गए भुगतान, public debt पर तथा consumption loans पर interest।	Q11, Q16, Q22	PYQ 2025-Jan, 2026-Jan; MTP 2025-Aug S1	1.4.3, p. 6.18
1.4.11	Profit = Corporate (profit) tax + Dividend + Retained earnings (undistributed profit) — तीनों profit के घटक हैं।	Q15	MTP 2025-Jan S2	1.4.3, p. 6.18

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.12	स्व-नियोजित (self-employed) व्यक्तियों (lawyers, engineers, traders, proprietors; agriculture, trade, transport) की mixed income वह आय है जिसमें श्रम-तत्त्व (labour element) और पूँजी-तत्त्व (capital element) को अलग नहीं किया जा सकता।	Q2, Q23	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	1.4.3, pp. 6.18 – 6.19
1.4.13	Income-method numericals: compensation of employees + rent + interest + profits + mixed (proprietors') income जोड़िए; फिर GDPMP के लिए + depreciation + net indirect taxes (taxes on production and imports), और national aggregates के लिए + NFIA।	MQ 1.4.3: Q1, Q2, Q3, Q4, Q5	Model Q ×5	1.4.3, p. 6.18; Illustration 5, p. 6.12
1.4.14	Compensation of employees, national income का सबसे बड़ा घटक है।	Q18	MTP 2025-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
1.4.15	Expenditure Method (Income Disposal Approach): GDPMP = Σ final expenditure = Private final consumption expenditure + Government final consumption expenditure + Gross domestic capital formation + Net exports (C + I + G + X − M); net exports ऋणात्मक भी हो सकते हैं।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.4.4: Q1, Q2, Q3, Q4, Q5	Model Q ×6	1.4.4, pp. 6.18 – 6.20
1.4.16	Final consumption expenditure, household sector (PFCE, NPISH सहित) तथा government sector (GFCE: defence, education, healthcare जैसी सामूहिक सेवाएँ, लागत पर मूल्यांकित) दोनों में होता है।	Q24	MTP 2025-Aug S2	1.4.4, p. 6.19
1.4.17	Transfer payments (pensions, scholarships, unemployment allowance) GDP से बाहर रखे जाते हैं क्योंकि ये चालू उत्पादन को प्रतिबिम्बित नहीं करते; इन्हें शामिल करने से GDP बढ़ा-चढ़ाकर (overstate) आँका जाएगा।	Q6, Q19	MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1	1.4.4, p. 6.19; Summary, p. 6.30
1.4.18	Gross domestic capital formation = fixed assets का अधिग्रहण (machinery and equipment, जैसे किसी bank का digital-assistant robot; construction) + change in inventories (बिना बिके stock सहित) + valuables का अधिग्रहण; अतः business inventories में वृद्धि investment मानी जाती है।	Q13, Q28	MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-Dec S1	1.4.4, p. 6.20
1.4.19	Net domestic expenditure = Consumption expenditure + Net domestic investment (gross capital formation − depreciation)।	Q5	MTP 2024-Dec S1	1.4.4, p. 6.20 (व्युत्पत्ति द्वारा; यह शब्द SM में नहीं है)
1.4.20	भारत national income का अनुमान पूर्णतः किसी एक विधि से नहीं लगा सकता: agriculture — production (value added/output) method; small-scale sector — income method; construction — expenditure method। Income method उन विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए उपयुक्त है जहाँ income-tax returns ठीक से दाखिल किए जाते हैं।	Q7, Q29; MQ 1.4: Q2	MTP 2024-Dec S1, 2026-Apr S1; Model Q	1.4.4, p. 6.20

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.21	*विषय 1.3 देखें: किसी विदेशी कम्पनी द्वारा भारत में अपने परिचालन से अर्जित लाभ भारत के GDP का भाग हैं, परन्तु भारत की national income का नहीं (ये विदेश को भुगतान की गई factor income हैं, जो NFIA के माध्यम से घटा दी जाती हैं)।*	MQ 1.4: Q1	Model Q	1.3.2, p. 6.7

विषय 1.5 भारत में क्षेत्रीय लेखा प्रणाली (The System of Regional Accounts in India)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.1	State income (Net State Domestic Product) के अनुमान सम्बन्धित State Directorates of Economics and Statistics (DESs) की State Income Units तैयार करती हैं; Central Statistical Organisation अवधारणात्मक एवं कार्यप्रणाली सम्बन्धी (conceptual and methodological) समस्याओं पर परामर्श देकर राज्यों की सहायता करता है।	Q1, Q2	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1	1.5, p. 6.27; 1.1, p. 6.2
1.5.2	Per capita state income = NSDP ÷ राज्य की मध्य-वर्ष अनुमानित जनसंख्या (midyear projected population) — क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन का एक माप।	Q3	MTP 2024-Dec S1	1.5, p. 6.27 (poverty ratio और employment rate केवल MTP में)
1.5.3	Labour-market माप SM में नहीं हैं; MTP का उत्तर labour force participation rate को unemployment का माप मानता है।	Q4	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 1.6 GDP तथा कल्याण (GDP and Welfare)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.6.1	GDP कल्याण (welfare) का पूर्ण माप नहीं है; इसमें छूट जाते हैं: आय-वितरण (इसलिए per capita GDP अपर्याप्त है); गुणवत्ता में सुधार (quality improvements); अधिकारियों से छिपा या अवैध उत्पादन (drugs, gambling); non-market production; अवकाश (leisure) की हानि; अपराध, प्रदूषण और यातायात-भीड़ (traffic congestion) जैसी आर्थिक 'bads'; स्वैच्छिक कार्य (volunteer work); externalities; तथा उस उत्पादन के बीच का अन्तर जो हमें बेहतर बनाता है और जो केवल हमें बदतर होने से रोकता है।	Q3, Q4, Q5	PYQ 2026-Jan; MTP 2025-May S2, 2026-Apr S1	1.6, pp. 6.27 – 6.28
1.6.2	*विषय 1.3 देखें: per capita income किसी देश के जीवन-स्तर (standard of living) के सूचक का काम करती है।*	Q2	PYQ 2025-May	1.3.9, p. 6.10
1.6.3	यदि जनसंख्या अर्थव्यवस्था से अधिक तेज़ी से बढ़ती है, तो per capita income घटती है और बचत कम होती है।	Q1	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 1.7 राष्ट्रीय आय की गणना की सीमाएँ एवं चुनौतियाँ (Limitations and Challenges of National Income Computation)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 1 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.7.1	National income के मापन की अवधारणात्मक कठिनाइयाँ (conceptual difficulties): सर्वमान्य परिभाषा का अभाव; final और intermediate goods के बीच सटीक भेद; transfer payments का मुद्दा; durable goods की सेवाएँ; आय-वितरण को समाहित करने की कठिनाई; किसी नई वस्तु का स्थिर कीमतों पर मूल्यांकन; सरकारी सेवाओं का मूल्यांकन। (Quality improvements, GDP-एवं-welfare वाली सूची में आते हैं, इस सूची में नहीं।)	Q1; MQ 1.7: Q2	PYQ 2024-Sep; Model Q	1.7, p. 6.28
1.7.2	अन्य चुनौतियाँ: आँकड़ों की अपर्याप्तता एवं अविश्वसनीयता; non-monetised sector; स्व-उपभोग के लिए उत्पादन; निरक्षरता एवं अज्ञानता के कारण दर्ज न होने वाली आय; उचित व्यावसायिक वर्गीकरण (occupational classification) का अभाव; consumption of fixed capital का सटीक अनुमान।	MQ 1.7: Q3	Model Q	1.7, p. 6.29
1.7.3	अधिकारियों से छिपा उत्पादन (tax evasion या अवैध क्रिया) GDP से छूट जाता है, अत: बड़ी underground economy होने पर आधिकारिक national income कम आँकी जाती है (understates)।	Q2; MQ 1.7: Q3	MTP 2026-Apr S1; Model Q	1.6 (c), p. 6.27
1.7.4	GDP कुल output मापता है, प्रति व्यक्ति output नहीं: per capita GDP जनसंख्या के लिए समायोजन करता है (1.3.9), और SM के अनुसार welfare की मुख्य कमी आय-वितरण है (1.6)।	MQ 1.7: Q1	Model Q	1.3.9, p. 6.10; 1.6 (a), p. 6.27 (जनसंख्या-आकार वाली शब्दावली केवल Model Q में)

इकाई 2: राष्ट्रीय आय निर्धारण का Keynes सिद्धान्त (The Keynesian Theory of Determination of National Income)

SM अध्याय 6, इकाई 2, पृष्ठ 6.34 – 6.70

विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)

10 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP 1 · MTP 8 · Model Q 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	John Maynard Keynes ने 'The General Theory of Employment, Interest, and Money' (1936) में सन्तुलन कुल आय एवं output (equilibrium aggregate income and output) के निर्धारण का सिद्धान्त प्रस्तुत किया; 1930 के दशक की Great Depression के classical economists के पास लगातार बनी रहने वाली बेरोज़गारी (persistent unemployment) को समझाने का कोई सिद्धान्त नहीं था।	Q8; MQ 1.1: Q1	MTP 2026-Apr S1; Model Q	2.1, p. 6.35; Summary, p. 6.68

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.2	Keynes के अनुसार national income, aggregate effective demand पर निर्भर करती है; जब तक अर्थव्यवस्था में अपर्याप्त व्यय (spending) होता है, output पूर्ण रोज़गार (full employment) से नीचे रहता है — और Keynes के तर्क के अनुसार Great Depression में ठीक यही हुआ था।	Q1, Q2	PYQ 2023-Dec, 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1, 2025-Dec S1	2.4.1, p. 6.46; 2.8, p. 6.68
2.1.3	Keynes ने वह macroeconomic सिद्धान्त दिया जिसने बेरोज़गारी घटाने के उपाय के रूप में government spending को उचित ठहराया: government spending (G) और taxes में उचित परिवर्तन करके सरकार मन्दी (recession) और बेरोज़गारी का प्रतिकार कर सकती है — एक सक्रिय, स्थिरीकरण वाली (activist, stabilising) भूमिका।	Q3, Q7 (+ 2.3 Q18)	MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2 (×2)	2.1, p. 6.35; 2.8, p. 6.68
2.1.4	Macroeconomics सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का अध्ययन करता है — output, income, employment, consumption, investment तथा prices का समग्र (aggregate) स्तर।	Q4	RTP 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2	SM इकाई 2 में नहीं (केवल MTP/RTP); तुलना करें SM अध्याय 1, 1.2, pp. 1.8 – 1.9
2.1.5	आधुनिक macroeconomics के Keynes द्वारा दिए गए आधार-स्तम्भ (building blocks): (1) consumption का income से सम्बन्ध, तथा multiplier; (2) Liquidity Preference — money की माँग (demand for money) के लिए Keynes द्वारा दिया गया शब्द; (3) consumption और investment को प्रभावित करने में expectations (मनोवैज्ञानिक कारक, लोकप्रिय रूप से 'animal spirits' — यह वाक्यांश SM में नहीं है) का महत्त्व।	Q5 (+ 2.3 Q23)	PYQ 2025-May; MTP 2026-Apr S1	2.1, p. 6.36
2.1.6	Keynesian models अल्पकालीन सन्तुलन (short-period equilibrium) से सम्बन्धित हैं और इनमें कोई dynamic तत्त्व नहीं होते — comparative statics द्वारा एक सन्तुलन की तुलना दूसरे से की जाती है (अल्पकाल में investment को स्थिर माना जाता है)।	Q9	MTP 2026-Apr S2	2.5, p. 6.53; 2.3.1, p. 6.38
2.1.7	*विषय 2.3 देखें: Keynes ने consumption function C = a + bY प्रस्तुत किया — consumption, income के साथ बढ़ता है, परन्तु income में वृद्धि से कम ('psychological law of consumption') ।*	Q6	MTP 2025-Aug S1	2.3.2, pp. 6.39 – 6.40

विषय 2.2 सरल द्वि-क्षेत्रीय मॉडल में चक्रीय प्रवाह (Circular flow in a Simple Two-Sector Model)

8 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP – · Model Q 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	Effective (aggregate) demand अर्थव्यवस्था में final goods and services पर कुल नियोजित व्यय (total planned expenditure) है; two-sector model में AD = C + I ।	MQ 1.1: Q1	Model Q	2.3.1, p. 6.38; 2.8, p. 6.68

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.2	Two-sector model में household और business sectors होते हैं (government और foreign sectors अनुपस्थित); three-sector model में government sector जुड़ता है और four-sector model में foreign sector।	MQ 1.2: Q1; MQ 1.4: Q1	Model Q ×2	2.1, p. 6.36; 2.2, p. 6.36
2.2.3	Households उत्पादन के सभी साधनों (factors of production) के स्वामी होते हैं और factor incomes (factor payments, जैसे wages) के बदले firms को factor services बेचते हैं; firms, households को goods and services बेचती हैं। Real flows (टूटी रेखाएँ / broken lines) factor services और goods के प्रवाह हैं; money flows (सतत रेखाएँ / continuous lines) भुगतान हैं — firms से households को factor payments तथा households से firms को consumption payments।	MQ 1.2: Q2, Q3	Model Q ×2	2.2, pp. 6.36 – 6.37
2.2.4	सरल two-sector प्रवाह में कोई injections या leakages नहीं होते; household की पूरी आय firms के output पर व्यय होती है, अतः Factor Payments = Household Income = Household Expenditure = Total Receipts of Firms = Value of Output।	Q2	PYQ 2026-Sep	2.2, p. 6.37
2.2.5	Circular flow of income के तीन परस्पर जुड़े चरण production, distribution और disposition हैं।	Q1	PYQ 2025-Sep	SM इकाई 2 में नहीं (केवल PYQ); यह SM अध्याय 6, इकाई 1 का विषय है
2.2.6	*विषय 2.3 देखें: AD, price level के फलन (function) के रूप में दिया हो — दिया गया P प्रतिस्थापित कीजिए (2,000 − 100 × 15 = 500)।*	MQ 1.3.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)

विषय 2.3 मूल अवधारणाएँ एवं फलन (Basic Concepts and Functions)

36 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 17 · RTP 1 · MTP 13 · Model Q 8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	Aggregate demand कुल नियोजित (ex ante) व्यय है; two-sector economy में AD = C + I, जहाँ investment (investment goods के लिए firms की माँग) बाह्य रूप से (exogenously) निर्धारित और अल्पकाल में स्थिर होता है — अतः private investment, AD का एक घटक है जो national income को प्रभावित करता है।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.4: Q1	Model Q ×2	2.3.1, p. 6.38; 2.6, p. 6.56
2.3.2	AD या SRAS को price level के फलन के रूप में लिखा हो (AD = A − bP; SRAS = c + dP): दिया गया P प्रतिस्थापित कीजिए। ये Model-Q की रचनाएँ हैं; SM का Keynesian model कीमतों को स्थिर मानता है।	MQ 1.3.1: Q1; MQ 1.3.5: Q1 (+ 2.2 MQ 1.3.1 Q1)	Model Q ×3	SM में नहीं (केवल Model Q)
2.3.3	Consumption function कुल उपभोग व्यय (aggregate consumption expenditure) और कुल disposable income के बीच फलनात्मक सम्बन्ध व्यक्त करता है, C = f(Y) — consumption, disposable income द्वारा निर्धारित होता है।	Q4, Q27	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep; MTP 2024-Dec S1	2.3.2, p. 6.38

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.4	Keynes का विशिष्ट रूप C = a + bY है: 'a' (autonomous consumption) शून्य disposable income पर धनात्मक consumption है — income से अप्रभावित consumption; 'a' में वृद्धि consumption function को ऊपर की ओर खिसका (shift) देती है।	Q8, Q19 (+ 2.5 Q16)	MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2, 2026-Apr S1	2.3.2, p. 6.39; उदाहरण (Ill.) 2 – 3, p. 6.47
2.3.5	Numerical: C = a + b × Y, फिर S = Y − C (जैसे C = 1,000 + 0.6 × 4,000 = 3,400; S = 4,000 − 3,400 = 600)।	MQ 1.3.2: Q1; MQ 1.3.3: Q1; MQ 1.3.4: Q1	Model Q ×3	2.3.2, p. 6.39; 2.3.5, p. 6.41
2.3.6	Keynesian मान्यता (Keynes का 'psychological law of consumption'): disposable income के साथ consumption बढ़ता है, परन्तु income में वृद्धि से कम — 0 < b < 1; MPC सदैव इकाई (unity) से कम परन्तु शून्य से अधिक होता है।	Q1, Q7, Q9, Q17 (+ 2.1 Q6)	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan, 2025-May; MTP 2025-Aug S1 (×2)	2.3.2, pp. 6.39 – 6.40; 2.3.5, p. 6.42
2.3.7	MPC = ΔC/ΔY = b, consumption function का ढाल (slope) — अधिक MPC से consumption function अधिक ढालू (steeper) होता है (यह shift नहीं है)। आँकड़ों से: ΔC ÷ ΔY (75/100 = 0.75)।	Q12, Q15, Q25	PYQ 2025-Sep, 2026-May; MTP 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	2.3.2, p. 6.39; Table 1.2.1, p. 6.40
2.3.8	APC = Total Consumption ÷ Total Income = C/Y, अतः Y = C/APC (900/0.45 = 2,000)। Income बढ़ने के साथ उपभोग पर व्यय होने वाला अनुपात घटता है — consumption, income की तुलना में धीमी गति से बढ़ता है।	Q2, Q6, Q20, Q26	PYQ 2024-Sep, 2025-Jan, 2026-Sep; MTP 2025-Dec S1	2.3.3, p. 6.40
2.3.9	Income या तो व्यय होती है या बचाई जाती है (Y = C + S); MPS = ΔS/ΔY = 1 − b, अतः MPC + MPS = 1।	Q10	PYQ 2025-May; MTP 2025-Apr S1	2.3.5, pp. 6.41 – 6.42
2.3.10	APS = Total Saving ÷ Total Income = S/Y, जहाँ S = Y − C; S = APS × Y। (C 300, Y 1,200 → 0.75; C 800, Y 4,000 → 0.8; Y 500, C 400 → 0.2।)	Q5, Q11, Q14, Q28	PYQ 2025-Jan, 2025-Sep, 2026-May, 2026-Sep	2.3.5, p. 6.42; उदाहरण (Ill.) 1, p. 6.42
2.3.11	Ex ante aggregate supply वह कुल पूर्ति है जिसे firms बेचने की योजना बनाती हैं; यह national income के बराबर होती है, जिसका या तो उपभोग होता है या बचत: AS = C + S (अतः saving = income − consumption)।	Q13; MQ 1.4.1: Q1	PYQ 2026-Jan; Model Q	2.3.8, p. 6.42; 2.3.5, p. 6.41
2.3.12	उपभोक्ता वस्तुएँ (एक sofa, एक holiday) खरीदने के लिए पिछली बचतों का प्रयोग, consumption के वित्तपोषण हेतु dissaving है — consumption बढ़ता है; government bonds एक financial asset हैं, और विदेश में किया गया व्यय import है।	Q3	RTP 2024-Sep	2.3.2, p. 6.39; 2.6, p. 6.56; 2.7, p. 6.63
2.3.13	Rate of interest में गिरावट से investment expenditure बढ़ता है; liquidity preference बताता है कि monetary policy, interest rates और aggregate demand को कैसे प्रभावित करती है।	Q24	MTP 2026-Apr S2	2.1, p. 6.36 (interest–investment सम्बन्ध केवल MTP में)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.14	*विषय 2.4 देखें: जब AD < AS, तो बिना बिकी inventories जमा होती हैं, firms output घटाती हैं और national income गिरती है; समायोजन तब तक चलता है जब तक AD = AS न हो जाए (व्यय और output में परिवर्तन द्वारा, कीमतों द्वारा नहीं)।*	Q21, Q22	MTP 2026-Apr S1 (×2)	2.4, pp. 6.44 – 6.45; 2.6, pp. 6.57 – 6.58
2.3.15	*विषय 2.5 देखें: k = ΔY/ΔI = 1/(1 − MPC), अतः MPC = 1 − 1/k (2,000/1,600 = 1.25 → MPC 0.2)।*	Q16	PYQ 2026-May	2.5, p. 6.51; उदाहरण (Ill.) 10, p. 6.53
2.3.16	*विषय 2.1 देखें: Keynes ने मन्दी (recession) और बेरोज़गारी से निपटने के लिए government spending बढ़ाने की वकालत की।*	Q18	MTP 2025-Aug S2	2.1, p. 6.35; 2.8, p. 6.68
2.3.17	*विषय 2.1 देखें: 'animal spirits' — consumption और investment निर्णयों में expectations (मनोवैज्ञानिक कारकों) की भूमिका।*	Q23	MTP 2026-Apr S1	2.1, p. 6.36

विषय 2.4 राष्ट्रीय आय निर्धारण का द्वि-क्षेत्रीय मॉडल (The Two-Sector Model of National Income Determination)

17 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 9 · RTP – · MTP 5 · Model Q 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.1	Equilibrium output तब होता है जब किसी दी गई समयावधि में सभी agents द्वारा माँगे गए output की वांछित मात्रा, उत्पादित मात्रा के ठीक बराबर हो: aggregate demand (C + I) = aggregate supply (C + S), अर्थात् C + I = C + S, या I = S (planned saving = planned investment)।	Q8, Q11; MQ 1.4: Q1	PYQ 2026-May, 2026-Sep; MTP 2024-Dec S1; Model Q	2.4, p. 6.43; Summary, pp. 6.68 – 6.69
2.4.2	Numerical: Y = C + I हल कीजिए। C = a + bY और I = Ī होने पर Y = (a + Ī)/(1 − b); यदि I भी Y पर निर्भर हो (I = Ī + iY), तो Y वाले सभी पद एक साथ लीजिए: Y = (a + Ī)/(1 − b − i)। ((10 + 200)/0.5 = 420; (12 + 188)/0.25 = 800; 42/0.35 = 120।)	Q2, Q5, Q12	PYQ 2024-Sep, 2025-Sep, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S2	2.4, उदाहरण (Ill.) 4 – 6 तथा 8, pp. 6.47 – 6.50
2.4.3	Saving function से numerical: S = I रखिए (−20 + 0.25Y = 100 → Y = 480); फिर C = Y − S (240 − 100 = 140)।	Q6, Q7	PYQ 2026-Jan, 2026-May	2.4, उदाहरण (Ill.) 7, p. 6.49
2.4.4	यदि leakages, injections से अधिक हों (AD, output से कम), तो अनियोजित (unplanned) inventories जमा होती हैं और national income गिरती है; यदि injections, leakages से अधिक हों (AD, output से अधिक — जैसे अकेला consumption ही income से अधिक हो), तो inventories घटती हैं और income बढ़ती है; व्यय और output में परिवर्तन द्वारा — कीमतों द्वारा नहीं — पुनःसमायोजन से सन्तुलन बहाल होता है।	MQ 1.4: Q2 (+ 2.3 Q21, 2.3 Q22)	MTP 2026-Apr S1 (×2); Model Q	2.4, pp. 6.44 – 6.45; 2.6, pp. 6.57 – 6.58
2.4.5	Keynesian equilibrium का पूर्ण रोज़गार (full employment) पर होना आवश्यक नहीं है। Deficient demand — full-employment output से कम मात्रा के output के लिए aggregate demand — एक deflationary (recessionary या contractionary) gap उत्पन्न करती है।	Q1, Q10	PYQ 2024-Jun, 2026-Sep	2.4.1, p. 6.45

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.6	Excess demand — full-employment output से अधिक aggregate demand — से inflationary gap उत्पन्न होता है: real output स्थिर रहता है जबकि price level बढ़ता है (demand-pull inflation), इसलिए केवल nominal output बढ़ता है।	Q4 (+ 2.7 Q8)	RTP 2025-May; MTP 2024-Dec S1, 2026-Apr S2	2.4.1, p. 6.46; 2.8, p. 6.68
2.4.7	Keynesian उपचार (prescription): recession में government spending बढ़ाएँ और taxes घटाएँ; inflation में व्यय पर अंकुश लगाएँ (SM fiscal policy की बात करता है — G और taxes; monetary tightening इस इकाई के दायरे से बाहर है)।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.8: Q1	Model Q ×2	2.8, p. 6.68
2.4.8	Excess demand को ठीक करने के monetary measures: repo rate, CRR और margin requirements बढ़ाना।	Q3	MTP 2024-Dec S1	SM इकाई 2 में नहीं (केवल MTP)
2.4.9	Investment spending, rate of interest के प्रति जितना अधिक संवेदनशील होगा, AD curve (price–output space में) उतना ही अधिक चपटा (flatter) होगा।	Q9	MTP 2025-Aug S1	SM इकाई 2 में नहीं (केवल MTP)
2.4.10	AD = 2,000 − 100P तथा SRAS = 1,000 + 150P: AD = AS रखकर हल करें → 250P = 1,000, P = 4, Y = 1,600।	MQ 1.4.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)

विषय 2.5 विनियोग गुणक (The Investment Multiplier)

24 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 11 · RTP 2 · MTP 8 · Model Q 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.1	Investment multiplier k = ΔY/ΔI — national income में परिवर्तन और investment में परिवर्तन का अनुपात; investment में वृद्धि से equilibrium income में आनुपातिक रूप से अधिक (multiple) परिवर्तन होता है — व्यय में प्रारम्भिक परिवर्तन का सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में आवर्धन (magnification) ('ripple effect')।	Q2, Q6, Q14; MQ 1.8: Q1	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan; RTP 2025-Sep; Model Q	2.5, pp. 6.50 – 6.52
2.5.2	k = 1/(1 − MPC) = 1/MPS — multiplier, MPS का व्युत्क्रम (reciprocal) है; इसका मान MPC (और इसलिए MPS) से निर्धारित होता है।	Q15, Q18; MQ 1.5: Q1, Q3	PYQ 2026-Sep; MTP 2025-Dec S1; Model Q ×2	2.5, pp. 6.51 – 6.52
2.5.3	प्रत्यक्ष सम्बन्ध (direct relationship): MPC जितना अधिक (MPS जितना कम), multiplier उतना ही बड़ा; MPC = 1 होने पर इसका अधिकतम मान अनन्त (infinity) होता है।	Q8, Q11	PYQ 2025-Sep, 2026-May; MTP 2024-Dec S1, 2024-Dec	2.5, p. 6.51
2.5.4	Numerical — ΔY ज्ञात करना: k = 1/(1 − MPC) (या 1/MPS), फिर ΔY = k × ΔI (या ΔG)। (MPS 0.2 या b 0.8 → k 5; MPC 0.6 → k 2.5, ΔY = 2.5 × 300 = 750; MPC 0.8, ΔG 100 → ΔY 500।)	Q5, Q13; MQ 1.5: Q2; MQ 1.6.1: Q1	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-May S2, 2025-Aug S2; Model Q ×2	2.5, Ill. 9, 11, 12, pp. 6.53 – 6.54
2.5.5	Numerical — k या MPC ज्ञात करना: k = ΔY/ΔI, फिर MPC = 1 − 1/k। (1,500/500 = 3 → 0.67; 2,000/200 = 10 → 0.9; 600/150 = 4 → 0.75; 12,000/4,000 = 3।)	Q3, Q7, Q9, Q17 (+ 2.3 Q16)	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep, 2026-May, 2026-Sep; RTP 2025-Jan	2.5, p. 6.51; उदाहरण (Ill.) 10, p. 6.53

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.6	Autonomous spending (I या G) में वृद्धि aggregate demand schedule को ऊपर की ओर खिसकाती है (C + I से C + I + ΔI) और equilibrium income को उस वृद्धि से अधिक बढ़ाती है; जबकि MPC (behavioural coefficient) में परिवर्तन से इसके बजाय slope बदलता है।	Q12; MQ 1.6.1: Q2	MTP 2025-Aug S1; Model Q	2.5, pp. 6.50 – 6.51; 2.7, p. 6.66
2.5.7	Leakages — वह आय जो वर्तमान में उत्पादित consumption goods पर व्यय नहीं होती — multiplier को घटाते हैं: progressive taxation; ऊँची liquidity preference और निष्क्रिय (idle) बचत; stocks या imports से पूरी की गई माँग; मौजूदा सम्पत्ति (existing wealth) या securities की खरीद; corporations के undistributed profits; ऋण का भुगतान (debt repayment); full employment पर inflation; वस्तुओं की scarcity। Distributed profits leakage **नहीं** हैं; saving एक withdrawal है।	Q1, Q4, Q10	PYQ 2024-Jun, 2026-Jan; MTP 2024-Dec S1	2.5, p. 6.52
2.5.8	*विषय 2.3 देखें: autonomous consumption ('a') में वृद्धि consumption function को ऊपर की ओर खिसका देती है।*	Q16	MTP 2026-Apr S1	2.3.2, p. 6.39

विषय 2.6 सन्तुलन आय का निर्धारण — त्रि-क्षेत्रीय मॉडल (Determination of Equilibrium Income: Three Sector Model)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP – · MTP 2 · Model Q 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.6.1	त्रि-क्षेत्रीय closed economy में (foreign trade की उपेक्षा करते हुए) aggregate demand = household consumption (C) + business investment (I) + government demand (G); equilibrium Y = C + I + G (AD = Y = AS: C + I + G = C + S + T)। Foreign sector शामिल नहीं होता।	Q2, Q4; MQ 1.6: Q1, Q2	PYQ 2024-Sep, 2025-May; Model Q ×2	2.6, pp. 6.54 – 6.56
2.6.2	Taxes और transfers सहित numerical: C = a + bYd, Yd = Y − T + TR; Y = (a − bT + bTR + I + G)/(1 − b)। (C = 8 + 0.6(Y − 10), I 60, G 10 → Y 180; C = 200 + 0.8(Y − 150 + 75), I 200, G 150 → Y 2,450।)	Q1, Q3	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan	2.6.1, pp. 6.58 – 6.60
2.6.3	Government spending autonomous होता है — यह aggregate demand में जुड़ता है (C + I + G रेखा, C + I के ऊपर रहती है) और multiplier के माध्यम से equilibrium income बढ़ाता है।	Q6	MTP 2026-Apr S1	2.6, p. 6.57; 2.7, p. 6.66
2.6.4	Leakage वह आय है जो वर्तमान में उत्पादित consumption goods and services पर व्यय नहीं होती (saving, taxes, imports); injections हैं — investment, government spending और exports।	Q5	PYQ 2026-May	2.5, p. 6.52; 2.6, p. 6.56
2.6.5	Balanced budget multiplier का मान एक (one) होता है।	Q7	MTP 2026-Apr S1	SM इकाई 2 में नहीं (केवल MTP)

विषय 2.7 सन्तुलन आय का निर्धारण — चतुर्-क्षेत्रीय मॉडल (Determination of Equilibrium Income: Four Sector Model)

11 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP 1 · MTP 4 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.7.1	चतुर्-क्षेत्रीय मॉडल (four-sector model) में household, business, government और foreign sectors शामिल हैं; net exports (X − M), aggregate expenditure में foreign sector का योगदान है, और equilibrium Y = C + I + G + (X − M) है।	MQ 1.7: Q2, Q3	Model Q ×2	2.7, pp. 6.62 – 6.63
2.7.2	Numerical: AD = C + I + G + (X − M) (2,000 + 700 + 750 + 100 = 3,550); C = a + bY होने पर Y = (a + I + G + X − M)/(1 − b), जिसमें net imports घटाए जाते हैं ((300 + 800 − 100)/0.25 = 4,000)।	Q1, Q2	PYQ 2024-Jun; MTP 2024-Dec S1	2.7, p. 6.63; Ill. 17 – 18, pp. 6.66 – 6.68
2.7.3	Foreign trade multiplier = 1/(1 − b + m), जहाँ b = MPC और m = marginal propensity to import; m जितना अधिक, multiplier उतना ही कम (1/(1 − 0.6 + 0.04) = 2.27)।	Q3	PYQ 2026-Jan	2.7, pp. 6.63 – 6.66
2.7.4	Exports injections हैं और imports leakages: equilibrium income पर exports में वृद्धि का expansionary प्रभाव होता है, और imports में autonomous वृद्धि का contractionary प्रभाव।	Q4	PYQ 2026-Jan	2.7, pp. 6.63, 6.66
2.7.5	Leakages (S + T + M) केवल equilibrium income पर injections (I + G + X) के बराबर होते हैं — investment एक injection है, saving एक leakage।	Q6, Q7	MTP 2025-Dec S1, 2026-Apr S1	2.7, p. 6.65
2.7.6	Households और firms (business) हर sector model में समान रूप से होते हैं; त्रि- एवं चतुर्-क्षेत्रीय मॉडलों में government और foreign sectors जोड़े जाते हैं।	Q5	PYQ 2026-May	2.1, p. 6.36
2.7.7	*विषय 2.4 देखें: Keynes के अनुसार inflationary gap, excess demand के कारण उत्पन्न होता है।*	Q8	RTP 2025-May; MTP 2026-Apr S2	2.4.1, p. 6.46
2.7.8	Consumption और taxes का योग income से अधिक होना (Y = C + S + T) negative saving (dissaving) को दर्शाता है; इस अर्थ में 'deficit' SM का शब्द नहीं है।	MQ 1.7: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)

विषय 2.8 निष्कर्ष (Conclusion)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP 1 · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.8.1	Keynesian theory के अनुसार national income, aggregate effective demand पर निर्भर करती है: यदि यह full-employment output से कम रहे तो unemployment होती है; यदि उससे अधिक हो तो inflation होता है।	Q1 (+ 2.1 Q1)	PYQ 2024-Sep; RTP 2025-Jan; MTP 2025-Dec S1	2.8, p. 6.68

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.8.2	Stabilisation policy के बिना आय अस्थिर रहती है क्योंकि investment अस्थिर है; सरकार सक्रिय भूमिका निभाती है — government spending और taxes में उपयुक्त परिवर्तन (fiscal policy), तथा monetary policy interest rates और aggregate demand पर कार्य करती है।	Q2	MTP 2025-Apr S1	2.8, p. 6.68; 2.1, p. 6.36

भाग B — अध्याय 5 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 28% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — राष्ट्रीय आय लेखांकन (National Income Accounting)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	NI accounting के प्रणेता Kuznets और Stone; national accounts का संकलन CSO (MoSPI) करता है; State Domestic Product का संकलन राज्यों के DESs करते हैं।	★★	1.1.1, 1.2.1
2	NI अनुमानों के उपयोग: demand forecasting, क्षेत्रवार संरचना (sectoral composition) एवं उसमें बदलाव, क्षेत्रीय नीतियाँ (sector policies), macro modelling, income distribution, structural ratios, अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएँ, growth एवं inflation नीति — population policy नहीं।	★	1.2.2
3	GDP = किसी अवधि में देश में उत्पादित सभी final goods and services का market prices पर मूल्य; केवल final goods गिने जाते हैं।	★	1.3.1, 1.3.2
4	Nominal = current prices; Real = constant (base-year) prices — price effect हटा देता है; समय के साथ तुलना के लिए real GDP ही उपयुक्त है।	★	1.3.3
5	**GDP deflator = Nominal ÷ Real × 100 — एक price index जो inflation मापता है (PPP prices नहीं मापतीं)।**	★★★	1.3.4, 1.3.5, 1.3.9
6	Real = Nominal × 100 ÷ deflator; Nominal = Real × index ÷ 100।	★★	1.3.6
7	Base-year deflator = 100; > 100 → nominal > real, कीमतें base से ऊपर; < 100 → कीमतें base से नीचे।	★★	1.3.7
8	Inflation = (D2 − D1) ÷ D1 × 100; deflator पिछले वर्ष की तुलना में घटे → price level गिरा।	★★	1.3.8
9	**Gross − Net = depreciation: NDP = GDP − dep, अत: NDP ≤ GDP; gross investment = net + replacement; dep > gross investment → capital stock घटता है।**	★★★	1.3.10, 1.3.11
10	GNP = GDP + NFIA; किसी विदेशी फर्म का यहाँ अर्जित लाभ हमारे GDP में और उसके अपने देश के GNP में शामिल होता है, हमारी national income में नहीं।	★★	1.3.12, 1.3.13, 1.4.21
11	NFIA ऋणात्मक (negative) → GDP > GNP; National = Domestic + NFIA।	★★	1.3.14, 1.3.15, 1.2.3
12	NNPMP = GNPMP − dep = NDPMP + NFIA = GDPMP + NFIA − dep।	★★	1.3.16
13	**MP − FC = net indirect taxes (IT − subsidies); direct taxes अप्रासंगिक।**	★★★	1.3.17, 1.3.18
14	GDPFC = CoE + OS (rent + interest + profit) + mixed income + dep; GDPMP = NDPFC + CFC + NIT।	★★	1.3.19, 1.4.13
15	Basic price = FC + production taxes − production subsidies; MP = basic price + product taxes − product subsidies।	★	1.3.20
16	NDPFC = CoE + OS + MI = NDPMP − NIT; National Income (NNPFC) = domestic factor incomes + NFIA।	★	1.3.21, 1.3.22
17	Per capita income = aggregate ÷ population — जीवन-स्तर (standard of living) का सूचक।	★	1.3.23, 1.6.2

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
18	Personal income = सभी स्रोतों से households (NPISH सहित) की प्राप्तियाँ (transfers सहित); इसमें retained earnings, corporate tax, social security contributions शामिल नहीं।	★★	1.3.24
19	DI = PI − personal income taxes − non-tax payments; consumption या saving के लिए उपलब्ध।	★★	1.3.25
20	NNDI = NNI + विदेश से प्राप्त अन्य net current transfers; GNDI = NNDI + CFC।	MQ	1.3.26
21	Private income = देश के भीतर और बाहर के सभी स्रोतों से private sector को प्राप्त factor + transfer income = PI + corporate tax + undistributed profits।	★	1.3.27
22	Circular flow (चक्रीय प्रवाह): production → distribution → disposition; output = income = expenditure।	★	1.4.1
23	तीन विधियाँ: value added (उद्योग का दोहराव-रहित योगदान), income (भुगतान की गई factor incomes), expenditure / income disposal (final expenditure)।	★	1.4.2, 1.3.30
24	**Value added = Product = Industrial Origin = Net Output method; double counting से बचने के लिए केवल final goods / value added गिनें।**	★★★	1.4.3, 1.4.4, 1.4.5
25	**GVAMP = (Sales + closing − opening stock) − IC; NVA = GVA − dep; FC = MP − IT + subsidies।**	★★★	1.4.6, 1.4.7, 1.3.31
26	शामिल करें: own-account fixed assets, self-consumption, imputed rent, change in stock; शामिल न करें: unpaid household work तथा पुराने shares का पुनर्विक्रय (resale)।	★	1.4.8
27	Income method = Factor Payment = Distributed Share method; NI = CoE + OS + MI + NFIA।	★	1.4.9
28	शामिल करें: wages, PF contribution, commissions, brokerages, imputed rent, royalty, उत्पादक ऋणों (productive loans) पर interest; शामिल न करें: pensions, transfers, capital gains, windfalls, second-hand goods, shares एवं bonds, black money।	★★	1.4.10, 1.3.29
29	Profit = corporate tax + dividend + undistributed profit; mixed income = self-employed की अविभाज्य (inseparable) labour एवं capital income।	★★	1.4.11, 1.4.12
30	Expenditure method: GDPMP = PFCE + GFCE + GDCF + (X − M) — यह GDPMP है, national income नहीं।	★	1.4.15, 1.3.32
31	Final consumption households और government में होता है; GFCE में pensions, scholarships, unemployment allowance (transfers) शामिल नहीं।	★★	1.4.16, 1.3.28
32	Transfer payments GDP में शामिल नहीं — इनसे कोई चालू उत्पादन (current production) नहीं होता।	★★	1.4.17, 1.7.1
33	GDCF = fixed assets + inventory change + valuables; बिना बिका inventory, investment में गिना जाता है; net domestic expenditure = C + net investment।	★★	1.4.18, 1.4.19
34	भारत कोई एक विधि नहीं अपनाता: कृषि (agriculture) — product; लघु उद्योग (small-scale) — income; निर्माण (construction) — expenditure।	★	1.4.20

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
35	State income (NSDP) का अनुमान DESs की State Income Units लगाती हैं, CSO परामर्श देता है; supra-regional sectors (railways, banking, insurance) का आवंटन indicators के आधार पर; per capita state income = NSDP ÷ midyear population।	★★	1.5.1, 1.5.2, 1.3.33
36	GDP ≠ welfare: इसमें income distribution, गुणवत्ता में सुधार (quality improvements), hidden/illegal output, non-market work, leisure (अवकाश), economic bads (traffic congestion), volunteer work, externalities छूट जाते हैं।	★★	1.6.1
37	Conceptual difficulties (अवधारणात्मक कठिनाइयाँ): परिभाषा, final बनाम intermediate, transfers, durable goods की सेवाएँ, income distribution, constant prices पर नई वस्तुएँ, government services।	★	1.7.1
38	अन्य चुनौतियाँ: data, non-monetised sector, self-consumption, unrecorded incomes, occupational classification, CFC का अनुमान; underground economy के कारण NI कम आँकी जाती है।	★	1.7.2, 1.7.3

इकाई 2 — राष्ट्रीय आय निर्धारण का Keynes सिद्धान्त (The Keynesian Theory of Determination of National Income)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Keynes, 'The General Theory of Employment, Interest, and Money' (1936) — Great Depression की लगातार बनी बेरोज़गारी (persistent unemployment) का उत्तर।	★	2.1.1
2	**National income, aggregate effective demand पर निर्भर करती है; Depression = अपर्याप्त व्यय (insufficient spending)।**	★★★	2.1.2, 2.8.1
3	Recession और unemployment से लड़ने के लिए government spending और taxes — सरकार की सक्रिय भूमिका।	★★	2.1.3, 2.4.7, 2.8.2
4	आधार-स्तम्भ (building blocks): consumption–income सम्बन्ध एवं multiplier · liquidity preference (= demand for money) · expectations (प्रत्याशाएँ)।	★	2.1.5
5	Keynesian analysis = short period, comparative statics।	★	2.1.6
6	Macroeconomics = सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था (SM अध्याय 1)।	★	2.1.4
7	मॉडल: द्वि-क्षेत्रीय (households + firms) · त्रि-क्षेत्रीय (+ government) · चतुर्-क्षेत्रीय (+ foreign)।	★★	2.2.2, 2.6.1, 2.7.6
8	Circular flow: real flows (factor services, goods) बनाम money flows (factor payments, consumption payments)।	MQ	2.2.3
9	द्वि-क्षेत्रीय identity: Factor payments = Household income = Household expenditure = Firms' receipts = Value of output।	★	2.2.4
10	Circular flow की अवस्थाएँ: production, distribution, disposition (इकाई 1)।	★	2.2.5
11	AD = total planned expenditure = C + I; I exogenous (बाह्य रूप से निर्धारित), short run में स्थिर।	MQ	2.2.1, 2.3.1
12	Consumption function C = f(Y): consumption बनाम disposable income।	★★	2.3.3

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
13	C = a + bY; a = autonomous consumption (intercept) — a में वृद्धि C को ऊपर खिसकाती है।	★★	2.3.4, 2.3.5, 2.5.8
14	0 < MPC < 1: consumption, income से कम बढ़ता है।	★★	2.3.6
15	MPC = ΔC/ΔY = slope; अधिक MPC → अधिक ढलवाँ (steeper) C।	★★	2.3.7
16	APC = C/Y; income बढ़ने पर घटता है।	★★	2.3.8
17	Y = C + S; MPS = 1 − b; MPC + MPS = 1।	★	2.3.9
18	APS = S/Y; S = APS × Y।	★★	2.3.10
19	AS = C + S = national income।	★	2.3.11
20	Equilibrium: C + I = C + S, अर्थात् I = S; output demanded = output produced।	★★	2.4.1
21	**Y = C + I (या S = I) से हल करें; C = Y − S।**	★★★	2.4.2, 2.4.3
22	AD < output → inventories जमा होती हैं → income घटती है; AD > output → income बढ़ती है; समायोजन (adjustment) output के माध्यम से होता है, prices से नहीं।	★	2.4.4, 2.3.14
23	Deflationary (recessionary) gap = full-employment output से नीचे deficient demand।	★	2.4.5
24	Inflationary gap = excess demand; real output स्थिर, prices बढ़ती हैं।	★★	2.4.6, 2.7.7
25	k = ΔY/ΔI; income में multiple (आनुपातिक से अधिक) परिवर्तन।	★★	2.5.1
26	**k = 1/(1 − MPC) = 1/MPS; अधिक MPC → बड़ा k; MPC = 1 होने पर k = ∞।**	★★★	2.5.2, 2.5.3
27	**ΔY = k × ΔI; MPC = 1 − 1/k।**	★★★	2.5.4, 2.5.5, 2.3.15
28	Autonomous spending में परिवर्तन = AD line का ऊपर की ओर खिसकना; MPC में परिवर्तन = slope में परिवर्तन।	★	2.5.6
29	Leakages सूची — UNdistributed (distributed नहीं) profits; saving एक withdrawal है।	★★	2.5.7, 2.6.4
30	त्रि-क्षेत्रीय: AD = C + I + G; C + I + G = C + S + T।	★	2.6.1
31	Y = (a − bT + bTR + I + G)/(1 − b)।	★	2.6.2
32	G autonomous है → income पर multiplier effect।	★	2.6.3
33	चतुर्-क्षेत्रीय: Y = C + I + G + (X − M)।	★	2.7.1, 2.7.2
34	Foreign trade multiplier 1/(1 − b + m); अधिक m → छोटा multiplier।	★	2.7.3
35	Exports का प्रभाव expansionary; autonomous imports का contractionary।	★	2.7.4
36	Equilibrium पर leakages S + T + M = injections I + G + X।	★	2.7.5

अध्याय 6

व्यापार चक्र (Business Cycles)

191 Scanner प्रश्न · 58 One-liners · 40 पुनरावृत्ति बिन्दु · July 2026 Study Material में SM अध्याय 5

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

व्यापार चक्र (Business Cycles)

SM अध्याय 5, पृष्ठ 5.1 – 5.15

विषय 6.0 प्रस्तावना (Introduction)

10 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP 5 · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.0.1	Business cycles (trade cycles) किसी अर्थव्यवस्था द्वारा समय की एक अवधि में अनुभव किए जाने वाले कुल आर्थिक क्रियाकलाप (aggregate economic activity) के लयबद्ध उतार-चढ़ाव (rhythmic fluctuations) हैं — समग्र व्यावसायिक गतिविधि का बारी-बारी से विस्तार (expansion) एवं संकुचन (contraction), जो कुल आर्थिक क्रियाकलाप के मापकों — जैसे gross national product (output), रोज़गार (employment) तथा आय (income) — के उतार-चढ़ाव में प्रकट होता है।	Q3, Q4, Q9, Q10	PYQ 2021-Jan, 2021-Jul; RTP 2026-Jan; MTP 2024-Dec S1, 2025-Jan S2	5.0, p. 5.3; Summary, p. 5.14
6.0.2	SM के प्रारम्भिक उदाहरण: 1920s में UK का boom (GDP, उत्पादन तथा जीवन-स्तर में तीव्र वृद्धि, जिसे assembly line जैसी नई technology ने बल दिया), तथा China की हाल की मन्दी (slowdown), जिसने विश्व के बड़े भाग में गिरावट और घबराहट (decline and panic) का एक चक्र पैदा किया — recessionary phase की शुरुआत।	Q2	PYQ 2019-Nov	5.0, p. 5.2
6.0.3	Information Technology (Dot.Com) bubble (लगभग 1997–2000) business cycle का एक उदाहरण है: 1998–99 की कम ब्याज दरों (low interest rates) तथा अति-आशावाद (over-optimism) ने internet companies के stock prices ऊपर चढ़ा दिए; 1999–2001 के दौरान bubble फूट गया और अर्थव्यवस्थाओं ने मन्दी (downturn) झेली।	Q6	RTP 2024-Sep, 2025-May	5.1 (उदाहरण — Examples), p. 5.8
6.0.4	Global Economic Crisis (2008–09) की शुरुआत US के financial markets से हुई: IT bubble फूटने के बाद US Federal Reserve ने ब्याज दरें घटाईं, जिससे भारी liquidity पैदा हुई; सस्ते credit तथा creditworthiness जाँचे बिना sub-prime परिवारों को दिए गए ऋणों ने मकानों की कीमतें (house prices) फुला दीं; 2006 में कीमतें गिरने लगीं और 2007 की दूसरी छमाही में housing bubble फूट गया।	Q5	PYQ 2022-Dec	5.1 (उदाहरण — Examples), p. 5.9
6.0.5	Subprime Crisis तथा Greece Crisis में ऊँचा financial leverage, कम ब्याज दरें तथा credit expansion समान थे — 'all of the above'। SM केवल subprime पक्ष (कम ब्याज दरें, अतिरिक्त liquidity, आसान credit) का वर्णन करता है; Greece crisis SM में नहीं है।	Q7	RTP 2024-Sep; MTP 2025-Dec S1	SM में नहीं (केवल RTP/MTP); subprime पक्ष p. 5.9 पर

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.0.6	Counter-cyclical variable समग्र आर्थिक क्रियाकलाप (aggregate economic activity) की विपरीत दिशा में चलता है — expansion में नीचे, contraction में ऊपर (जैसे unemployment); pro-cyclical variable उसी के साथ चलता है।	Q1	PYQ 2018-May	SM में नहीं (केवल PYQ)
6.0.7	Globalisation देशों के बीच तीव्र एकीकरण (rapid integration) को दर्शाता है। (SM केवल इतना कहता है कि लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएँ व्यापार के माध्यम से परस्पर जुड़ी हैं, इसलिए विश्व के एक भाग के उतार-चढ़ाव आसानी से दूसरे भागों तक पहुँच जाते हैं।)	Q8	RTP 2024-Sep	SM में नहीं (केवल RTP); तुलना करें 5.3, p. 5.13

विषय 6.1 व्यापार चक्र की अवस्थाएँ (Phase of Business Cycle)

110 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 103 · RTP 3 · MTP 24

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.1.1	एक सामान्य business cycle की चार स्पष्ट अवस्थाएँ (phases) होती हैं: (1) Expansion (इसे Boom या Upswing भी कहते हैं); (2) Peak (या boom या Prosperity); (3) Contraction (इसे Downswing या Recession भी कहते हैं); (4) Trough (या Depression)। 'Reconstruction' कोई अवस्था **नहीं** है। (एक RTP में ये चार Peak, recession, trough तथा recovery के रूप में दी गई हैं — Recovery, trough से ऊपर उठने की प्रक्रिया का SM वाला नाम है।)	Q5, Q11, Q28, Q65, Q78, Q89, Q91	PYQ 2018-Nov, 2019-May, 2020-Nov, 2023-Jun, 2025-Sep, 2026-Jan; RTP 2024-Sep	5.1, p. 5.3; Summary, pp. 5.14 – 5.15
6.1.2	क्रम: चक्र trough से आरम्भ होता है → expansion → peak → contraction → फिर trough; expansion, trough और peak के बीच होता है; peak, expansion का अन्त और contraction का आरम्भ है; peak से trough तक की अवधि contraction है — अर्थात् आर्थिक expansions के बाद contractions आते हैं।	Q24, Q81, Q82, Q100	PYQ 2019-Nov, 2020-Nov; MTP 2025-Jan S2 (×2), 2025-Aug S2	5.1, p. 5.3
6.1.3	Peak और trough चक्र के turning points (मोड़-बिन्दु) हैं (trough 'lowest turning point' है); चूँकि SM peak को 'Peak or boom' और trough को 'Trough or Depression' कहता है, इसलिए boom और depression को भी turning points कहा जाता है।	Q12, Q38, Q54, Q73	PYQ 2019-May, 2021-Jul, 2022-Dec, 2023-Dec; MTP 2024-Aug, 2025-Apr S1	5.1, pp. 5.3, 5.5 – 5.6
6.1.4	Expansion वह अवस्था है जब आर्थिक क्रियाकलाप बढ़ रहा होता है — इसकी विशेषताएँ हैं: national output, रोज़गार, aggregate demand, capital एवं consumer expenditure, बिक्री (sales), लाभ (profits), stock prices तथा bank credit में वृद्धि; कीमतें और लागतें तेज़ी से बढ़ती हैं; अच्छा net investment; उपभोक्ताओं का ऊँचा व्यय तथा व्यावसायिक विश्वास (business confidence)। बढ़ती unemployment इसकी विशेषता **नहीं** है।	Q13, Q43, Q45, Q55, Q60	PYQ 2019-May, 2021-Jul, 2021-Dec (×2), 2022-Dec, 2023-Jun	5.1, p. 5.4; Summary, p. 5.14

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.1.5	Expansion तब तक चलता है जब तक साधनों का पूर्ण रोज़गार (full employment) न हो जाए और उत्पादन अधिकतम सम्भव स्तर पर न पहुँच जाए; involuntary unemployment लगभग शून्य होती है — जो भी unemployment रहती है वह frictional (नौकरी बदलना, हड़तालें, श्रम की अपूर्ण गतिशीलता) या structural (अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तनों से उत्पन्न) होती है।	Q17, Q19, Q66, Q85	PYQ 2019-Nov (×2), 2022-Jun, 2023-Dec, 2025-May	5.1, p. 5.4
6.1.6	Peak, business cycle का शीर्ष या उच्चतम बिन्दु (अधिकतम उत्पादन) है, जो expansion की बाद की अवस्थाओं में आता है; यह expansion का अन्त है, जहाँ आर्थिक संवृद्धि थोड़े समय के लिए स्थिर होती है और फिर उलटी दिशा में चल पड़ती है।	Q16, Q18, Q46, Q102	PYQ 2019-Nov (×2), 2021-Dec; MTP 2025-Apr S1, 2025-Dec S1	5.1, p. 5.4; Summary, p. 5.15
6.1.7	Peak (prosperity) पर: inputs माँग से कम पड़ते हैं, इसलिए input prices बढ़ती हैं; output prices तेज़ी से बढ़ती हैं, जिससे जीवन-निर्वाह लागत (cost of living) तथा स्थिर आय वालों (fixed income earners) पर दबाव बढ़ता है; उपभोक्ता मकान तथा टिकाऊ वस्तुओं (durables) पर अपने व्यय की समीक्षा करते हैं; वास्तविक माँग (actual demand) ठहर जाती है।	Q21, Q40, Q48, Q92, Q95, Q108	PYQ 2019-May, 2019-Nov, 2021-Jul, 2022-Jun, 2026-Jan, 2026-May, 2026-Sep	5.1, p. 5.4
6.1.8	Contraction (Downswing/Recession): peak पर पहुँचते ही माँग में वृद्धि रुक जाती है और माँग घटने लगती है; निवेश और रोज़गार गिरते हैं; उत्पादक अर्थव्यवस्था की नब्ज़ (pulse of the economy) तुरन्त नहीं पहचान पाते और निवेश तथा उत्पादन बनाए रखते हैं, जिससे पूर्ति (supply) माँग से बहुत अधिक हो जाती है; फिर वे निवेश रोक लेते हैं तथा उपकरणों और inputs के ऑर्डर रद्द कर देते हैं, जिससे input markets में प्रतिक्रियाओं की एक शृंखला (chain of reactions) शुरू हो जाती है — यही turning point और recession का आरम्भ है।	Q7, Q9, Q22, Q30, Q63, Q76, Q98, Q103	PYQ 2018-Nov, 2019-May, 2019-Nov, 2020-Nov, 2021-Jul, 2023-Jun, 2024-Sep, 2026-May; MTP 2025-Aug S2	5.1, p. 5.5; Summary, p. 5.15
6.1.9	Recession गहराने पर: input prices गिरती हैं, मज़दूरी और ब्याज से होने वाली आय घटती है, उत्पादक inventories निकालने के लिए कीमतें घटाते हैं, उपभोक्ता ख़रीद टालते हैं और aggregate demand गिरती है, जिससे सामान्यतः कीमतें गिरती हैं; उत्पादन, रोज़गार और आय घटते हैं; bank credit सिकुड़ता है, निवेशकों का विश्वास (investor confidence) न्यूनतम होता है, stock prices गिरती हैं और मज़दूरी-दरें गिरने के बावजूद unemployment बढ़ती है। Bad trade = गिरती कीमतें और ऊँची unemployment; recession में unemployment बढ़ती है और output गिरता है।	Q26, Q33, Q71, Q83, Q88, Q90	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jan, 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2	5.1, p. 5.5; 5.0, p. 5.3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.1.10	Depression, recession का गम्भीर रूप है (इसका उलटा नहीं) तथा recession प्रक्रिया की अन्तिम अवस्था — अत्यन्त मन्द (extremely sluggish) आर्थिक क्रियाकलाप; संवृद्धि-दर ऋणात्मक (negative) हो जाती है; national income और expenditure तेज़ी से गिरते हैं; कीमतें न्यूनतम स्तर पर होती हैं; फर्में अपनी इकाइयाँ (facilities) बन्द कर देती हैं; बढ़ती हुई (rampant) unemployment के कारण उपभोक्ताओं के पास बहुत कम disposable income बचती है।	Q1, Q3, Q27, Q53, Q56, Q86, Q99	PYQ 2018-May (×2), 2020-Nov, 2022-Jun, 2022-Dec, 2025-May; MTP 2025-May S2	5.1, pp. 5.5 – 5.6; Summary, p. 5.15
6.1.11	Depression की विशिष्ट विशेषता: ब्याज दर गिरती है, इसलिए लोगों की liquid money (नकद) रखने की माँग बढ़ती है; फिर भी credit की माँग घटती है क्योंकि investor confidence गिर चुका होता है; capital तथा consumer durable goods उद्योगों में excess capacity रहती है; दिवालियापन (bankruptcies) और परिसमापन (liquidations) व्यापार घटाते हैं।	Q15, Q23, Q31, Q41, Q49	PYQ 2019-Nov (×3), 2021-Jan, 2021-Jul, 2022-Jun	5.1, pp. 5.5 – 5.6
6.1.12	Trough: depression की गहराई में सभी आर्थिक क्रियाकलाप तल को छू लेते हैं — आर्थिक क्रियाकलाप का निम्नतम बिन्दु, जहाँ उत्पादन न्यूनतम और unemployment अधिकतम होती है; trough कुछ समय तक बना रहता है और निराशावाद (pessimism) के अन्त तथा आशावाद (optimism) के आरम्भ का संकेत देता है।	Q20, Q77, Q104	PYQ 2019-Nov, 2022-Jun, 2024-Sep; MTP 2025-Dec S1	5.1, p. 5.6
6.1.13	Recovery: उलटाव (reversal) की प्रक्रिया सबसे पहले labour market में महसूस होती है — व्यापक unemployment श्रमिकों को कम मज़दूरी स्वीकार करने पर विवश करती है; उत्पादक कम लागत की आशा में फिर से निवेश करते हैं और stocks बनाते हैं; बैंक credit बढ़ाते हैं; रोज़गार और aggregate demand बढ़ने लगते हैं — depression से expansion की ओर turning point।	Q75	PYQ 2024-Sep	5.1, p. 5.6
6.1.14	अवस्थाओं की पहचान (SM के शब्दों में): Expansion — national output, रोज़गार, माँग, capital एवं consumer expenditure में वृद्धि; Contraction — निवेश और रोज़गार में गिरावट तथा माँग और पूर्ति में असन्तुलन (mismatch); Depression (Trough) — अत्यन्त मन्द (extremely sluggish) आर्थिक क्रियाकलाप; Recovery — रोज़गार बढ़ता है और expansion होता है।	Q110	PYQ 2026-Sep	5.1, pp. 5.4 – 5.6
6.1.15	Business cycles के turning points का पूर्वानुमान लगाना बहुत कठिन है; अर्थशास्त्री चक्र को मापने और अर्थव्यवस्था किस दिशा में जा रही है इसका पूर्वानुमान लगाने के लिए विभिन्न गतिविधियों में होने वाले परिवर्तनों का प्रयोग करते हैं — जिन्हें indicators कहते हैं। तीन प्रकार: leading, lagging तथा coincident (concurrent)।	Q47	PYQ 2021-Dec; MTP 2025-May S2, 2025-Aug S1	5.1, pp. 5.6 – 5.7

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.1.16	Leading indicator एक मापने योग्य आर्थिक कारक है जो अर्थव्यवस्था के किसी विशेष pattern या trend का अनुसरण आरम्भ करने से पहले बदलता है — वे variables जो real output बदलने से पहले बदलते हैं, प्राय: बड़े आर्थिक समायोजनों (economic adjustments) से पहले (व्यापक रूप से प्रयुक्त, किन्तु सदैव सटीक नहीं)।	Q8, Q34, Q37, Q61, Q67	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Jul, 2023-Jun, 2023-Dec	5.1, p. 5.7; Summary, p. 5.15
6.1.17	Leading indicators (upturns/downturns के पूर्व-संकेत — precursors): stock prices, profit margins एवं profits में परिवर्तन, housing, interest rates तथा prices जैसे सूचकांक (indices); consumer goods के नए ऑर्डरों का मूल्य, plant and equipment के नए ऑर्डर, निजी मकानों के building permits, धीमी deliveries, index of consumer confidence तथा money growth rate।	Q4, Q52, Q69, Q79, Q101, Q109	PYQ 2018-May, 2022-Jun, 2023-Dec, 2025-Jan, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S1	5.1, p. 5.7
6.1.18	Lagging indicators अर्थव्यवस्था के ऐतिहासिक प्रदर्शन को दर्शाते हैं — वे variables जो real output बदलने के बाद बदलते हैं; यदि leading indicators business cycles के आरम्भ का संकेत देते हैं, तो lagging indicators इन प्रवृत्तियों (trends) की पुष्टि करते हैं।	Q39, Q50, Q57, Q62, Q70, Q74, Q80	PYQ 2021-Jul, 2022-Jun, 2022-Dec, 2023-Jun, 2024-Jun, 2025-Jan; MTP 2024-Aug	5.1, p. 5.7; Summary, p. 5.15
6.1.19	Lagging indicators: unemployment, corporate profits, labour cost per unit of output, interest rates, consumer price index तथा commercial lending activity। Stock prices में परिवर्तन leading हैं; personal income, coincident है।	Q58, Q64, Q72, Q93, Q96, Q109	PYQ 2022-Dec, 2023-Jun, 2026-Jan, 2026-May, 2026-Sep; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2, 2025-Dec S1	5.1, p. 5.7
6.1.20	Coincident indicators — जिन्हें concurrent indicators भी कहते हैं — business-cycle की गतियों के साथ-साथ (एक ही समय पर) घटित होते हैं, चक्र की वर्तमान स्थिति बताते हैं, और expansion या contraction की परिवर्तन-दर (rate of change) की जानकारी लगभग उसी समय देते हैं जब वह घटित होता है।	Q25, Q35, Q42, Q44, Q51, Q59, Q87	PYQ 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Jul, 2021-Dec, 2022-Jun, 2023-Jun, 2025-May	5.1, pp. 5.7 – 5.8; Summary, p. 5.15
6.1.21	Coincident indicators: Gross Domestic Product, industrial production, inflation, personal income, retail sales तथा stock market prices जैसी financial market trends। Plant and equipment के नए ऑर्डर (leading) और interest rates (lagging) coincident **नहीं** हैं।	Q14, Q29, Q68, Q84, Q94, Q109	PYQ 2019-Nov, 2020-Nov, 2023-Dec, 2026-May, 2026-Sep; RTP 2025-Jan, 2025-Sep	5.1, pp. 5.7 – 5.8
6.1.22	Great Depression: 20वीं शताब्दी की सबसे लम्बी, सबसे गहरी और सबसे व्यापक depression, 1930s में (1929–33); यह US में आरम्भ होकर विश्वव्यापी हो गई (1929 और 1932 के बीच global GDP लगभग 15% गिरा)। Keynes ने इसका दोष कम aggregate expenditure को दिया; monetarists ने banking crisis तथा **कम** money supply को (excess money supply को नहीं); recovery 1933 में आरम्भ हुई।	Q2, Q6, Q10, Q36	PYQ 2018-May, 2018-Nov (×2), 2019-May, 2021-Jan; MTP 2025-Apr S1 (×2)	5.1, pp. 5.6, 5.8
6.1.23	Stagflation निम्न संवृद्धि-दर (low rate of growth) तथा सामान्य मूल्य-स्तर (general price level) में वृद्धि का संयोजन है।	Q105	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.1.24	Recession को सामान्यतः real GDP में ऐसी गिरावट के रूप में परिभाषित किया जाता है जो छह महीने या उससे अधिक समय तक बनी रहे (SM ऐसी कोई समय-कसौटी नहीं देता — केवल गिरते निवेश, रोज़गार, उत्पादन और कीमतों की बात करता है)।	Q106	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)
6.1.25	*विषय 6.3 देखें: expansionary fiscal policy (अधिक सरकारी व्यय और/या करों में कटौती) aggregate demand बढ़ाती है — इसलिए यह contraction phase के लिए उपयुक्त है।*	Q97	PYQ 2026-May	5.3, p. 5.11
6.1.26	*विषय 6.3 देखें: Keynes के अनुसार आर्थिक क्रियाकलाप के उतार-चढ़ाव aggregate effective demand के उतार-चढ़ाव के कारण होते हैं — अपर्याप्त माँग का अर्थ है कम output, आय और रोज़गार (involuntary unemployment वाला सम्बन्ध MTP का है; SM के शब्द नहीं)।*	Q107	MTP 2026-Apr S1	5.3, pp. 5.10 – 5.11
6.1.27	*विषय 6.4 देखें: जिन व्यवसायों का भाग्य आर्थिक संवृद्धि की दर से निकटता से जुड़ा होता है, वे 'cyclical' businesses हैं।*	Q32	PYQ 2021-Jan	5.4, p. 5.14

विषय 6.2 व्यापार चक्र के लक्षण (Features of Business Cycle)

23 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 18 · RTP – · MTP 12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.2.1	Business cycles समय-समय पर आते हैं (वे आवर्ती — recurrent — हैं) परन्तु उनमें एक-सी नियमितता नहीं होती — वे नियमित अन्तराल पर नहीं आते; विभिन्न चक्र अवधि (duration) और तीव्रता (intensity) में भिन्न होते हैं; अवस्थाओं में शायद ही कभी सहजता और नियमितता दिखती है और प्रत्येक अवस्था की लम्बाई निश्चित नहीं होती; कोई भी अर्थव्यवस्था पूर्णतः समयबद्ध चक्र का पालन नहीं करती — कुछ में booms लम्बे होते हैं, कुछ में depressions।	Q12, Q13, Q14, Q16, Q18, Q19, Q21, Q22, Q23	PYQ 2023-Dec (×3), 2025-Jan, 2025-May, 2025-Sep, 2026-Sep; MTP 2026-Apr S2, 2026-Apr S1	5.2 (a)–(b), p. 5.9; 5.0, p. 5.3; 5.1, p. 5.6
6.2.2	लक्षण: समय-समय पर (periodically) आते हैं; expansion, peak, contraction और trough की स्पष्ट अवस्थाएँ होती हैं; सामान्यतः free market economies में उत्पन्न होते हैं; व्यापक (pervasive) होते हैं — एक या अधिक क्षेत्रों (sectors) की गड़बड़ी आसानी से अन्य सभी क्षेत्रों तक पहुँच जाती है।	Q3, Q4, Q5, Q11, Q15	PYQ 2018-Nov, 2019-May, 2020-Nov, 2023-Jun; MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1 (×2), 2025-Dec S1	5.2 (a)–(c), p. 5.9
6.2.3	Business cycles अत्यन्त जटिल घटनाएँ (complex phenomena) हैं; इनकी विशेषताएँ और कारण एक-समान (uniform) **नहीं** होते — ये विभिन्न कारकों से उत्पन्न होते हैं, इसलिए घटित होने से पहले इनका सटीक पूर्वानुमान कठिन है। समाज के कल्याण (well-being) पर इनके गम्भीर परिणाम होते हैं।	Q6, Q8, Q9, Q11	PYQ 2021-Jan, 2021-Jul, 2021-Dec, 2023-Jun; MTP 2025-Apr S1	5.2 (e) and (h), pp. 5.9 – 5.10

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.2.4	Business cycles संक्रामक (contagious) तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप के होते हैं: ये एक देश में आरम्भ होकर अधिकांशत: व्यापारिक सम्बन्धों के माध्यम से दूसरे देशों में फैल जाते हैं (जैसे 1930s की Great Depression); व्यापार के माध्यम से अर्थव्यवस्थाओं के परस्पर जुड़े होने के कारण वित्तीय व्यवधान (financial disruptions) आसानी से एक देश से दूसरे देश तक पहुँच जाते हैं।	Q2, Q7, Q9, Q10, Q17	PYQ 2018-Nov, 2021-Jan, 2021-Dec, 2022-Jun; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	5.2 (g), p. 5.10; 5.3, p. 5.13
6.2.5	Business cycles के प्रभाव (repercussions) लगभग सभी आर्थिक variables पर एक साथ (simultaneously) महसूस होते हैं — output, रोज़गार, निवेश, उपभोग, ब्याज, व्यापार तथा मूल्य-स्तर (इसलिए 'asynchronous' इसका लक्षण **नहीं** है)।	Q10, Q20	PYQ 2022-Jun; MTP 2025-Apr S1 (×2), 2025-Dec S1	5.2 (f), p. 5.10
6.2.6	सभी क्षेत्र प्रभावित होते हैं, परन्तु capital goods उद्योग तथा durable consumer goods उद्योग असमानुपातिक रूप से (disproportionately) अधिक प्रभावित होते हैं; कृषि की तुलना में औद्योगिक क्षेत्र trade cycles के प्रति अधिक संवेदनशील (prone) है।	Q1	PYQ 2018-May; MTP 2025-Aug S2	5.2 (d), p. 5.9

विषय 6.3 व्यापार चक्र के कारण (Causes of Business Cycles)

38 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 36 · RTP 1 · MTP 8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.3.1	आन्तरिक कारण (internal causes — endogenous factors): effective demand में उतार-चढ़ाव; investment में उतार-चढ़ाव; सरकारी व्यय (government spending) में परिवर्तन; macroeconomic (monetary एवं fiscal) policies; money supply; मनोवैज्ञानिक कारक (psychological factors)। Natural factors, technology shocks, population growth तथा post-war reconstruction आन्तरिक कारण **नहीं** हैं।	Q3, Q5, Q10, Q13, Q20, Q23, Q29, Q33, Q36, Q38	PYQ 2018-Nov (×2), 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jul, 2023-Jun, 2023-Dec, 2025-Jan, 2026-May, 2026-Sep; MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S2, 2026-Apr S1	5.3, pp. 5.10 – 5.12
6.3.2	बाह्य कारण (external causes — exogenous factors): युद्ध (war); post-war reconstruction; technology shocks; natural factors; population growth। Effective demand में उतार-चढ़ाव, money supply, government spending, macro policies तथा psychological factors बाह्य कारण **नहीं** हैं।	Q2, Q8, Q21, Q22, Q24, Q27	PYQ 2018-Nov, 2019-Nov, 2022-Dec, 2023-Jun, 2023-Dec, 2024-Jun; RTP 2024-Sep	5.3, pp. 5.10, 5.12 – 5.13
6.3.3	Keynes: आर्थिक क्रियाकलापों के उतार-चढ़ाव aggregate effective demand (ख़रीदने की इच्छा एवं क्षमता — willingness and ability to buy) के उतार-चढ़ाव के कारण होते हैं — ऊँची aggregate demand से output, आय और रोज़गार बढ़ते हैं (और यदि यह aggregate supply से आगे निकल जाए तो inflation उत्पन्न होता है); कम aggregate demand इन्हें घटाती है।	Q16, Q17	PYQ 2021-Dec, 2022-Dec; MTP 2025-Apr S1	5.3, pp. 5.10 – 5.11; Summary, p. 5.15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.3.4	कुछ अर्थशास्त्रियों के अनुसार investment में उतार-चढ़ाव business cycles का प्रमुख कारण हैं — investment spending, aggregate demand का सबसे अस्थिर (most volatile) घटक है, जो उद्यमियों की लाभ-प्रत्याशाओं (profit expectations), नए आविष्कारों तथा ब्याज दर (rate of interest) के साथ बदलता है।	Q6	PYQ 2019-May	5.3, p. 5.11
6.3.5	Macroeconomic (monetary एवं fiscal) policies aggregate demand में परिवर्तन करके चक्र उत्पन्न करती हैं: expansionary policies (अधिक सरकारी व्यय, करों में कटौती, नरम ब्याज दरें) booms लाती हैं; anti-inflationary उपाय (सरकारी व्यय में कमी, ऊँचे कर और ब्याज दरें) aggregate demand पर नीचे की ओर दबाव डालते हैं और अर्थव्यवस्था को धीमा कर देते हैं, सम्भवतः recession तक।	Q31, Q37	PYQ 2025-Sep; MTP 2026-Apr S1	5.3, p. 5.11
6.3.6	Hawtrey: trade cycle एक विशुद्ध मौद्रिक घटना (purely monetary phenomenon) है — money supply में अनियोजित परिवर्तन उतार-चढ़ाव उत्पन्न करते हैं (अधिक मुद्रा → expansion; कम मुद्रा → recession)। Monetarists ने भी इसी प्रकार Great Depression का दोष कम money supply को दिया।	Q1, Q12, Q15, Q19	PYQ 2018-May, 2021-Jan, 2021-Dec, 2022-Dec; MTP 2025-Aug S2	5.3, pp. 5.11 – 5.12; 5.1, p. 5.8
6.3.7	Pigou: आधुनिक व्यावसायिक गतिविधियाँ व्यावसायिक समुदाय की प्रत्याशाओं (anticipations) पर आधारित होती हैं और आशावाद या निराशावाद (optimism or pessimism) की लहरों से प्रभावित होती हैं — उतार-चढ़ाव मन की इन्हीं मनोवैज्ञानिक अवस्थाओं का परिणाम हैं; optimism → investment एवं expansion; pessimism → सीमित investment एवं contraction।	Q7, Q9, Q11, Q14, Q28	PYQ 2019-May, 2020-Nov, 2021-Jan, 2021-Jul, 2025-Jan	5.3, p. 5.12
6.3.8	सिद्धान्तकार-मानचित्र (theorist map): Hawtrey — money supply; Pigou — psychological factors; Schumpeter — innovations (समय-समय पर होने वाले innovations के परिणामस्वरूप trade cycles आते हैं); Keynes — effective aggregate demand। ('Pigou — fluctuations in investment' असत्य है।)	Q4, Q18, Q25	PYQ 2018-Nov, 2021-Jan, 2022-Dec, 2024-Jun	5.3, pp. 5.10 – 5.12; Summary, p. 5.15
6.3.9	Nicholas Kaldor ने cobweb theory प्रतिपादित की: वर्तमान कीमतें किसी भावी तिथि के उत्पादन को काफ़ी प्रभावित करती हैं, इसलिए वर्तमान कीमतों के उतार-चढ़ाव बाद में output और रोज़गार में उतार-चढ़ाव उत्पन्न करते हैं।	Q34, Q35	MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S2	5.3, p. 5.12
6.3.10	युद्ध (war): युद्ध-सामग्री (weapons, arms) का उत्पादन बढ़ता है और अधिकांश साधन उसी की ओर मोड़ दिए जाते हैं, जिससे capital एवं consumer goods का उत्पादन घटता है — आय, लाभ और रोज़गार में गिरावट, जो contraction को जन्म देती है।	Q26	PYQ 2024-Sep	5.3, p. 5.12
6.3.11	Post-war reconstruction (एक बाह्य कारण): युद्ध के बाद देश मकानों, सड़कों और पुलों का पुनर्निर्माण करता है, जिससे effective demand, output, रोज़गार और आय बढ़ते हैं।	Q30	PYQ 2025-May	5.3, p. 5.12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.3.12	Technology shocks (बाह्य): बढ़ती technology के लिए भारी निवेश चाहिए, जिससे रोज़गार, आय और लाभ बढ़ते हैं — जैसे mobile phones के आगमन से telecom industry में boom आया।	Q32	PYQ 2025-Sep	5.3, p. 5.12
6.3.13	Natural factors (exogenous): मौसम-चक्र (weather cycles) — सूखा या अत्यधिक बाढ़ — कृषि उत्पादन और कृषि-आय घटाते हैं, जिससे औद्योगिक वस्तुओं की माँग घटती है और सम्भवतः औद्योगिक recession आ जाती है, विशेषकर कृषि-प्रधान (agrarian) अर्थव्यवस्थाओं में।	Q21	PYQ 2022-Dec, 2023-Jun	5.3, p. 5.13

विषय 6.4 व्यावसायिक निर्णयों में व्यापार चक्र की प्रासंगिकता (Relevance of Business Cycles in Business Decision Making)

10 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
6.4.1	जिन व्यवसायों का भाग्य आर्थिक संवृद्धि की दर से निकटता से जुड़ा है, वे 'cyclical' businesses हैं — fashion retailers, electrical goods, house-builders, restaurants, advertising, overseas tour operators, construction तथा अन्य infrastructure फर्में: boom में तेज़ माँग, मन्दी (slump) में तीव्र गिरावट। कृषि (agriculture) और washing powder इस सूची में नहीं हैं।	Q1, Q2, Q3, Q5, Q6 (+ 6.1 Q32)	PYQ 2018-Nov, 2021-Jan, 2022-Jun, 2022-Dec, 2023-Dec, 2024-Sep	5.4, p. 5.14
6.4.2	Business cycles सभी क्षेत्रों को एक-समान प्रभावित नहीं करते — कुछ व्यवसायों को मन्दी (downturn) से वास्तव में लाभ होता है, जब उनके उत्पाद value for money या सस्ता विकल्प (cheaper alternative) माने जाते हैं; इसलिए recession में सभी उत्पादक प्रभावित **नहीं** होते।	Q7	MTP 2025-Jan S2	5.4, p. 5.14
6.4.3	Capital goods तथा durable consumer goods उद्योग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं (उत्पादन सबसे अस्थिर); food-grain processing जैसी कृषि-आधारित आवश्यक वस्तुएँ (necessities) कम संवेदनशील हैं (यह SM से निकाला गया निष्कर्ष है, जो केवल सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों के नाम देता है)।	Q4, Q10	PYQ 2023-Jun; MTP 2026-Apr S1	5.2 (d), p. 5.9
6.4.4	Business cycle की अवस्था (phase) बाज़ार में प्रवेश (market entry) का निर्णय लेने वाले नए व्यवसाय के लिए महत्त्वपूर्ण है तथा नए उत्पाद के launch की सफलता का एक महत्त्वपूर्ण निर्धारक है; विस्तार (expansion) या down-sizing के निर्णयों के लिए चक्र की अवस्था निर्णायक है।	Q9	MTP 2026-Apr S2	5.4, pp. 5.13 – 5.14
6.4.5	*विषय 6.3 देखें: Pigou के अनुसार आधुनिक व्यावसायिक गतिविधियाँ व्यावसायिक समुदाय की प्रत्याशाओं (anticipations — expectations) पर आधारित होती हैं।*	Q8	PYQ 2026-Jan	5.3, p. 5.12

भाग B — अध्याय 6 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 74% प्रश्नों को कवर करती हैं।

व्यापार चक्र (Business Cycles) (SM अध्याय 5)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	1920s में UK का boom; China की मन्दी (slowdown) → विश्वभर में गिरावट और घबराहट का चक्र (recession की शुरुआत)।	★	6.0.2
2	Business/trade cycle = समय के साथ aggregate economic activity के लयबद्ध उतार-चढ़ाव; GNP, रोज़गार, आय से मापा जाता है।	★★	6.0.1
3	**Good trade = बढ़ती कीमतें, कम unemployment; bad trade = गिरती कीमतें, ऊँची unemployment।**	★★★	6.1.9
4	**चार अवस्थाएँ: Expansion (boom/upswing) · Peak (boom/prosperity) · Contraction (downswing/recession) · Trough (depression)। 'reconstruction' नहीं।**	★★★	6.1.1
5	Trough → expansion → peak → contraction → trough; expansions के बाद contractions आते हैं; peak से contraction आरम्भ होता है।	★★	6.1.2
6	**Turning points = peak और trough (boom और depression)।**	★★★	6.1.3
7	**Expansion: output, रोज़गार, AD, capital एवं consumer expenditure, sales, profits, stock prices, bank credit — सभी बढ़ते हैं।**	★★★	6.1.4
8	Expansion: involuntary unemployment लगभग शून्य; केवल frictional या structural unemployment।	★★	6.1.5
9	Peak = उच्चतम बिन्दु, अधिकतम उत्पादन, expansion की बाद की अवस्था; संवृद्धि स्थिर होती है, फिर उलट जाती है।	★★	6.1.6
10	**Peak: input और output prices बढ़ती हैं, cost of living ऊपर, fixed income earners पर दबाव; actual demand ठहर जाती है।**	★★★	6.1.7
11	**Contraction: माँग में वृद्धि रुकती है; निवेश और रोज़गार गिरते हैं; supply माँग से बहुत अधिक; ऑर्डर रद्द → recession का आरम्भ।**	★★★	6.1.8
12	**Recession गहराती है: कीमतें गिरती हैं, unemployment बढ़ती है, output गिरता है, bank credit सिकुड़ता है, stock prices गिरती हैं।**	★★★	6.1.9
13	**Depression = recession का गम्भीर रूप: negative growth, national income और expenditure में तीव्र गिरावट, rampant unemployment।**	★★★	6.1.10
14	**Depression: ब्याज दर गिरती है, liquidity preference बढ़ती है; capital एवं durable goods उद्योगों में excess capacity।**	★★★	6.1.11
15	Trough = निम्नतम बिन्दु: pessimism का अन्त, optimism का आरम्भ।	★★	6.1.12
16	Recovery: उलटाव (reversal) सबसे पहले labour market में महसूस होता है; depression से expansion की ओर turning point।	★	6.1.13, 6.1.14

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
17	**Great Depression 1930s (1929–33): US में आरम्भ; Keynes → कम aggregate expenditure; monetarists → कम money supply।**	★★★	6.1.22
18	IT/Dot.Com bubble 1997–2000, 2000 में फूटा; US housing bubble 2007 की दूसरी छमाही में फूटा → 2008–09 का संकट।	★★	6.0.3, 6.0.4
19	Turning points का पूर्वानुमान कठिन → indicators: leading, lagging, coincident।	★★	6.1.15
20	**Leading = real output से पहले बदलते हैं (upturns और downturns के पूर्व-संकेत)।**	★★★	6.1.16
21	**Leading उदाहरण: stock prices, consumer goods तथा plant & equipment के नए ऑर्डर, building permits, consumer confidence, money growth।**	★★★	6.1.17
22	**Lagging = real output के बाद बदलते हैं; इतिहास दर्शाते हैं; trends की पुष्टि करते हैं।**	★★★	6.1.18
23	**Lagging उदाहरण: unemployment, corporate profits, labour cost per unit of output, interest rates, CPI, commercial lending।**	★★★	6.1.19
24	**Coincident = concurrent: चक्र के साथ चलते हैं; वर्तमान स्थिति और परिवर्तन-दर बताते हैं।**	★★★	6.1.20
25	**Coincident उदाहरण: GDP, industrial production, inflation, personal income, retail sales, financial market trends।**	★★★	6.1.21
26	**लक्षण: आवधिक (periodic) परन्तु नियमित नहीं; अवधि, तीव्रता और अवस्था की लम्बाई बदलती रहती है।**	★★★	6.2.1
27	**लक्षण: चार स्पष्ट अवस्थाएँ; free market economies में उत्पन्न; व्यापक (pervasive)।**	★★★	6.2.2
28	जटिल; एक-समान विशेषताएँ या कारण नहीं; पूर्वानुमान कठिन; समाज के कल्याण पर गम्भीर परिणाम।	★★	6.2.3
29	**संक्रामक (contagious) एवं अन्तर्राष्ट्रीय; व्यापार के माध्यम से फैलते हैं; प्रभाव लगभग सभी variables पर एक साथ।**	★★★	6.2.4, 6.2.5, 6.0.7
30	Capital goods तथा durable consumer goods पर सबसे गहरी चोट; कृषि की तुलना में उद्योग अधिक संवेदनशील।	★★	6.2.6, 6.4.3
31	**आन्तरिक (endogenous): effective demand, investment, सरकारी व्यय, macro policies, money supply, psychological factors।**	★★★	6.3.1
32	**बाह्य (exogenous): war, post-war reconstruction, technology shocks, natural factors, population growth।**	★★★	6.3.2
33	Keynes → aggregate effective demand; 'some economists' → investment (AD का सबसे अस्थिर घटक)।	★★	6.3.3, 6.3.4
34	Expansionary policy → boom; anti-inflationary (सरकारी व्यय में कमी, ऊँचे कर और ब्याज दरें) → मन्दी (slowdown)।	★★	6.3.5, 6.1.25
35	**Hawtrey → विशुद्ध मौद्रिक (money supply); Pigou → मनोविज्ञान (optimism/pessimism); Schumpeter → innovations; Kaldor → cobweb।**	★★★	6.3.6, 6.3.7, 6.3.8, 6.3.9

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
36	War साधनों को हथियारों की ओर मोड़ता है → contraction; reconstruction → माँग बढ़ती है; mobile phones → telecom boom; सूखा/बाढ़ → कृषि-प्रधान (agrarian) मन्दी।	★★	6.3.10, 6.3.11, 6.3.12, 6.3.13
37	**Cyclical businesses (चक्रीय व्यवसाय): fashion retail, electrical goods, house-building, restaurants, advertising, overseas tours, construction।**	★★★	6.4.1
38	मन्दी (slump) में सभी फर्मों को हानि नहीं होती — value-for-money तथा सस्ते विकल्प लाभ पा सकते हैं।	★	6.4.2
39	चक्र की अवस्था से market entry, नए उत्पाद का launch, तथा expansion बनाम down-sizing तय होते हैं।	★	6.4.4
40	SM से बाहर: counter-cyclical variable; stagflation = कम संवृद्धि + बढ़ती कीमतें; recession = real GDP में 6+ महीने तक गिरावट।	★★	6.0.6, 6.1.23, 6.1.24

अध्याय 7

लोक वित्त (Public Finance)

259 Scanner प्रश्न · 174 One-liners · 86 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: राजकोषीय कार्य — एक अवलोकन, तथा केन्द्र एवं राज्य का वित्त (Fiscal Functions: An Overview, Centre and State Finance)

SM अध्याय 7, इकाई 1, पृष्ठ 7.1 – 7.18

विषय 1.2 आर्थिक प्रणाली में सरकार की भूमिका (The Role of Government in an Economic System)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP 1 · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	Richard Musgrave ने 'The Theory of Public Finance' (1959) में market economy में सरकार की भूमिका का three-branch taxonomy (त्रि-शाखीय वर्गीकरण) प्रस्तुत किया: resource allocation (कुशलता सुनिश्चित करने हेतु), income redistribution (निष्पक्षता की गारण्टी हेतु) तथा macroeconomic stabilisation (मूल्य-स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु)।	Q2, Q5, Q7	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep; MTP 2025-Jan S2, 2025-May S2, 2025-Aug S2, 2026-Apr S2	1.2, p. 7.4
1.2.2	Allocation तथा distribution functions मुख्यत: microeconomic functions हैं, जबकि stabilisation एक macroeconomic function है।	Q1	PYQ 2024-Jun	1.2, p. 7.4
1.2.3	Adam Smith के canons of taxation में canon of equity (साथ में certainty, convenience तथा economy) शामिल हैं; canons of productivity, diversity आदि बाद में जोड़े गए। SM की यह इकाई Smith का उल्लेख केवल रक्षा (defence), न्याय (justice) तथा public works में राज्य (State) की भूमिका के लिए करती है।	Q3	RTP 2024-Sep	SM में नहीं (केवल RTP)
1.2.4	Economic Survey वित्त मन्त्रालय (Ministry of Finance), Government of India द्वारा प्रकाशित किया जाता है।	Q4	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
1.2.5	*विषय 1.5 देखें: Finance Commission (Article 280) fiscal federalism के केन्द्र में स्थित संवैधानिक निकाय है, जो union और states के बीच संसाधनों के बँटवारे से सम्बन्धित है।*	Q6	MTP 2026-Apr S2	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), pp. 7.12 – 7.13

विषय 1.3 आवंटन कार्य (The Allocation Function)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 4 · Model Q 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.1	Resource allocation का अर्थ है कि उपलब्ध संसाधनों या उत्पादन के साधनों (factors of production) को उनके विभिन्न सम्भावित उपयोगों में किस प्रकार बाँटा जाता है; यह एक गम्भीर समस्या है क्योंकि संसाधन सीमित हैं जबकि आवश्यकताएँ असीमित हैं।	MQ 1.3: Q1	Model Q	1.3, p. 7.5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.2	निजी क्षेत्र (private sector) का आवंटन बाज़ार की माँग एवं पूर्ति (market supply and demand) तथा price mechanism से होता है, जो consumer sovereignty और उत्पादकों के लाभ-उद्देश्य (producer profit motives) से निर्धारित होता है; राज्य (State) का आवंटन बजट के राजस्व एवं व्यय (revenue and expenditure) के माध्यम से होता है। वास्तविक जगत में आवंटन बाज़ार और सरकार दोनों द्वारा निर्धारित होता है।	Q1, Q3; MQ 1.3: Q2	PYQ 2024-Jun; MTP 2025-Aug S1, 2025-Aug S2; Model Q	1.3, p. 7.5
1.3.3	Allocation function का उद्देश्य आर्थिक प्रणाली में अकुशलता (inefficiency) के स्रोतों को सुधारना है: market failures (monopoly power, public goods, merit goods, common property resources, externalities, factor immobility, imperfect information, inequalities) ही सरकार के allocative function का औचित्य (rationale) प्रदान करते हैं।	Q4	MTP 2026-Apr S1	1.2, p. 7.4; 1.3, pp. 7.5 – 7.6
1.3.4	Allocation के उपकरण (instruments): किसी economic good का प्रत्यक्ष उत्पादन (जैसे बिजली, सार्वजनिक परिवहन), price mechanism के माध्यम से taxes और subsidies, कानून एवं बल-प्रयोग (legislation and force — single-use plastic पर प्रतिबन्ध), competition एवं merger policies, नियामक गतिविधियाँ (licensing, controls, minimum wages) तथा legal frameworks।	Q2	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-Jan S2	1.3, p. 7.7

विषय 1.4 पुनर्वितरण कार्य (The Redistribution Function)

11 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 3 · Model Q 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.1	बाज़ार पर छोड़ देने पर आय और सम्पत्ति (income and wealth) का वितरण असन्तुलित (skewed) होने की सम्भावना रहती है, इसलिए सरकार अधिक सामाजिक रूप से इष्टतम एवं समतावादी (egalitarian) वितरण सुनिश्चित करने हेतु हस्तक्षेप करती है; distributive function अर्थव्यवस्था के इस मूल प्रश्न से सम्बन्धित है कि उत्पादन 'for whom' (किसके लिए) किया जाए।	Q6; MQ 1.4: Q1	PYQ 2026-Sep; Model Q	1.4, p. 7.8
1.4.2	Redistribution बजट के दोनों पक्षों से होता है, केवल taxation से नहीं: व्यय पक्ष (expenditure side) पर निःशुल्क या subsidised शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आवास, भोजन एवं मूलभूत वस्तुएँ; राजस्व पक्ष (revenue side) पर progressive taxation।	Q2, Q6	PYQ 2025-Sep, 2026-Sep	1.4, p. 7.8
1.4.3	Progressive taxation में आय बढ़ने के साथ tax rate बढ़ती है, इसलिए अधिक आय वाले (जिनकी ability to pay अधिक है) बड़ा हिस्सा वहन करते हैं — यह redistribution का revenue-side उपकरण है।	Q1; MQ 1.4: Q2; MQ 1.13: Q3	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-Apr S1; Model Q ×2	1.4, p. 7.8 (rate की परिभाषा: केवल Model Q)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.4	Distribution function का उद्देश्य परिवारों (households) के बीच समाज के उत्पादन (societal output) का न्यायसंगत (equitable) वितरण है — वंचितों का कल्याण बढ़ाना, आय, सम्पत्ति एवं अवसरों की समानता देना, तथा प्रत्येक व्यक्ति के लिए न्यूनतम जीवन-स्तर के साथ मूलभूत आवश्यकताओं की सुरक्षा।	Q6; MQ 1.13: Q1	PYQ 2026-Sep; Model Q	1.4, p. 7.8; 2.13, p. 7.40
1.4.5	Progressive taxes से प्राप्त राशि का उपयोग BPL परिवारों को अत्यधिक subsidised मूल्यों पर आवश्यक खाद्यान्न उपलब्ध कराने में करना redistribution function का उदाहरण है।	Q2	PYQ 2025-Sep	1.4, p. 7.8
1.4.6	Redistribution की efficiency costs या deadweight losses होती हैं: धनी वर्ग पर ऊँची tax दरें उद्यमशीलता (entrepreneurship) और कार्य के प्रति हतोत्साहन (disincentive) बन सकती हैं तथा बचत, निवेश एवं जोखिम उठाने को हतोत्साहित कर सकती हैं — इसलिए equity और efficiency में सन्तुलन आवश्यक है।	Q3	PYQ 2026-Jan	1.4, p. 7.9
1.4.7	आधुनिक राज्य एक welfare state है: अधिकांश समतावादी (egalitarian) welfare states निःशुल्क या subsidised शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, unemployment benefits, pensions तथा अन्य social security प्रदान करते हैं; राज्य (State) का प्राथमिक लक्ष्य समाज के सामान्य कल्याण (general welfare) को बढ़ावा देना है।	Q4	MTP 2025-May S2	1.1, p. 7.2; 1.4, p. 7.9
1.4.8	आय और सम्पत्ति का असमान (inequitable) वितरण प्रायः अधिक गरीबी और सामाजिक अशान्ति (social unrest) को जन्म देता है।	MQ 1.13: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
1.4.9	*विषय 1.5 देखें: fiscal federalism में vertical equity का अर्थ है केन्द्र द्वारा एकत्रित राजस्व में सभी राज्यों का हिस्सा तय करना (centre–state revenue sharing); horizontal equity उस हिस्से का राज्यों के बीच आवंटन है।*	Q5	MTP 2026-Apr S2	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.13

विषय 1.5 स्थिरीकरण कार्य (Stabilization Function)

31 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 14 · RTP 5 · MTP 11 · Model Q 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.1	Macroeconomic stability तब होती है जब output उत्पादन-क्षमता (production capacity) के बराबर हो, कुल व्यय (total spending) कुल output के बराबर हो, श्रम का पूर्ण रोज़गार हो और inflation निम्न एवं स्थिर हो; stabilisation function उतार-चढ़ाव (fluctuations) के विरुद्ध सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था (employment, output, prices, balance of payments, growth) को स्थिर करने का सरकारी प्रयास है।	MQ 1.5: Q1	Model Q	1.5, pp. 7.9 – 7.10
1.5.2	Stagflation वह स्थिति है जिसमें inflation और unemployment साथ-साथ विद्यमान होते हैं; 'contagion effect' एक देश से दूसरे देशों में अस्थिरता का आसानी से फैलना है।	Q12	PYQ 2026-Jan	1.5, p. 7.10

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.3	Stabilisation function, fiscal policy के प्रमुख कार्यों में से एक है और इसका उद्देश्य संसाधनों के suboptimal allocation से उत्पन्न macroeconomic fluctuations को समाप्त करना है।	Q9	PYQ 2025-May	1.5, p. 7.10
1.5.4	Stabilisation, monetary policy (money supply और interest rates पर नियन्त्रण — central bank) के साथ-साथ fiscal policy (government expenditure और taxation) के माध्यम से भी हो सकता है।	Q6; MQ 1.2: Q1; MQ 1.3: Q1	MTP 2024-Dec S1; Model Q ×2	1.5, p. 7.10
1.5.5	ऊँची inflation पर नियन्त्रण हेतु: contractionary fiscal policy — government expenditure घटाना और/या taxes बढ़ाना — तथा money supply घटाना; मन्दी (recession) में: व्यय बढ़ाना, taxes घटाना, money supply बढ़ाना। Interest rates बढ़ाना monetary उपाय है, fiscal नहीं।	Q22; MQ 1.2: Q1; MQ 1.5: Q2	RTP 2025-Sep; Model Q ×2	1.5, p. 7.11
1.5.6	Progressive taxes, automatic stabilisers का कार्य करते हैं: बिना किसी नए नीतिगत निर्णय के, तेज़ी (booms) में tax collections आय से अधिक तेज़ी से बढ़ते हैं और मन्दी (recessions) में घटते हैं।	Q25	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
1.5.7	*विषय 1.1 देखें: किसी भी राष्ट्र के तीन मुख्य macroeconomic लक्ष्य हैं — economic growth, रोज़गार का ऊँचा स्तर (high levels of employment) तथा स्थिर price levels (universal education इनमें से एक नहीं है)।*	Q13	PYQ 2026-Jan	1.1, p. 7.3
1.5.8	Fiscal federalism — Richard Musgrave द्वारा प्रस्तुत शब्द — सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच सरकारी कार्यों के विभाजन और वित्तीय सम्बन्धों से सम्बन्धित है।	Q5, Q20	RTP 2025-May; MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S1	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.11
1.5.9	Musgrave: economic stabilisation और income redistribution के लिए केन्द्र सरकार उत्तरदायी होनी चाहिए; resource allocation राज्य एवं स्थानीय सरकारों का उत्तरदायित्व होना चाहिए।	Q1	PYQ 2024-Jun	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.11
1.5.10	Article 246 union और states की शक्तियों को तीन सूचियों — union, state तथा concurrent — में विभाजित करता है; concurrent list में टकराव होने पर केन्द्र द्वारा पारित कानून मान्य (prevails) होता है।	Q24, Q26	PYQ 2026-Sep; RTP 2026-Jan	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), pp. 7.11 – 7.12
1.5.11	Union taxes: कृषि-आय (agricultural income) के अलावा अन्य आय, customs एवं export duties, corporation tax, security transaction tax, CGST, union excise। State taxes: agricultural income, भूमि एवं भवन (lands and buildings), mineral rights, बिजली, वाहन, tolls, professions, land revenue तथा कुछ वस्तुओं पर excise।	Q7, Q16	PYQ 2025-Jan, 2026-May	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.12	Articles 268 से 281 में राज्यों के बीच वित्त के वितरण के प्रावधान हैं: Art. 268 — union द्वारा लगाए गए, states द्वारा एकत्रित एवं विनियोजित duties; 269 — union द्वारा लगाए एवं एकत्रित, states को सौंपे गए; 270 — union द्वारा लगाए एवं एकत्रित तथा union और states के बीच वितरित; 271 — union के प्रयोजनों हेतु surcharge; 275 — statutory grants-in-aid; 282 — किसी भी सार्वजनिक प्रयोजन हेतु grants; 293 — किसी भी सार्वजनिक प्रयोजन हेतु loans।	Q3, Q10, Q14, Q26	PYQ 2024-Sep, 2025-Sep, 2026-May, 2026-Sep	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.12
1.5.13	सन् 2000 के संवैधानिक संशोधन (constitutional amendment) के बाद से divisible pool में union के सभी taxes (Art. 270) शामिल हैं — income tax, corporation tax तथा union excise, सभी states के साथ बाँटे जाते हैं।	Q19	MTP 2025-May S2	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), pp. 7.12 – 7.13
1.5.14	Article 280 Finance Commission का प्रावधान करता है — fiscal federalism के केन्द्र में स्थित एक संवैधानिक रूप से अनिवार्य (constitutionally mandated) निकाय — जो union और states के बीच taxes के बँटवारे तथा states के बीच उनके वितरण के सिद्धान्तों की सिफ़ारिश करता है, और इसमें vertical equity (केन्द्रीय राजस्व में सभी states का हिस्सा) तथा horizontal equity (states के बीच आवंटन) का ध्यान रखता है।	Q4, Q8, Q26 (+ 1.2 Q6, 1.4 Q5)	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep; MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2026-Apr S2 (×2)	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), pp. 7.12 – 7.13
1.5.15	Finance Commission ज़रूरतमन्द states को दिए जाने वाले grants-in-aid (statutory grants, Art. 275) के सिद्धान्त और राशि (quantum) तय करता है; Planning Commission की समाप्ति के साथ Plan/non-Plan भेद समाप्त हो गया।	Q21	MTP 2025-Aug S1	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.13
1.5.16	Net divisible pool: union के gross tax revenue में से cesses, surcharges तथा non-tax revenue घटा दिए जाते हैं; NDP वह भाग है जो केन्द्र और states के बीच बाँटा जाता है (15th FC: 2021-26 के लिए states का हिस्सा 41%)।	Q11	PYQ 2026-Jan; RTP 2026-May	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.13
1.5.17	2021-26 के लिए states के बीच केन्द्रीय taxes के वितरण हेतु 15th Finance Commission के मानदण्ड (criteria): income distance, area, population (2011), demographic performance, forest and ecology, तथा tax and fiscal efforts — infrastructure performance या adult literacy नहीं।	Q2, Q15	PYQ 2026-May; MTP 2024-Aug	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), pp. 7.13 – 7.14
1.5.18	GST (1 जुलाई 2017) अधिकांश indirect taxes — excise, service tax, sales tax, octroi — को समाहित (subsume) करता है, जिससे भारत की indirect tax व्यवस्था एकात्मक (unitary) बन गई; इसने production-based taxation के स्थान पर consumption-based taxation लागू किया।	Q23	RTP 2025-Sep	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.14
1.5.19	GST, union के gross tax revenue का 35 प्रतिशत तथा states के own tax revenue का लगभग 44 प्रतिशत है।	MQ 1: Q1	Model Q	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.14

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.20	Cascading effect 'tax on tax' है — ऐसे मूल्य पर tax लगाना जिसमें पहले से tax शामिल हो, जिससे लागत बढ़ती है; GST का input tax credit इसे समाप्त करता है।	Q18	MTP 2025-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
1.5.21	केन्द्र: रक्षा (defence), विदेश मामले (foreign affairs), विदेश व्यापार एवं विदेशी मुद्रा प्रबन्धन (foreign trade and exchange management), money and banking, अन्तर-राज्यीय परिवहन एवं संचार। राज्य: कृषि एवं उद्योग, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, पुलिस सुरक्षा, राज्य सड़कें। स्थानीय निकाय (local bodies): जल-आपूर्ति, स्वच्छता (sanitation), स्थानीय सड़कें।	Q17	PYQ 2026-May	1.5 Centre and State Finance (केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.15

इकाई 2: बाज़ार की विफलता तथा उसे सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Market Failure/Government Intervention to Correct Market Failure)

SM अध्याय 7, इकाई 2, पृष्ठ 7.23 – 7.44

विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	*विषय 2.4 देखें: public goods non-excludable होती हैं, इसलिए लोग free-ride करते हैं और लाभ अधिकतम करने वाली फर्में उनका उत्पादन नहीं करतीं — यह एक market failure है।*	Q1	MTP 2025-Jan S2	2.4, p. 7.28
2.1.2	*विषय 2.4 देखें: public goods non-rival एवं non-excludable, अविभाज्य (indivisible) होती हैं और externalities तथा free-riding के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं; excludability, private goods की विशेषता है।*	Q2, Q3	PYQ 2025-May; MTP 2025-Aug S1	2.4, p. 7.28
2.1.3	*विषय 2.4 देखें: Paul A. Samuelson ने 'collective consumption good' (1954) की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसे बाद में public good कहा गया।*	Q4	PYQ 2025-Sep	2.4, p. 7.27
2.1.4	Impure public goods, public और private goods का मिश्रण (package) हैं — आंशिक रूप से rival और/या आंशिक रूप से excludable।	Q5	MTP 2025-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 2.2 बाज़ार की विफलता की अवधारणा (The Concept of Market Failure)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	Market failure संसाधनों का अकुशल आवंटन (inefficient allocation of resources) है: free market दुर्लभ संसाधनों का गलत आवंटन करता है जिससे किसी वस्तु का या तो अति-उत्पादन (overproduction) या अल्प-उत्पादन (underproduction) होता है — यह इष्टतम से कम परिणाम है।	Q3	MTP 2025-Jan S2	2.2, p. 7.24

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.2	Complete market failure ('missing markets'): लोगों की चाहत होने पर भी बाज़ार उत्पाद की आपूर्ति बिल्कुल नहीं करता (जैसे pure public goods)। Partial market failure: बाज़ार कार्य करता है परन्तु गलत मात्रा या गलत मूल्य देता है।	Q5	PYQ 2025-Sep	2.2, p. 7.24
2.2.3	*विषय 2.3 देखें: externalities market failure का कारण बनती हैं क्योंकि ये ऐसी लागतें या लाभ हैं जो free market prices में प्रतिबिम्बित नहीं होते — बाज़ार के लिए 'external'।*	Q1	PYQ 2024-Jun	2.3.2, p. 7.25
2.2.4	*विषय 2.3 देखें: Social Cost = Private Cost + External Cost।*	Q4	PYQ 2025-May	2.3.2, p. 7.27
2.2.5	*विषय 2.8 देखें: शिक्षा पर subsidy इस आधार पर दी जाती है कि शिक्षा पर्याप्त positive externalities वाली merit good है (fees पर subsidy एक consumption subsidy है)।*	Q2	MTP 2024-Dec S1	2.7, p. 7.37; 2.8, p. 7.37

विषय 2.3 बाज़ार विफल क्यों होते हैं (Why Do Market Fail)

8 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	Market failure के चार प्रमुख कारण: market power, externalities, public goods तथा incomplete information; perfect competition व्यावहारिक नहीं है, और मूल्य वास्तविक social costs एवं benefits को प्रतिबिम्बित नहीं कर पाते।	Q3, Q6	MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	2.3, p. 7.24; 2.3.2, p. 7.27
2.3.2	Externalities किसी गतिविधि की वे लागतें (negative) या लाभ (positive) हैं जो तीसरे पक्ष (third parties) वहन करते हैं और जो market prices में प्रतिबिम्बित नहीं होते — इन्हें spillover, neighbourhood, third-party या side-effects भी कहते हैं; ये internal costs नहीं हैं।	Q7 (+ 2.2 Q1)	PYQ 2024-Jun; MTP 2026-Apr S1	2.3.2, p. 7.25
2.3.3	चार प्रकार — negative/positive production तथा negative/positive consumption externalities, प्रत्येक consumption या production में प्राप्त; अनुशासनहीन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा बाधित करना negative consumption externality है (जो production को प्रभावित करती है)।	Q5	PYQ 2026-May	2.3.2, p. 7.26
2.3.4	Social Cost = Private Cost + External Cost; फर्में केवल private cost पर विचार करती हैं, इसलिए negative externality में market output सामाजिक रूप से इष्टतम स्तर (socially optimal level) से अधिक होता है (positive externality → अल्प-उत्पादन)।	Q8 (+ 2.2 Q4)	PYQ 2025-May; MTP 2026-Apr S1	2.3.2, p. 7.27; Summary p. 7.42
2.3.5	*विषय 2.7 देखें: सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर पूर्ण प्रतिबन्ध, negative consumption externality के विरुद्ध एक direct control या command solution है।*	Q1	PYQ 2024-Jun	2.7, p. 7.34
2.3.6	*विषय 2.7 देखें: cap and trade, (negative) externalities सुधारने हेतु market-based सरकारी हस्तक्षेप है।*	Q2	PYQ 2025-Jan	2.7, pp. 7.35 – 7.36

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.7	*विषय 2.8 देखें: Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009 (छह से चौदह वर्ष की आयु) merit goods के सन्दर्भ में सरकारी हस्तक्षेप है।*	Q4	PYQ 2025-Sep	2.8, p. 7.37

विषय 2.4 सार्वजनिक वस्तुएँ (Public Goods)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP 1 · MTP 3 · Model Q 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.1	Paul A. Samuelson ('The Pure Theory of Public Expenditure', 1954) ने 'collective consumption good' की अवधारणा प्रस्तुत की: public (social) good का उपभोग सब मिलकर करते हैं, और प्रत्येक व्यक्ति के उपभोग से दूसरों के उपभोग में कोई कमी नहीं होती — जैसे रक्षा (defence), street lights, सबके लिए उपलब्ध public parks।	MQ 1.2: Q1; MQ 1.3: Q1 (+ 2.1 Q4)	PYQ 2025-Sep; Model Q ×2	2.4, p. 7.27; 2.10, p. 7.39
2.4.2	Public goods non-rival, non-excludable तथा indivisible होती हैं, अतिरिक्त उपयोगकर्ता की लागत शून्य होती है, और ये externalities, inadequate property rights तथा free-riding के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं; private goods rivalrous एवं excludable होती हैं।	Q1 (+ 2.1 Q2, 2.1 Q3)	PYQ 2025-May; MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S1	2.4, p. 7.28
2.4.3	Free-rider problem: चूँकि किसी को वंचित (exclude) नहीं किया जा सकता, लोग बिना भुगतान किए उपभोग करते हैं, इसलिए फर्में public goods का उत्पादन नहीं करेंगी या बहुत कम करेंगी; free-riding अधिकतर public goods के साथ होता है।	Q3 (+ 2.1 Q1)	MTP 2025-Jan S2, 2026-Apr S2	2.4, p. 7.28
2.4.4	Common property resources (जैसे पर्यावरण) का व्यक्तिगत स्वार्थ (self-interest) की पूर्ति में अति-उपयोग होता है; इसका सामान्य उपाय उनके उपयोग का सरकारी नियमन (government regulation) है।	Q2	RTP 2025-Sep; MTP 2026-Apr S1	1.3, p. 7.6; उपाय SM में नहीं (केवल RTP/MTP)
2.4.5	*विषय 2.3 देखें: market power किसी फर्म की वह क्षमता है जिससे वह market price को अपनी marginal cost से ऊपर लाभप्रद रूप से बढ़ा सके; ऐसी फर्में price makers होती हैं जो output सीमित रखती हैं।*	MQ 1.3.1: Q1	Model Q	2.3.1, p. 7.25
2.4.6	Oligopoly की विशिष्ट पहचान बाज़ार की फर्मों के बीच परस्पर-निर्भरता (interdependence) है।	MQ 1.3.1: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
2.4.7	*विषय 2.6 देखें: competition/antitrust laws प्रतिस्पर्धा को रोकने वाले कार्यों को निषिद्ध करते हैं; natural monopoly सम्पूर्ण market output को कई फर्मों की तुलना में कम लागत पर उत्पन्न कर सकती है (बिजली, gas, पानी) और इसके मूल्य विनियमित (price-regulated) होते हैं।*	MQ 1.6: Q1, Q2	Model Q ×2	2.6, pp. 7.32 – 7.33

विषय 2.5 अपूर्ण सूचना (Incomplete Information)

17 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP 1 · MTP 6 · Model Q 9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.1	Complete information प्रतिस्पर्धी बाज़ार (competitive market) का अनिवार्य तत्त्व है; यह जटिल उत्पादों, सही सूचना पाने में कठिनाई तथा जानबूझकर दी गई गलत सूचना (deliberate misinformation) के कारण विफल होती है — information failure से market failure होता है।	MQ 1.12: Q1	Model Q	2.5, p. 7.29
2.5.2	Asymmetric information क्रेता और विक्रेता के बीच सूचना का असन्तुलन है — कोई भी पक्ष अधिक जान सकता है (मकान-मालिक, उधारकर्ता, पुरानी कार का विक्रेता, health-insurance क्रेता, insider trader); यह चुनावों को विकृत करती है।	MQ 1.3: Q1; MQ 1.5: Q1	Model Q ×2	2.5.1, p. 7.29
2.5.3	Adverse selection, asymmetric information से उत्पन्न होता है और लेन-देन (transaction) से पहले कार्य करता है: कम जोखिम वालों की तुलना में अधिक जोखिम वाले लोग insurance cover अधिक लेते हैं, जिससे premiums बढ़ते हैं और स्वस्थ क्रेता बाज़ार से बाहर हो जाते हैं।	Q6; MQ 1.5: Q3	MTP 2025-Aug S1; Model Q	2.5.1, pp. 7.29 – 7.30
2.5.4	Insurers, underwriting के माध्यम से screening और pooling of risks द्वारा adverse selection का मुकाबला करते हैं; SM केवल इतना बताता है कि प्रत्येक क्रेता के जोखिम की पहचान महँगी है और इससे premiums बढ़ते हैं।	MQ 1.5.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
2.5.5	George Akerlof की 'lemons problem' (used-car market): 'lemons' घटिया गुणवत्ता वाली कारें हैं; क्रेता केवल औसत गुणवत्ता का मूल्य देते हैं, इसलिए अच्छी कारें बाज़ार से हट जाती हैं और बाज़ार lemons से भर जाता है — पिछली दुर्घटना की क्षति छिपाने वाला विक्रेता इसका उदाहरण है।	Q1, Q3; MQ 1.5.1: Q2	PYQ 2024-Sep, 2025-May; MTP 2024-Aug; Model Q	2.5.1, pp. 7.30 – 7.31
2.5.6	Asymmetric information उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं को बाज़ार से बाहर कर देती है; आर्थिक एजेण्ट (economic agents) अन्ततः घटिया (sub-standard) उत्पाद चुनते हैं या बाज़ार ही छोड़ देते हैं।	Q2	RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	2.5.1, p. 7.31
2.5.7	Moral hazard: विनिमय (exchange) के बाद, सूचित पक्ष किसी अदृश्य कार्य (unobserved action) द्वारा कम सूचित पक्ष का लाभ उठाता है क्योंकि उसे परिणाम नहीं भुगतने होंगे — जैसे comprehensive insurance वाला चालक कम सावधानी से गाड़ी चलाता है, जिससे claims की सम्भावना बढ़ती है।	Q5, Q7; MQ 1.5: Q2	PYQ 2025-Sep; MTP 2025-Dec S1; Model Q	2.5.1, p. 7.31
2.5.8	*विषय 2.9 देखें: free markets में demerit goods का उत्पादन और उपभोग इष्टतम से अधिक होने की सम्भावना है, क्योंकि फर्मों को ये लाभदायक लगती हैं।*	MQ 1.9: Q1	Model Q	2.9, p. 7.38
2.5.9	*विषय 2.12 देखें: अनिवार्य प्रकटीकरण एवं labelling (mandatory disclosure and labelling — जैसे mutual-fund risk disclaimer, SEBI disclosure) information failure सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप हैं।*	Q4; MQ 1.12: Q2	PYQ 2025-May; Model Q	2.12, p. 7.40

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.10	*विषय 2.8 देखें: insurance को अनिवार्य बनाना merit good को बढ़ावा देने हेतु regulation है।*	Q8	MTP 2026-Apr S1	2.8, p. 7.37

विषय 2.6 बाज़ार-शक्ति न्यूनतम करने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention to Minimize Market Power)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.6.1	Market power न्यूनतम करने हेतु सरकारें competition laws (Competition Act, 2002; US antitrust laws) बनाती हैं और market liberalisation, merger controls, price capping, rate-of-return regulation, anti-cartel investigation, import controls में कमी तथा nationalisation का प्रयोग करती हैं — income-tax में कटौती नहीं।	Q1 (+ 2.4 MQ 1.6 Q1)	MTP 2025-Jan S2; Model Q	2.6, pp. 7.32 – 7.33
2.6.2	Natural monopoly बाज़ार के सम्पूर्ण output को कई फर्मों की तुलना में कम लागत पर उत्पन्न कर सकती है (बिजली, gas, जल-आपूर्ति); सरकारें इसके मूल्यों का नियमन करती हैं।	(+ 2.4 MQ 1.6 Q2)	Model Q	2.6, p. 7.33

विषय 2.7 Externalities सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention to Correct Externalities)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 7

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.7.1	Negative externalities से direct controls (command solutions — जैसे emission standards, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर पूर्ण प्रतिबन्ध) या market-based policies द्वारा निपटा जाता है, जो taxes और subsidies के माध्यम से मूल्यों में परिवर्तन करती हैं (market correction)।	Q6 (+ 2.3 Q1)	PYQ 2024-Jun; MTP 2026-Apr S2	2.7, p. 7.34
2.7.2	Pollution taxes, जिन्हें A.C. Pigou के नाम पर Pigouvian taxes कहा जाता है, 'making the polluter pay' (प्रदूषक से भुगतान कराना) द्वारा negative externalities को internalise करते हैं।	Q2, Q5	MTP 2025-May S2, 2026-Apr S2	2.7, p. 7.35
2.7.3	Tax का भार और elasticity: inelastic demand में उत्पादक tax को ऊँचे मूल्यों के रूप में आसानी से क्रेताओं पर डाल देते हैं; relatively elastic demand में भार का अधिक भाग विक्रेता पर पड़ता है।	Q3	MTP 2025-May S2	2.7, p. 7.35 (elastic स्थिति अनुमान द्वारा)
2.7.4	Cap and trade (tradable emission permits): सरकार कुल प्रदूषण की सीमा (cap) तय करती है और फर्में permits का व्यापार करती हैं — प्रशासनिक रूप से सस्ता और सरल, तथा प्रदूषण को सबसे cost-effective तरीके से न्यूनतम करने वाला।	(+ 2.3 Q2)	PYQ 2025-Jan	2.7, pp. 7.35 – 7.36
2.7.5	Positive externalities के लिए सरकारें उत्पादकों (पूर्ति बढ़ाने हेतु) या उपभोक्ताओं (माँग बढ़ाने हेतु) को corrective subsidies देती हैं; producer subsidy उत्पादन लागत और फलस्वरूप मूल्य को घटाती है।	Q1, Q4	MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2, 2025-Dec S1	2.7, pp. 7.36 – 7.37

विषय 2.8 Merit goods के सन्दर्भ में सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention in The Case of Merit Goods)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 2 · Model Q 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.8.1	Merit goods में पर्याप्त positive (negative नहीं) externalities होती हैं और ये सामाजिक रूप से वांछनीय हैं, परन्तु बाज़ार द्वारा इनका उत्पादन और उपभोग कम होता है (under-produced and under-consumed); उदाहरण: शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, welfare services, आवास, public libraries, public parks।	Q1, Q2 (+ 2.2 Q2)	MTP 2024-Dec S1, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	2.8, p. 7.37
2.8.2	Merit goods की अल्प-आपूर्ति (under-provision) के प्रति उपाय: regulation, subsidies, direct provision, या इनका मिश्रण; अनिवार्यताएँ (mandates) जैसे compulsory insurance, compulsory immunisation तथा Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009।	(+ 2.3 Q4, 2.5 Q8)	PYQ 2025-Sep; MTP 2026-Apr S1	2.8, p. 7.37
2.8.3	समुदाय के लिए सरकार द्वारा public park बनाना, सबके द्वारा साथ-साथ उपभोग की जाने वाली वस्तु का direct provision है; parks excludable public goods हैं जिनका वित्तपोषण प्रवेश-शुल्क (entry fees) से किया जा सकता है।	MQ 1.2: Q1	Model Q	2.8, p. 7.37; 2.10, p. 7.39

विषय 2.12 सूचना-विफलता सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Government Intervention for Correcting Information Failure)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.12.1	Information failure सुधारने हेतु सरकारें सही labelling एवं content disclosure (सिगरेट के पैकेट, nutritional information), mandatory disclosure (SEBI), सूचना का सार्वजनिक प्रसार (public dissemination of information) तथा विज्ञापन का नियमन (regulation of advertising) अनिवार्य करती हैं।	Q1 (+ 2.5 Q4)	PYQ 2025-May; MTP 2026-Apr S1	2.12, p. 7.40

इकाई 3: बजट बनाने की प्रक्रिया — राजस्व के स्रोत, व्यय-प्रबन्धन तथा लोक ऋण का प्रबन्धन (The Process of Budget Making: Sources of Revenue, Expenditure Management and Management of Public Debt)

SM अध्याय 7, इकाई 3, पृष्ठ 7.51 – 7.71

विषय 3.1 प्रस्तावना (Introduction)

20 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 1 · Model Q 15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.1	Budget 'where the money comes from' (पैसा कहाँ से आता है) और 'where the money goes to' (पैसा कहाँ जाता है) का विवरण है — सम्पूर्ण राजस्व एवं व्यय की वह अनुसूची जिसे सरकार आगामी वर्ष में प्राप्त करने की अपेक्षा और खर्च करने की योजना रखती है (budgeted estimates); यह सरकार के वित्त की सबसे व्यापक रिपोर्ट है।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.5: Q1	Model Q ×2	3.1, p. 7.52

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.2	Budget सरकार के हाथ में देश की आर्थिक प्राथमिकताओं को नियमित और पुनर्गठित करने का एक शक्तिशाली नीतिगत उपकरण (policy instrument) है। आवश्यकता: अधिकतम social welfare हेतु सीमित संसाधनों का कुशल आवंटन; अन्य उद्देश्य: घोषित प्राथमिकताओं के अनुसार पुनः आवंटन (reallocation), आय एवं सम्पत्ति का redistribution, आर्थिक उतार-चढ़ाव में कमी (stability), real GDP में सतत (sustainable) वृद्धि तथा क्षेत्रीय असमानताओं (regional disparities) में कमी।	Q5; MQ 1.1: Q1	PYQ 2026-Sep; Model Q	3.1, pp. 7.51 – 7.52
3.1.3	Consolidated budget केन्द्र एवं राज्य सरकारों की प्राप्तियों और व्यय को एक साथ प्रस्तुत करता है। SM केवल union budget को कवर करता है — states और स्थानीय निकायों की अपनी बजट-प्रक्रियाएँ हैं।	MQ 1.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q); तुलनीय: 3.1, p. 7.52
3.1.4	Cash budget अल्पकालीन cash flow और liquidity के प्रबन्धन का उपकरण है (यह business-finance की अवधारणा है, SM में सरकारी बजट का शब्द नहीं)।	MQ 1.5: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
3.1.5	भारत में budget वित्त मन्त्रालय (Ministry of Finance) द्वारा NITI Aayog तथा अन्य सम्बन्धित मन्त्रालयों के परामर्श से तैयार किया जाता है, और वित्त वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) आरम्भ होने से पहले संसद के दोनों सदनों में इसका प्रस्तुत और अनुमोदित होना अनिवार्य है।	MQ 1.2: Q1, Q2	Model Q ×2	3.2, p. 7.52
3.1.6	बजट-प्रक्रियाएँ (budgetary procedures) हैं: (i) बजट तैयार करना (Preparation), (ii) बजट प्रस्तुत करना एवं पारित करना (Presentation and enactment) तथा (iii) बजट का क्रियान्वयन (Execution) — अर्थात् drafting → presentation → approval → execution।	Q1; MQ 1.1: Q2 (+ 3.2 Q9)	MTP 2025-Jan S2, 2026-Apr S1; Model Q	3.2, p. 7.52
3.1.7	Article 112: राष्ट्रपति (President) प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए Government of India की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखवाएँगे — 'Annual Financial Statement' (संविधान में 'budget' शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है)।	Q2	PYQ 2025-May	3.2, p. 7.52
3.1.8	Budget documents में प्राप्तियाँ और व्यय इस रूप में दिखाए जाते हैं: चालू एवं आगामी वित्त वर्ष के लिए Budget Estimates (BE); केवल चालू वर्ष के लिए Revised Estimates (RE); तथा चालू वर्ष से पिछले वर्ष के Actuals — चालू वर्ष के actuals नहीं।	Q4	PYQ 2025-May	3.2, p. 7.53
3.1.9	Finance Bill: budget प्रस्तुत होने के तुरन्त बाद Lok Sabha में पेश किया जाता है; इसमें budget में प्रस्तावित taxes के लगाने, समाप्त करने, परिवर्तन या नियमन (imposition, abolition, alteration or regulation) का विवरण होता है (taxation proposals)। संसद को इसे 75 दिनों के भीतर पारित करना होता है; money bill होने के कारण Rajya Sabha को इसे 14 दिनों के भीतर लौटाना होता है; दोनों सदनों से पारित होने और राष्ट्रपति की स्वीकृति (President's assent) मिलने पर यह Act बन जाता है।	MQ Finance Bill: Q1, Q2 (+ 3.2 Q8)	MTP 2025-Aug S2; Model Q ×2	3.2, p. 7.55; 3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.10	Outcome budget योजनाओं के budgetary allocations और output तथा outcome indicators से मापे जाने वाले उनके वार्षिक performance targets के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध स्थापित करता है — यह एक progress card है कि मन्त्रालयों ने पिछले वर्ष के outlays से क्या किया और क्या धन स्वीकृत प्रयोजन के लिए ही खर्च हुआ।	MQ Outcome budget: Q1, Q2 (+ 3.5 Q14)	MTP 2025-Aug S2; Model Q ×2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64
3.1.11	Guillotine: demands for grants पर चर्चा की निर्धारित अवधि (अन्तिम आवंटित दिन) समाप्त होने पर Lok Sabha के Speaker सभी शेष demands for grants को, चाहे उन पर चर्चा हुई हो या नहीं, सदन के मतदान के लिए रख देते हैं — यह वित्तीय प्रस्तावों पर बहस को निर्धारित समय में समाप्त करने का एक उपाय है।	Q3; MQ Guillotine: Q1, Q2 (+ 3.5 Q12)	PYQ 2025-May; MTP 2025-Aug S2; Model Q ×2	3.2, p. 7.55; 3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64
3.1.12	Cut motions, demands for grants में सरकार द्वारा माँगी गई राशि को घटाने के प्रस्ताव हैं — मितव्ययिता (economy) के आधार पर, नीति पर मतभेद के कारण, या किसी शिकायत (grievance) को व्यक्त करने हेतु; Lok Sabha किसी भी demand को स्वीकार, अस्वीकार या कम कर सकती है।	MQ Cut Motions: Q1, Q2	Model Q ×2	3.2, p. 7.55; 3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64

विषय 3.2 बजट बनाने की प्रक्रिया (The Process of Budget Making)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP 1 · MTP 7

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.1	*विषय 3.1 देखें: तीन budgetary procedures — Preparation (तैयारी); Presentation and enactment (प्रस्तुति एवं पारण); Execution (क्रियान्वयन)।*	Q9	MTP 2026-Apr S1	3.2, p. 7.52
3.2.2	Finance Minister budget (Annual Financial Statement) को budget speech के साथ पहले Lok Sabha में प्रस्तुत करते हैं; इसके शीघ्र बाद इसे Rajya Sabha के पटल पर रखा जाता है। Rajya Sabha demands for grants पर मतदान नहीं करती — वह केवल सामान्य चर्चा (general discussion) करती है।	Q5	RTP 2025-May; MTP 2025-Apr S1	3.2, pp. 7.53 – 7.55
3.2.3	Budget speech के अतिरिक्त प्रस्तुत किए जाने वाले budget documents: Annual Financial Statement (AFS); Demands for Grants (DG); Finance Bill; तथा FRBM Act के अन्तर्गत अनिवार्य दो statements — Macro-Economic Framework Statement तथा Medium-Term Fiscal Policy cum Fiscal Policy Strategy Statement (साथ में नौ व्याख्यात्मक दस्तावेज़ — explanatory documents)।	Q6 (+ 3.5 Q1)	MTP 2024-Aug, 2025-May S2, 2025-Aug S1	3.2, p. 7.54
3.2.4	*विषय 3.1 देखें: Finance Bill सरकार के taxation proposals को लागू करता है और Lok Sabha में पेश किया जाता है।*	Q8	MTP 2025-Aug S2	3.2, p. 7.55; 3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.5	Capital expenditure से भौतिक या वित्तीय परिसम्पत्तियों (physical or financial assets) का सृजन होता है या वित्तीय दायित्वों (financial liabilities) में कमी होती है — भूमि, भवन, मशीनरी एवं उपकरण, shares में निवेश, तथा loans and advances — इसलिए capital budget दीर्घकालीन निवेशों और परियोजनाओं का वित्तपोषण करता है।	Q7	MTP 2025-Apr S1	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), pp. 7.62 – 7.63
3.2.6	*विषय 3.3 देखें: SM के अनुसार tax revenue के मुख्य स्रोत हैं — corporation tax, taxes on income, wealth tax, customs duties, union excise duties, GST (compensation cess सहित) तथा taxes on union territories — stamp duty इस सूची में नहीं है।*	Q1	MTP 2024-Dec S1	3.3, p. 7.56
3.2.7	*विषय 3.3 देखें: revenue receipts न तो कोई दायित्व (liability) उत्पन्न करती हैं और न ही परिसम्पत्तियों में कमी करती हैं; non-debt capital receipts हैं — recoveries of loans and advances तथा miscellaneous capital receipts (disinvestment)।*	Q2, Q3	PYQ 2025-Jan (×2)	3.3, pp. 7.56 – 7.57; 3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.62
3.2.8	*विषय 3.5 देखें: Public Account (Article 266) का उपयोग उन सभी fund flows के लिए होता है जहाँ सरकार एक banker के रूप में कार्य करती है।*	Q4	PYQ 2025-Sep	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.65

विषय 3.3 राजस्व के स्रोत (Sources of Revenue)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.1	सरकारी प्राप्तियाँ (government receipts) दो प्रकार की हैं: Revenue receipts (tax revenue + non-tax revenue), जो न तो सरकार का कोई दायित्व उत्पन्न करती हैं और न उसकी परिसम्पत्तियों में कमी करती हैं; तथा Capital receipts (debt receipts + non-debt capital receipts), जो परिसम्पत्तियाँ घटाती हैं या दायित्व बढ़ाती हैं।	(+ 3.2 Q3)	PYQ 2025-Jan	3.3, p. 7.56; 3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.62
3.3.2	(Tax) revenue के मुख्य स्रोत: corporation tax; taxes on income; wealth tax; customs duties; union excise duties; goods and services tax, GST compensation cess सहित; taxes on union territories। अत: GST compensation cess, tax revenue है।	Q4, Q6 (+ 3.2 Q1)	PYQ 2026-May, 2026-Sep; MTP 2024-Dec S1	3.3, p. 7.56
3.3.3	Non-tax revenues: interest receipts; public sector enterprises से dividends एवं profits तथा RBI से surplus transfers; अन्य non-tax revenues; तथा union territories की प्राप्तियाँ।	Q4, Q5, Q6	PYQ 2026-May, 2026-Sep; MTP 2026-Apr S1	3.3, pp. 7.56 – 7.57
3.3.4	Capital receipts: Non-debt — recoveries of loans and advances, miscellaneous capital receipts (disinvestment आदि); Debt — market loans, short-term/Treasury bill borrowings, small savings के विरुद्ध जारी securities, State provident fund (net), net external debts, other receipts (net)।	Q6 (+ 3.2 Q2)	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep	3.3, p. 7.57

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.5	GST (1 जुलाई 2017 से) ने production-based प्रणाली के स्थान पर consumption-based प्रणाली लागू की और अधिकांश indirect taxes — excise, service tax, sales tax/VAT, octroi — को समाहित कर लिया, परन्तु income tax को नहीं; IGST वस्तुओं एवं सेवाओं के inter-state movement पर तथा imports और exports पर लगाया जाता है (SGST states द्वारा, CGST union द्वारा)।	Q1, Q2, Q3	PYQ 2025-Jan, 2026-Jan (×2)	इकाई 1, 1.5 (Centre and State Finance — केन्द्र एवं राज्य का वित्त), p. 7.14

विषय 3.4 सार्वजनिक व्यय का प्रबन्धन (Public Expenditure Management)

39 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 9 · RTP 2 · MTP 17 · Model Q 11

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.1	अनुत्पादक सार्वजनिक व्यय (unproductive public expenditure) की आर्थिक लागतें: बड़े deficits, taxation का ऊँचा स्तर, कम economic growth, अन्यत्र उपयोग हेतु कम संसाधन तथा भविष्य में अधिक debt burden — अत्यधिक या अनियोजित व्यय fiscal crisis और debt burden की ओर ले जाता है।	Q17, Q22	RTP 2026-Jan; MTP 2025-May S2	3.4, p. 7.58
3.4.2	SM में व्यय के वर्गीकरण: Centre's expenditure (establishment expenditure, central sector schemes, CPSEs एवं autonomous bodies सहित other central expenditure) बनाम centrally sponsored schemes and other transfers (CSS, Finance Commission transfers, states को other transfers); revenue बनाम capital; तथा 'charged' बनाम voted। Plan / non-Plan भेद समाप्त कर दिया गया है।	Q16	MTP 2024-Dec S1	3.4, p. 7.59; 3.2, p. 7.54; Unit 1, p. 7.13
3.4.3	पुराने (pre-2017-18) वर्गीकरण में Non-Plan expenditure के अन्तर्गत रक्षा (defence), interest payments, वेतन एवं pensions, तथा subsidies आते थे।	Q23	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)
3.4.4	प्रभावी सरकारी बजट-निर्माण (effective government budgeting) के तत्त्व: aggregate fiscal discipline, allocative efficiency तथा operational efficiency (revenue maximisation नहीं)। Allocative efficiency, medium-term fiscal framework के साथ strategic planning तथा programme budgeting and evaluation से सुधरती है; operational efficiency, information asymmetry से प्रभावित होती है — सेवा-प्रदाता (service providers) outputs और costs के बारे में संसाधन आवंटित करने वालों से अधिक जानते हैं।	Q18, Q19, Q20	MTP 2025-Aug S2 (×3)	SM में नहीं (केवल MTP)
3.4.5	अच्छे public expenditure management के तत्त्वों में economy, productivity तथा elasticity शामिल हैं — 'deficit' इनमें से एक नहीं है।	Q21	MTP 2025-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.6	Balanced budget: revenue = expenditure। Unbalanced budget: surplus (receipts > expenditure) या deficit (estimated receipts < expenditure); अपेक्षित राजस्व से अधिक नियोजित व्यय budget deficit है, जो दायित्व (liabilities) बढ़ाता है या भण्डार (reserves) घटाता है।	Q8	MTP 2025-Jan S2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.62
3.4.7	Budgetary (overall) deficit = कुल अनुमानित व्यय का कुल अनुमानित राजस्व पर आधिक्य — सभी प्राप्तियों और व्यय, revenue तथा capital दोनों, का अन्तर (जैसे 60,000 – 54,000 = 6,000)।	Q13, Q14; MQ Budgetary Deficit or: Q1	PYQ 2025-Sep, 2026-Jan; Model Q	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.63
3.4.8	Revenue deficit = Revenue expenditure – Revenue receipts (केवल revenue account); यह दर्शाता है कि सरकार के सामान्य संचालन पर होने वाले चालू व्यय की तुलना में चालू प्राप्तियाँ कम हैं।	Q15, Q27; MQ Revenue Deficit: Q1, Q2	PYQ 2026-Jan, 2026-Sep; Model Q ×2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.63
3.4.9	Fiscal deficit = Total expenditure – Total receipts excluding borrowing = (Revenue exp. + Capital exp.) – (Revenue receipts + Capital receipts excluding borrowing) = Revenue deficit + (Capital exp. – Capital receipts excluding borrowing)। यह revenue और capital दोनों accounts को कवर करता है और प्रायः GDP के % के रूप में व्यक्त किया जाता है।	Q7, Q28; MQ Budgetary Deficit or: Q2; MQ Revenue Deficit: Q2; MQ Fiscal Deficit: Q1, Q2	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep; Model Q ×4	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.63
3.4.10	Fiscal deficit का वित्तपोषण borrowing से ही करना पड़ता है, इसलिए यह सभी स्रोतों से सरकार की कुल borrowing requirement को दर्शाता है; यदि इसमें revenue deficit का हिस्सा बड़ा हो, तो borrowing का उपयोग निवेश के बजाय उपभोग में हो रहा है (इसलिए capital formation हेतु revenue surplus आवश्यक है)।	Q6, Q24	MTP 2024-Dec S1, 2026-Apr S2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64
3.4.11	Primary deficit = Fiscal deficit – Net interest liabilities (interest payments – interest receipts): ब्याज को छोड़कर borrowing requirement। अतः Fiscal deficit = Primary deficit + Net interest liabilities (20,500 + 3,500 = 24,000)।	Q2, Q12, Q25, Q26; MQ Primary Deficit: Q1, Q2	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep; MTP 2025-May S2, 2026-Apr S2; Model Q ×2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64
3.4.12	Deficit financing से लोगों की purchasing power उत्पादन (output) से पहले बढ़ जाती है, जिससे कीमतें तेज़ी से चढ़ती हैं (inflation); सरकार के भारी borrowing से interest rates बढ़ती हैं और भावी पीढ़ियों पर बोझ पड़ता है।	Q9	MTP 2025-Jan S2	4.4.7, p. 7.82 (Unit 4)
3.4.13	*विषय 3.5 देखें: treasury bills सरकार की अल्पकालीन नकदी आवश्यकताओं (short-term cash requirements) को पूरा करने के लिए जारी किए जाते हैं; dated securities, fiscal deficit के वित्तपोषण हेतु दीर्घकालीन संसाधन जुटाती हैं।*	Q10	RTP 2025-Jan	3.5, p. 7.60

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.14	*विषय 3.5 देखें: public debt वह ऋण है जो सरकार लोगों की बचत को ब्याज सहित चुकाने योग्य ऋणों (loans repayable with interest) के रूप में जुटाकर लेती है; public debt management का अर्थ है इसके आकार, संरचना, परिपक्वता (maturity), ब्याज और मोचन (redemption) का प्रबन्धन — न्यूनतम दीर्घकालीन लागत पर, debt को sustainable बनाए रखते हुए।*	Q11; MQ 1.1: Q1; MQ 1.5: Q1	MTP 2025-Apr S1; Model Q ×2	3.5, pp. 7.59 – 7.60
3.4.15	*विषय 3.5 देखें: external debt का प्रबन्धन Department of Economic Affairs (Ministry of Finance) करता है; Public Debt Management Cell का गठन 2016 में DEA के अन्तर्गत किया गया।*	Q1, Q4	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1	3.5, pp. 7.60 – 7.61
3.4.16	Debt-to-GDP ratio देश के आर्थिक उत्पादन (economic output) की तुलना में ऋण का अनुपात मापता है — यह debt sustainability का सूचक है, जो ऋण के स्तर और उसे चुकाने (service) की सरकार की क्षमता पर निर्भर करती है।	Q3; MQ 1.5: Q2	MTP 2024-Dec S1; Model Q	3.5, p. 7.59 (इस ratio का नाम SM में नहीं दिया गया है)
3.4.17	External debt को ऋण अनुबन्धित करते समय (at the time of contracting) लागू (historical) exchange rate पर दर्शाया जाता है।	Q5	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 3.5 लोक ऋण का प्रबन्धन (Public Debt Management)

25 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 6 · RTP – · MTP 14 · Model Q 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.1	Public debt, Consolidated Fund of India में अनुबन्धित, आन्तरिक एवं बाह्य स्रोतों से लिया गया सरकारी ऋण है — लोगों की बचत को ब्याज सहित चुकाने योग्य ऋणों के रूप में जुटाकर लिया गया ऋण। Public debt management का अर्थ है ऋण का आकार और संरचना, उसका maturity pattern, interest rates तथा redemption (पुनर्भुगतान) निर्धारित करना — वांछित risk एवं cost स्तरों पर आवश्यक धन जुटाना।	Q10, Q18 (+ 3.4 MQ 1.5 Q1, 3.4 Q11)	MTP 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2025-Aug S1, 2026-Apr S2; Model Q	3.5, pp. 7.59 – 7.60
3.5.2	Debt management का उद्देश्य: केन्द्र सरकार की वित्तीय आवश्यकताओं को न्यूनतम सम्भव दीर्घकालीन borrowing cost पर पूरा करना, कुल ऋण को sustainable स्तरों के भीतर रखना तथा domestic bond market का विकास करना; रणनीति तीन स्तम्भों (pillars) पर आधारित है — borrowing की कम लागत, risk mitigation और market development।	Q15 (+ 3.4 MQ 1.1 Q1)	MTP 2026-Apr S1; Model Q	3.5, p. 7.60
3.5.3	Public debt management की संस्थाएँ: RBI — domestic marketable debt (dated securities, treasury bills, cash management bills), अपने Internal Debt Management Department के माध्यम से; Ministry of Finance / Department of Economic Affairs — external debt; MoF का Budget Division तथा RBI — अन्य देयताएँ (small savings, deposits, reserve funds)। SEBI की कोई भूमिका नहीं है। Public Debt Management Cell (PDMC) का गठन 2016 में DEA के अन्तर्गत किया गया।	Q9, Q13 (+ 3.4 Q1, 3.4 Q4)	PYQ 2024-Sep, 2026-May; MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S2	3.5, pp. 7.60 – 7.61

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.4	T-bills अल्पकालीन नकदी आवश्यकताएँ पूरी करते हैं; dated securities, fiscal deficit का वित्तपोषण करती हैं। 1997 से RBI राज्य सरकारों को नकदी-प्रवाह (cash flows) के अस्थायी असन्तुलन (mismatches) को पाटने के लिए तीन महीने तक का अल्पकालीन ऋण Ways and Means Advances (WMA) के रूप में देता है।	Q17 (+ 3.4 Q10)	RTP 2025-Jan; MTP 2026-Apr S2	3.5, p. 7.60
3.5.5	FRBM Act, 2003 deficit, और उसके द्वारा debt, को sustainable स्तर तक घटाने के लिए एक विधायी ढाँचा (legislative framework) प्रदान करता है। उद्देश्य: fiscal management में inter-generational equity; दीर्घकालीन macroeconomic stability; fiscal और monetary policy के बीच बेहतर समन्वय; fiscal operations में पारदर्शिता (transparency)।	Q5, Q19	PYQ 2026-Sep; MTP 2025-Jan S2	3.5, p. 7.61
3.5.6	*विषय 3.2 देखें: FRBM Act के अन्तर्गत अनिवार्य (mandated) budget documents केवल Macro-Economic Framework Statement तथा Medium-Term Fiscal Policy cum Fiscal Policy Strategy Statement हैं।*	Q1	MTP 2024-Aug	3.2, p. 7.54
3.5.7	Fiscal deficit, fiscal framework का प्रमुख operational target है (debt इसका anchor है)।	Q4	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)
3.5.8	Department of Expenditure (Ministry of Finance) केन्द्र सरकार में public financial management system तथा राज्य-वित्त (state finances) से जुड़े विषयों (Finance Commission एवं Pay Commission की सिफ़ारिशें, audit observations, केन्द्र सरकार के लेखे) की देखरेख करने वाला nodal department है।	Q3, Q6	PYQ 2025-May; MTP 2024-Dec S1	3.4, p. 7.58
3.5.9	Consolidated Fund of India (Article 266): सभी प्राप्त राजस्व, लिए गए ऋण और ऋणों के पुनर्भुगतान में प्राप्त धन इसमें जमा होते हैं तथा समस्त सरकारी व्यय इसी से होता है — केवल तभी जब Parliament द्वारा appropriated हो; इसके revenue और capital divisions होते हैं।	Q2; MQ Consolidated Fund of: Q1	PYQ 2024-Sep; Model Q	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.65
3.5.10	'Charged' expenditure — जैसे President और उनके कार्यालय, Supreme Court के Judges तथा उच्च संवैधानिक पदाधिकारियों के वेतन-भत्ते (emoluments and allowances) (और public debt पर interest) — Consolidated Fund of India पर charged होता है और Parliament के vote के अधीन नहीं होता।	Q16; MQ Consolidated Fund of: Q2	MTP 2026-Apr S1; Model Q	3.2, p. 7.54
3.5.11	Contingency Fund of India: President के अधिकार (disposal) में रखा जाता है ताकि बिना पूर्व विधायी स्वीकृति के अत्यावश्यक अप्रत्याशित व्यय (urgent unforeseen expenditure) के लिए अग्रिम (advances) दिए जा सकें; इन अग्रिमों की सूचना बाद में Parliament को दी जाती है ताकि Consolidated Fund से इनकी पूर्ति (recoupment) हो सके। (इसका corpus Parliament निर्धारित करती है।)	MQ Contingency Fund of: Q1, Q2	Model Q ×2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.65

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.12	Public Account (Article 266; SM में 266(1) लिखा है): उन सभी fund flows के लिए प्रयुक्त जहाँ सरकार banker के रूप में कार्य करती है — जैसे provident funds और small savings; यह धन जमाकर्ताओं (depositors) का होता है और इसके व्यय के लिए Parliamentary approval आवश्यक नहीं।	MQ Public Account: Q1, Q2 (+ 3.2 Q4)	PYQ 2025-Sep; Model Q ×2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.65
3.5.13	*विषय 3.4 देखें: Fiscal deficit = Total expenditure − (Revenue receipts + Capital receipts excluding borrowing) = Revenue deficit + Capital expenditure − Capital receipts excluding borrowing (17,000 − 12,000 = 5,000; 5,000 + 45,000 − 42,500 = 7,500) /*	Q7, Q8	PYQ 2025-Sep, 2026-May	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.63
3.5.14	Effective revenue deficit = Revenue deficit − Grants for creation of capital assets (पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान)।	Q11	MTP 2025-Aug S2	SM में नहीं (केवल MTP)
3.5.15	*विषय 3.1 देखें: Guillotine — सभी शेष (outstanding) demands for grants को एक साथ vote के लिए रखा जाता है।*	Q12	MTP 2025-Aug S2	3.2, p. 7.55
3.5.16	*विषय 3.1 देखें: outcome budget बजटीय आवंटनों (budgetary allocations) को performance (output एवं outcome) targets से जोड़ता है।*	Q14	MTP 2025-Aug S2	3.5 (Budget concepts — बजट अवधारणाएँ), p. 7.64

इकाई 4: राजकोषीय नीति (Fiscal Policy)

SM अध्याय 7, इकाई 4, पृष्ठ 7.72 – 7.85

विषय 4.1 प्रस्तावना (Introduction)

15 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP – · MTP 9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.1.1	Fiscal policy सरकार (Finance Ministry, RBI नहीं) की सुविचारित (deliberate) नीति है, जिसके अन्तर्गत वह आर्थिक गतिविधि के स्वरूप तथा aggregate demand, output और employment के स्तर को प्रभावित करने के लिए taxation, public expenditure और public borrowing का उपयोग करती है; सरकार की taxation और expenditure नीतियाँ मिलकर उसकी fiscal policy हैं।	Q1, Q5, Q6, Q9, Q15 (+ 4.4 Q12)	PYQ 2020-Nov, 2023-Dec, 2026-Sep; MTP 2024-Dec S1 (×2), 2025-Jan S2, 2025-Aug S1	4.1, p. 7.72
4.1.2	Fiscal policy के उपकरण (tools): taxes, government expenditure, public debt और government budget (budgetary tools: public revenue, taxation सहित, public expenditure, public debt तथा deficit financing)। Interest rates, money supply और inflation targeting monetary tools हैं।	Q3, Q4	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Aug	4.1, p. 7.72; 4.4, p. 7.76
4.1.3	Fiscal policy एक demand-side policy है; full employment पर उत्पादन कर रही अर्थव्यवस्था को fiscal policy के रूप में सरकारी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं होती।	Q11	PYQ 2025-May	4.1, p. 7.72

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.1.4	*विषय 4.2 देखें: सामान्य उद्देश्य — full employment, price stability, त्वरित आर्थिक विकास, आय एवं सम्पत्ति का न्यायसंगत वितरण (equitable distribution) (export/import promotion नहीं)।*	Q14	PYQ 2026-Jan	4.2, p. 7.73
4.1.5	*विषय 4.4 देखें: fiscal policy, progressive taxation और लक्षित (targeted) welfare spending के माध्यम से असमानता घटाती है।*	Q12	MTP 2025-Aug S2	4.4.6, p. 7.80
4.1.6	*विषय 3.4 देखें: revenue या capital expenditure में पर्याप्त वृद्धि (कुल व्यय का non-borrowed receipts से अधिक होना) fiscal deficit को बढ़ाती है।*	Q7	MTP 2024-Dec S1	3.5 (Budget concepts), p. 7.63 (इकाई 3)
4.1.7	Deficit budget का वित्तपोषण borrowing द्वारा या monetisation (अतिरिक्त मुद्रा का सृजन) द्वारा किया जा सकता है; केवल monetisation (deficit financing) से money supply बढ़ती है — जनता से borrowing, aggregate demand को घटाती है।	Q8	MTP 2024-Dec S1	4.4.1, p. 7.77; 4.4.3, p. 7.78
4.1.8	बढ़ता government borrowing भावी पीढ़ियों पर स्थायी (perpetual) बोझ डालता है क्योंकि ऋण चुकाने पड़ते हैं (ऊँचे taxes और debt-servicing); यदि उधार लिया धन उत्पादक रूप से उपयोग न हो, तो surpluses ऋण-सेवा के लिए पर्याप्त नहीं होंगे।	Q10	MTP 2025-Apr S1	4.4.7, p. 7.82
4.1.9	भारत में fiscal federalism को Finance Commission (Article 280) बनाए रखता है — यह fiscal federalism के केन्द्र में स्थित संवैधानिक निकाय है।	Q2	PYQ 2024-Jun	इकाई 1, 1.5 (Centre and State Finance), pp. 7.12 – 7.13
4.1.10	Fiscal reforms (1991) में शामिल थे: स्थिर एवं पारदर्शी tax structure, बेहतर tax compliance, सरकारी व्यय पर अंकुश, subsidies में कमी, disinvestment और private sector की भागीदारी को प्रोत्साहन।	Q13	PYQ 2025-Sep	SM Chapter 10, 10.4.1, pp. 10.10 – 10.11

विषय 4.2 राजकोषीय नीति के उद्देश्य (Objectives of Fiscal Policy)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP 1 · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.2.1	Fiscal policy के सबसे सामान्य उद्देश्य: full employment की प्राप्ति एवं उसे बनाए रखना; price stability बनाए रखना; आर्थिक विकास की दर में तेज़ी; आय एवं सम्पत्ति का न्यायसंगत वितरण (प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं — विकसित देशों में stability और equality; विकासशील देशों में growth, employment और equity)।	Q8 (+ 4.1 Q14)	PYQ 2026-Jan; MTP 2025-Dec S1	4.2, p. 7.73
4.2.2	GDP = C + I + G + NX: सरकार G को प्रत्यक्ष रूप से नियन्त्रित करती है और taxes, transfers तथा expenditure के माध्यम से C, I और NX को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है — अतः अधिक government spending, या अधिक spending के साथ tax cut, aggregate demand को दाईं ओर खिसकाता है; tax में वृद्धि इसे बाईं ओर खिसकाती है।	Q3	MTP 2024-Dec S1	4.2, p. 7.74

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.2.3	*विषय 4.3 देखें: recession में counter-cyclical (expansionary) policy — demand को प्रोत्साहित करने के लिए taxes घटाएँ और/या government expenditure बढ़ाएँ।*	Q5, Q6	RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2 (×2)	4.3, pp. 7.74 – 7.75
4.2.4	*विषय 4.3 देखें: contractionary fiscal policy inflationary phase में आर्थिक गतिविधि पर अंकुश लगाती है — government spending घटाएँ और/या taxes बढ़ाएँ।*	Q1, Q7	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep	4.3, p. 7.75
4.2.5	*विषय 4.3 देखें: deflation या मन्द गतिविधि (संसाधनों का कम उपयोग) में fiscal policy, aggregate spending बढ़ाकर effective demand की कमी की पूर्ति करती है।*	Q2	PYQ 2024-Jun	4.3, pp. 7.75 – 7.76
4.2.6	*विषय 4.3 देखें: pump priming — मन्दी-ग्रस्त (depressed) अर्थव्यवस्था में government expenditure का एकबारगी (one-shot) injection — एक fiscal policy उपाय है।*	Q4, Q9	MTP 2024-Dec S1, 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 4.3 राजकोषीय नीति के प्रकार (Types of Fiscal Policy)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP 1 · MTP 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.3.1	Expansionary fiscal policy contractionary phase (recession) में अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करती है — 'recessionary gap' को समाप्त करते हुए — taxes (direct एवं indirect) घटाकर, government expenditure बढ़ाकर, या दोनों के संयोजन से; इससे budget deficits हो सकते हैं।	Q6, Q7 (+ 4.2 Q5, 4.2 Q6)	RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2 (×2), 2025-Aug S1, 2026-Apr S2	4.3 (a), pp. 7.74 – 7.75
4.3.2	Contractionary fiscal policy inflationary phase में आर्थिक गतिविधि पर अंकुश लगाती है — 'inflationary gap' को समाप्त करते हुए — government spending में कमी, personal income और/या business taxes में वृद्धि, या दोनों के द्वारा; इसका परिणाम छोटा budget deficit या बड़ा surplus होना चाहिए।	Q4 (+ 4.2 Q1, 4.2 Q7)	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2	4.3 (b), p. 7.75
4.3.3	Inflation के दौरान सरकार disposable incomes घटाने और अतिरिक्त purchasing power को समाप्त करने के लिए अपना व्यय घटाती है, नए taxes लगाती है और मौजूदा taxes की दरें बढ़ाती है।	Q1	PYQ 2024-Sep	4.4.1 and 4.4.2, p. 7.77
4.3.4	सारांश में: inflation में fiscal policy अत्यधिक aggregate spending को नियन्त्रित करती है; deflation में aggregate spending बढ़ाकर effective demand की कमी की पूर्ति करती है। Recession के दौरान सरकार व्यय बढ़ाती है या taxes घटाती है; deficit budgets आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहित करते हैं, surplus budgets उसे धीमा करते हैं।	Q3 (+ 4.2 Q2)	PYQ 2024-Jun, 2026-Jan	4.3, pp. 7.75 – 7.76; Unit 1, 1.5, p. 7.11
4.3.5	Pump priming: जब private spending अपर्याप्त हो जाता है, तब मन्दी-ग्रस्त (deflationary) अर्थव्यवस्था में public spending का एकबारगी (one-shot) injection व्यावसायिक विश्वास (business confidence) लौटाता है और अधिक private investment को प्रोत्साहित करता है — एक fiscal policy उपाय।	Q5 (+ 4.2 Q4, 4.2 Q9)	MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S1, 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP); Glossary में इस शब्द की परिभाषा दी गई है

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.3.6	Automatic (built-in) stabilisers — जैसे unemployment benefits और progressive income taxes — बिना नए नीतिगत निर्णयों के, आर्थिक उतार-चढ़ाव के साथ government spending और taxation को स्वतः समायोजित करते हैं।	Q2 (+ 4.4 MQ 1.4.9 Q2)	RTP 2025-Jan; Model Q	SM में नहीं (केवल RTP)

विषय 4.4 राजकोषीय नीति के उपकरण (The Instruments of Fiscal Policy)

19 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 10 · Model Q 7

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.4.1	Government expenditure (current, capital एवं transfer payments) आय-सृजक (income-generating) होता है: recession में public works प्रत्यक्ष रूप से आय सृजित करते हैं और multiplier के माध्यम से output तथा employment बढ़ाते हैं (primary employment से secondary और tertiary employment उत्पन्न होता है); इसे घटाने से inflationary excess demand कम होती है।	Q4	MTP 2025-Aug S1	4.4.1, pp. 7.76 – 7.77
4.4.2	अतिरिक्त व्यय का वित्तपोषण deficit budget के द्वारा होता है — borrowing या monetisation (मुद्रा छापना) से — taxes बढ़ाकर नहीं, क्योंकि वह आत्म-पराजयी (self-defeating) होगा; borrowing से private spending के crowding out का जोखिम रहता है।	Q3 (+ 4.1 Q8)	MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S1	4.4.1, p. 7.77
4.4.3	Taxes सरकारों के राजस्व का सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं; ये disposable income और इसलिए aggregate demand निर्धारित करते हैं — recession में घटाए जाते हैं, inflation में बढ़ाए जाते हैं (और नए taxes लगाए जाते हैं)।	Q8	MTP 2025-Dec S1	4.4.2, p. 7.77
4.4.4	Budget एक उपकरण के रूप में: balanced budget (expenditure = tax revenue) का aggregate demand पर कोई net effect नहीं होता; surplus का negative और deficit का positive net effect होता है। Surplus से national debt घटता है; deficit उसे बढ़ाता है।	Q6 (+ 4.3 Q3)	PYQ 2026-Jan; MTP 2025-Aug S1	4.4.4, p. 7.78
4.4.5	Fiscal policy (taxation और public spending) पुनर्वितरण (redistribution) और असमानता घटाने का मुख्य उपकरण है: progressive direct taxes; differential indirect taxes (luxuries पर भारी, necessities पर हल्के या बिल्कुल नहीं); welfare spending — poverty alleviation, सब्सिडी-युक्त (subsidised) स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आवास, social security आदि।	MQ 1: Q1; MQ 1.2: Q1; MQ 1.4: Q1 (+ 4.1 Q12)	MTP 2025-Aug S2; Model Q ×3	4.4.6, pp. 7.79 – 7.80
4.4.6	Lags fiscal policy को सीमित करते हैं: recognition lag, decision lag, implementation lag और impact lag (किसी नीति के परिणाम कुछ समय तक दिखाई नहीं देते); lags के कारण नीति का समय गलत हो सकता है — expansion तब शुरू हो सकता है जब recovery पहले से चल रही हो।	Q1, Q2, Q10; MQ 1.4.7: Q2	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-Apr S1, 2026-Apr S1; Model Q	4.4.7, p. 7.81

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.4.7	अन्य सीमाएँ: spending और taxes को तुरन्त बदलने में कठिनाई; defence, social security और अधूरी परियोजनाओं पर व्यय घटाना कठिन; public works की लम्बी gestation अवधि; disincentives (supply-side view); deficit financing से कीमतें तेज़ी से चढ़ती हैं; borrowing भावी पीढ़ियों पर बोझ डालता है; government borrowing से interest rates बढ़ती हैं।	Q2, Q5; MQ 1.4.7: Q1	MTP 2025-Apr S1, 2025-Aug S1; Model Q	4.4.7, pp. 7.81 – 7.82
4.4.8	Crowding out: अधिक spending और/या tax cuts से हुए deficit का वित्तपोषण government borrowing से होता है, जो loanable funds घटाता है और interest rates बढ़ाता है, जिससे interest-sensitive private investment और consumption गिरते हैं — private spending 'crowded out' हो जाता है; गहरी recession में इसकी सम्भावना कम होती है।	Q5, Q7, Q9	MTP 2025-Aug S1 (×2), 2025-Dec S1	4.4.8, p. 7.82
4.4.9	SM में fiscal deficit के निहितार्थ (implications): private spending का crowding out (ऊँची interest rates), deficit financing से inflationary price spiral, तथा भावी पीढ़ियों पर debt burden।	Q9	MTP 2025-Dec S1	4.4.7 and 4.4.8, p. 7.82
4.4.10	*विषय 4.1 देखें: fiscal policy = public expenditure, taxation और public borrowing (subsidies और bonds शामिल; population control नहीं); monetary policy = money supply और interest rates (bank rate, OMO, CRR) ।*	Q11, Q12; MQ 1.4.9: Q1	PYQ 2026-Sep; MTP 2026-Apr S2; Model Q	4.1, p. 7.72
4.4.11	*विषय 4.3 देखें: automatic stabilisers आर्थिक उतार-चढ़ाव के साथ government spending और taxation को स्वतः समायोजित करते हैं।*	MQ 1.4.9: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)

भाग B — अध्याय 7 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 17% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — राजकोषीय कार्य — एक अवलोकन, तथा केन्द्र एवं राज्य का वित्त (Fiscal Functions: An Overview, Centre and State Finance)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	तीन macro लक्ष्य: economic growth, high employment, stable prices।	★	1.5.7
2	**Musgrave की 'The Theory of Public Finance' (1959): allocation (दक्षता — efficiency), redistribution (निष्पक्षता — fairness), stabilisation (price stability)।**	★★★	1.2.1
3	Allocation तथा distribution = micro; stabilisation = macro।	★	1.2.2
4	Allocation: बाज़ार price mechanism के माध्यम से (consumer sovereignty, profit motive); राज्य (State) budget के माध्यम से; वास्तव में दोनों।	★★	1.3.1, 1.3.2
5	Market failures = allocation function का औचित्य (rationale)।	★	1.3.3
6	Allocation के उपकरण: प्रत्यक्ष उत्पादन (direct production — electricity, public transport), taxes/subsidies, legislation, competition policy, regulation।	★	1.3.4
7	Redistribution 'for whom' का उत्तर देता है; expenditure पक्ष (subsidised services) + revenue पक्ष (progressive tax); BPL को खाद्यान्न (food grains)।	★★	1.4.1, 1.4.2, 1.4.3, 1.4.5
8	लक्ष्य: आय, सम्पत्ति और अवसरों की समानता; न्यूनतम जीवन-स्तर (minimum standard of living)।	★	1.4.4
9	Equity v. efficiency: अमीरों पर ऊँचे taxes = काम और उद्यम (enterprise) के लिए disincentive → deadweight loss। आधुनिक राज्य = welfare state।	★	1.4.6, 1.4.7
10	Stabilisation: Keynesian औचित्य (rationale); fiscal policy का एक प्रमुख कार्य; stagflation = inflation + unemployment।	★	1.5.1, 1.5.2, 1.5.3
11	उपकरण: monetary (money supply, interest rate) + fiscal (spending, taxes)। Inflation → spending घटाएँ, taxes बढ़ाएँ, money supply घटाएँ।	★	1.5.4, 1.5.5
12	Fiscal federalism (Musgrave): विभिन्न स्तरों के बीच कार्यों और वित्त का विभाजन; केन्द्र (Centre) → stabilisation और redistribution, राज्य → allocation।	★★	1.5.8, 1.5.9
13	Art. 246: union, state और concurrent lists। Agricultural income और vehicles → राज्य।	★★	1.5.10, 1.5.11
14	Arts. 268–281: वित्त का वितरण; 271 surcharge; 275 statutory grants; divisible pool = 2000 से सभी union taxes।	★★	1.5.12, 1.5.13
15	**Art. 280: Finance Commission — tax sharing, grants-in-aid, vertical एवं horizontal equity; NDP = gross tax revenue में से cesses, surcharges, non-tax revenue घटाकर।**	★★★	1.5.14, 1.5.15, 1.5.16
16	15th FC (2021-26): राज्यों को 41%; मानदण्ड (criteria) — income distance, area, population (2011), demographic performance, forest and ecology, tax and fiscal efforts।	★	1.5.17

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
17	GST (1 जुलाई 2017): अधिकांश indirect taxes को समाहित (subsumes) करता है; union gross tax revenue का 35%।	★	1.5.18, 1.5.19
18	केन्द्र: रक्षा (defence), विदेश मामले (foreign affairs), मुद्रा एवं banking; राज्य: पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा; स्थानीय निकाय (local bodies): जल, स्वच्छता।	★	1.5.21
19	SM से बाहर: Adam Smith के canons (equity), Economic Survey (Finance Ministry), automatic stabilisers, cascading effect।	★★	1.2.3, 1.2.4, 1.5.6, 1.5.20

इकाई 2 — बाज़ार की विफलता तथा उसे सुधारने हेतु सरकारी हस्तक्षेप (Market Failure/Government Intervention to Correct Market Failure)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Market failure = अति- या अल्प-उत्पादन (over- or under-production); complete (missing markets) v. partial।	★	2.2.1, 2.2.2
2	चार कारण: market power, externalities, public goods, incomplete information।	★★	2.3.1
3	Market power = कीमत को marginal cost से ऊपर बढ़ाने की क्षमता।	MQ	2.4.5
4	Externalities = तृतीय पक्ष (third-party) की लागतें/लाभ जो कीमतों में परिलक्षित नहीं होते; उपद्रवी (disruptive) विद्यार्थी = negative consumption externality।	★★	2.3.2, 2.2.3, 2.3.3
5	Social Cost = Private Cost + External Cost; negative externality → output, social optimum से अधिक।	★	2.3.4, 2.2.4
6	Samuelson (1954): collective consumption goods (सामूहिक उपभोग की वस्तुएँ)।	★	2.4.1, 2.1.3
7	Public goods: non-rival, non-excludable, indivisible → free-rider problem → अल्प-पूर्ति (under-provision)।	★★	2.4.2, 2.4.3, 2.1.2, 2.1.1
8	Information failure → market failure; asymmetric information किसी भी पक्ष की ओर हो सकती है।	MQ	2.5.1, 2.5.2
9	Adverse selection (सौदे से पहले): उच्च-जोखिम वाले खरीदार insurance अधिक चाहते हैं।	★	2.5.3
10	**Akerlof के lemons = घटिया गुणवत्ता की पुरानी (used) cars; अच्छी cars बाज़ार से बाहर हो जाती हैं; खरीदारों के हाथ घटिया (sub-standard) माल लगता है।**	★★★	2.5.5, 2.5.6
11	Moral hazard (सौदे के बाद): बीमित (insured) चालक लापरवाही से गाड़ी चलाता है।	★	2.5.7
12	Market power: competition laws, liberalisation, price regulation; natural monopoly = एक ही फर्म से न्यूनतम लागत।	★	2.6.1, 2.6.2
13	Negative externalities: direct controls (command solutions, धूम्रपान पर प्रतिबन्ध) या market-based tools (Pigouvian tax, cap and trade)।	★★	2.7.1, 2.7.2, 2.7.4
14	Inelastic demand → tax खरीदारों पर खिसक जाता है (shifted); elastic → भार अधिकतर विक्रेताओं पर।	★	2.7.3
15	Positive externalities: producer या consumer subsidies → कम लागत एवं कीमत।	★★	2.7.5

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
16	Merit goods: positive externalities, अल्प-उपभोग (under-consumed); regulation, compulsory insurance, RTE Act 2009।	★★	2.8.1, 2.8.2, 2.3.7
17	Demerit goods: free markets में अति-उत्पादन (over-produced)।	MQ	2.5.8
18	Information failure: labelling, mandatory disclosure (SEBI, mutual-fund disclaimer), विज्ञापन-नियम (advertising rules)।	★	2.12.1, 2.5.9

इकाई 3 — बजट बनाने की प्रक्रिया, राजस्व, व्यय एवं लोक ऋण (The Process of Budget Making, Revenue, Expenditure and Public Debt)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Budget = धन कहाँ से आता है / कहाँ जाता है; अगले वर्ष के revenues और expenditures की अनुसूची (schedule); सरकारी वित्त की सबसे व्यापक (comprehensive) रिपोर्ट।	MQ	3.1.1
2	Budget = आर्थिक प्राथमिकताओं के नियमन एवं पुनर्गठन का policy instrument; लक्ष्य: allocation, redistribution, stability, real GDP growth, क्षेत्रीय सन्तुलन (regional balance)।	★	3.1.2
3	Ministry of Finance द्वारा NITI Aayog के साथ मिलकर तैयार; fiscal year 1 अप्रैल – 31 मार्च।	MQ	3.1.5
4	Art. 112 → 'Annual Financial Statement' (Constitution में 'budget' शब्द कहीं नहीं है)।	★	3.1.7
5	प्रक्रियाएँ: Preparation (तैयारी) → Presentation & enactment (प्रस्तुति एवं अधिनियमन) → Execution (क्रियान्वयन)।	★	3.1.6, 3.2.1
6	Documents में BE (चालू + आगामी वर्ष), RE (चालू वर्ष), Actuals (पिछला वर्ष) दर्शाए जाते हैं।	★	3.1.8
7	Budget speech पहले Lok Sabha में; Rajya Sabha केवल चर्चा करती है, demands पर vote नहीं करती।	★	3.2.2
8	दस्तावेज़ (Documents): AFS · Demands for Grants · Finance Bill · FRBM statements (Macro-Economic Framework; Medium-Term Fiscal Policy cum Fiscal Policy Strategy)।	★★	3.2.3, 3.5.6
9	CFI पर charged, voted नहीं: President, SC Judges, संवैधानिक प्राधिकारी (constitutional authorities) (और debt पर interest)।	★	3.5.10
10	Cut motions, demands for grants को घटाते हैं (economy / policy / grievance)।	MQ	3.1.12
11	Finance Bill = tax प्रस्ताव; budget के बाद Lok Sabha में प्रस्तुत; 75 दिनों में पारित; Rajya Sabha 14 दिनों में लौटाती है।	★	3.1.9, 3.2.4
12	Guillotine: समय समाप्त होने पर Speaker सभी शेष demands को vote के लिए रख देता है।	★	3.1.11, 3.5.15
13	Receipts: revenue (tax + non-tax; न कोई liability, न asset में कमी) vs capital (debt + non-debt)।	★	3.3.1, 3.2.7
14	Tax स्रोत: corporation tax, income tax, wealth tax, customs, union excise, GST + compensation cess, UT taxes।	★★	3.3.2, 3.2.6
15	Non-tax: interest, PSEs के dividends/profits + RBI surplus, अन्य, UT receipts।	★★	3.3.3

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
16	Non-debt capital = loan recoveries + disinvestment; debt capital = market loans, T-bills, small savings, State PF, external debt।	★	3.3.4
17	GST: consumption-based; excise, service tax, VAT को समाहित किया (income tax को नहीं); inter-state तथा imports/exports पर IGST।	★★	3.3.5
18	अनुत्पादक (unproductive) व्यय → बड़े deficits, ऊँचे taxes, कम growth, भविष्य में बड़ा debt।	★	3.4.1
19	Dept of Expenditure = public financial management का nodal department।	★	3.5.8
20	व्यय के वर्ग: Centre's expenditure vs CSS & transfers; revenue vs capital; charged vs voted (Plan/non-Plan वर्गीकरण समाप्त)।	★	3.4.2, 3.4.3
21	Public debt = CFI में अनुबन्धित ऋण; PDM = आकार, संरचना, maturity, interest, redemption।	★★	3.5.1, 3.4.14
22	PDM के लक्ष्य: न्यूनतम दीर्घकालीन लागत, sustainable debt; स्तम्भ (pillars) — कम लागत, risk mitigation, market development।	★	3.5.2, 3.4.16
23	RBI (IDMD) → internal marketable debt; DEA (MoF) → external debt; PDMC 2016।	★★	3.5.3, 3.4.15
24	T-bills = अल्पकालीन नकदी आवश्यकताएँ; WMA = राज्यों को 3 महीने तक का RBI credit।	★	3.5.4, 3.4.13
25	FRBM 2003: deficit और debt घटाना; inter-generational equity, दीर्घकालीन stability, fiscal–monetary समन्वय, transparency।	★	3.5.5
26	Balanced (सन्तुलित): R = E; surplus: R > E; deficit: R < E।	★	3.4.6
27	Budgetary deficit = कुल व्यय (total expenditure) − कुल प्राप्तियाँ (total receipts) (revenue + capital)।	★	3.4.7
28	Revenue deficit = revenue expenditure − revenue receipts (राजस्व व्यय − राजस्व प्राप्तियाँ)।	★	3.4.8
29	**Fiscal deficit = total expenditure − borrowing को छोड़कर receipts = RD + (CE − non-debt capital receipts) = borrowing requirement (उधार की आवश्यकता)।**	★★★	3.4.9, 3.4.10, 3.5.13
30	Primary deficit = fiscal deficit − net interest liabilities (शुद्ध ब्याज देयताएँ)।	★★	3.4.11
31	Outcome budget आवंटनों (allocations) को output/outcome targets से जोड़ता है।	★	3.1.10, 3.5.16
32	CFI: सभी revenues, loans, repayments; व्यय केवल Parliament द्वारा appropriated होने पर।	★	3.5.9
33	Contingency Fund: President के पास, अत्यावश्यक अप्रत्याशित व्यय हेतु; बाद में CFI से पूर्ति (recouped)।	MQ	3.5.11
34	Public Account: सरकार banker के रूप में (PF, small savings); Parliamentary approval आवश्यक नहीं।	★	3.5.12, 3.2.8

इकाई 4 — राजकोषीय नीति (Fiscal Policy)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	**Fiscal policy = AD, output, employment को प्रभावित करने के लिए सरकार द्वारा taxation, public expenditure और borrowing का सुविचारित (deliberate) उपयोग।**	★★★	4.1.1, 4.4.10
2	Fiscal policy demand-side है; full employment पर आवश्यक नहीं।	★	4.1.3
3	उपकरण: taxes, government expenditure, public debt, budget (interest rate monetary उपकरण है)।	★	4.1.2
4	उद्देश्य: full employment, price stability, तीव्र विकास, न्यायसंगत वितरण (equitable distribution)।	★	4.2.1, 4.1.4
5	GDP = C + I + G + NX: G प्रत्यक्ष रूप से; C, I, NX अप्रत्यक्ष रूप से — taxes, transfers, spending के माध्यम से।	★	4.2.2
6	Expansionary (recession, recessionary gap): taxes घटाएँ और/या spending बढ़ाएँ।	★★	4.3.1, 4.2.3
7	Contractionary (inflation, inflationary gap): spending घटाएँ और/या taxes बढ़ाएँ → छोटा deficit।	★★	4.3.2, 4.2.4, 4.3.3
8	Deficit budget प्रोत्साहित करता है, surplus धीमा करता है; balanced का AD पर कोई net effect नहीं।	★★	4.3.4, 4.4.4
9	Pump priming = मन्दी-ग्रस्त अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने हेतु एकबारगी (one-shot) public spending।	★★	4.3.5, 4.2.6
10	Govt spending → आय + multiplier → output और employment; वित्तपोषण borrowing या monetisation से।	★★	4.4.1, 4.4.2, 4.1.7
11	Taxes: राजस्व का मुख्य स्रोत; recession में घटाए, inflation में बढ़ाए जाते हैं।	★	4.4.3
12	Redistribution (पुनर्वितरण): progressive direct taxes, differential indirect taxes, welfare spending।	★	4.4.5, 4.1.5
13	Lags: recognition, decision, implementation, impact (परिणाम अभी दिखाई नहीं देते)।	★★	4.4.6
14	सीमाएँ: कठोर (rigid) spending, लम्बी gestation, disincentives, price spiral, भावी पीढ़ियों पर debt burden।	★★	4.4.7, 4.1.8
15	Crowding out: govt borrowing → ऊँचा interest → कम private investment; गहरी recession में इसकी सम्भावना कम।	★★	4.4.8, 4.4.9

अध्याय 8

मुद्रा बाज़ार (Money Market)

201 Scanner प्रश्न · 101 One-liners · 53 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: मुद्रा की माँग की अवधारणा — प्रमुख सिद्धान्त (The Concept of Money Demand: Important Theories)

SM अध्याय 8, इकाई 1, पृष्ठ 8.1 – 8.18

विषय 1.1 प्रस्तावना (Introduction)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	मुद्रा (money) वह सब कुछ है जो store of value (लोग इसे बचाकर बाद में प्रयोग करते हैं), unit of account (कीमतों का एक साझा आधार) तथा medium of exchange का काम करे; Summary इनमें 'common measure of value' तथा 'standard of deferred payments' जोड़ता है। आसानी से पुनरुत्पादित (easily reproducible) होना मुद्रा का कार्य (function) **नहीं** है।	Q1, Q4	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.1, p. 8.2; Summary, p. 8.16
1.1.2	मुद्रा सामान्य रूप से स्वीकार्य (generally acceptable); टिकाऊ अथवा दीर्घकालिक (durable); सहज पहचान योग्य (recognisable); जाली बनाने में कठिन, अर्थात् लोगों द्वारा आसानी से पुनरुत्पादित **नहीं**; अपेक्षाकृत दुर्लभ परन्तु elasticity of supply सहित; सुवाह्य अथवा आसानी से ले जाने योग्य (portable); एकरूपता (uniformity) युक्त; तथा मूल्य खोए बिना विभाज्य (divisible) होनी चाहिए। 'Perishable' तथा 'easily reproducible' इसकी विशेषताएँ **नहीं** हैं।	Q1, Q2, Q3	PYQ 2024-Sep, 2025-Jan, 2026-May	1.1, pp. 8.3 – 8.4
1.1.3	Fiat money भौतिक रूप से मूल्यहीन है, परन्तु इसका मूल्य केवल इसलिए है कि कोई राष्ट्र सामूहिक रूप से इसे मूल्य देने पर सहमत होता है (मुद्रा इसलिए चलती है कि लोग विश्वास करते हैं कि वह चलेगी); इसका स्रोत व्यक्तियों (barter) से हटकर सरकारों के पास आ गया है।	Q5	MTP 2026-Apr S1	1.1, p. 8.3

विषय 1.2 मुद्रा की माँग (The Demand for Money)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP 1 · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	मुद्रा की माँग (demand for money) एक derived demand है तथा real balances की माँग है, अर्थात् price level के अनुसार समायोजित nominal money, क्योंकि लोग वास्तविक वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिकार (command) चाहते हैं।	Q1	PYQ 2024-Sep	1.2, pp. 8.4 – 8.5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.2	Nominal money demand आय, general price level, ब्याज दर (rate of interest), real GDP तथा financial innovation की मात्रा पर निर्भर करती है। अधिक आय तथा ऊँची कीमतें इसे बढ़ाती हैं; ऊँची ब्याज दर (मुद्रा रखने की opportunity cost) इसे घटाती है, अतः ब्याज दर गिरने पर money demand बढ़ती है। Fiscal deficit इसका प्रत्यक्ष निर्धारक (direct determinant) **नहीं** है।	Q2, Q3	RTP 2025-May; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	1.2, p. 8.5
1.2.3	इकाई 8.3, विषय 3.3 देखें: saving and investment channel में bank deposits पर कम ब्याज दरें परिवारों (households) की बचत की प्रेरणा घटाती हैं तथा व्यय की प्रेरणा बढ़ाती हैं।	Q4	PYQ 2026-Sep	3.3.2, p. 8.46 (Unit 3)

विषय 1.3 मुद्रा की माँग के सिद्धान्त (Theories of Demand for Money)

43 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 11 · RTP 1 · MTP 18 · Model Q 20

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.1	Quantity Theory of Money (Irving Fisher, 'The Purchasing Power of Money', 1911): मुद्रा की मात्रा ही price level अथवा मुद्रा के मूल्य (value of money) का मुख्य निर्धारक है। अधिक मुद्रा price level बढ़ाती है (inflation); V तथा T स्थिर रहने पर P, M के अनुपात में बढ़ता है। मुद्रा का मूल्य price level से विपरीत रूप से सम्बन्धित (inversely related) है।	Q7, Q16; MQ 1.1: Q1	PYQ 2026-Jan; RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-May S2; Model Q	1.3.1, p. 8.5
1.3.2	Fisher का equation of exchange (transaction approach): MV = PT, जहाँ M = चलन में मुद्रा (money in circulation), V = transactions velocity of circulation, P = औसत price level (P = MV/T) तथा T = लेन-देनों की कुल संख्या; इसका विस्तारित रूप MV + M'V' = PT है। V (तथा V') को स्थिर और T को अल्पकाल में (full employment पर) स्थिर मानने से यह quantity theory बन जाता है, अतः यह money supply को price level से जोड़ता है।	Q22; MQ 1.2.1: Q1, Q2	MTP 2026-Apr S2; Model Q ×2	1.3.1, pp. 8.5 – 8.6
1.3.3	Fisher के numericals: MV = PT को पुनर्व्यवस्थित करें, अतः V = PT/M, P = MV/T तथा M = PT/V। इकाइयाँ सुसंगत रखें (₹ crore ÷ लेन-देनों की संख्या से ₹ crore ही मिलता है; ₹0.25 crore = ₹25 lakh)।	Q23 (+ 2.1 Q1)	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2026-Sep	1.3.1, p. 8.6
1.3.4	Fisher के version में लेन-देनों की कुल मात्रा का price level से गुणनफल (PT) ही मुद्रा की माँग है, और लोग जितने अधिक लेन-देन करना चाहें, मुद्रा की माँग उतनी ही अधिक होती है। माँग (PT) पूर्ति (MV + M'V') के बराबर होती है, परन्तु Fisher ने कीमतों के निर्धारक के रूप में मुद्रा की पूर्ति (मात्रा) पर ध्यान केन्द्रित किया।	Q15, Q19; MQ 1.2.3: Q2	MTP 2025-May S2, 2026-Apr S1; Model Q	1.3.1, p. 8.6; 1.5, p. 8.15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.5	Cambridge cash-balance approach (Marshall, Pigou, Robertson, Keynes): Md = kPY, जहाँ Md = money balances की माँग, Y = real national income, P = औसत price level, PY = nominal income तथा k ('Cambridge k') = nominal income का वह अनुपात जो लोग cash balances के रूप में रखना चाहते हैं। मुद्रा की माँग कुल money income का k गुना है, अतः यह आय के अनुपात में (proportional) होती है।	Q3, Q9; MQ 1.1: Q2; MQ 1.2.2: Q1, Q2	PYQ 2025-May; MTP 2024-Dec S1; Model Q ×3	1.3.2, p. 8.7
1.3.6	Cambridge version ने quantity theory का केन्द्र money demand पर स्थानान्तरित कर दिया: मुद्रा की माँग स्वयं उसी के लिए होती है — लेन-देनों के लिए भी और धन (wealth) के अस्थायी भण्डार (precautionary) के रूप में भी। अतः Cambridge approach में मुद्रा का मूल्य मुद्रा की माँग पर निर्भर करता है, जबकि Fisher ने उसकी पूर्ति पर ज़ोर दिया।	Q4	MTP 2024-Dec S1	1.3.2, pp. 8.6 – 8.7; 1.5, p. 8.15
1.3.7	Cambridge: कितनी मुद्रा की माँग होगी, यह आंशिक रूप से आय पर और आंशिक रूप से अन्य कारकों — मुख्यतः wealth तथा ब्याज दरों — पर निर्भर करता है, परन्तु neoclassical theory ने money demand को केवल money income का फलन (function) माना। ब्याज दर को औपचारिक रूप से Keynes ने ही शामिल किया।	MQ 1.2: Q2	Model Q	1.3.2, p. 8.7; 1.5, p. 8.15
1.3.8	Keynes का 'Liquidity Preference Theory' ('The General Theory', 1936): लोग तीन उद्देश्यों (motives) से मुद्रा रखते हैं — transactions, precautionary तथा speculative। 'investment motive' इनमें से एक नहीं है। Money demand आय के साथ बढ़ती है (transactions तथा precautionary motives) और ब्याज दर से विपरीत रूप से सम्बन्धित है (speculative motive)।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.2: Q1; MQ 1.2.3: Q1, Q2, Q3	Model Q ×5	1.3.3, p. 8.8
1.3.9	Transactions motive: 'the need for cash for current transactions for personal and business exchange' (व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विनिमय के चालू लेन-देनों के लिए नकद की आवश्यकता), जो प्राप्तियों एवं व्यय के बीच तालमेल (synchronisation) के अभाव से उत्पन्न होती है (income motive तथा business motive)। यह ब्याज दरों से प्रभावित नहीं होता तथा आय का प्रत्यक्ष अनुपाती, धनात्मक फलन (positive function) है: Lr = kY (k = लेन-देनों के लिए रखी गई आय का अनुपात, Y = आय)।	Q1, Q6, Q14; MQ 1.2.3: Q1	PYQ 2024-Jun, 2026-May; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1; Model Q	1.3.3 (a), p. 8.8
1.3.10	Precautionary motive: अप्रत्याशित एवं अनिश्चित आकस्मिकताओं (contingencies) से निपटने के लिए मुद्रा रखी जाती है। इसकी मात्रा आय के आकार, प्रचलित आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों तथा आशावाद या निराशावाद और दूरदर्शिता जैसे व्यक्तिगत गुणों पर निर्भर करती है। यह income elastic है तथा ब्याज दर के प्रति बहुत संवेदनशील नहीं, अतः अधिक आय अथवा अधिक अनिश्चितता इसे बढ़ाती है।	MQ 1.2.3: Q1, Q2	Model Q ×2	1.3.3 (b), pp. 8.8 – 8.9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.3.11	Speculative motive: नकद की अपेक्षा रखने वाले किसी भी आकर्षक निवेश अवसर का लाभ उठाने के लिए नकद रखने की इच्छा, अर्थात् ब्याज दर (bond prices) में भावी परिवर्तनों का लाभ उठाना। जब लोग ब्याज दरों के बढ़ने (bond prices के गिरने) की अपेक्षा करते हैं, तो वे नकद रखते हैं, अत: speculative demand बढ़ती है। Speculative demand तथा ब्याज दर विपरीत रूप से सम्बन्धित हैं।	Q2, Q12; MQ 1.2.3: Q1, Q2	PYQ 2024-Jun, 2026-Jan; Model Q ×2	1.3.3 (c), pp. 8.9 – 8.11
1.3.12	Liquidity trap मौद्रिक नीति (monetary policy) का चरम प्रभाव है। लगभग शून्य short-term ब्याज दर पर जनता bonds के स्थान पर जितनी भी मुद्रा दी जाए, उसे रख लेती है, और speculative demand पूर्णत: लोचदार (perfectly elastic) हो जाती है (वक्र X-axis के समानान्तर)। तब money supply में वृद्धि न ब्याज दर बदलती है न आय, अत: monetary policy निष्प्रभावी (ineffective) हो जाती है।	Q5, Q10, Q11, Q17, Q18, Q21	PYQ 2024-Jun, 2025-May, 2025-Sep; MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S1, 2025-Aug S2, 2025-Dec S1 (×2), 2026-Apr S2	1.3.3, p. 8.11; Summary, p. 8.17
1.3.13	Keynes 'rate of interest' को bonds पर प्रतिफल (return) मानते हैं; SM nominal तथा real interest rates में भेद नहीं करता।	MQ 1.3: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q); तुलना करें 1.3.3, p. 8.9
1.3.14	यह मत कि inflation मुख्यत: money supply में अत्यधिक वृद्धि से होती है, monetarist (Friedman) दृष्टिकोण है। SM का निकटतम कथन QTM का है: मुद्रा की मात्रा ही price level का मुख्य निर्धारक है।	MQ 1.3.2: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q); तुलना करें 1.3.1, p. 8.5
1.3.15	इकाई 8.2, विषय 2.7 देखें: required reserve ratio घटने पर वही reserves अधिक deposits को सहारा देते हैं, अत: money supply बढ़ती है।	Q8	MTP 2025-Jan S2	2.7 (b), pp. 8.29 – 8.30 (Unit 2)
1.3.16	*विषय 1.4 देखें: Baumol–Tobin inventory-theoretic approach मूल्य-संचय (storing value) के दो माध्यम मानता है (मुद्रा तथा ब्याज देने वाली financial asset), और transfers की लागत तथा छोड़े गए ब्याज (interest forgone) को न्यूनतम करने के लिए मुद्रा रखी जाती है।*	Q13, Q20	PYQ 2026-May; MTP 2026-Apr S1	1.4.1, pp. 8.12 – 8.13

विषय 1.4 मुद्रा-माँग के सिद्धान्त में Keynes-उत्तर विकास (Post-Keynesian Developments in the Theory of Demand for Money)

19 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 6 · RTP – · MTP 5 · Model Q 9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.1	Money demand आय, price level, ब्याज दर, real GDP तथा financial innovation पर निर्भर करती है। सभी सिद्धान्त इसे real income से धनात्मक रूप से तथा ब्याज दर से विपरीत रूप से जोड़ते हैं; real income, ब्याज दरें तथा inflation expectations इसके महत्त्वपूर्ण predictors हैं। Money supply, money demand को निर्धारित नहीं करती।	MQ 1.2: Q1	Model Q	1.2, p. 8.5; 1.5, p. 8.16
1.4.2	Post-Keynesian सिद्धान्त मुद्रा के store-of-value (asset) कार्य पर ज़ोर देते हैं। SM इनमें से तीन को लेता है: Baumol–Tobin inventory approach, Friedman का quantity theory का पुनर्कथन (restatement), तथा Tobin का demand for money as behaviour toward risk।	MQ 1.3: Q1	Model Q	1.4, p. 8.12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.3	Inventory Theoretic Approach (Baumol 1952, Tobin 1956): real cash balance लेन-देनों के लिए रखी गई एक inventory है। मूल्य-संचय के दो माध्यम हैं — मुद्रा तथा ब्याज देने वाली financial asset — और दोनों के बीच अदला-बदली की एक स्थिर लागत (fixed cost, जैसे brokerage) होती है। मुद्रा रखने की लागत उसकी opportunity cost है, अर्थात् छोड़ा गया ब्याज (interest forgone); अतः बचत को deposits में रखना और आवश्यकतानुसार थोड़ी-थोड़ी नकद निकालना Baumol का inventory approach है।	Q10; MQ 1.3.1: Q1, Q2 (+ 1.3 Q13)	PYQ 2026-May, 2026-Sep; Model Q ×2	1.4.1, pp. 8.12 – 8.13
1.4.4	Baumol: लागत न्यूनतम करने वाली औसत नकद निकासी C = √(2bY/r) है (Square Root Rule), और लोग नकद तथा bonds को इस प्रकार मिलाते हैं कि कुल लागत न्यूनतम हो। इष्टतम औसत money holding आय Y, price level P तथा transaction costs c का धनात्मक फलन तथा nominal interest rate i का ऋणात्मक फलन है।	Q5, Q8 (+ 1.3 Q20)	PYQ 2026-Jan; MTP 2025-Aug S1, 2026-Apr S1	1.4.1, p. 8.13; Summary, p. 8.17
1.4.5	Friedman (1956) मुद्रा की माँग को capital assets की माँग के एक अधिक सामान्य सिद्धान्त का अनुप्रयोग मानते हैं। यह permanent income (न कि current income) तथा assets के सापेक्ष प्रतिफल (relative returns) पर निर्भर करती है। Nominal money demand कुल wealth का फलन है, price level से धनात्मक रूप से सम्बन्धित है, bonds तथा stocks पर प्रतिफल गिरने पर बढ़ती है, और inflation से घटती है।	Q2, Q3, Q7	PYQ 2025-Sep; MTP 2024-Aug S2, 2024-Dec S1, 2025-Aug S1	1.4.2, p. 8.14
1.4.6	Inflation तथा velocity पर Friedman के विचारों वाले Model questions SM में नहीं हैं; SM का Friedman खण्ड केवल money-demand function (ऊपर) को लेता है। Keyed answers: (b) inflation मुख्यतः money supply में परिवर्तनों से निर्धारित होती है; (c) velocity — संदिग्ध, editorial note देखें।	MQ 1.3.2: Q1, Q2	Model Q ×2	SM में नहीं (केवल Model Q)
1.4.7	Tobin, demand for money as behaviour toward risk ('aversion to risk'): दिए गए प्रतिफल पर लोग अधिक जोखिम की अपेक्षा कम जोखिम पसन्द करते हैं, अतः वे सुरक्षित मुद्रा (नकद तथा demand deposits: लगभग शून्य जोखिम, कोई प्रतिफल नहीं) तथा जोखिमपूर्ण bonds एवं shares के बीच विविधीकरण (diversify) करते हैं। Bonds एवं shares का अधिक हिस्सा अधिक प्रतिफल और अधिक जोखिम लाता है; मुद्रा सुरक्षित, liquid asset है, अतः अधिक अनिश्चितता एक risk-averter की money holding बढ़ाती है।	Q1, Q9; MQ 1.3.3: Q1, Q2, Q3	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep; Model Q ×3	1.4.3, pp. 8.14 – 8.15; Summary, p. 8.18
1.4.8	Tobin का liquidity preference function ब्याज दर को मुद्रा की माँग से जोड़ता है। ऊँची ब्याज दर पर लोग अधिक bonds तथा कम मुद्रा रखते हैं, अतः asset-demand curve नीचे की ओर ढलान वाला (slopes downwards) होता है।	Q4	PYQ 2026-Jan	1.4.3, p. 8.15

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.4.9	SM में liquidity trap का वास्तविक उदाहरण Bank of Japan है, जहाँ छापी गई मुद्रा और अधिक deflation की आशंका में जमा करके रख ली गई (10-year yield 0.2 per cent)। MTP का उत्तर Global Financial Crisis है, जो SM में नहीं है।	Q6	MTP 2025-Aug S1	SM में नहीं (केवल MTP); तुलना करें 1.3.3, p. 8.12

विषय 1.5 निष्कर्ष (Conclusion)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 2 · Model Q 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.5.1	Fisher ने कीमतों के निर्धारक के रूप में मुद्रा की पूर्ति पर तथा Cambridge approach ने real income की तुलना में real money की माँग पर ध्यान केन्द्रित किया। Keynes ने real balances की माँग के एक व्याख्यात्मक चर (explanatory variable) के रूप में ब्याज दर को औपचारिक रूप से शामिल किया।	Q1 (+ 1.3 MQ 1.2 Q2)	MTP 2025-Aug S2, 2025-Dec S1; Model Q	1.5, p. 8.15
1.5.2	Post-Keynesian models real money balances को real income तथा ब्याज दरों से जोड़ते हैं। सभी सिद्धान्त real income से धनात्मक तथा ब्याज दर से विपरीत सम्बन्ध देते हैं, और real income, ब्याज दरें तथा inflation expectations महत्त्वपूर्ण predictors हैं।	MQ 1.3: Q1 (+ 1.4 MQ 1.2 Q1)	Model Q ×2	1.5, pp. 8.15 – 8.16

इकाई 2: मुद्रा की पूर्ति की अवधारणा (The Concept of Money Supply)

SM अध्याय 8, इकाई 2, पृष्ठ 8.22 – 8.39

विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 3 · Model Q 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	Money supply एक stock है: किसी विशेष समय-बिन्दु पर 'public' के पास भुगतान के साधन (means of payment) तथा store of value के रूप में उपलब्ध मुद्रा की कुल मात्रा। इसमें inter-bank deposits शामिल नहीं होते।	MQ 1.1: Q1 (+ 2.4 Q10)	RTP 2025-May; Model Q	Summary, p. 8.37
2.1.2	आर्थिक स्थिरता के लिए money supply को इष्टतम स्तर पर रखना आवश्यक है, अतः उसके stock का सही एवं नियमित अनुमान लगाकर उसे देश की मौद्रिक आवश्यकताओं के अनुसार नियमित (regulate) करना होता है। इसी से यह व्यय के लिए उपलब्ध धन (funds available for spending) का सूचक बनती है।	MQ 1.2: Q1	Model Q	2.1, p. 8.23; 2.2, pp. 8.24 – 8.25
2.1.3	Broad money है: M3 = M1 + banking system के पास time deposits।	Q3	MTP 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	2.1, p. 8.24
2.1.4	इकाई 8.1, विषय 1.3 देखें: P = MV/T = ₹500 crore × 5 ÷ 10,000 = ₹0.25 crore = ₹25 lakh।	Q1	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep	1.3.1, p. 8.6 (Unit 1)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.5	Call money, certificates of deposit, trade bills तथा commercial paper — सभी money-market instruments हैं। SM certificates of deposit तथा commercial paper का उल्लेख केवल broad-money securities के रूप में करता है।	Q2	MTP 2025-Aug S1	SM में नहीं (केवल MTP); तुलना करें 1.1, p. 8.4

विषय 2.2 मुद्रा-पूर्ति के मापन का औचित्य (Rationale of Measuring Money Supply)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP 1 · MTP 1 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	Money supply का मापन monetary-policy की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है: यह दिखाता है कि मुद्रा का stock price stability के अनुरूप है या नहीं। Central banks money supply को प्रत्यक्ष रूप से नियन्त्रित करके, मुख्यतः monetary base के प्रबन्धन द्वारा, price level तथा GDP growth को स्थिर करने के लिए monetary policy अपनाते हैं।	MQ 1.2: Q1; MQ 1.4: Q1; MQ 1.8: Q1	Model Q ×3	2.2, pp. 8.24 – 8.25
2.2.2	'Public' का अर्थ है मुद्रा के उत्पादकों — अर्थात् सरकार तथा banking system — को छोड़कर सभी आर्थिक इकाइयाँ (households, firms, institutions)। सरकार तथा banking system के पास रखी मुद्रा (central bank के पास रखी currency सहित) तथा inter-bank deposits money supply का भाग नहीं हैं।	Q1, Q2	PYQ 2025-Jan; RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2	2.1, p. 8.24

विषय 2.3 मुद्रा-पूर्ति के स्रोत (The Sources of Money Supply)

8 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP 3 · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	Central bank द्वारा जारी currency 'fiat money' है: केवल संप्रभु सत्ता (sovereign) — अथवा उसके प्रतिनिधि के रूप में central bank — द्वारा जारी legal tender, जो supporting reserves पर आधारित है और जिसके मूल्य की गारंटी सरकार देती है। Currency notes fiat money हैं, सोने या चाँदी के सिक्के नहीं।	Q1, Q2, Q3	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2025-Jan	2.3, p. 8.25
2.3.2	Central bank (भारत में RBI) money supply का प्राथमिक स्रोत है। इसकी high-powered money (currency तथा bank reserves) मुद्रा के अन्य सभी रूपों का स्रोत है। Paper currency, representative money है — 'minimum reserve system' के अन्तर्गत जारी एक debt instrument।	Q5, Q6, Q8	RTP 2025-Jan, 2025-May; MTP 2026-Apr S1	2.3, p. 8.25; 2.5, p. 8.27
2.3.3	दूसरा प्रमुख स्रोत banking system है। Banks जनता के साथ उधार लेने एवं देने (borrowing and lending) के माध्यम से मुद्रा का सृजन करते हैं; यह 'credit money' fractional-reserve banking के अन्तर्गत deposits पर आधारित है।	Q4, Q7 (+ 3.3 Q42)	PYQ 2025-Jan; RTP 2025-May; MTP 2026-Apr S2	2.3, p. 8.25; 2.9, p. 8.34

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.4	Crypto currencies के सामने महत्त्वपूर्ण वैधानिक अनिश्चितताएँ हैं, भारत में इन्हें currency के रूप में कानूनी मान्यता नहीं है, अतः इन्हें money की श्रेणी में नहीं रखा जाता।	(+ 2.5 Q15)	PYQ 2025-Sep	2.3, p. 8.26

विषय 2.4 मुद्रा-पूर्ति का मापन (Measurement of Money Supply)

14 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 10 · RTP 4 · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.1	RBI के चार माप (April 1977 से, Second Working Group की सिफ़ारिश पर): • M1 = जनता के पास currency notes तथा coins + banking system के पास demand deposits (current तथा savings) + RBI के पास other deposits • M2 = M1 + post office savings banks के पास savings deposits • M3 = M1 + banking system के पास (net) time deposits (broad money) • M4 = M3 + कुल post office deposits (NSCs को छोड़कर) Time deposits M1 में **नहीं** आते।	Q1, Q3, Q6, Q9	PYQ 2024-Jun, 2025-May; RTP 2024-Sep, 2025-Jan, 2025-Sep; MTP 2024-Dec S1	2.4, p. 8.27; Summary, p. 8.38
2.4.2	Money-aggregate numericals: केवल सूचीबद्ध घटक जोड़ें। • M1 = जनता के पास currency तथा coins + demand deposits + RBI के पास other deposits • M3 = M1 + time deposits (post office deposits शामिल नहीं) • M4 = M3 + कुल post office deposits (NSCs को छोड़कर)	Q4, Q12, Q13, Q14	PYQ 2025-Sep, 2026-Sep (×3)	2.4, p. 8.27; Illustration 1, pp. 8.35 – 8.36
2.4.3	Currency with the public (जनता के पास currency) = notes in circulation + rupee coins का circulation + small coins का circulation – banks के पास नकद (notes तथा coins)।	Q2, Q5, Q7 (+ 2.9 Q1)	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan, 2025-May, 2026-May; RTP 2025-Sep; MTP 2025-Apr S1	Illustration 3, p. 8.36
2.4.4	Broad money (M3) में शामिल हैं: currency, दो वर्ष तक की तय परिपक्वता (agreed maturity) वाले deposits, तीन महीने तक की notice पर प्रतिदेय (redeemable) deposits, repurchase agreements, money market fund shares/units तथा दो वर्ष तक की debt securities।	Q8	PYQ 2025-May	2.1, p. 8.24
2.4.5	Money supply किसी विशेष समय-बिन्दु पर जनता के पास रखी मुद्रा की कुल मात्रा है, अर्थात् यह एक stock है, किसी अवधि में flow नहीं।	Q10	RTP 2025-May	Summary, p. 8.37
2.4.6	*विषय 2.7 देखें: जब जनता deposits की तुलना में अधिक currency रखती है, तो money multiplier तथा money supply घटते हैं।*	Q11	MTP 2026-Apr S1	2.7 (c), p. 8.31

विषय 2.5 मुद्रा-पूर्ति के निर्धारक (Determinants of Money Supply)

21 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 13 · RTP – · MTP 9

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.5.1	Money multiplier तीन अनुपातों पर निर्भर करता है: currency ratio c (जनता द्वारा तय), excess-reserves ratio e (banks द्वारा तय) तथा required reserve ratio r (central bank द्वारा तय)। अतः central bank का नीतिगत प्रभाव reserve ratio के माध्यम से आता है।	Q20	MTP 2026-Apr S2	2.7, p. 8.32
2.5.2	Money multiplier m = money supply ÷ monetary base: वह अनुपात जो monetary base (high-powered money) में दिए गए परिवर्तन से money supply में होने वाले परिवर्तन को जोड़ता है। अतः M = m × MB।	Q1, Q7	PYQ 2024-Jun; MTP 2024-Dec S1	2.6, p. 8.28
2.5.3	Multiplier numericals: m = M ÷ MB (या ΔM ÷ ΔMB) तथा MB = M ÷ m। उदाहरण: ₹100 crore का OMO injection यदि money supply ₹500 crore बढ़ाता है, तो m = 5।	Q4, Q11, Q16, Q19	PYQ 2024-Sep, 2025-Jan, 2025-Sep, 2026-May	2.6, p. 8.28
2.5.4	Credit (deposit) multiplier = 1 ÷ required reserve ratio। अतः credit created = initial deposit × 1/RRR, RRR = initial deposit ÷ credit created, तथा ΔMoney supply = (1/R) × ΔReserves।	Q5, Q8, Q12, Q14, Q17	PYQ 2024-Sep, 2025-Jan, 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2024-Dec S1	2.9, p. 8.34; Illustration 2, p. 8.36; 2.8, p. 8.33
2.5.5	Monetary base को high-powered money, reserve money, base money अथवा central bank money भी कहते हैं; यह currency in circulation + bank reserves के बराबर है। Narrow money (M1) एक भिन्न aggregate है। Money supply, monetary base के साथ प्रत्यक्ष रूप से (M = m × H) तथा currency एवं reserve ratios के साथ विपरीत रूप से बदलती है।	Q6, Q21	MTP 2024-Dec S1, 2026-Apr S2	2.5, p. 8.27; 2.7, p. 8.31; Summary, p. 8.38
2.5.6	Excess reserves = total reserves − required reserves (ER = TR − RR)। Excess reserves कोई deposits सृजित नहीं करते, अतः जब banks कम excess reserves रखते हैं तो multiplier तथा money supply बढ़ते हैं।	Q2, Q3, Q10	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1, 2025-Aug S2	2.7 (b), p. 8.30; Summary, p. 8.39
2.5.7	Currency तथा excess reserves सहित, m = (1 + c)/(r + e + c), जहाँ c = C/D तथा e = ER/D। उदाहरण: r = 0.10, c = 0.5 तथा e = 0.001 हो तो m = 1.5/0.601 = 2.5।	Q9	MTP 2024-Dec S1	2.7, pp. 8.32 – 8.33; Illustration 4, p. 8.37
2.5.8	Currency–deposit ratio जितना छोटा, money multiplier उतना बड़ा। Time deposit–demand deposit (TD/DD) ratio में वृद्धि अधिक reserves मुक्त करती है तथा multiple deposit expansion एवं monetary expansion को बढ़ाती है।	Q13, Q18	PYQ 2025-May, 2026-Jan	2.7 (c), p. 8.31
2.5.9	*विषय 2.3 देखें: crypto currencies को भारत में currency के रूप में कानूनी मान्यता नहीं है और इन्हें money की श्रेणी में नहीं रखा जाता।*	Q15	PYQ 2025-Sep	2.3, p. 8.26

विषय 2.6 मुद्रा गुणक की अवधारणा (The Concept of Money Multiplier)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.6.1	Money supply = money multiplier × monetary base (M = m × MB), और मुद्रा या तो जनता के पास रखी currency है या bank deposits (M = C + D)।	Q1	MTP 2025-Aug S2	2.6, p. 8.28
2.6.2	Simple money multiplier = 1/R (जैसे R = 10% पर 10; R = 20% पर 5)। ऊँचे reserve ratio का अर्थ है छोटा multiplier, और currency के रूप में रखी मुद्रा गुणित नहीं होती, अतः जनता द्वारा अधिक currency रखने से m घटता है।	Q3, Q4	MTP 2026-Apr S1, 2026-Apr S2	2.6, pp. 8.28 – 8.29
2.6.3	ऊँचा money multiplier base money की प्रत्येक इकाई को अधिक money supply में बदल देता है और इस प्रकार inflation का जोखिम बढ़ाता है। SM केवल इतना कहता है कि reserve money, liquidity तथा price level को निर्धारित करती है।	Q2	MTP 2025-Aug S2	SM में नहीं (केवल MTP); तुलना करें Summary, p. 8.38

विषय 2.7 मुद्रा-पूर्ति का गुणक दृष्टिकोण (The Money Multiplier Approach to Supply of Money)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP 3 · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.7.1	Reserve ratio: ऊँचा required reserve ratio banks को ऋण घटाने के लिए बाध्य करता है, अतः deposits तथा money supply घटते हैं (money supply घटाने का उपकरण)। कम ratio — जैसे CRR में कटौती — वही reserves अधिक deposits को सहारा देने देता है, अतः ऋण-क्षमता (lending capacity) तथा money supply बढ़ते हैं।	Q1, Q2, Q3 (+ 1.3 Q8)	RTP 2025-Jan, 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2 (×3), 2025-Apr S1	2.7 (b), pp. 8.29 – 8.30
2.7.2	Currency–deposit ratio c = C/D (जनता के पास currency ÷ bank deposits) यह मापता है कि लोगों ने banking habits किस सीमा तक अपनाई हैं। Money multiplier तथा money supply, c से ऋणात्मक रूप से सम्बन्धित हैं।	Q4, Q5 (+ 2.4 Q11)	PYQ 2026-May; RTP 2025-May; MTP 2025-May S2, 2026-Apr S1	2.7 (c), p. 8.31
2.7.3	Excess reserves सहित money multiplier m = (1 + c)/(r + e + c) है, तथा M = [(1 + c)/(r + e + c)] × H।	Q6	MTP 2025-Aug S1	2.7, p. 8.32
2.7.4	M = m × MB, reserve money तथा कुल money stock के बीच सम्बन्ध दर्शाता है।	Q7	PYQ 2026-Sep	Summary, p. 8.38

विषय 2.8 मौद्रिक नीति तथा मुद्रा-पूर्ति (Monetary Policy and Money Supply)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.8.1	Open market operations: central bank द्वारा government securities की ख़रीद high-powered money डालती (inject करती) है, और फिर credit creation से ΔMoney supply = (1/R) × ΔReserves होता है। Open market sale विपरीत दिशा में काम करती है — reserves तथा money supply घटाती है।	Q1, Q2	PYQ 2026-Jan; MTP 2026-Apr S1	2.8, p. 8.33

विषय 2.9 मुद्रा-पूर्ति पर सरकारी व्यय का प्रभाव (Effect of Government Expenditure on Money Supply)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP 1 · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.9.1	Credit multiplier = 1/RRR, अत: RRR = 1 ÷ credit multiplier (4 का multiplier 25% देता है)।	Q2	PYQ 2026-May	2.9, p. 8.34
2.9.2	*विषय 2.4 देखें: currency with the public = notes in circulation + rupee coins + small coins – banks के पास नकद।*	Q1	PYQ 2026-May; RTP 2025-Sep; MTP 2025-Apr S1	Illustration 3, p. 8.36

इकाई 3: मौद्रिक नीति (Monetary Policy)

SM अध्याय 8, इकाई 3, पृष्ठ 8.44 – 8.53

विषय 3.1 प्रस्तावना (Introduction)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 3 · Model Q 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.1	RBI आर्थिक उतार-चढ़ाव के प्रबन्धन तथा price stability (कम एवं स्थिर inflation) प्राप्त करने के लिए money supply को समायोजित करके monetary policy का प्रयोग करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य price stability तथा economic growth के बीच विवेकपूर्ण सन्तुलन (judicious balance) है।	MQ 1.1: Q1 (+ 2.2 MQ 1.8 Q1)	Model Q ×2	3.2, p. 8.45; 3.3.1, p. 8.45
3.1.2	Hawtrey: trade cycle एक (विशुद्ध) मौद्रिक घटना (monetary phenomenon) है।	Q1	MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2, 2025-Aug S2	SM अध्याय 8 में नहीं (केवल MTP)

विषय 3.2 मौद्रिक नीति की परिभाषा (Monetary Policy Defined)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP 2 · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.1	भारत में monetary policy RBI द्वारा लागू की जाती है, जो इसका प्रयोग आर्थिक उतार-चढ़ाव (business cycle) के प्रबन्धन तथा price stability प्राप्त करने के लिए करता है।	Q1, Q2	PYQ 2021-Dec; MTP 2024-Aug	3.2, p. 8.45

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.2	RBI money supply को समायोजित करके, सामान्यत: OMOs के माध्यम से, monetary policy संचालित करता है। ये short-term ब्याज दरों को प्रभावित करते हैं, जो आगे longer-term दरों तथा आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती हैं; अत: monetary policy ब्याज दर को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करके काम करती है। दरें घटाना easing है; बढ़ाना tightening।	Q3 (+ 3.3 Q33)	RTP 2024-Sep, 2025-Jan; MTP 2025-Dec S1	3.2, p. 8.45; 3.3.2, p. 8.46

विषय 3.3 मौद्रिक नीति का ढाँचा (The Monetary Policy Framework)

44 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 19 · RTP 2 · MTP 29

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.1	उद्देश्य: RBI Act, 1934 की प्रस्तावना (preamble) का लक्ष्य monetary stability सुनिश्चित करना है। प्राथमिक उद्देश्य price stability तथा economic growth के बीच विवेकपूर्ण सन्तुलन है, और सबसे सामान्य लक्ष्य inflation पर नियन्त्रण तथा growth हैं। विकासशील देश इनमें growth, उत्पादक क्षेत्रों को पर्याप्त credit प्रवाह, मध्यम interest-rate structure तथा कुशल government-securities market जोड़ते हैं।	Q9, Q11, Q16	PYQ 2025-Sep; RTP 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2 (×2)	3.3.1, pp. 8.45 – 8.46; Summary, p. 8.51
3.3.2	MTP का लेबल: 'stabilisation objective' वह है जो रोज़गार तथा growth पर केन्द्रित है। SM केवल इतना कहता है कि monetary policy growth, price stability, इष्टतम output तथा रोज़गार को बढ़ावा देती है।	Q38	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP); तुलना करें Summary, p. 8.51
3.3.3	SM में monetary policy transmission के channels हैं: saving and investment channel, cash-flow channel, asset prices and wealth channel, तथा exchange rate channel; Summary इनमें interest rate, quantum तथा credit channels जोड़ता है। 'International trade channel' तथा 'open market channel' channels **नहीं** हैं।	Q1, Q20	PYQ 2024-Jun, 2026-Jan	3.3.2, pp. 8.46 – 8.48; Summary, p. 8.51
3.3.4	Saving and investment channel: कम deposit rates परिवारों की बचत की प्रेरणा घटाती हैं तथा व्यय की प्रेरणा बढ़ाती हैं। कम lending rates उधार लेने तथा business investment को प्रोत्साहित करती हैं।	(+ 1.2 Q4)	PYQ 2026-Sep	3.3.2, pp. 8.46 – 8.47
3.3.5	Monetary-policy instruments RBI के उपकरण हैं: CRR, SLR, OMO, bank rate, LAF (repo तथा reverse repo), MSF तथा qualitative tools। Tax rates तथा public expenditure fiscal instruments हैं, monetary नहीं।	Q8, Q25	RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S1	3.3.3, pp. 8.48 – 8.49
3.3.6	Quantitative tools सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में money supply पर काम करते हैं: reserve ratios (CRR, SLR) तथा OMO। Qualitative (selective) tools विशिष्ट क्षेत्रों पर काम करते हैं: margin requirements, moral suasion, selective credit control तथा MSS। SM bank rate, LAF तथा MSF को अलग से 'policy rates' के रूप में सूचीबद्ध करता है।	Q14, Q17, Q28	PYQ 2025-May, 2025-Sep; MTP 2025-May S2, 2025-Aug S1	3.3.3, pp. 8.48 – 8.49

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.7	CRR, NDTL का वह भाग है जो bank को RBI के पास नकद रूप में रखना होता है, जिसे वह न उधार दे सकता है और न उस पर ब्याज अर्जित कर सकता है। SLR वह भाग है जो liquid assets (gold अथवा RBI द्वारा अनुमोदित government securities) में रखा जाता है, जिस पर कम ब्याज मिलता है। Reserve ratios बढ़ाने से ऋण तथा inflation पर अंकुश लगता है, और CRR, SLR तथा repo सभी banks की lending capacity को प्रभावित करते हैं।	Q10, Q31, Q37	MTP 2025-Jan S2, 2025-May S2, 2025-Aug S2, 2026-Apr S2, 2026-Apr S1	3.3.3, p. 8.48; Summary, p. 8.52
3.3.8	CRR numerical: RBI के पास रखा जाने वाला अतिरिक्त नकद = NDTL × CRR में वृद्धि। उदाहरण: ₹1,800 crore × (4.5% − 3%) = ₹27 crore।	Q43	PYQ 2026-Sep	Summary, p. 8.52; 3.3.3, p. 8.48
3.3.9	OMO: money supply नियन्त्रित करने के लिए RBI खुले बाज़ार (open market) में government securities ख़रीदता और बेचता है। बिक्री liquidity सोखती (absorb करती) है; ख़रीद liquidity डालती (inject करती) है और bank reserves बढ़ाती है। उद्देश्य foreign capital flows से उत्पन्न अस्थायी liquidity mismatches को रोकना है, जिसके लिए rupee liquidity का नियमित समायोजन किया जाता है।	Q2, Q12, Q19, Q30	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2	3.3.3, pp. 8.48 – 8.49; Summary, p. 8.53
3.3.10	Margin requirements: RBI collateral पर margin निर्धारित करता है, अत: ऊँचे margin का अर्थ है कम उधार। Moral suasion: RBI banks को कुछ क्षेत्रों को ऋण देने के स्थान पर धन government securities में रखने के लिए समझाता (persuade करता) है। Selective credit control: चुनिंदा उद्योगों अथवा speculative व्यवसायों को ऋण न देकर credit नियन्त्रित किया जाता है।	Q21, Q23, Q28	PYQ 2026-Jan, 2026-May; MTP 2025-Aug S1	3.3.3, p. 8.49
3.3.11	Bank rate वह दर है जिस पर RBI banks को long-term funds उधार देता है, तथा वह मानक दर जिस पर वह bills of exchange ख़रीदता अथवा rediscount करता है। CRR या SLR बनाए न रखने पर penalty के रूप में भी इसका प्रयोग होता है। ऊँचा bank rate उधार को महँगा बनाता है तथा उधार एवं व्यय को हतोत्साहित करता है, और कम bank rate CRR वृद्धि के प्रभाव को निष्प्रभावी (offset) कर सकता है।	Q3, Q24, Q41 (+ 3.4 Q5)	PYQ 2024-Jun; MTP 2025-May S2, 2025-Aug S1, 2025-Aug S2, 2026-Apr S2	3.3.3, p. 8.49; Summary, p. 8.53
3.3.12	Liquidity Adjustment Facility (LAF), जो Narasimham Committee की सिफ़ारिशों पर शुरू हुई, repo तथा reverse repo के माध्यम से liquidity तथा money supply को समायोजित करती है।	Q7, Q29	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-Aug S1	3.3.3, p. 8.49; Summary, p. 8.52
3.3.13	Repo rate: वह दर जिस पर banks repurchase agreement के अन्तर्गत government securities के बदले RBI से short-term उधार लेते हैं। Reverse repo rate: वह दर जो RBI banks को अपने पास अधिशेष (surplus) धन रखने पर देता है (banks RBI को उधार देते हैं); यह liquidity सोखती है और banks को ब्याज-आय देती है। Reverse Repo Rate = Repo Rate − 1।	Q4, Q5, Q15, Q34, Q35	PYQ 2024-Sep, 2025-May; MTP 2024-Dec S1, 2025-Dec S1 (×2)	3.3.3, p. 8.49; Summary, pp. 8.52 – 8.53

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.14	MSF rate: वह penal दर जिस पर RBI, repo (LAF) window के ऊपर एवं अतिरिक्त, banks को overnight उधार देता है। Banks अपनी SLR securities में से — उनके 1% तक — उपयोग करके उधार लेते हैं। MSF Rate = Repo Rate + 1।	Q6, Q13, Q18, Q32	PYQ 2025-Jan, 2025-May, 2025-Sep; MTP 2025-Aug S2	3.3.3, p. 8.49; Summary, p. 8.53
3.3.15	Market Stabilisation Scheme (MSS): Government of India अपने सामान्य उधार के ऊपर एवं अतिरिक्त RBI से उधार लेती है तथा treasury bills अथवा dated securities जारी करती है। MSS का धन सरकार के सामान्य व्यय के लिए नहीं होता। Treasury bills, Government of India की securities हैं, जो RBI के माध्यम से जारी होती हैं।	Q26, Q27	MTP 2025-Aug S1 (×2)	Summary, p. 8.53
3.3.16	Quantitative easing: central bank financial assets ख़रीदकर money supply बढ़ाता है।	Q36	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
3.3.17	Macro-prudential policy measures का लक्ष्य systemic risk होता है।	Q40	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
3.3.18	इकाई 8.1, विषय 1.3 देखें: liquidity trap में monetary policy निष्प्रभावी होती है (SM इसे expansionary policy के सन्दर्भ में रखता है)।	Q39	MTP 2026-Apr S1	1.3.3, p. 8.11 (Unit 1)
3.3.19	इकाई 8.2, विषय 2.3 देखें: credit का सृजन (credit money) commercial banks करते हैं; central bank currency (high-powered money) जारी करता है।	Q42	MTP 2026-Apr S2	2.3, p. 8.25 (Unit 2)
3.3.20	*विषय 3.2 देखें: monetary policy का लक्ष्य अल्पकाल में व्यय को प्रभावित करने के लिए ब्याज दर को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करना है।*	Q33	MTP 2025-Dec S1	3.2, p. 8.45
3.3.21	*विषय 3.4 देखें: MPFA, Government of India तथा RBI के बीच उस अधिकतम सहनीय inflation rate पर एक समझौता है जिसे RBI को लक्ष्य बनाना चाहिए।*	Q22, Q44	PYQ 2026-May, 2026-Sep	3.4, p. 8.50

विषय 3.4 मौद्रिक नीति के निर्णयों का संगठनात्मक ढाँचा (The Organisational Structure for Monetary Policy Decisions)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP – · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.1	RBI Act को 27 June 2016 को संशोधित करके flexible inflation targeting के अन्तर्गत MPFA (अधिकतम सहनीय inflation rate पर Government of India–RBI समझौता) तथा MPC को वैधानिक आधार (statutory backing) दिया गया। सरकार RBI के परामर्श से प्रत्येक पाँच वर्ष में एक बार लक्ष्य तय करती है: 5 August 2016 से 31 March 2021 तक के लिए 4% CPI inflation, 6% की ऊपरी तथा 2% की निचली tolerance limit सहित (4% ± 2%)।	Q3, Q4, Q7 (+ 3.3 Q22, 3.3 Q44)	PYQ 2026-Jan, 2026-May (×2), 2026-Sep; MTP 2025-Dec S1	3.4, p. 8.50; Summary, p. 8.53
3.4.2	RBI को हर छह महीने में एक Monetary Policy Report प्रकाशित करनी होती है, जिसमें inflation के स्रोतों की व्याख्या तथा आगामी छह से अठारह महीनों के लिए inflation का पूर्वानुमान हो।	Q1, Q2	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1	3.4, p. 8.50

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.3	छह-सदस्यीय Monetary Policy Committee (MPC) inflation लक्ष्य प्राप्त करने के लिए, विचार-विमर्श तथा बहुमत मत (majority vote) द्वारा, policy (repo) rate तय करती है।	Q6	MTP 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	Summary, p. 8.53
3.4.4	*विषय 3.3 देखें: bank rate वह दर है जिस पर RBI banks को long-term funds उधार देता है।*	Q5	MTP 2025-May S2	3.3.3, p. 8.49

विषय 3.5 निष्कर्ष (Conclusion)

4 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP 1 · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.1	भारत जैसे emerging market की चुनौतियों में शामिल हैं: अविकसित (rudimentary) एवं ग़ैर-प्रतिस्पर्धी financial systems तथा integrated money एवं interbank markets का अभाव। Bank rate तथा OMO जैसे उपकरणों के काम करने के लिए सुविकसित money, bill तथा securities market आवश्यक है।	Q1, Q4	RTP 2025-May; MTP 2025-May S2	3.5, p. 8.51
3.5.2	स्पष्ट (explicit) inflation targeting के लिए central bank की operational autonomy तथा fiscal एवं monetary authorities के बीच अच्छा समन्वय आवश्यक है, अत: inflation पर monetary तथा fiscal policies मिलकर नियन्त्रण करती हैं।	Q2	MTP 2025-May S2	3.5, p. 8.51
3.5.3	Call money: banks अपना cash reserve ratio बनाए रखने के लिए एक-दूसरे से (overnight) उधार लेते हैं।	Q3	MTP 2025-Aug S1	SM में नहीं (केवल MTP)

भाग B — अध्याय 8 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 43% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — मुद्रा की माँग की अवधारणा — प्रमुख सिद्धान्त (The Concept of Money Demand: Important Theories)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	मुद्रा के कार्य: store of value, unit of account, medium of exchange (तथा standard of deferred payments)।	★	1.1.1
2	मुद्रा की विशेषताएँ: स्वीकार्य, टिकाऊ, पहचान योग्य, जाली बनाने में कठिन, दुर्लभ, सुवाह्य, एकरूप, विभाज्य। नष्ट होने वाली (perishable) अथवा आसानी से पुनरुत्पादित होने वाली मुद्रा विफल रहती है।	★★	1.1.2
3	Fiat money भौतिक रूप से मूल्यहीन है; इसका मूल्य केवल इसलिए है कि लोग सामूहिक रूप से इस पर सहमत हैं।	★	1.1.3
4	Money demand, real balances (nominal money ÷ price level) की derived demand है।	★	1.2.1
5	निर्धारक: आय (+), price level (+), ब्याज दर (−, opportunity cost), real GDP, financial innovation। Fiscal deficit इनमें नहीं है।	★★	1.2.2, 1.4.1
6	**Fisher (1911): MV = PT, विस्तारित रूप MV + M'V' = PT। V तथा T स्थिर होने पर P, M के अनुपात में बदलता है।**	★★★	1.3.1, 1.3.2
7	Numericals: V = PT/M तथा P = MV/T। crore तथा lakh के रूपान्तरण पर ध्यान दें।	★★	1.3.3
8	Fisher: PT मुद्रा की माँग है तथा मुद्रा की पूर्ति कीमतें तय करती है। Cambridge: मुद्रा का मूल्य माँग पर निर्भर करता है।	★★	1.3.4, 1.3.6
9	Cambridge: Md = kPY, जहाँ k = nominal income का नकद रूप में रखा गया हिस्सा तथा Y = real national income।	★	1.3.5
10	Keynes (1936), liquidity preference: transactions, precautionary तथा speculative motives। कोई 'investment motive' नहीं है।	MQ	1.3.8
11	Transactions motive: Lr = kY; आय पर निर्भर, ब्याज दर पर नहीं।	★★	1.3.9
12	Precautionary motive: अप्रत्याशित आकस्मिकताओं के लिए; आय, परिस्थितियों तथा व्यक्तित्व पर निर्भर।	MQ	1.3.10
13	Speculative motive: निवेश अवसरों का लाभ उठाना; ब्याज दर से विपरीत सम्बन्ध। दरें बढ़ने की अपेक्षा हो तो नकद रखा जाता है।	★	1.3.11
14	**Liquidity trap: ब्याज दर लगभग 0, speculative demand perfectly elastic, वक्र X-axis के समानान्तर, monetary policy निष्प्रभावी।**	★★★	1.3.12, 1.4.9
15	Post-Keynesian सिद्धान्त मुद्रा को asset (store of value) के रूप में महत्त्व देते हैं।	MQ	1.4.2
16	Baumol–Tobin inventory approach: दो माध्यम (मुद्रा तथा ब्याज देने वाली asset); opportunity cost = छोड़ा गया ब्याज (interest forgone)।	★★	1.4.3, 1.3.16

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
17	Square Root Rule C = √(2bY/r): इष्टतम money holding, Y, P तथा c के साथ बढ़ती है और i के साथ घटती है।	★★	1.4.4
18	Friedman (1956): मुद्रा एक capital asset; permanent income (न कि current income); P के साथ माँग बढ़ती है।	★★	1.4.5
19	Tobin: risk aversion तथा diversified portfolio। अधिक bonds एवं shares का अर्थ है अधिक प्रतिफल तथा अधिक जोखिम। Liquidity preference curve ब्याज दर को money demand से जोड़ता है।	★★	1.4.7, 1.4.8
20	Keynes ने ब्याज दर को औपचारिक रूप से money demand में शामिल किया। सभी सिद्धान्त: + real income, – ब्याज दर।	★	1.5.1, 1.5.2, 1.3.7

इकाई 2 — मुद्रा की पूर्ति की अवधारणा (The Concept of Money Supply)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Money supply किसी समय-बिन्दु पर जनता के पास रखा stock है।	★	2.1.1, 2.4.5
2	मापन monetary policy के काम आता है: यह मुद्रा के stock को price stability की कसौटी पर जाँचता है।	MQ	2.2.1, 2.1.2
3	'Public' में सरकार तथा banking system शामिल नहीं, अत: RBI के पास रखी currency तथा inter-bank deposits नहीं गिने जाते।	★★	2.2.2
4	Central bank की currency fiat money है: reserves पर आधारित तथा सरकार द्वारा गारंटीकृत legal tender।	★★	2.3.1
5	**स्रोत: central bank (high-powered money) तथा banks (credit money, deposits पर सृजित)।**	★★★	2.3.2, 2.3.3
6	Crypto currencies भारत में legal currency नहीं हैं और money भी नहीं हैं।	★	2.3.4
7	**M1 = C + DD + OD(RBI); M2 = M1 + post office savings deposits; M3 = M1 + time deposits; M4 = M3 + कुल post office deposits (NSCs को छोड़कर)।**	★★★	2.4.1, 2.1.3
8	Broad money: परिपक्वता 2 वर्ष तक, notice 3 महीने तक, debt securities 2 वर्ष तक।	★	2.4.4
9	**Currency with the public = notes + rupee coins + small coins – banks के पास नकद।**	★★★	2.4.3
10	**M = m × MB, तथा m = M/MB (ΔM/ΔMB)।**	★★★	2.5.2, 2.5.3, 2.6.1, 2.7.4
11	**Simple multiplier = 1/R; credit multiplier = 1/RRR; credit created = deposit × 1/RRR।**	★★★	2.6.2, 2.5.4, 2.9.1
12	High-powered money = reserve money = base money = currency + bank reserves (M1 नहीं)।	★	2.5.5
13	Excess reserves ER = TR – RR। कम excess reserves का अर्थ है बड़ा multiplier।	★★	2.5.6
14	m = (1 + c)/(r + e + c), जो जनता (c), banks (e) तथा central bank (r) द्वारा तय होता है।	★★	2.5.7, 2.7.3, 2.5.1

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
15	**Required reserve ratio बढ़े तो money supply घटती है; CRR में कटौती lending capacity बढ़ाती है।**	★★★	2.7.1
16	**Currency–deposit ratio = banking habits। छोटा ratio बड़ा multiplier देता है; अधिक नकद रखने से money supply छोटी होती है।**	★★★	2.7.2, 2.6.2
17	ऊँचा TD/DD ratio अधिक reserves मुक्त करता है तथा monetary expansion बढ़ाता है।	★	2.5.8
18	OMO purchase high-powered money डालता है; OMO sale money supply घटाता है।	★	2.8.1

इकाई 3 — मौद्रिक नीति (Monetary Policy)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	RBI उतार-चढ़ाव के प्रबन्धन तथा price stability के लिए monetary policy लागू करता है; दरें घटाना easing है, बढ़ाना tightening।	★★	3.2.1, 3.2.2
2	प्राथमिक उद्देश्य: price stability तथा growth के बीच विवेकपूर्ण सन्तुलन।	★★	3.3.1, 3.1.1
3	Transmission channels: saving and investment, cash-flow, asset prices and wealth, exchange rate। 'Open market' तथा 'international trade' channels नहीं हैं।	★★	3.3.3, 3.3.4
4	**Quantitative tools: CRR, SLR, OMO। Qualitative tools: margin requirements, moral suasion, selective credit control। Taxes तथा spending fiscal हैं।**	★★★	3.3.6, 3.3.5, 3.3.10
5	**CRR = RBI के पास नकद, कोई ब्याज नहीं। SLR = liquid assets (gold अथवा government securities)। अतिरिक्त CRR = NDTL × ΔCRR।**	★★★	3.3.7, 3.3.8
6	OMO: ख़रीद liquidity डालती है तथा बिक्री सोखती है; foreign capital flows से उत्पन्न अस्थायी mismatches के लिए प्रयुक्त।	★★	3.3.9
7	Bank rate: long-term उधार तथा bills की rediscounting; CRR/SLR की कमी पर penalty; ऊँची दर उधार को हतोत्साहित करती है।	★★	3.3.11
8	**LAF (Narasimham Committee) = repo + reverse repo। Reverse repo = repo − 1 तथा यह liquidity सोखता है (banks RBI को उधार देते हैं)।**	★★★	3.3.12, 3.3.13
9	MSF = repo + 1: penal overnight दर, SLR securities के 1% तक।	★★	3.3.14
10	MSS: सरकार RBI से उधार लेती है तथा T-bills एवं dated securities जारी करती है; यह धन सामान्य व्यय के लिए नहीं है।	★	3.3.15
11	RBI Act संशोधित 27 June 2016: MPFA (Government of India तथा RBI) एवं MPC।	★★	3.4.1, 3.3.21
12	Inflation target: 4% CPI ± 2% (5 August 2016 से 31 March 2021), सरकार द्वारा RBI के साथ प्रत्येक पाँच वर्ष में तय।	★★	3.4.1
13	हर छह महीने में Monetary Policy Report, 6–18 महीनों के inflation पूर्वानुमान सहित।	★	3.4.2
14	MPC (छह सदस्य) repo rate तय करती है।	★	3.4.3
15	Emerging-market की सीमाएँ: कमज़ोर, असंबद्ध (non-integrated) money markets; fiscal तथा monetary समन्वय आवश्यक।	★★	3.5.1, 3.5.2

अध्याय 9

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade)

257 Scanner प्रश्न · 165 One-liners · 85 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

इकाई 1: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त (Theories of International Trade)

SM अध्याय 9, इकाई 1, पृष्ठ 9.1 – 9.11

विषय 1.1 प्रस्तावना (Introduction)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.1.1	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ (SM सूची): आर्थिक दक्षता (economic efficiency) एवं संवृद्धि को प्रोत्साहन; संसाधनों का कुशल उपयोग (efficient deployment of resources) (तथा घरेलू monopolies में कमी); नए बाज़ारों एवं नई सामग्रियों तक पहुँच तथा inputs की प्रतिस्पर्धी sourcing; automation, तकनीकी परिवर्तन एवं R&D; banking, insurance, logistics तथा consultancy में नवाचारी सेवाओं (innovative services) को अधिक प्रोत्साहन; उभरती अर्थव्यवस्थाओं (emerging economies) के लिए output की गुणवत्ता में सुधार, श्रेष्ठ उत्पाद तथा बेहतर श्रम एवं पर्यावरण मानक; व्यापक उत्पादक आधार (productive base) एवं export diversification; मानव संसाधन विकास (human resource development); राष्ट्रों के बीच मज़बूत सम्बन्ध।	Q1	PYQ 2026-Jan	1.1, pp. 9.2 – 9.3
1.1.2	व्यापार के खुलेपन (trade openness) के विरुद्ध तर्क (इसलिए कभी 'benefits' नहीं): राष्ट्रों के बीच असमान लाभ; आर्थिक शोषण (economic exploitation), क्योंकि वंचित देश वैश्विक स्तर पर कार्यरत corporations की बढ़ती राजनीतिक शक्ति के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं; पर्यावरण की क्षति एवं प्राकृतिक संसाधनों का क्षय; trade cycles का तीव्र संचरण (rapid transmission); अल्पविकसित देशों की विदेशी राष्ट्रों पर जोखिमपूर्ण निर्भरता, जो आर्थिक स्वायत्तता (economic autonomy) एवं राजनीतिक संप्रभुता (political sovereignty) को क्षति पहुँचाती है; अत्यधिक export orientation; साझेदार देशों की व्यापार नीतियों में पारदर्शिता एवं पूर्वानुमेयता (predictability) का अभाव।	Q1, Q3	PYQ 2026-Jan; MTP 2025-May S2	1.1, pp. 9.3 – 9.4
1.1.3	*विषय 1.2 देखें: Absolute Advantage theory मानती है कि कोई transportation cost **नहीं** है (अन्य मान्यताएँ: दो देश, दो वस्तुएँ, labour-cost आधार, श्रम देश के भीतर गतिशील (mobile) परन्तु देशों के बीच गतिहीन (immobile)) ।*	Q2	PYQ 2026-May	1.2.2, p. 9.5

विषय 1.2 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख सिद्धान्त (Important Theories of International Trade)

21 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 8 · RTP 2 · MTP 19

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.1	Mercantilism (यूरोप, 16वीं–18वीं शताब्दी): राष्ट्रीय शक्ति आयात की तुलना में निरन्तर अधिक मात्रा में निर्यात से प्राप्त होती है — 'massive and aggressive export over import to accumulate wealth' (धन-संचय हेतु आयात की तुलना में विशाल एवं आक्रामक निर्यात) तथा अनुकूल balance of payments एवं balance of trade सुनिश्चित करना; इसने बहुमूल्य धातुएँ (bullion) लाने के लिए निर्यात को अधिकतम करने तथा अत्यधिक ऊँचे tariffs द्वारा आयात को न्यूनतम करने का समर्थन किया। इसका मापदण्ड balance of trade है, समग्र कल्याण (overall welfare) नहीं।	Q2, Q6, Q19, Q20	PYQ 2024-Jun; MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2 (×2)	1.2.1, p. 9.4; Summary, p. 9.10
1.2.2	Adam Smith (अर्थशास्त्र के जनक — father of economics): व्यापार absolute cost advantage पर आधारित है — अर्थात् समान मात्रा के संसाधनों से प्रतिस्पर्धियों की तुलना में किसी वस्तु की अधिक मात्रा उत्पादित करने की क्षमता। उन्होंने labour को एकमात्र input माना, इसलिए जिस राष्ट्र को किसी भी वस्तु में absolute advantage नहीं है, वह व्यापार नहीं करेगा; कोई देश उस वस्तु में विशेषज्ञता (specialisation) प्राप्त कर उसका निर्यात करता है जिसमें उसे absolute cost advantage प्राप्त है।	Q4, Q17	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	1.2.2, p. 9.5; Summary, p. 9.10
1.2.3	Absolute Advantage theory की मान्यताएँ: दो देशों के बीच व्यापार; दो-देश, दो-वस्तु ढाँचा (framework); कोई transportation cost नहीं; लागतों की गणना आवश्यक श्रम की सापेक्ष मात्राओं से की जाती है; श्रम देश के भीतर गतिशील परन्तु देशों के बीच गतिहीन; व्यापार तभी होता है जब प्रत्येक देश की किसी एक वस्तु में निरपेक्ष रूप से कम लागत (absolutely lower cost) हो।	Q17 (+ 1.1 Q2)	PYQ 2026-May; MTP 2025-Aug S2	1.2.2, p. 9.5
1.2.4	David Ricardo — Theory of Comparative Advantage: व्यापार निरपेक्ष (absolute) लागतों के बजाय तुलनात्मक (comparative) लागतों से संचालित होता है; कोई देश उन उत्पादों का निर्यात करके लाभ पाता है जिनमें उसका absolute advantage सबसे अधिक है, तथा उनका आयात करके जिनमें उसका absolute advantage तुलनात्मक रूप से कम है (अर्थात् वहाँ निर्यात करे जहाँ उसका absolute disadvantage कम है)। हर वस्तु में अधिक कुशल देश को भी लाभ होता है, इसलिए जब भी comparative cost ratios भिन्न हों, व्यापार उपयोगी है।	Q8, Q12, Q15	PYQ 2025-Jan, 2025-Sep; MTP 2025-May S2	1.2.3, pp. 9.5 – 9.6; Summary, p. 9.10
1.2.5	Ricardo का comparative cost सिद्धान्त labour theory of value पर आधारित है: श्रम ही एकमात्र साधन है (one-factor model) और comparative advantage में अन्तरों का कारण श्रमिकों की उत्पादक दक्षता (productive efficiency) में अन्तर बताया जाता है — यह सिद्धान्त उन अन्तरों का कारण स्पष्ट नहीं करता। बाद में Haberler ने opportunity-cost अवधारणा के द्वारा इसे केवल श्रम पर निर्भरता से मुक्त किया।	Q3, Q10	RTP 2025-Sep; MTP 2024-Aug, 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	1.2.4 Table 4.1.3, pp. 9.7 – 9.8; Summary, p. 9.10

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
1.2.6	Classical trade theory (Smith, Ricardo) constant costs को लेकर चलता है; Haberler ने इसे opportunity-cost के रूप में पुनः प्रस्तुत किया (opportunity cost = त्यागे गए विकल्प का मूल्य), इसलिए classical model constant opportunity costs मानता है।	Q21	MTP 2026-Apr S2	सारांश (Summary), p. 9.10 ('constant opportunity costs' SM की शब्दावली नहीं है)
1.2.7	Theory of Comparative Costs normative है (अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से होने वाले लाभ प्रदर्शित करने का प्रयास करता है) और factor price differences को ध्यान में **नहीं** रखता; यह labour theory of value पर आधारित है, money cost पर नहीं।	Q1, Q11	PYQ 2024-Jun, 2025-May	1.2.4 Table 4.1.3, pp. 9.7 – 9.8
1.2.8	आधुनिक (Heckscher-Ohlin) सिद्धान्त positive है (व्यापार के आधार पर केन्द्रित); money cost पर आधारित, जो अधिक यथार्थवादी है; 2-साधन (labour तथा capital) model; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को inter-regional trade का केवल एक विशेष रूप मानता है; साधनों की सापेक्ष कीमतों पर विचार करता है और factor price differences को commodity price differences का मुख्य कारण मानता है। यह labour theory of value पर आधारित **नहीं** है।	Q13, Q16	PYQ 2026-May; MTP 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	1.2.4 Table 4.1.3, pp. 9.7 – 9.8
1.2.9	Heckscher-Ohlin theory (स्वीडिश अर्थशास्त्री Eli Heckscher तथा Bertil Ohlin) = Factor-Endowment Theory = Modern Theory of Trade: comparative advantage को factor endowments (साधन-सम्पन्नता) में अन्तर से समझाया जाता है (दो साधन, labour तथा capital); कोई देश उन वस्तुओं का निर्यात करता है जिनके उत्पादन में उसके सापेक्षतः प्रचुर (relatively abundant) साधन का गहन प्रयोग होता है (capital-abundant → capital-intensive goods; labour-abundant → labour-intensive goods) और उन वस्तुओं का आयात करता है जिनमें उसके दुर्लभ (scarce) साधन का प्रयोग होता है।	Q5, Q7, Q9, Q18	PYQ 2025-Jan; RTP 2026-Jan; MTP 2024-Dec S1, 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2026-Apr S2	1.2.4, pp. 9.6 – 9.7; Summary, pp. 9.10 – 9.11
1.2.10	Balance of trade एक flow अवधारणा है — इसे एक समयावधि में मापा जाता है, stock की तरह किसी समय-बिन्दु पर नहीं।	Q14	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)

इकाई 2: व्यापार नीति के उपकरण (The Instruments of Trade Policy)

SM अध्याय 9, इकाई 2, पृष्ठ 9.14 – 9.29

विषय 2.1 प्रस्तावना (Introduction)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP – · Model Q 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.1	Trade policy में वे सभी उपकरण (instruments) शामिल हैं जिनका प्रयोग सरकारें आयात एवं निर्यात को बढ़ावा देने या प्रतिबन्धित करने के लिए कर सकती हैं — सामान्यतः घरेलू उद्योगों के संरक्षण हेतु आयात को प्रतिबन्धित करने और/या निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए; इसमें व्यापार वार्ताओं (trade negotiations) में अपनाया गया दृष्टिकोण भी शामिल है।	MQ 1.1: Q1	Model Q	2.1, p. 9.16; Summary, p. 9.27

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.1.2	Trade policy के उपकरणों को मोटे तौर पर tariffs जैसे मूल्य-सम्बन्धी उपायों (price-related measures) तथा non-price measures या non-tariff measures (NTMs) में वर्गीकृत किया जाता है।	MQ 1.1: Q2	Model Q	2.1, p. 9.16; Summary, p. 9.27
2.1.3	Protectionism (संरक्षणवाद) एक राजकीय नीति है जिसका उद्देश्य tariffs, quotas तथा non-tariff trade policy instruments द्वारा घरेलू उत्पादकों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना है; trade liberalisation (व्यापार उदारीकरण) का अर्थ है व्यापार बाधाओं (trade barriers) को कम करके घरेलू बाज़ारों को शेष विश्व की वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए खोलना।	Q1; MQ 1.1: Q2	PYQ 2026-Jan; Model Q	2.1, p. 9.15

विषय 2.2 प्रशुल्क (Tariffs)

22 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 16 · RTP – · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.1	Ad valorem tariff = व्यापारित वस्तु के मूल्य के निश्चित प्रतिशत के रूप में लगाया गया शुल्क (आयातित वस्तु की एक इकाई के मौद्रिक मूल्य का स्थिर प्रतिशत)। Specific tariff = प्रति भौतिक इकाई अथवा वज़न/माप के आधार पर धन की निश्चित राशि — इसका संरक्षणात्मक मूल्य (protective value) आयात-कीमत के साथ विपरीत दिशा में बदलता है।	Q1, Q9	PYQ 2024-Jun, 2025-May	2.2.1(i)–(ii), pp. 9.16 – 9.17
2.2.2	आंकिक प्रश्न (Numerical): ad valorem duty = rate × value, इसलिए duty कीमत के अनुपात में बदलती है — duty में परिवर्तन = rate × कीमत में परिवर्तन (जैसे 15% × (₹90 लाख − ₹60 लाख) = ₹4.50 लाख)। Specific duty कीमत के साथ नहीं बदलेगी।	Q21	PYQ 2026-Sep	2.2.1(ii), p. 9.17
2.2.3	Mixed tariff = **या तो** ad valorem rate **अथवा** specific duty, जो भी अधिक (या कभी-कभी कम) आय उत्पन्न करे — जैसे 5% ad valorem या ₹3,000 प्रति टन, जो भी अधिक हो; केवल एक ही वसूला जाता है। Compound tariff = ad valorem **तथा** specific duty, दोनों को जोड़कर (जैसे 5% ad valorem तथा ₹100 प्रति kg)।	Q6, Q11	PYQ 2025-Jan, 2025-Sep	2.2.1(a), p. 9.17
2.2.4	Technical/Other tariff की गणना आयातित वस्तुओं की विशिष्ट सामग्री (specific contents) के आधार पर होती है, अर्थात् शुल्क उसके घटकों (components) या सम्बन्धित वस्तुओं के अनुसार देय होता है (जैसे प्रत्येक solar panel पर ₹3,000 तथा battery पर ₹50 प्रति kg)।	Q8, Q14	PYQ 2025-Jan, 2026-May	2.2.1(b), p. 9.17
2.2.5	Tariff Rate Quotas (TRQs) दो नीति-उपकरणों — quotas तथा tariffs — को मिलाते हैं: quota के भीतर के आयात पर कम (कभी-कभी शून्य) tariff लगता है; मात्रात्मक सीमा (quantitative threshold) से अधिक आयात पर बहुत ऊँचा tariff लगता है।	Q13, Q17	PYQ 2026-Jan; MTP 2025-Aug S2	2.2.1(c), p. 9.17

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.6	Preferential tariff: पारस्परिक अधिमान्य समझौते (reciprocal preferential agreement) के अन्तर्गत किसी साझेदार की वस्तुओं पर MFN दर से कम tariff — जैसे EU के भीतर शून्य tariff, तथा Canada, Mexico और USA के बीच North American Free Trade Agreement (NAFTA) (लगभग सभी उत्पादों पर शून्य); GSP एकपक्षीय (unilateral) अधिमान है।	Q5	PYQ 2024-Sep	2.2.1(f), p. 9.18
2.2.7	Bound tariff: WTO सदस्य कानूनी प्रतिबद्धता (legal commitment) द्वारा स्वयं को बाँधता है कि वह tariff दर को एक निश्चित स्तर (उस उत्पाद पर अधिकतम शुल्क) से ऊपर नहीं बढ़ाएगा; applied tariff = MFN आधार पर वास्तव में लगाया गया शुल्क, जो bound level से कम हो सकता है परन्तु कभी अधिक नहीं।	Q4	PYQ 2024-Sep	2.2.1(g)–(h), p. 9.18
2.2.8	Variable tariff: किसी आयातित वस्तु की कीमत को उस वस्तु की घरेलू समर्थन कीमत (domestic support price) के स्तर तक लाने के लिए निर्धारित शुल्क।	Q15	PYQ 2026-May	2.2.1(e), p. 9.18
2.2.9	Escalated tariff structure: विनिर्मित वस्तुओं (manufactured goods) के आयात पर nominal tariff दरें मध्यवर्ती inputs एवं कच्चे माल की तुलना में अधिक होती हैं — उत्पाद के value-added chain में ऊपर बढ़ने के साथ tariff बढ़ता है (जैसे iron ore पर 4%, steel pipes पर 12%); यह विकासशील निर्यातकों के प्रति भेदभावपूर्ण है।	Q3, Q7, Q18	PYQ 2025-Jan; MTP 2024-Aug, 2025-Aug S2	2.2.1(i), pp. 9.18 – 9.19
2.2.10	Prohibitive tariff: इतना ऊँचा tariff कि कोई भी आयात प्रवेश न कर सके।	Q10	PYQ 2025-May	2.2.1(j), p. 9.19
2.2.11	Dumping तब होती है जब निर्माता किसी विदेशी देश में वस्तुएँ अपने घरेलू बाज़ार की विक्रय कीमतों से कम या अपनी पूर्ण औसत लागत (full average cost) से कम पर बेचते हैं। Anti-dumping duty उन विदेशी आयातों पर लगाया गया संरक्षणवादी tariff है जिनकी कीमत उचित बाज़ार मूल्य (fair market value) से कम मानी जाती है — एक 'trigger-price' प्रतिक्रिया जो विदेशी फर्म के अनुचित कीमत-लाभ को निष्प्रभावी करती है।	Q16, Q19 (+ 2.3 Q7, 2.3 Q10)	PYQ 2025-Sep; RTP 2025-Jan; MTP 2025-May S2, 2025-Aug S1, 2025-Aug S2	2.2.1(l)–(m), p. 9.19
2.2.12	Countervailing duties (CVD) वे tariffs हैं जिनका उद्देश्य उन निर्यातकों द्वारा ली जाने वाली कृत्रिम रूप से कम कीमतों को निष्प्रभावी करना है जिन्हें अपनी सरकारों से export subsidies एवं कर-रियायतें मिलती हैं, ताकि subsidy का लाभ समाप्त हो जाए (जैसे ASEAN से gold jewellery पर भारत का 12.5% CVD, 2016)।	Q12, Q22	PYQ 2026-Jan, 2026-Sep	2.2.1(n), p. 9.20

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.2.13	Tariff के प्रभाव: व्यापार की मात्रा तथा निर्यातक की market access घटती है; घरेलू उपभोक्ताओं का consumer surplus घटता है (अधिक कीमत, कम मात्रा); घरेलू import substitutes को प्रोत्साहन मिलता है; घरेलू उत्पादकों का कल्याण एवं producer surplus बढ़ता है, क्योंकि विदेशी प्रतिस्पर्धा घटने से वे अधिक कीमत ले सकते हैं; उद्योग में output, फर्मों की संख्या तथा रोज़गार बढ़ते हैं; comparative advantage की उपेक्षा होती है (शेष विश्व में कुशल उत्पादन हतोत्साहित होता है); सरकारी राजस्व बढ़ता है।	Q2, Q20	PYQ 2024-Jun; MTP 2026-Apr S1	2.2.2, pp. 9.20 – 9.21

विषय 2.3 ग़ैर-प्रशुल्क उपाय — NTMs (Non-Tariff Measures)

17 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 11 · RTP 2 · MTP 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.1	NTMs साधारण customs tariffs के अतिरिक्त वे नीतिगत उपाय हैं जो वस्तुओं के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित कर सकते हैं — व्यापारित मात्रा, कीमतें या दोनों बदलकर; tariffs दृश्य (visible) बाधाएँ हैं, NTMs छिपी हुई या 'invisible' बाधाएँ। Non-tariff barriers (NTBs) NTMs का वह उपसमूह (subset) हैं जिनका आशय संरक्षणवादी या भेदभावपूर्ण होता है। अत: tariffs — countervailing तथा anti-dumping duties सहित — NTBs नहीं हैं, जबकि import quotas तथा technical standards (TBT) NTMs हैं।	Q4, Q15	MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S2	2.3, p. 9.21
2.3.2	Technical measures उत्पाद-विशिष्ट गुणों से सम्बन्धित हैं — उत्पाद की विशेषताएँ, technical specifications तथा उत्पादन प्रक्रियाएँ (SPS, TBT)। Non-technical measures व्यापार-आवश्यकताओं से सम्बन्धित हैं — shipping requirements, custom formalities, trade rules, कराधान नीतियाँ — और ये hard (price एवं quantity control), threat (anti-dumping, safeguards) या other (trade-related finance and investment) उपाय होते हैं।	Q11, Q17	PYQ 2026-Jan, 2026-Sep	2.3, p. 9.22
2.3.3	Sanitary and Phytosanitary (SPS) measures मानव, पशु या पादप जीवन को additives, pests, contaminants, toxins या रोग-कारक जीवों (disease-causing organisms) से उत्पन्न जोखिमों से बचाते हैं, तथा जैव-विविधता (biodiversity) की रक्षा करते हैं (जैसे avian-flu वाले देशों से poultry पर प्रतिबन्ध); ये technical measures हैं।	Q5, Q17	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep	2.3.1(I), p. 9.22
2.3.4	Technical Barriers to Trade (TBT) खाद्य एवं अखाद्य दोनों प्रकार के व्यापारित उत्पादों पर लागू होते हैं: आकार, आकृति, design, labelling/marking/packaging, functionality, performance तथा उत्पादन-विधियों (SPS को छोड़कर) पर अनिवार्य मानक एवं technical regulations, साथ ही conformity assessment (testing, inspection, certification)। उदाहरण: food laws, quality standards, industrial standards, organic certification, eco-labelling, marketing एवं label requirements — import quotas, TBT **नहीं** हैं।	Q2, Q9, Q14	PYQ 2024-Sep, 2025-Sep; MTP 2025-Dec S1	2.3.1(II), pp. 9.22 – 9.23

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.3.5	आयात पर non-technical measures (SM सूची): import quotas; price control (para-tariff) measures; non-automatic licensing एवं prohibitions; financial measures; प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले उपाय (measures affecting competition); government procurement policies; trade-related investment measures; distribution restrictions; post-sales services पर प्रतिबन्ध; administrative procedures; rules of origin; safeguard measures; embargoes। SPS एक technical measure है, non-technical नहीं।	Q17	PYQ 2026-Sep	2.3.2, pp. 9.23 – 9.26
2.3.6	Import quota: एक प्रत्यक्ष प्रतिबन्ध जो किसी निश्चित अवधि में, सामान्यतः एक वर्ष में, किसी वस्तु की केवल एक निश्चित भौतिक मात्रा को देश में आने देता है, और licences द्वारा लागू होता है — इसका उद्देश्य आयात की मात्रा सीमित करना है; सरकार को कोई राजस्व नहीं मिलता और licence-धारक 'quota rents' अर्जित करते हैं। मात्रात्मक सीमाएँ आयात (quotas, prohibitions) तथा निर्यात (export bans, VERs) दोनों पर लागू हो सकती हैं।	Q3, Q16	RTP 2024-Sep; MTP 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	2.3.2(i), pp. 9.23 – 9.24; 2.4, p. 9.26 ('quantitative restrictions' SM में परिभाषित नहीं है)
2.3.7	Non-automatic licensing एवं prohibitions का उद्देश्य आयात की जा सकने वाली वस्तुओं की मात्रा सीमित करना है, चाहे वे विभिन्न स्रोतों से आती हों या किसी एक विशेष आपूर्तिकर्ता से (जैसे textiles केवल discretionary licence पर)।	Q12	PYQ 2026-May	2.3.2(iii), p. 9.24
2.3.8	Financial measures विदेशी मुद्रा (foreign exchange) तक पहुँच एवं उसकी लागत को नियन्त्रित करके तथा भुगतान की शर्तें तय करके आयात-लागत बढ़ाते हैं — जैसे माल पहुँचने से तीन महीने पहले मूल्य के एक प्रतिशत का अग्रिम भुगतान, या कुछ आयातों के लिए foreign exchange देने से इनकार।	Q8	PYQ 2025-Sep	2.3.2(iv), p. 9.24
2.3.9	Safeguard measures किसी उत्पाद के आयात को अस्थायी रूप से प्रतिबन्धित करते हैं यदि आयात में अचानक वृद्धि (surge) से उसके घरेलू उद्योग को क्षति (injury) पहुँची हो या गम्भीर क्षति का खतरा हो; ये सीमित समय के लिए तथा non-discriminatory होने चाहिए।	Q13	PYQ 2026-May	2.3.2(xii), p. 9.26
2.3.10	Embargo: सरकार द्वारा किसी विशेष देश या क्षेत्र के साथ कुछ या सभी वस्तुओं के आयात या निर्यात पर निर्दिष्ट या अनिश्चित अवधि के लिए लगाया गया पूर्ण प्रतिबन्ध (राजनीतिक, स्वास्थ्य या धार्मिक कारणों से) — व्यापार बाधा का सबसे चरम रूप।	Q1, Q6	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan	2.3.2(xiii), p. 9.26
2.3.11	*विषय 2.2 देखें: dumping = विदेश में घरेलू बाज़ार की कीमत या पूर्ण औसत लागत से कम पर बिक्री; anti-dumping duty उचित बाज़ार मूल्य (fair market value) से कम कीमत वाले आयातों पर लगाई जाती है।*	Q7, Q10	PYQ 2025-Sep; RTP 2025-Jan; MTP 2025-May S2	2.2.1(m), p. 9.19

विषय 2.4 निर्यात-सम्बन्धी उपाय (Export-Related Measures)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
2.4.1	Voluntary Export Restraints (VERs) **निर्यातक** देश द्वारा प्रशासित एक अनौपचारिक quota हैं, जो किसी निर्दिष्ट अवधि में निर्यात की मात्रा को स्वेच्छा से सीमित करता है; ये आयातक देश के साथ वार्ता से उत्पन्न होते हैं, ताकि उसे सन्तुष्ट किया जा सके और प्रतिशोधात्मक प्रतिबन्धों (retaliatory restraints) से बचा जा सके। इसलिए VERs न तो आयातक देशों द्वारा लगाए जाते हैं और न ही औपचारिक कानूनी quotas हैं।	Q2	PYQ 2026-Sep	2.4(iv), pp. 9.26 – 9.27
2.4.2	*विषय 2.2 देखें: CVD export subsidies को निष्प्रभावी करता है। इसे लगाने की शर्तें — export performance से सम्बन्धित subsidy, निर्यात-वस्तु में आयातित वस्तुओं के बजाय घरेलू वस्तुओं के प्रयोग से सम्बन्धित subsidy, या सीमित संख्या में व्यक्तियों को दी गई subsidy — customs law से ली गई हैं, SM से नहीं; ICAI का उत्तर 'all the above' है।*	Q1	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)

इकाई 3: व्यापार वार्ताएँ (Trade Negotiations)

SM अध्याय 9, इकाई 3, पृष्ठ 9.33 – 9.47

विषय 3.1 प्रस्तावना (Introduction)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.1.1	UNCTAD (United Nations Conference on Trade and Development) विकासशील देशों के विश्व अर्थव्यवस्था में विकास-अनुकूल (development-friendly) एकीकरण को बढ़ावा देता है।	Q1	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 3.2 क्षेत्रीय व्यापार समझौतों (RTAs) का वर्गीकरण (Taxonomy of Regional Trade Agreements)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.1	RTAs देशों के ऐसे समूह हैं (आवश्यक नहीं कि एक ही क्षेत्र के हों) जो सदस्यों के बीच व्यापार-बाधाएँ घटाने के लिए बनाए जाते हैं — दो या अधिक सरकारों के बीच एक संधि (treaty) जो सभी हस्ताक्षरकर्ताओं के लिए व्यापार के नियम निर्धारित करती है; 1 फ़रवरी 2021 तक 339 RTAs लागू थे।	(+ 3.5 Q3)	PYQ 2024-Sep	3.2, p. 9.34
3.2.2	RTA के प्रकार: unilateral, bilateral, regional preferential, trading bloc, free-trade area, customs union, common market, economic and monetary union। Bilateral agreements दो देशों, दो blocs या एक bloc और एक देश के बीच व्यापार के नियम तय करते हैं, और उनके बीच tariffs तथा बाधाएँ घटाते हैं (जैसे EU–South Africa FTA; ASEAN–India FTA)।	Q1	MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	3.2, pp. 9.34 – 9.35

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.2.3	Multilateral negotiations एवं agreements में सम्पूर्ण WTO सदस्यता शामिल होती है — GATT द्वारा निर्मित और अब WTO के अधीन multilateral trading system; WTO agreements multilateral हैं, जबकि NAFTA तथा EU क्षेत्रीय व्यवस्थाएँ (regional arrangements) हैं।	Q3	MTP 2025-Jan S2	3.2, p. 9.36; 3.5.3 मद (item) 16, p. 9.43
3.2.4	Trading bloc: देशों का ऐसा समूह जिनके बीच free trade agreement होता है और जो अन्य देशों पर common external tariff लागू कर सकते हैं (जैसे Arab League, EFTA)।	Q4 (+ 3.5 Q2, 3.5 Q5)	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep; MTP 2024-Dec S1	3.2, pp. 9.34 – 9.35
3.2.5	Free-trade area: सदस्य आपस में tariff-मुक्त व्यापार करते हैं परन्तु अपने-अपने अलग external tariffs बनाए रखते हैं (जैसे ASEAN–India FTA, 2005)। Customs union: सदस्य सभी आन्तरिक tariffs समाप्त कर देते हैं और common external tariff बनाए रखते हैं — EU (27 सदस्य), Gulf Cooperation Council (GCC), MERCOSUR।	Q5 (+ 3.5 Q8)	PYQ 2025-Jan, 2026-May	3.2, p. 9.35
3.2.6	Common market, customs union को और गहरा करता है — output तथा उत्पादन के साधनों (labour, capital) का मुक्त प्रवाह एवं सामंजस्यपूर्ण (harmonised) कानून; Economic and Monetary Union इसमें common currency तथा macroeconomic policies का सुदृढ़ अभिसरण (convergence) जोड़ता है (जैसे EU की single currency)।	Q6	MTP 2025-Aug S1	3.2, pp. 9.35 – 9.36
3.2.7	प्रमुख निर्यातक उद्योगों को लक्ष्य करने वाली नीतियाँ उस क्षेत्र में रोज़गार बढ़ाती हैं और निर्यात को बढ़ावा देकर current account balance में सुधार करती हैं।	Q2	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 3.3 प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता — GATT (The General Agreement on Tariffs and Trade)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1 · Model Q 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.3.1	GATT वस्तुओं के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित है; इसने 47 वर्षों (1948–1994) तक विश्व के अधिकांश व्यापार के नियम प्रदान किए, और इसके तत्त्वावधान में आयोजित आठ बहुपक्षीय 'trade rounds' ने tariffs घटाए तथा पर्याप्त trade liberalisation किया। GATT एक समझौता (agreement) था — न संधि (treaty) और न ही अन्तर्राष्ट्रीय संगठन।	Q1; MQ 1.3: Q1 (+ 3.4 MQ 1.3 Q2)	MTP 2026-Apr S2; Model Q ×2	3.3, pp. 9.36 – 9.37; Summary, p. 9.46

विषय 3.4 Uruguay Round तथा WTO की स्थापना (The Uruguay Round and the Establishment of WTO)

10 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP 1 · MTP 1 · Model Q 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.1	SM, GATT को 1948 से मानता है — इसने 47 वर्षों तक, 1948 से 1994 तक, विश्व व्यापार के नियम प्रदान किए।	Q1; MQ 1.3: Q1	PYQ 2024-Jun; Model Q	Summary, p. 9.46

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.4.2	*विषय 3.3 देखें: GATT ने बहुपक्षीय व्यापार वार्ताएँ (multilateral trade negotiations) आयोजित करके व्यापार-बाधाएँ घटाईं — आठ 'trade rounds'।*	MQ 1.3: Q2	Model Q	Summary, p. 9.46
3.4.3	1980 के दशक तक GATT की प्रासंगिकता समाप्त हो गई, क्योंकि: यह उभरते globalisation के लिए अप्रचलित (obsolete) हो गया था; अन्तर्राष्ट्रीय निवेश काफ़ी बढ़ गए थे; intellectual property rights तथा services इसमें शामिल नहीं थे; merchandise trade इसके दायरे से बाहर बढ़ गया था; इसकी अस्पष्टताओं का दुरुपयोग हुआ; कृषि व्यापार के उदारीकरण के प्रयास सफल नहीं हुए; संस्थागत ढाँचे एवं dispute settlement system में कमियाँ थीं; यह संधि (treaty) नहीं था।	Q4	PYQ 2025-May	3.3, pp. 9.36 – 9.37
3.4.4	Uruguay Round (आठवाँ, सबसे बड़ा और सबसे महत्त्वाकांक्षी round; 123 देश): सितम्बर 1986 में Punta del Este, Uruguay में आरम्भ हुआ और दिसम्बर 1993 में पूर्ण हुआ (1986–94 का round); 15 अप्रैल 1994 को हस्ताक्षरित, इससे 1995 में World Trade Organisation का जन्म हुआ।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.4: Q1, Q2; MQ 1.5: Q1	MTP 2025-Aug S1; Model Q ×3	3.4, p. 9.37; Summary, p. 9.46
3.4.5	WTO एक एकल संस्थागत ढाँचा (single institutional framework) है जिसमें Uruguay Round द्वारा संशोधित GATT समाहित है — इसकी स्थापना Uruguay Round के final act को लागू करने के लिए की गई थी, जो GATT का स्थान लेने वाले समझौतों का एक नया समूह था।	Q2	RTP 2025-Jan	3.4, p. 9.37; Summary, p. 9.46
3.4.6	*विषय 3.1 देखें: USMCA (United States–Mexico–Canada Agreement), जो 2020 में Canada, Mexico तथा United States के बीच सम्पन्न हुआ, NAFTA का उत्तराधिकारी (successor) है।*	Q3	PYQ 2025-May	3.1, pp. 9.33 – 9.34

विषय 3.5 विश्व व्यापार संगठन — WTO (The World Trade Organisation)

39 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP 1 · MTP 9 · Model Q 23

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.1	*विषय 3.1 देखें: व्यापार वार्ताएँ (trade negotiations) अन्तःक्रियात्मक (interactive) प्रक्रियाएँ हैं जिनमें प्रतिस्पर्धी उद्देश्यों वाले देश व्यापार के नियम बनाने के लिए सहयोग करते हैं — एक पक्ष कम tariffs के माध्यम से market access के लिए मोलभाव करता है, दूसरा घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए; agenda, market access से लेकर trade-related intellectual property तक फैला है।*	MQ 1.1: Q1, Q2	Model Q ×2	3.1, pp. 9.33 – 9.34; 3.4, p. 9.37 (केवल Model Q)
3.5.2	WTO एकमात्र वैश्विक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रों के बीच व्यापार के नियमों से सम्बन्धित है; इसका प्रमुख उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवाह को सुचारु, स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं पूर्वानुमेय (predictable) रूप से सुगम बनाना है, और बहुपक्षीय वार्ताओं का लक्ष्य व्यापार-बाधाएँ घटाना है ('freer trade: gradually, through negotiation')।	Q11; MQ 1.4: Q1	RTP 2026-Jan; Model Q	3.5, p. 9.37; 3.5.2, p. 9.40

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.3	WTO के छह उद्देश्य: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के नियम बनाना और लागू करना; आगे के trade liberalisation पर वार्ता एवं निगरानी के लिए मंच (forum) प्रदान करना; व्यापार विवादों का समाधान करना; निर्णय-प्रक्रिया की पारदर्शिता बढ़ाना; अन्य अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं के साथ सहयोग करना; विकासशील देशों को व्यापार प्रणाली का पूरा लाभ उठाने में सहायता करना। गोपनीयता (secrecy) कभी भी उद्देश्य नहीं है।	Q9	PYQ 2026-Jan	3.5, p. 9.38
3.5.4	WTO की संरचना: Geneva में Secretariat, जिसका प्रमुख Director General होता है; त्रि-स्तरीय निर्णय-प्रक्रिया — Ministerial Conference सर्वोच्च निकाय है (कम से कम हर दो वर्ष में एक बार बैठक); फिर General Council (जो Trade Policy Review Body तथा Dispute Settlement Body के रूप में भी बैठती है); फिर Goods, Services तथा TRIPS Councils।	MQ 1.5: Q2; MQ 1.5.1: Q1	Model Q ×2	3.5.1, p. 9.38
3.5.5	Dispute-panel के निर्णयों के विरुद्ध अपीलें WTO Appellate Body में जाती हैं (SM केवल Dispute Settlement Body का उल्लेख करता है)।	MQ 1.5.1: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
3.5.6	Most-favoured-nation (MFN): देश सामान्यत: अपने व्यापारिक साझेदारों के बीच भेदभाव नहीं कर सकते — यदि किसी एक को विशेष रियायत (special favour) दें तो सभी WTO सदस्यों को वही देनी होगी (सभी के लिए समान शर्तें)। यह GATT का पहला अनुच्छेद (article) है (अत: GATT द्वारा प्रारम्भ), और GATS (Art. 2) तथा TRIPS (Art. 4) में भी है; FTAs तथा विकासशील देशों के लिए विशेष पहुँच अनुमत अपवाद (permitted exceptions) हैं।	Q1, Q6, Q10, Q12; MQ 1.3: Q1	PYQ 2024-Jun; MTP 2024-Dec S1, 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-Aug S1	3.5.2, p. 9.39
3.5.7	National treatment: आयातित एवं स्थानीय रूप से उत्पादित वस्तुओं (तथा विदेशी एवं घरेलू services, trademarks, copyrights, patents) के साथ बाज़ार में प्रवेश के बाद समान व्यवहार होना चाहिए; इसलिए post-sales services को स्थानीय कम्पनियों के लिए आरक्षित करना national treatment का उल्लंघन है, परन्तु किसी आयात पर customs duty लगाना नहीं।	Q7; MQ (ix) Restriction on: Q1; MQ 1.5.2: Q1	MTP 2024-Dec S1; Model Q ×2	3.5.2, p. 9.39; 2.3.2(ix), p. 9.25
3.5.8	WTO के मार्गदर्शक सिद्धान्त (guiding principles): भेदभाव-रहित व्यापार (MFN तथा national treatment); वार्ता के माध्यम से क्रमश: अधिक स्वतन्त्र व्यापार (freer trade); binding तथा transparency के माध्यम से पूर्वानुमेयता (predictability); निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा; विकास एवं आर्थिक सुधार को प्रोत्साहन। 'Special treatment' इनमें से एक नहीं है।	Q15; MQ 1.5.2: Q1	PYQ 2026-Sep; Model Q	3.5.2, pp. 9.39 – 9.41
3.5.9	Trade Policy Review Mechanism (TPRM): Trade Policy Review Body द्वारा सदस्यों की व्यापार नीतियों एवं व्यवहारों की नियमित निगरानी (surveillance) तथा आवधिक समीक्षा, जो पारदर्शिता को प्रोत्साहित करती है।	Q13	MTP 2025-Aug S2	3.5.2, p. 9.40; 3.5.3 मद (item) 15, p. 9.43

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.10	विकास को प्रोत्साहन: विकासशील देशों को लम्बी संक्रमण अवधि (transition periods), विशेष सहायता तथा व्यापार रियायतें मिलती हैं; अल्पतम विकसित देशों (least-developed countries) के लिए समृद्ध सदस्य market access को तेज़ करते हैं, तकनीकी सहायता बढ़ाते हैं और duty-free, quota-free आयात की अनुमति देते हैं।	MQ 1.5.2: Q2	Model Q	3.5.2, p. 9.41
3.5.11	प्रमुख WTO agreements: Agriculture; SPS; Textiles and Clothing; TBT; TRIMs; Anti-Dumping; Customs Valuation; Pre-shipment Inspection; Rules of Origin; Import Licensing; Subsidies and Countervailing Measures; Safeguards; GATS; TRIPS; TPRM; Plurilateral Agreements (GATT स्वयं भी सम्मिलित है) — NAFTA एक क्षेत्रीय समझौता है, WTO agreement नहीं।	MQ 1.5: Q1	Model Q	3.5.3, pp. 9.41 – 9.43
3.5.12	TRIPS = Agreement on Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights: copyright, trademarks, geographical indications, industrial designs, patents आदि के लिए MFN तथा national treatment, उच्च संरक्षण एवं प्रवर्तन (enforcement) के साथ।	Q4	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Dec S1	3.5.3 मद (item) 14, p. 9.43
3.5.13	Trade-related investment measures निवेश-नियमों के माध्यम से व्यापार को प्रतिबन्धित करते हैं — local content requirements (जैसे automobile components का 25% घरेलू स्रोतों से), आयातित components पर सीमा, trade balancing (आयात export earnings के 75% तक सीमित); TRIMs Agreement उन उपायों को वर्जित करता है जो national treatment तथा quantitative restrictions के सामान्य उन्मूलन (general elimination) से असंगत हैं।	MQ (vii) Trade-Related Investment: Q1, Q2	Model Q ×2	2.3.2(vii), p. 9.25; 3.5.3 मद (item) 5, p. 9.42
3.5.14	Agreement on Agriculture तीन क्षेत्रों — market access, domestic support तथा export subsidies — में बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं (binding commitments) के माध्यम से कृषि व्यापार पर GATT के अनुशासन (disciplines) को सुदृढ़ करता है।	Q14	MTP 2026-Apr S2	3.5.3 मद (item) 1, p. 9.42 (अनुमत support का विवरण केवल MTP में)
3.5.15	*विषय 2.3 देखें: WTO agreements के अन्तर्गत NTMs केवल कुछ परिस्थितियों में अनुमत हैं; इसलिए import quotas, price controls, non-automatic licensing, financial measures, measures affecting competition तथा government procurement policies को WTO नियमों के अन्तर्गत चुनौती दी जा सकती है; WTO quotas को हतोत्साहित करता है।*	MQ (i) Import Quotas:: Q1; MQ (ii) Price Control: Q1; MQ (iii) Non-automatic Licensing: Q1; MQ (iv) Financial Measures:: Q1; MQ (v) Measures Affecting: Q1; MQ (vi) Government Procurement: Q1	Model Q ×6	2.3, p. 9.21; 3.5.2, p. 9.40 (केवल Model Q)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.5.16	*विषय 2.3 देखें: distribution restrictions तथा महँगी administrative procedures (licences, विलम्ब, red tape) transaction costs बढ़ाती हैं और आयात को हतोत्साहित करती हैं; WTO का Agreement on Import Licensing Procedures प्रक्रियाओं को सरल बनाता है ताकि वे व्यापार-बाधा न बनें — सुव्यवस्थित (streamlined) प्रक्रियाएँ दक्षता बढ़ाती हैं और सीमा-पार लेन-देन (cross-border transactions) को सुगम बनाती हैं।*	MQ (viii) Distribution Restrictions:: Q1; MQ (x) Administrative Procedures:: Q1, Q2	Model Q ×3	2.3.2(viii), (x), p. 9.25; 3.5.3 मद (item) 10, p. 9.43
3.5.17	Safeguard measures आयात पर अस्थायी आपातकालीन प्रतिबन्ध हैं, जो तब लगाए जाते हैं जब आयात में अचानक वृद्धि (surge) किसी घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाती है या गम्भीर क्षति का खतरा उत्पन्न करती है; Agreement on Safeguards इसके अनुशासन (disciplines) निर्धारित करता है।	MQ (xii) Safeguard Measures:: Q1	Model Q	2.3.2(xii), p. 9.26; 3.5.3 मद (item) 12, p. 9.43
3.5.18	SM safeguards के लिए केवल यह अपेक्षा करता है कि वे सीमित समय के लिए तथा non-discriminatory हों; यह कोई अवधि नहीं बताता (WTO Agreement on Safeguards चार वर्ष तक की अनुमति देता है, जिसे अधिकतम आठ वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है)।	MQ (xii) Safeguard Measures:: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
3.5.19	*विषय 3.2 देखें: trading bloc = देशों का ऐसा समूह जिनके बीच आपस में FTA हो और जो अन्य देशों पर common external tariff लागू कर सकते हैं; EU एक customs union है; 1 फ़रवरी 2021 को 339 RTAs लागू थे।*	Q2, Q3, Q5, Q8	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep, 2025-Jan; MTP 2024-Dec S1	3.2, pp. 9.34 – 9.35

विषय 3.6 Doha Round (The Doha Round)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.6.1	Doha Round = Doha Development Agenda: द्वितीय विश्व युद्ध (Second World War) के बाद का नौवाँ round, जो नवम्बर 2001 में Doha, Qatar में WTO के चौथे Ministerial Conference में प्रारम्भ हुआ; इसमें 20 क्षेत्र शामिल हैं (agriculture, services, NAMA, trade facilitation, environment, IP issues) और इसका सबसे विवादास्पद विषय कृषि व्यापार (agriculture trade) था।	Q1, Q3	PYQ 2025-May, 2026-Sep; MTP 2025-Aug S1	3.6, p. 9.44
3.6.2	Doha Development Agenda विकासशील देशों की चिन्ताओं को उठाता है, जिनमें Uruguay Round agreements को लागू करने में उन्हें होने वाली कठिनाइयाँ भी शामिल हैं।	Q2	MTP 2026-Apr S2	3.5.2, p. 9.41; 3.6, p. 9.44

विषय 3.7 G 20 अर्थव्यवस्थाएँ (Economies): व्यापार को सुगम बनाना (Facilitating Trade)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP –

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
3.7.1	G20 के सदस्य: Argentina, Australia, Brazil, Canada, China, European Union, France, Germany, India, Indonesia, Italy, Japan, Republic of Korea, Mexico, Russian Federation, Saudi Arabia, South Africa, Türkiye, United Kingdom तथा United States (Tunisia सदस्य नहीं है)।	Q1	PYQ 2025-Jan	3.7, p. 9.45

इकाई 4: विनिमय दर तथा उसके आर्थिक प्रभाव (Exchange Rate and its Economic Effects)

SM अध्याय 9, इकाई 4, पृष्ठ 9.50 – 9.66

विषय 4.1 प्रस्तावना (Introduction)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP – · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.1.1	विनिमय दर (exchange rate) वह दर है जिस पर एक देश की मुद्रा का दूसरे देश की मुद्रा से विनिमय होता है।	MQ 1.1: Q1	Model Q	Summary, p. 9.64
4.1.2	किसी राशि को दी गई दर पर बदलने के लिए उसे प्रति इकाई दूसरी मुद्रा की इकाइयों से गुणा करें: 1 USD = 0.85 EUR पर, 100 USD = 100 × 0.85 = 85 EUR।	MQ 1.2: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
4.1.3	*विषय 4.4 देखें: nominal exchange rate वह दर है जिस पर कोई व्यक्ति एक देश की मुद्रा का दूसरे देश की मुद्रा से विनिमय (trade) कर सकता है।*	MQ 1.4: Q1	Model Q	4.4, p. 9.54

विषय 4.2 विनिमय दर (The Exchange Rate)

1 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 1

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.2.1	Forex market में dollars की पूर्ति वे US निवासी करते हैं जो विदेशी वस्तुएँ, सेवाएँ एवं परिसम्पत्तियाँ (assets) खरीदते हैं (उन्हें विदेशी मुद्रा चाहिए — SM का demand-side कारण 'purchase goods and services from another country'); यदि कम US निवासी विदेश यात्रा करते हैं तो dollars की पूर्ति की मात्रा (quantity supplied) घट जाती है।	Q1	MTP 2025-Dec S1	4.6, pp. 9.56 – 9.57 (US-पक्ष की प्रस्तुति केवल MTP में)

विषय 4.3 विनिमय दर की प्रणालियाँ (The Exchange Rate Regimes)

16 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP 1 · MTP 5 · Model Q 10

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.3.1	Exchange rate regime वह प्रणाली है जिसके द्वारा कोई देश विदेशी मुद्राओं के सापेक्ष अपनी मुद्रा का प्रबन्धन करता है — वह विधि जिससे विदेशी मुद्राओं के रूप में घरेलू मुद्रा का मूल्य निर्धारित होता है; इसके दो छोर (extremes) floating (flexible) तथा fixed regime हैं।	MQ 1.3: Q1	Model Q	4.3, p. 9.52

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.3.2	Floating regime में विनिमय दर बाज़ार द्वारा निर्धारित होती है — अन्य मुद्राओं के सापेक्ष उस मुद्रा की माँग एवं पूर्ति द्वारा; free float में सरकारें तथा केन्द्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाज़ार में भाग नहीं लेते।	MQ 1.1: Q1	Model Q	4.3, p. 9.52; Summary, p. 9.64
4.3.3	Managed float: दरें अब भी float करने के लिए स्वतन्त्र रहती हैं, परन्तु सरकार या केन्द्रीय बैंक उनके मूल्य को प्रभावित करने के लिए भाग लेता है — मुद्रा खरीदकर या बेचकर — सामान्यत: अचानक बड़े उतार-चढ़ाव (swings) को रोकने के लिए। RBI का हस्तक्षेप भारत की प्रणाली को managed float बनाता है (जिसे शिथिल रूप से 'dirty float' भी कहते हैं — यह floating regimes की विशेषता है, fixed की नहीं)।	Q2, Q4, Q6; MQ Managed Float Systems: Q1, Q2	MTP 2024-Dec S1, 2025-Aug S1, 2026-Apr S1; Model Q ×2	4.3, pp. 9.52 – 9.53 (भारत की प्रणाली तथा 'dirty float' का SM में नाम नहीं है)
4.3.4	Fixed (pegged) exchange rate: सरकारी नीति द्वारा निर्धारित — सरकार घोषणा करती है कि उसकी मुद्रा का मूल्य किसी अन्य मुद्रा, मुद्राओं की टोकरी (basket of currencies) या सोने जैसे किसी अन्य मूल्य-मापक के रूप में कितना है; केन्द्रीय बैंक को forex market में हस्तक्षेप (विदेशी मुद्रा खरीदने या बेचने) के लिए सदैव तैयार रहना होता है और पर्याप्त foreign exchange reserves बनाए रखने होते हैं।	MQ 1.2: Q2; MQ Fixed Exchange Rates: Q1, Q2	Model Q ×3	4.3, p. 9.53; Summary, p. 9.64
4.3.5	Soft peg: विनिमय दर सामान्यत: बाज़ार द्वारा निर्धारित होती है; hard peg: केन्द्रीय बैंक एक स्थिर और अपरिवर्तनीय मूल्य तय करता है। Soft peg वह प्रणाली है जिसे सबसे अधिक संख्या में IMF सदस्य अपनाते हैं।	Q1	RTP 2024-Sep; MTP 2025-Dec S1	सारांश (Summary), p. 9.64 (IMF-सदस्यता वाला तथ्य केवल RTP/MTP में)
4.3.6	Crawling peg (निर्धारित संकेतकों के आधार पर समय के साथ क्रमश: समायोजित दर) तथा currency board (घरेलू मुद्रा किसी विदेशी मुद्रा से निश्चित दर पर pegged) मध्यवर्ती प्रणालियाँ (intermediate regimes) हैं, जिनका SM में वर्णन नहीं है।	MQ 1.3: Q2, Q3	Model Q ×2	SM में नहीं (केवल Model Q)
4.3.7	Fixed regime के लाभ: मुद्रा के उतार-चढ़ाव से बचाव तथा exchange rate risks एवं transaction costs की समाप्ति; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश में अत्यधिक वृद्धि; exchange rate movements पर सट्टेबाज़ी (speculation) में **कमी**; monetary authority पर अनुशासन (कम inflation); स्थिरता निवेश को प्रोत्साहित करती है; monetary policy की विश्वसनीयता (credibility) बढ़ती है। लागत: केन्द्रीय बैंक को हस्तक्षेप करना पड़ता है और पर्याप्त reserves रखने पड़ते हैं।	Q3	PYQ 2025-Sep	4.3, p. 9.53
4.3.8	Floating regime — लाभ: स्वतन्त्र monetary policy; विनिमय दर को policy tool के रूप में प्रयोग किया जा सकता है; विशाल forex reserves की आवश्यकता नहीं। सबसे बड़ी हानि: अस्थिर (volatile) विनिमय दरें अन्तर्राष्ट्रीय लेन-देन में अनिश्चितता पैदा करती हैं और लागतों में risk premium जोड़ती हैं। Fixed = स्थिरता एवं विश्वसनीयता, परन्तु लचीलापन नहीं; floating = नीतिगत लचीलापन, परन्तु कम स्थिरता।	Q5	MTP 2025-Aug S2	4.3, p. 9.54

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.3.9	*विषय 4.7 देखें: कोई मुद्रा तब appreciate होती है जब किसी अन्य मुद्रा या अन्य मुद्राओं की टोकरी (basket of currencies) के सापेक्ष उसका मूल्य बढ़ता है।*	MQ 1.2: Q1	Model Q	4.7, p. 9.57

विषय 4.4 Nominal बनाम Real विनिमय दर (Nominal versus Real Exchange Rates)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.4.1	Nominal exchange rate: वह दर जिस पर कोई व्यक्ति एक देश की मुद्रा का दूसरे देश की मुद्रा से विनिमय कर सकता है। Real exchange rate: वह दर जिस पर कोई व्यक्ति एक देश की वस्तुओं एवं सेवाओं का दूसरे देश की वस्तुओं एवं सेवाओं से विनिमय कर सकता है — एक देश की किसी वस्तु या सेवा की 'how many' (कितनी) इकाइयाँ, विदेश में उसी वस्तु या सेवा की 'one' (एक) इकाई के बदले दी जा सकती हैं। व्यापार-प्रवाह (trade flows) real rate से प्रभावित होते हैं, nominal rate से नहीं।	(+ 4.1 MQ 1.4 Q1, 4.5 Q4)	PYQ 2026-Sep; Model Q	4.4, p. 9.54
4.4.2	Real exchange rate = Nominal exchange rate × (Domestic price index ÷ Foreign price index) — अर्थात् nominal rate तथा कीमतों के अनुपात (ratio of prices) का गुणनफल। Nominal rate निकालने के लिए सूत्र को पुनर्व्यवस्थित करें: NER = RER × Foreign index ÷ Domestic index (25 × 70/140 = 12.5); सीधी दिशा में: 15 × 250/200 = 18.75।	Q2, Q3 (+ 4.6 MQ 1.4 Q1)	PYQ 2026-Jan, 2026-May; Model Q	4.4, p. 9.55
4.4.3	REER = nominal effective exchange rate (विभिन्न विदेशी मुद्राओं के भारित औसत (weighted average) के सापेक्ष घरेलू मुद्रा का मूल्य) को price deflator या index of costs से भाग देने पर प्राप्त दर, अर्थात् inflation के लिए समायोजित NEER; nominal rate स्थिर रहने पर REER तभी बढ़ता है जब घरेलू inflation विदेशी inflation से अधिक हो।	Q4, Q5	MTP 2025-Dec S1, 2026-Apr S1	4.4, p. 9.55; Summary, p. 9.65
4.4.4	REER में वृद्धि (ऊँची real exchange rate) का अर्थ है कि निर्यात महँगे और आयात सस्ते हो जाते हैं — व्यापारिक प्रतिस्पर्धात्मकता (trade competitiveness) की हानि; अतः निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं और current account, deficit की ओर झुकता है।	Q1, Q6	PYQ 2024-Jun, 2025-Sep; MTP 2026-Apr S1	4.4, p. 9.55; 4.9, p. 9.63

विषय 4.5 विदेशी मुद्रा बाज़ार (The Foreign Exchange Market)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 2 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.5.1	Foreign exchange market उन बाज़ारों और संस्थाओं का विस्तृत समूह है जो विदेशी मुद्राओं के विनिमय का काम करते हैं — यह एक over-the-counter, इलेक्ट्रॉनिक रूप से जुड़ा network है (कोई भौतिक स्थान नहीं), जिसमें spreads बहुत संकीर्ण (very narrow) होते हैं।	MQ 1.5: Q1	Model Q	Summary, p. 9.65

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.5.2	अधिकांश forex लेन-देन में विदेशी मुद्राओं का विनिमय US dollars से होता है, भले ही dollar न आयातक की राष्ट्रीय मुद्रा हो, न निर्यातक की — इसीलिए dollar 'vehicle currency' है।	Q1, Q2	PYQ 2026-Jan; MTP 2024-Aug	4.5, p. 9.56
4.5.3	सबसे अधिक व्यापार वाला currency pair EUR/USD है (dollar की vehicle भूमिका के अनुरूप)।	MQ 1.5: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
4.5.4	Speculation और hedging विदेशी मुद्रा की माँग के कारणों में से हैं; speculative trading उन अपेक्षाओं (expectations) पर चलती है जो राजनीतिक घटनाओं और economic indicators से बनती हैं।	MQ 1.6: Q1	Model Q	4.6, p. 9.57 (expectations वाला कारक केवल Model Q में)
4.5.5	भारत में foreign exchange, Foreign Exchange Management Act (FEMA), 1999 द्वारा शासित है, जिसे RBI प्रशासित करता है।	Q3	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)
4.5.6	Direct quote (European) = विदेशी मुद्रा की एक इकाई के बदले स्थानीय मुद्रा की इकाइयाँ (₹65/US$; विदेशी मुद्रा base है); indirect quote (American) = स्थानीय मुद्रा की एक इकाई के बदले विदेशी मुद्रा की इकाइयाँ (प्रति रुपया $0.0151; घरेलू मुद्रा base है)। Cross rate = X–Y तथा X–Z दरों से निकाली गई Y और Z के बीच की दर।	(+ 4.9 Q1, 4.9 Q2)	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep	Summary, p. 9.64
4.5.7	Arbitrage — विभिन्न dealing स्थानों पर किसी asset की कीमतों के अन्तर का लाभ उठाकर जोखिम-रहित (risk-less) लाभ कमाना — यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी क्षण किसी मुद्रा की exchange rate सभी बाज़ारों में एक समान रहे।	(+ 4.9 Q3)	MTP 2024-Dec S1	Summary, p. 9.65
4.5.8	*विषय 4.4 देखें: real exchange rate बताती है कि एक देश की किसी वस्तु या सेवा की 'how many' इकाइयाँ, विदेश में उसी वस्तु या सेवा की 'one' इकाई के बदले दी जा सकती हैं।*	Q4	PYQ 2026-Sep	4.4, p. 9.54; Summary, p. 9.65

विषय 4.6 Nominal विनिमय दर का निर्धारण (Determination of Nominal Exchange Rate)

10 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP – · Model Q 10

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.6.1	सामान्यत: विदेशी मुद्रा की पूर्ति और माँग घरेलू मुद्रा का बाह्य मूल्य (external value) निर्धारित करती हैं; equilibrium rate वहाँ होती है जहाँ नीचे की ओर ढलान वाला demand curve (D$) ऊपर की ओर ढलान वाले supply curve (S$) को काटता है। विदेशी मुद्रा की माँग: विदेशी वस्तुएँ एवं सेवाएँ खरीदना, unilateral transfers, विदेश को investment income के भुगतान, विदेशी financial assets खरीदना, विदेशी bank account खोलना, real capital का प्रत्यक्ष स्वामित्व, speculation तथा hedging। पूर्ति: स्वदेश के निर्यातों की खरीद, स्वदेश को transfers, investment income, FDI तथा portfolio investment, bank deposits, speculation।	MQ 1.5: Q1 (+ 4.2 Q1)	MTP 2025-Dec S1; Model Q	4.6, pp. 9.56 – 9.57

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.6.2	*विषय 4.9 देखें: depreciation किसी देश के निर्यातों की सापेक्ष कीमत घटाता है (अधिक प्रतिस्पर्धी); appreciation उसके आयातों की सापेक्ष कीमत घटाता है (घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक)।*	MQ 1.1: Q1, Q2	Model Q ×2	4.9, p. 9.60
4.6.3	Trade deficit: किसी देश के आयात उसके निर्यातों से अधिक होना।	MQ 1.2: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
4.6.4	*विषय 4.4 देखें: RER = NER × (domestic price ÷ foreign price); US inflation 2% और Eurozone inflation 1% होने पर, 0.85 × 1.02/1.01 ≈ 0.858 EUR (छपी हुई key 0.8685 — Editorial Note देखें)।*	MQ 1.4: Q1, Q2	Model Q ×2	4.4, p. 9.55
4.6.5	SM से बाहर: अल्पकाल में सापेक्ष inflation, सापेक्ष interest rates और trade balances — सभी nominal rate को प्रभावित करते हैं; दीर्घकालीन प्रवृत्ति सापेक्ष inflation दरों का अनुसरण करती है (purchasing power parity)।	MQ 1.6: Q1, Q2	Model Q ×2	SM में नहीं (केवल Model Q)
4.6.6	SM से बाहर: ऊँची घरेलू interest rates और राजनीतिक स्थिरता विदेशी पूँजी को आकर्षित करती हैं, जिससे घरेलू मुद्रा की माँग बढ़ती है और उसका appreciation होता है।	MQ 1.7: Q1, Q2	Model Q ×2	SM में नहीं (केवल Model Q)

विषय 4.7 विनिमय दरों में परिवर्तन (Changes in Exchange Rates)

3 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP – · Model Q 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.7.1	जब किसी मुद्रा का मूल्य किसी अन्य मुद्रा या मुद्राओं की टोकरी (basket of currencies) के सापेक्ष बढ़ता है तो उसका appreciation होता है, और घटता है तो depreciation; जब एक का depreciation होता है, तो दूसरी का साथ-साथ appreciation होता है। Home-currency depreciation = विदेशी मुद्रा की home-currency कीमत में वृद्धि: $1 = ₹70 → ₹75 (या €1 = ₹80 → ₹85) का अर्थ है कि रुपये का depreciation हुआ है।	Q1 (+ 4.3 MQ 1.2 Q1)	PYQ 2024-Sep; Model Q	4.7, pp. 9.57 – 9.58
4.7.2	Floating rate में, किसी मुद्रा की माँग बढ़ने पर (पूर्ति अपरिवर्तित) उसका विनिमय-मूल्य बढ़ता है — उसका appreciation होता है; विदेशी मुद्रा की माँग में दाईं ओर खिसकाव (rightward shift) स्वदेशी मुद्रा का depreciation करता है, और विदेशी मुद्रा की पूर्ति में दाईं ओर खिसकाव उसका appreciation करता है।	MQ 1.6: Q1; MQ 1.7: Q1 (+ 4.9 MQ 1.6 Q1)	Model Q ×3	4.7, pp. 9.58 – 9.59

विषय 4.8 Devaluation बनाम Depreciation

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 1 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.8.1	Devaluation: किसी मुद्रा के निश्चित par value में जानबूझकर किया गया, एकमुश्त (discrete) सरकारी अधोमुखी समायोजन (fixed या लगभग fixed व्यवस्था में); revaluation: उस par value में एकमुश्त सरकारी वृद्धि। Depreciation / appreciation: floating rate में माँग और पूर्ति की बाज़ार शक्तियों (market forces) के कारण मूल्य में गिरावट / वृद्धि, न कि सरकारी कार्रवाई से।	Q1; MQ 1.8: Q1, Q2	MTP 2024-Dec S1; Model Q ×2	4.8, pp. 9.59 – 9.60
4.8.2	Devaluation या revaluation एक नीतिगत कार्य (policy act) है: monetary authority किसी reference currency या basket के सापेक्ष औपचारिक रूप से नई fixed rate तय करता है; इसके बाद विदेशी मुद्रा खरीद-बेचकर central bank उस दर को बनाए रखता है।	MQ 1.8: Q3	Model Q	4.8, p. 9.59; 4.3, p. 9.53
4.8.3	*विषय 4.9 देखें: depreciation आयातों की सापेक्ष कीमत बढ़ाता है (घटाता नहीं); इससे output expansion होता है, आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहन मिलता है और trade balance सुधरता है।*	Q2	PYQ 2026-May	Summary, p. 9.66

विषय 4.9 घरेलू अर्थव्यवस्था पर विनिमय दर के उतार-चढ़ाव का प्रभाव (Impacts of Exchange Rate Fluctuation on Domestic Economy)

16 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP 4 · MTP 5 · Model Q 6

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.9.1	Depreciation किसी देश के निर्यातों की सापेक्ष कीमत घटाता है और आयातों की सापेक्ष कीमत बढ़ाता है: विदेशियों को उसके निर्यात सस्ते (अधिक प्रतिस्पर्धी) लगते हैं, निवासियों को आयात महँगे — अतः यदि euro के सापेक्ष dollar का depreciation होता है, तो Eurozone को US के निर्यात बढ़ते हैं।	Q6; MQ 1.7: Q1; MQ 1.9: Q1 (+ 4.6 MQ 1.1 Q1)	PYQ 2024-Jun; RTP 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2; Model Q ×3	4.9, p. 9.60
4.9.2	Appreciation निर्यातों की सापेक्ष कीमत बढ़ाता है और आयातों की घटाता है: विदेशी उस देश के उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करते हैं, घरेलू उपभोक्ता विदेशी उत्पादों के लिए कम — जब US exchange rate बढ़ती है, तो विदेशी वस्तुएँ सस्ती हो जाती हैं और US के आयात बढ़ते हैं; revaluation भी इसी प्रकार आयातों की लागत घटाता है।	Q5, Q9 (+ 4.6 MQ 1.1 Q2)	MTP 2025-Jan S2, 2026-Apr S2; Model Q	4.9, p. 9.60
4.9.3	मुद्रा का appreciation या strong currency घरेलू मुद्रा को अधिक मूल्यवान बनाता है, जिससे उसके बदले विदेशी मुद्रा की अधिक मात्रा मिल सकती है।	Q7	PYQ 2025-May	4.9, p. 9.62
4.9.4	Appreciation निर्यातों की कीमत बढ़ाता है, इसलिए निर्यातों की मात्रा घटेगी; सस्ते आयात आयात की मात्रा बढ़ाते हैं, aggregate demand और growth घटते हैं, और current account बिगड़ने की ओर झुकता है (elasticities पर निर्भर)।	Q10	PYQ 2026-Sep	4.9, p. 9.63

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
4.9.5	Depreciation व्यय को घरेलू वस्तुओं की ओर मोड़ता है, आर्थिक गतिविधि और output expansion को प्रोत्साहित करता है तथा trade balance सुधारता है — इसीलिए यह price competitiveness पर घरेलू inflation के प्रभाव की भरपाई (offset) कर सकता है; किन्तु अल्पकाल में यह consumer price inflation बढ़ाता है (महँगी आयातित वस्तुएँ) और आयातित inputs के माध्यम से cost-push inflation पैदा कर सकता है।	Q8; MQ 1.9: Q2 (+ 4.8 Q2)	PYQ 2026-May; RTP 2025-May; Model Q	4.9, p. 9.61; Summary, p. 9.66
4.9.6	Exchange rate volatility (अचानक, बड़े उतार-चढ़ाव) पूर्वानुमान (forecasting) कठिन बनाती है और hedging costs बढ़ाती है; विदेशी निवेशक अनिर्णीत या अत्यधिक सतर्क हो जाते हैं, इसलिए FPI और FDI inflows घटने की सम्भावना रहती है।	MQ 1.7: Q2; MQ 1.9: Q3	Model Q ×2	4.9, p. 9.62 ('volatility' की परिभाषा केवल Model Q में)
4.9.7	Flexible regime में बढ़ता trade deficit विदेशी मुद्रा की माँग बढ़ाता है, इसलिए घरेलू मुद्रा का depreciation होता है (छपी हुई key 'appreciation' गलत है — Editorial Note देखें)।	MQ 1.6: Q1	Model Q	4.7, p. 9.58
4.9.8	Current account deficit: आयात (भुगतान) निर्यातों (प्राप्तियों) से अधिक; बढ़ता current account deficit, growth की सम्भावनाओं के लिए ख़तरे का संकेत है।	Q4	RTP 2025-Sep; MTP 2025-Jan S2	4.9, p. 9.61 (परिभाषा SM में नहीं)
4.9.9	*विषय 4.5 देखें: indirect quote = स्थानीय मुद्रा की एक इकाई के बदले विदेशी मुद्रा की इकाइयाँ; cross rate = दो अन्य currency pairs से निकाली गई दर; arbitrage से सभी बाज़ार एक ही दर quote करते हैं।*	Q1, Q2, Q3	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1	Summary, pp. 9.64 – 9.65

इकाई 5: अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी-प्रवाह (International Capital Movements)

SM अध्याय 9, इकाई 5, पृष्ठ 9.70 – 9.86

विषय 5.2 विदेशी पूँजी के प्रकार (Type of Foreign Capital)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP 1 · MTP 3 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.2.1	International capital movements, financial assets और liabilities के सीमा-पार प्रवाह हैं; 'foreign capital' में विदेश से स्वदेश में आने वाला कोई भी पूँजी-प्रवाह (inflow of capital) शामिल है — जैसे FDI प्राप्त करने वाला देश।	MQ 1.1: Q1, Q2	Model Q ×2	5.2, p. 9.71 (परिभाषा की शब्दावली केवल Model Q में)
5.2.2	Foreign capital के घटक: (1) foreign aid — bilateral, multilateral (World Bank जैसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ एकत्रित कोष), tied या untied, grants; (2) borrowings — अन्तर-सरकारी ऋण, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं (World Bank, IMF, ADB) से ऋण, soft loans (IDA), external commercial borrowing, trade credit; (3) NRI deposits; (4) investments — FPI तथा FDI।	MQ 1.2: Q1	Model Q	5.2, pp. 9.71 – 9.72
5.2.3	World Bank ही International Bank for Reconstruction and Development (IBRD) है।	Q1	RTP 2025-Jan	SM में नहीं (केवल RTP)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.2.4	World Bank का ऋण मध्यम एवं दीर्घ अवधि के लिए development lending है (IMF का ऋण short-term होता है); MTP key में 'medium term loans' छपा है — Editorial Note देखें।	Q2	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
5.2.5	Global Depository Receipt एक negotiable receipt है जो किसी घरेलू कम्पनी के shares के बदले विदेशी (depository) bank द्वारा जारी की जाती है।	Q3	MTP 2026-Apr S2, 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 5.3 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (Foreign Direct Investment, FDI)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 4 · RTP – · MTP 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.3.1	FDI (IMF): ऐसा निवेश जिसमें दीर्घकालीन सम्बन्ध हो और जो एक अर्थव्यवस्था की निवासी इकाई (resident entity) का दूसरी अर्थव्यवस्था में स्थित उद्यम में स्थायी हित (lasting interest) और नियन्त्रण दर्शाए — सामान्यतः ordinary shares या voting power का कम से कम 10%; निवेशक नियन्त्रण बनाए रखता है और प्रबन्धन को प्रभावित करता है।	Q7	MTP 2026-Apr S1	5.3, p. 9.72
5.3.2	FDI के तीन घटक हैं: equity capital, reinvested earnings तथा other direct capital (intra-company loans) — portfolio investment इसका घटक **नहीं** है।	Q1	PYQ 2024-Jun	5.3, p. 9.72
5.3.3	Direct investment के मुख्य रूप: विदेश में subsidiaries या branches, joint ventures, प्राकृतिक संसाधनों का संयुक्त विकास, कम्पनियों की खरीद या विलय (annexation); external commercial borrowing एक borrowing (debt) है और कोई स्वामित्व या नियन्त्रण नहीं देता, इसलिए यह FDI नहीं है।	Q4	PYQ 2026-May	5.3, p. 9.72; 5.2, p. 9.71
5.3.4	Horizontal FDI: विदेश में वही व्यवसाय जो स्वदेश में है (US का cell-phone provider भारत में वही सेवा दे); vertical: विदेश में अलग गतिविधि जो मुख्य व्यवसाय की पूरक हो (car निर्माता द्वारा parts supplier का अधिग्रहण); conglomerate: असम्बन्धित व्यवसाय, प्रायः उस उद्योग में पहले से मौजूद फर्म के साथ joint venture, क्योंकि निवेशक को पूर्व अनुभव नहीं होता; two-way: देशों के बीच पारस्परिक (reciprocal) निवेश।	Q2, Q3 (+ 5.9 Q4, 5.9 Q6)	PYQ 2025-Jan, 2025-Sep, 2026-Jan, 2026-Sep	5.3, p. 9.73
5.3.5	हाल के वर्षों में भारत में FDI inflows का प्रमुख स्रोत Singapore रहा है।	Q5	MTP 2025-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)
5.3.6	FDI inflow से capital account balance सुधरता है, किन्तु विदेशी देयताएँ (foreign liabilities) बढ़ती हैं, जिससे Net International Investment Position बिगड़ती है।	Q6	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 5.4 विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेश (Foreign Portfolio Investment, FPI)

10 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP 1 · MTP 1 · Model Q 7

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.4.1	FPI 'real capital' के बजाय 'financial capital' का प्रवाह है — capital market के माध्यम से stocks, bonds तथा अन्य financial instruments में निवेश, जिसमें न स्वामित्व होता है न नियन्त्रण, हिस्सेदारी 10% से कम होती है, और एकमात्र उद्देश्य लाभप्रद प्रतिफल (remunerative return) होता है; यह उन देशों की ओर जाता है जहाँ ऊँचे प्रतिफल की सम्भावना हो।	Q1; MQ 1.2: Q1; MQ 1.4: Q1, Q3	MTP 2024-Dec S1; Model Q ×3	5.4, pp. 9.73 – 9.74
5.4.2	FDI बनाम FPI (Table 4.5.1): FDI भौतिक परिसम्पत्तियाँ (physical assets) बनाता है, दीर्घकालीन हित रखता है, इसे वापस निकालना अपेक्षाकृत कठिन है, speculative नहीं है, technology transfer लाता है, रोज़गार और मज़दूरी को प्रत्यक्ष प्रभावित करता है, और स्थायी management control रखता है; FPI केवल financial assets में, short-term, निकालना आसान, speculative, जिसमें न technology transfer, न रोज़गार पर प्रत्यक्ष प्रभाव, न management control।	Q2; MQ 1.4: Q2	PYQ 2025-May; Model Q	5.4, p. 9.74
5.4.3	नियन्त्रण की इच्छा के बिना shares खरीदना portfolio investment है — FDI का mode नहीं (Editorial Note देखें)।	MQ 1.6: Q1	Model Q	5.4, p. 9.73
5.4.4	FII = घरेलू securities में विदेशी संस्थाओं का निवेश — portfolio capital, जो capital market का विकास करता है, equity capital के प्रवाह को सुधारता है और financial innovation को बढ़ावा देता है।	Q3; MQ 1.2: Q2	RTP 2025-May; Model Q	SM में नहीं (केवल RTP)
5.4.5	Capital flight = आर्थिक या राजनीतिक अनिश्चितता के कारण किसी देश से पूँजी का तेज़ बहिर्गमन (rapid outflow) (छपी हुई key सामान्य निवेश-प्रवाहों का वर्णन करती है — Editorial Note देखें)।	MQ 1.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
5.4.6	अन्य इकाइयों से मिलान वाले items: विकासशील देशों को global trading system का पूरा लाभ दिलाने में सहायता = WTO (इकाई 3); सरकारों और central banks का forex market में भाग न लेना = free-floating exchange rate system।	Q2	PYQ 2025-May	4.3, p. 9.52; WTO, SM इकाई 3 में

विषय 5.5 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के कारण (Reason for Foreign Direct Investment)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 2 · Model Q 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.5.1	पूँजी को क्षेत्रों या उद्योगों के पार ले जाने का मुख्य उद्देश्य स्वदेश में सम्भव दर से ऊँची rate of return की अपेक्षा है (आर्थिक हितों का अधिकतमीकरण); श्रेष्ठ प्रबन्धकीय कौशल या कोई महत्त्वपूर्ण patent जैसी firm-specific assets विदेशी फर्म को host-country की फर्मों से बेहतर प्रदर्शन करने देती हैं।	MQ 1.1: Q1	Model Q	5.5, pp. 9.74 – 9.75

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.5.2	FDI के कारणों में शामिल हैं: बड़े, तेज़ी से बढ़ते बाज़ारों पर क़ब्ज़ा; strategic कच्चे माल पर नियन्त्रण और खनिज या कच्चे माल के भण्डारों तक पहुँच (resource-seeking); कम सापेक्ष मज़दूरी; बड़े पैमाने के संचालन की बचतें (economies of large-scale operation); जोखिम का विविधीकरण (risk diversification) — संक्षेप में, नए बाज़ारों, संसाधनों और प्रौद्योगिकियों तक पहुँच।	Q2; MQ 1.3: Q1; MQ 1.5: Q1	MTP 2025-Jan S2; Model Q ×2	5.5, pp. 9.75 – 9.76; Table 4.5.2, pp. 9.76 – 9.77
5.5.3	'Getting behind the tariff wall': FDI उन बाज़ारों में प्रवेश आसान बनाता है जो पूर्ण प्रतिबन्ध (blanket bans), ऊँचे customs duties या non-tariff barriers से संरक्षित हैं — स्थानीय उत्पादन से import tariffs और quotas से बचा जा सकता है।	MQ 1.5: Q2	Model Q	5.5, p. 9.75
5.5.4	Tax breaks और अपेक्षाकृत कम वेतन जैसे निवेश-विशेषाधिकारों (investment privileges) का लाभ उठाने के लिए विदेशी निगमों का भारत में निवेश करना Foreign Direct Investment है।	Q1	PYQ 2024-Sep	5.9, pp. 9.82 – 9.83; 5.5, p. 9.76
5.5.5	FDI आकर्षित करने वाली host-country नीतियाँ: सहायक कर नीतियाँ (tax holidays), खुलापन और special economic zones जैसी preferential investment systems, स्थिर एवं अनुकूल निवेश वातावरण, business facilitation (ease of doing business); संरक्षणवादी आयात-प्रतिबन्ध (protectionist import bans) FDI के लिए प्रोत्साहन नहीं हैं।	Q3	MTP 2025-Dec S1	5.5, p. 9.76; Table 4.5.2, p. 9.77

विषय 5.6 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के प्रकार (Modes of Foreign Direct Investment)

8 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 5 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.6.1	FDI के modes: (i) विदेश में subsidiary या associate company खोलना; (ii) किसी विदेशी कम्पनी में equity injection; (iii) किसी मौजूदा विदेशी कम्पनी में controlling interest प्राप्त करना; (iv) mergers and acquisitions; (v) joint venture; (vi) greenfield investment; (vii) brownfield investment।	Q5; MQ 1.3: Q1; MQ 1.6: Q1	MTP 2026-Apr S2; Model Q ×2	5.6, pp. 9.77 – 9.78
5.6.2	Greenfield investment: parent company द्वारा नए सिरे से उत्पादन आरम्भ करने के लिए विदेश में नई affiliate की स्थापना (नई परिसम्पत्तियों का सृजन) — उदाहरण: ONGC Videsh, जिसे ONGC ने विदेश में exploration और production के लिए निगमित किया।	Q1, Q4; MQ 1.6: Q2	MTP 2024-Aug, 2026-Apr S1; Model Q	5.6, p. 9.78
5.6.3	Brownfield investment: पूरी तरह नया infrastructure विकसित करने के बजाय merging, acquiring या leasing द्वारा मौजूदा infrastructure का उपयोग करता है; भारत में brownfield airport projects में automatic route से 100% FDI की अनुमति है।	Q2, Q3 (+ 5.9 Q3)	PYQ 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-Aug S2, 2025-Dec S1	5.6, p. 9.78

विषय 5.7 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लाभ (Benefits of Foreign Direct Investment)

2 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.7.1	FDI उत्पादन-आधार (production base) स्थापित करता है और इस प्रकार प्रत्यक्ष रोज़गार पैदा करता है, साथ ही backward और forward linkages, ancillary units तथा multiplier effects के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोज़गार भी; यह technological know-how, प्रबन्धकीय कौशल और skill development लाता है।	Q1, Q2	MTP 2025-Jan S2, 2025-Dec S1	5.7, pp. 9.78 – 9.79
5.7.2	अन्य लाभ: competition (लागत घटाने वाले, गुणवत्ता सुधारने वाले नवाचार, कम कीमतें), घरेलू बचत से परे वित्त, technology spill-overs, विदेशी बाज़ारों और निर्यात तक बेहतर पहुँच, नया tax revenue, economies of scale, घरेलू monopolies का कमज़ोर होना, अनुकूल balance of payments, बेहतर कार्य-संस्कृति।	(+ 5.8 MQ 1.7 Q1)	Model Q	5.7, pp. 9.78 – 9.80

विषय 5.8 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से जुड़ी सम्भावित समस्याएँ (Potential Problems Associated with Foreign Direct Investment)

6 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP – · Model Q 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.8.1	*विषय 5.7 देखें: रोज़गार-सृजन, technology transfer और competition से घटी कीमतें FDI के लाभ हैं; capital flight और foreign exchange reserves की हानि नहीं — FDI तो foreign exchange लाता है।*	MQ 1.7: Q1	Model Q	5.7, pp. 9.78 – 9.80
5.8.2	FDI, foreign exchange लाता है, balance of payments सुधारता है और host currency का मूल्य बढ़ाता है; आयातित inputs और लाभ का प्रत्यावर्तन (repatriation of profits) balance of payments पर दबाव डालते हैं और उसका depreciation करते हैं।	MQ 1.1: Q1	Model Q	5.8, p. 9.81
5.8.3	FDI की समस्याएँ: श्रम-बहुल देशों में capital-intensive methods, क्षेत्रीय असमानता, tax revenue की हानि, crowding-out, balance-of-payments और exchange rate की अस्थिरता, निम्न-कौशल वाली नौकरियाँ, विकृत उत्पादन, अनैतिक व्यवहार (anti-ethical practices), monopoly power, off-shoring, श्रम एवं पर्यावरण मानकों में गिरावट, सुरक्षा जोखिम, terms of trade का बिगड़ना, प्राकृतिक संसाधनों का शोषण, dual economy (विकसित विदेशी क्षेत्र, अविकसित घरेलू क्षेत्र) तथा संप्रभुता (sovereignty) की हानि।	MQ 1.8: Q4	PYQ 2026-Sep	5.8, pp. 9.80 – 9.82
5.8.4	Tax competition / 'race to the bottom': host सरकारें FDI आकर्षित करने के लिए अत्यधिक tax incentives, subsidies और निम्न मानकों के साथ होड़ करती हैं; tax holidays से host country को tax revenue की हानि होती है।	MQ 1.8: Q2, Q3	Model Q ×2	5.8, pp. 9.80, 9.82 (ये शब्द SM में नहीं)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.8.5	'Resource curse' (शब्द SM में नहीं): संसाधन-सम्पन्न देशों की धीमी वृद्धि; SM के सम्बन्धित आरोप हैं — प्राकृतिक संसाधनों का निर्मम शोषण और विदेशी पूँजी पर निर्भरता — छपी हुई key पर Editorial Note देखें।	MQ 1.8: Q1	Model Q	5.8, pp. 9.80, 9.82 (यह शब्द केवल Model Q में)

विषय 5.9 भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (Foreign Direct Investment in India, FDI)

9 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP 1 · MTP – · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.9.1	FDI आर्थिक संवृद्धि का प्रमुख चालक और भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण non-debt financial resource है; FY22 में IT, telecommunication और automobile, FDI के प्रमुख प्राप्तकर्ता रहे (Model Q की key कुल मिलाकर शीर्ष sector 'Services' बताती है)।	MQ 1.9: Q1	Model Q	5.9, pp. 9.82 – 9.83
5.9.2	'Make in India' का उद्देश्य विदेशी निवेश आकर्षित करना और भारत में manufacturing को बढ़ावा देना है।	MQ 1.9: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
5.9.3	भारत में FDI का नियमन RBI द्वारा Foreign Exchange Management Act (FEMA) के अन्तर्गत, सरकार की FDI Policy के साथ, किया जाता है।	MQ 1.9: Q3	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
5.9.4	Sectoral caps समय-सापेक्ष (dated) तथ्य हैं — वर्तमान FDI Policy देखें: telecom में बढ़ाकर 100%; food products की marketing और food e-commerce में automatic route से 100%; 2019 की key: private sector banking में 49%।	Q1, Q2, Q5	PYQ 2019-May, 2026-May; RTP 2025-Jan	SM में नहीं (केवल PYQ)
5.9.5	*विषय 5.6 देखें: brownfield airport projects में automatic route से 100% FDI की अनुमति है।*	Q3	PYQ 2025-Sep	5.6, p. 9.78
5.9.6	*विषय 5.3 देखें: विदेश में वही व्यवसाय स्थापित करना जो स्वदेश में है (भारत में US का cell-phone provider; Canada में वही outlets खोलने वाली भारतीय restaurant chain) horizontal direct investment है।*	Q4, Q6	PYQ 2025-Sep, 2026-Sep	5.3, p. 9.73

विषय 5.10 भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश (Overseas Direct Investment by Indian Companies)

5 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ – · RTP – · MTP – · Model Q 5

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.10.1	Overseas direct investment (outbound FDI) = भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेशों में निवेश; inward FDI किसी देश में आता है, outward FDI बाहर जाता है। ODI, capital controls — देशों के बीच पूँजी-प्रवाह को सीमित करने वाले नियन्त्रण — में क्रमिक ढील से सम्भव हुआ।	MQ 1.1: Q1; MQ 1.6: Q1; MQ 1.10: Q1	Model Q ×3	5.10, p. 9.83; Summary, p. 9.86
5.10.2	RBI, ODI के आँकड़े जारी करता है (September 2022 में US$ 1,922.51 million) तथा FEMA के अन्तर्गत ODI की निगरानी और नियमन करता है।	MQ 1.10: Q2	Model Q	5.10, p. 9.83 (नियामक भूमिका (regulatory role) केवल Model Q में)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
5.10.3	SM के ODI उदाहरण steel, telecom, energy, IT, pharma और retail brands तक फैले हैं (Tata Steel, Tata Communications, Wipro, ONGC Videsh, Dr Reddy's); Model Q की key 'IT and BPO' SM में नहीं दी गई है।	MQ 1.10: Q3	Model Q	5.10, pp. 9.83 – 9.85 (केवल Model Q)

भाग B — अध्याय 9 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 22% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई 1 — अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त (Theories of International Trade)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	लाभ: कुशलता और संवृद्धि, नए बाज़ार और कच्चा माल, नवीन सेवाएँ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए गुणवत्ता-उन्नयन।	★	1.1.1
2	व्यापार के विरुद्ध: वैश्विक निगमों द्वारा वंचित देशों का शोषण; जोखिमपूर्ण निर्भरता; trade-cycle का संचरण।	★	1.1.2
3	**Mercantilism (16वीं–18वीं शताब्दी): आयात से अधिक आक्रामक निर्यात → धन, bullion, अनुकूल BoT; ऊँचे import tariffs।**	★★★	1.2.1
4	Adam Smith — absolute advantage: समान संसाधनों से अधिक उत्पादन; labour ही एकमात्र input।	★	1.2.2
5	Absolute advantage की मान्यताएँ: 2 देश × 2 वस्तुएँ, कोई transport cost नहीं, labour-cost आधार, देशों के बीच labour गतिहीन (immobile)।	★	1.2.3, 1.1.3
6	Ricardo — comparative advantage: जहाँ absolute advantage सबसे अधिक हो वह निर्यात करें, जहाँ तुलनात्मक रूप से कम हो वह आयात करें; हर चीज़ में बेहतर होने पर भी लाभ।	★★	1.2.4
7	Comparative cost theory: labour theory of value, एक factor; Haberler → opportunity cost (constant)।	★★	1.2.5, 1.2.6
8	Comparative costs = normative, factor prices की उपेक्षा; Modern = positive, money cost, factor price के अन्तर, inter-regional trade का विशेष रूप।	★★	1.2.7, 1.2.8
9	**H-O = Factor-Endowment = Modern theory: 2 factors; प्रचुर (abundant) factor का प्रयोग करने वाली वस्तुओं का निर्यात।**	★★★	1.2.9
10	Balance of trade = flow concept (SM में नहीं)।	★	1.2.10

इकाई 2 — व्यापार नीति के उपकरण (The Instruments of Trade Policy)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Trade policy = imports/exports को बढ़ावा देने या प्रतिबन्धित करने वाले सभी उपकरण; price-related (tariffs) बनाम non-price (NTMs)।	MQ	2.1.1, 2.1.2
2	Protectionism = घरेलू उत्पादकों की रक्षा हेतु tariffs, quotas, NTMs; liberalisation = बाधाओं को घटाना।	★	2.1.3
3	Specific = प्रति इकाई निश्चित राशि; ad valorem = मूल्य का निश्चित % (duty में परिवर्तन = rate × कीमत में परिवर्तन)।	★★	2.2.1, 2.2.2
4	Mixed = ad valorem अथवा specific, जो भी अधिक हो; compound = दोनों जोड़कर; technical = contents/components पर।	★★	2.2.3, 2.2.4
5	TRQ = quota + tariff: quota के भीतर कम tariff, उससे आगे ऊँचा।	★	2.2.5

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
6	Preferential (NAFTA: USA, Canada, Mexico); bound = वैधानिक अधिकतम सीमा (legal ceiling), applied ≤ bound; variable → domestic support price।	★★	2.2.6, 2.2.7, 2.2.8
7	Escalated = कच्चे माल की तुलना में विनिर्मित वस्तुओं (manufactures) पर ऊँचा tariff; prohibitive = कोई आयात प्रवेश नहीं करता।	★★	2.2.9, 2.2.10
8	**Dumping = विदेश में घरेलू कीमत या पूर्ण औसत लागत (full average cost) से कम पर बिक्री; ADD, fair market value से कम पर आयातों पर; CVD, export subsidies की भरपाई करता है।**	★★★	2.2.11, 2.2.12, 2.3.11, 2.4.2
9	Tariff के प्रभाव: उपभोक्ताओं का surplus घटता है; विदेशी प्रतिस्पर्धा घटने से उत्पादकों को लाभ; revenue बढ़ता है; comparative advantage की उपेक्षा।	★	2.2.13
10	NTMs = non-tariff, अदृश्य (invisible); NTBs = भेदभावपूर्ण उप-समूह; tariffs और CVD, NTBs नहीं हैं।	★	2.3.1
11	Technical = उत्पाद के गुण और उत्पादन प्रक्रियाएँ (SPS, TBT); non-technical = व्यापार सम्बन्धी अपेक्षाएँ (hard, threat, other)।	★	2.3.2, 2.3.5
12	SPS: मानव, पशु, पादप जीवन तथा जैव-विविधता (biodiversity); TBT: food और non-food standards, labels, eco-labels, organic certification — quotas नहीं।	★★	2.3.3, 2.3.4
13	Import quota = भौतिक सीमा, प्राय: प्रति वर्ष; सरकार को कोई revenue नहीं; quota rents।	★★	2.3.6
14	Non-automatic licensing किसी भी स्रोत से मात्रा सीमित करता है; financial measures = advance payment, forex controls।	★	2.3.7, 2.3.8
15	Safeguards: अस्थायी, भेदभाव-रहित, आयात में अचानक उछाल (import surges) के विरुद्ध; embargo = पूर्ण प्रतिबन्ध, सबसे चरम बाधा।	★★	2.3.9, 2.3.10
16	VERs: बातचीत के बाद निर्यातक देश द्वारा प्रशासित अनौपचारिक quota।	★	2.4.1

इकाई 3 — व्यापार वार्ताएँ (Trade Negotiations)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	UNCTAD: विकासशील देशों का development-friendly एकीकरण (SM में नहीं)।	★	3.1.1
2	Trade negotiations: market access बनाम protection; USMCA (2020) = NAFTA का उत्तराधिकारी (USA, Mexico, Canada)।	★	3.5.1, 3.4.6
3	**RTAs: 1 Feb 2021 को 339 लागू; आठ प्रकार, unilateral → EMU; bilateral = दो देश/समूह (blocs)।**	★★★	3.2.1, 3.2.2, 3.5.19
4	Multilateral = सम्पूर्ण WTO सदस्यता (WTO agreements); NAFTA/EU regional हैं।	★	3.2.3
5	Trading bloc: FTA + common external tariff लगा सकता है (Arab League, EFTA)।	★★	3.2.4
6	FTA अपने-अपने external tariffs रखता है; customs union में common external tariff (EU, GCC, MERCOSUR); common market में factor mobility भी जुड़ती है; EMU में common currency भी।	★★	3.2.5, 3.2.6
7	Export-industry targeting → उस sector में रोज़गार, बेहतर current account (SM में नहीं)।	★	3.2.7

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
8	GATT: वस्तुएँ (goods); 1948–1994; आठ trade rounds; एक agreement, treaty नहीं।	★	3.3.1, 3.4.1, 3.4.2
9	GATT की प्रासंगिकता घटी: investments, IPR और services इसके बाहर, agriculture में विफलता, कमज़ोर संस्थाएँ और dispute settlement, treaty नहीं।	★	3.4.3
10	Uruguay Round 1986–94 (8वाँ, 123 देश) → WTO 1995, संशोधित GATT को समाहित करते हुए।	★	3.4.4, 3.4.5
11	WTO का उद्देश्य: व्यापार सुचारु, स्वतन्त्र, निष्पक्ष और पूर्वानुमेय ढंग से प्रवाहित हो; transparency सहित छह उद्देश्य — गोपनीयता (secrecy) कभी नहीं।	★	3.5.2, 3.5.3
12	संरचना: DG के अधीन Geneva Secretariat; Ministerial Conference (शीर्ष, हर 2 वर्ष) → General Council (TPRB, DSB) → Goods, Services, TRIPS Councils।	MQ	3.5.4, 3.5.5
13	MFN: व्यापारिक साझेदारों में कोई भेदभाव नहीं; GATT का Article 1।	★★	3.5.6
14	National treatment: बाज़ार में प्रवेश के बाद आयातित = स्थानीय वस्तुएँ; बिक्री-पश्चात प्रतिबन्ध इसका उल्लंघन हैं।	★	3.5.7
15	मार्गदर्शक सिद्धान्त: non-discrimination, freer trade, predictability (binding और transparency), fair competition, development and reform।	★	3.5.8, 3.5.10
16	TPRM: सदस्यों की trade policies की आवधिक समीक्षा।	★	3.5.9
17	WTO agreements: AoA (market access, domestic support, export subsidies), SPS, TBT, TRIMs, TRIPS, GATS ... — NAFTA इनमें से एक नहीं है।	★★	3.5.11, 3.5.12, 3.5.13, 3.5.14
18	WTO के अन्तर्गत NTMs: quotas, licensing, procedures अनुशासित; safeguards अस्थायी आपातकालीन उपाय।	MQ	3.5.15, 3.5.16, 3.5.17, 3.5.18
19	Doha Development Agenda: 9वाँ round, Doha, Nov 2001; सबसे विवादास्पद = agriculture; विकासशील देशों की चिन्ताएँ।	★★	3.6.1, 3.6.2
20	G20: 19 देश + EU (Tunisia सदस्य नहीं)।	★	3.7.1

इकाई 4 — विनिमय दर तथा उसके आर्थिक प्रभाव (Exchange Rate and its Economic Effects)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Exchange rate = वह दर जिस पर एक मुद्रा दूसरी से बदली जाती है; quoted rate से गुणा करके रूपान्तरण करें।	MQ	4.1.1, 4.1.2
2	Regime = वह प्रणाली जिससे कोई देश विदेशी मुद्राओं के सापेक्ष अपनी मुद्रा का प्रबन्धन करता है; दो छोर: floating (flexible) और fixed।	MQ	4.3.1
3	Free float: माँग और पूर्ति द्वारा बाज़ार-निर्धारित; सरकारें और central banks दूर रहते हैं।	MQ	4.3.2
4	Managed float: दर float करती है, पर central bank उसे प्रभावित करने के लिए खरीद/बिक्री करता है — भारत = managed float।	★★	4.3.3
5	Fixed (pegged): सरकार किसी मुद्रा, basket या gold के सापेक्ष मूल्य घोषित करती है; central bank हस्तक्षेप करता है और reserves रखता है।	MQ	4.3.4

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
6	Soft peg (market-led; अधिकांश IMF सदस्य) बनाम hard peg (fixed, अपरिवर्तनीय); crawling peg और currency board SM से बाहर हैं।	★	4.3.5, 4.3.6
7	Fixed: उतार-चढ़ाव का कोई जोखिम नहीं, अधिक व्यापार और निवेश, कम speculation, monetary discipline, विश्वसनीयता (credibility)।	★	4.3.7
8	Floating: स्वतन्त्र monetary policy, दर एक नीतिगत उपकरण, विशाल reserves की आवश्यकता नहीं — किन्तु volatility, अनिश्चितता, risk premium।	★	4.3.8
9	Nominal = मुद्रा के बदले मुद्रा; real = वस्तुओं के बदले वस्तुएँ ('one' के बदले 'how many'); trade flows, real rate का अनुसरण करते हैं।	★	4.4.1, 4.5.8, 4.1.3
10	RER = NER × Domestic price index ÷ Foreign price index; NER निकालने के लिए पुनर्व्यवस्थित करें।	★	4.4.2, 4.6.4
11	REER = NEER ÷ price deflator; बढ़ता REER → निर्यात महँगे, आयात सस्ते, प्रतिस्पर्धात्मकता की हानि, current account deficit।	★★	4.4.3, 4.4.4
12	Forex market: over-the-counter electronic network, बहुत संकीर्ण spreads; US dollar = vehicle currency; भारत में forex, FEMA द्वारा शासित।	★★	4.5.1, 4.5.2, 4.5.3, 4.5.5
13	Direct quote (European) = 1 विदेशी के बदले स्थानीय; indirect (American) = 1 स्थानीय के बदले विदेशी; दो pairs से cross rate; arbitrage दरों को बराबर करता है।	★★	4.5.6, 4.5.7, 4.9.9
14	Equilibrium rate जहाँ D$, S$ से मिलता है; माँग — imports, transfers, income payments, assets, speculation से; पूर्ति — exports, FDI/FPI inflows से।	★	4.6.1, 4.2.1, 4.5.4
15	SM से बाहर: अल्पकाल — interest, inflation, trade balance; दीर्घकाल — सापेक्ष inflation; ऊँचा interest और स्थिरता → appreciation।	MQ	4.6.5, 4.6.6
16	Appreciation = मूल्य में वृद्धि, depreciation = मूल्य में कमी; $1 = ₹70 → ₹75 का अर्थ है रुपये का depreciation, dollar का appreciation।	★	4.7.1, 4.3.9
17	किसी मुद्रा की अधिक माँग → उसका appreciation; विदेशी मुद्रा की अधिक माँग (जैसे बढ़ता trade deficit) → स्वदेशी मुद्रा का depreciation।	MQ	4.7.2, 4.9.7
18	Devaluation / revaluation = निश्चित par value में सरकारी परिवर्तन; depreciation / appreciation = floating में बाज़ार शक्तियाँ।	★	4.8.1, 4.8.2
19	**Depreciation: निर्यात सस्ते, आयात महँगे → output expansion, बेहतर trade balance, inflation से हुई प्रतिस्पर्धात्मकता-हानि की भरपाई; किन्तु inflation बढ़ाता है।**	★★★	4.9.1, 4.9.5, 4.8.3, 4.6.2
20	Appreciation: मुद्रा अधिक मूल्यवान, अधिक विदेशी मुद्रा खरीदती है; निर्यात महँगे, अतः उनकी मात्रा घटती है; आयात सस्ते, अतः वे बढ़ते हैं।	★★	4.9.2, 4.9.3, 4.9.4
21	Volatility, FDI और FPI को हतोत्साहित करती है और hedging costs बढ़ाती है; trade deficit / CAD = आयात निर्यात से अधिक।	★	4.9.6, 4.6.3, 4.9.8

इकाई 5 — अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी-प्रवाह (International Capital Movements)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	Capital movements = financial assets और liabilities के सीमा-पार प्रवाह; foreign capital = कोई भी पूँजी-अन्तर्वाह (capital inflow)।	MQ	5.2.1
2	Foreign capital: aid, borrowings (World Bank/IMF/ADB, IDA soft loans, ECB, trade credit), NRI deposits, FPI और FDI।	MQ	5.2.2
3	SM से बाहर: World Bank = IBRD (दीर्घकालीन development loans); GDR = घरेलू shares के बदले विदेशी bank की receipt।	★★	5.2.3, 5.2.4, 5.2.5
4	FDI (IMF): स्थायी हित और नियन्त्रण, कम से कम 10% voting power; घटक: equity, reinvested earnings, intra-company loans।	★	5.3.1, 5.3.2
5	ECB, debt है, FDI नहीं; FDI inflow, capital account सुधारता है पर NIIP बिगाड़ता है।	★	5.3.3, 5.3.6
6	Horizontal = विदेश में वही व्यवसाय; vertical = पूरक गतिविधि; conglomerate = असम्बन्धित (प्रायः JV); two-way = पारस्परिक।	★★	5.3.4, 5.9.6
7	FPI: stocks/bonds में financial capital, 10% से कम, नियन्त्रण नहीं, short-term, speculative, प्रतिफल की चाह।	★	5.4.1, 5.4.3
8	FDI बनाम FPI: physical बनाम financial, दीर्घ बनाम अल्प, कठिन बनाम आसान निकास, technology और रोज़गार बनाम कुछ नहीं।	★	5.4.2, 5.4.6
9	SM से बाहर: FII, capital market और equity प्रवाहों का विकास करता है; capital flight = अनिश्चितता पर तेज़ बहिर्गमन।	★	5.4.4, 5.4.5
10	मुख्य उद्देश्य: स्वदेश से ऊँचा प्रतिफल; firm-specific assets (प्रबन्धकीय कौशल, patents)।	MQ	5.5.1
11	कारण: बाज़ार, संसाधन, कम मज़दूरी, पैमाना (scale), विविधीकरण, tariff-jumping, tax breaks, SEZs, स्थिर वातावरण।	★★	5.5.2, 5.5.3, 5.5.4, 5.5.5
12	Modes (प्रकार): subsidiary, equity injection, controlling interest, M&A, joint venture, greenfield, brownfield।	★	5.6.1
13	**Greenfield = नई affiliate, नई परिसम्पत्तियाँ; brownfield = merger, acquisition या lease द्वारा मौजूदा infrastructure (brownfield airports में 100% automatic)।**	★★★	5.6.2, 5.6.3, 5.9.5
14	लाभ: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार, technology, competition, बचत से परे वित्त, निर्यात, tax revenue, BoP।	★	5.7.1, 5.7.2, 5.8.1
15	FDI inflow से host currency का appreciation होता है; आयातित inputs और profit repatriation से उसका depreciation।	MQ	5.8.2
16	समस्याएँ: capital-intensive methods, क्षेत्रीय असमानता, crowding-out, BoP अस्थिरता, विकृतियाँ, monopoly, dual economy, संप्रभुता; tax competition।	★	5.8.3, 5.8.4, 5.8.5
17	भारत में FDI: non-debt resource; tax breaks और कम वेतन इसे आकर्षित करते हैं; RBI/FEMA नियमन करते हैं; Make in India; sectoral caps समय-सापेक्ष हैं।	★★	5.9.1, 5.9.2, 5.9.3, 5.9.4, 5.5.4
18	ODI = भारतीय कम्पनियों का विदेश में निवेश (outbound FDI), capital controls में ढील से सम्भव; RBI आँकड़े प्रकाशित करता है।	MQ	5.10.1, 5.10.2, 5.10.3

अध्याय 10

भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy)

178 Scanner प्रश्न · 113 One-liners · 45 पुनरावृत्ति बिन्दु

भाग A — Scanner प्रश्नों एवं Study Material से जुड़े One-liners

भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy)

SM अध्याय 10, पृष्ठ 10.1 – 10.34

विषय 10.1 भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति — स्वतन्त्रता-पूर्व काल (1850-1947) (Status of Indian Economy: Pre Independence Period)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 2 · RTP – · MTP 3 · Model Q 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.1.1	माना जाता है कि ईसा की पहली से सत्रहवीं शताब्दी (first to seventeenth century AD) के बीच भारत प्राचीन एवं मध्यकालीन विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था — समृद्ध एवं आत्मनिर्भर (prosperous and self-reliant), जिसका विश्व की सम्पदा के एक-तिहाई से एक-चौथाई भाग तक पर नियन्त्रण था; इसमें आत्मनिर्भर गाँव (self-sufficient villages) तथा ऐसे नगर थे जो वाणिज्य, तीर्थाटन और प्रशासन के केन्द्र थे।	Q5 (+ 10.2 Q1, 10.2 Q2)	PYQ 2025-May, 2025-Sep, 2026-Sep	10.1, p. 10.1
10.1.2	ब्रिटिश शासन (East India Company 1757–1858; British government 1858–1947) ने भारत के व्यापार को उलट दिया — विनिर्मित वस्तुओं (manufactures) के निर्यातक से कच्चे माल (raw materials) का निर्यातक बना दिया; भेदभावपूर्ण tariffs और मशीन से बने सस्ते आयातों ने भारतीय हस्तशिल्प (handicrafts) को नष्ट कर दिया। परिणाम: बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी और कृषि पर विवशतापूर्ण निर्भरता (agriculture प्रमुख क्षेत्र बन गया), जोतों का उप-विभाजन एवं विखण्डन (sub-division and fragmentation of holdings), subsistence farming, निम्न उत्पादकता एवं निर्धनता, zamindari, अत्यधिक लगान, absentee landlordism, ऋणग्रस्तता तथा शोषक साहूकार — भारतीय कृषि का लगभग पूर्ण पतन (virtual collapse)। इस प्रकार 1850–1947 की अर्थव्यवस्था निर्धन और अल्प-विकसित (impoverished, under-developed) थी, 'prosperous and self-reliant' नहीं (यह वर्णन 1st–17th शताब्दी का है)।	Q5; MQ 1.1: Q2	PYQ 2026-Sep; Model Q	10.1, pp. 10.2 – 10.3
10.1.3	ब्रिटिश काल में आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि असन्तुलित (lopsided) रही, जिसमें cotton और jute की प्रधानता थी: 1850 से पहले कोई factory production नहीं; 1930s में cotton mills में 9 million spindles थे (विश्व में 5वाँ स्थान); 19वीं शताब्दी के अन्त तक भारतीय jute mills विश्व में सबसे बड़ी थीं; iron industry 1814 में ही स्थापित हो गई थी (1930 में विश्व में 8वाँ स्थान); Great Depression से ठीक पहले भारत 12वाँ सबसे बड़ा औद्योगीकृत देश था। Producer goods industries पिछड़ी रहीं; 1946 में manufacturing, NDP का मात्र 7% था; factory employment जनसंख्या का केवल 0.4% (1900) और 1.4% (1941) था।	Q1	PYQ 2025-Jan	10.1, p. 10.4; Summary, p. 10.27

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.1.4	1930s की Great Depression ने भारत में भारी आर्थिक कठिनाई और बेरोज़गारी पैदा की (SM में Depression का उल्लेख केवल भारत की 12वीं औद्योगिक रैंकिंग के समय-सूचक (date-marker) के रूप में है)।	MQ 1.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
10.1.5	आर्थिक संवृद्धि (economic growth) अधिक संसाधनों (labour, capital), बेहतर technology तथा शिक्षा या अनुभव से प्राप्त ज्ञान से आती है — जनसंख्या के आकार में मात्र वृद्धि अपने-आप में संवृद्धि में योगदान नहीं करती।	Q2	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.1.6	Disguised unemployment कृषि क्षेत्र की विशिष्टता है — SM में वर्णित औपनिवेशिक कथा (हस्तशिल्प कारीगरों का भूमि पर धकेला जाना, over-crowding, उप-विभाजन, subsistence farming) ही इसका उद्गम है।	Q3	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.1.7	उद्योग कृषि पर निर्भर है — अपने श्रमिकों के भोजन के लिए, agro-based industries के कच्चे माल के लिए, तथा औद्योगिक उत्पादों के बाज़ार के लिए (all of the above)।	Q4	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 10.2 भारतीय अर्थव्यवस्था — स्वतन्त्रता के बाद (1947-1991) (Indian Economy: Post Independence)

15 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 3 · RTP – · MTP 9 · Model Q 3

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.2.1	*विषय 10.1 देखें: ब्रिटिश-पूर्व भारत आत्मनिर्भर गाँवों और वाणिज्य के केन्द्र रहे नगरों की एक आत्मनिर्भर एवं समृद्ध (self-reliant and prosperous) अर्थव्यवस्था था।*	Q1, Q2	PYQ 2025-May, 2025-Sep	10.1, p. 10.1
10.2.2	*विषय 10.1 देखें: स्वतन्त्रता-पूर्व भारत की आधुनिक technology और infrastructure तक पहुँच सीमित थी — producer goods industries पिछड़ी रहीं और देश में physical, financial तथा human capital की कमी थी।*	MQ 1.1: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
10.2.3	स्वतन्त्रता के बाद की नीति पर राज्य-निर्देशित औद्योगीकरण (state-directed industrialisation) और केन्द्रीकृत आर्थिक नियोजन (centralised economic planning) वाले Nehruvian model का प्रभुत्व रहा: Planning Commission ने पंचवर्षीय योजनाओं (five-year plans) के माध्यम से समाजवादी आधार (socialistic lines) पर नियोजन किया, जिन्हें समानता एवं वितरणात्मक न्याय (equity and distributive justice) के साथ तीव्र आर्थिक संवृद्धि प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया था (growth with social justice) — औपनिवेशिक शोषण से नियोजित विकास (planned development) की ओर एक क़दम।	Q10, Q11 (+ 10.6 Q8)	RTP 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2	10.2, pp. 10.4 – 10.5
10.2.4	Inward-looking strategy: 1958 के balance of payments crisis के बाद व्यापार पर नियन्त्रण कड़ा किया गया और व्यापक import controls 1966 तक बने रहे; घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए tariffs, quotas तथा quantitative restrictions से विदेशी वस्तुओं को बाहर रखा गया (नियोजित अर्थव्यवस्था के भीतर import substitution)।	MQ 1.2: Q1 (+ 10.4 Q13)	MTP 2024-Dec S1; Model Q	10.2, p. 10.5; 10.3, p. 10.8

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.2.5	1950s की नीतियाँ दो विचारधाराओं से निर्देशित थीं: Nehru का समाजवादी समाज (socialistic society), जिसमें heavy industry पर ज़ोर था, और Gandhian philosophy — small-scale and cottage industry तथा village republics। Industrial Policy Resolution 1948 ने State को atomic energy, arms and ammunition तथा railways का एकाधिकार (monopoly) दिया; IPR 1956 ने public sector का अत्यधिक विस्तार किया।	Q3	PYQ 2026-May	10.2, p. 10.5
10.2.6	'Hindu growth rate' = स्वतन्त्रता के बाद के पहले तीन दशकों (1950–80) में भारत की 3.5 percent की साधारण औसत वार्षिक GDP वृद्धि।	Q9, Q12	MTP 2025-Aug S2, 2026-Apr S1	10.2, p. 10.5
10.2.7	Green revolution से पहले कृषि-रणनीति institutional model पर आधारित थी — land reforms, farm cooperatives — न कि R&D और irrigation जैसे technocratic क्षेत्रों पर; उत्पादकता में लाभ नगण्य रहे।	Q4	MTP 2025-Apr S1	10.2, p. 10.6
10.2.8	Green revolution (रणनीति में पहला बड़ा बदलाव, mid-1960s): 1966 और 1967 के सूखे (droughts) तथा PL 480 खाद्य सहायता के बाद नीति उत्पादकता बढ़ाने की ओर मुड़ी, विशेषकर गेहूँ (wheat) — खाद्यान्न (food grains) — की; इसे नवीन कृषि technologies — high yielding seed varieties तथा जल, उर्वरक एवं कीटनाशकों (water, fertiliser and pesticides) के गहन प्रयोग — से साकार किया गया, और इसने भारत को खाद्य समस्या से उबरने (खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता — self-sufficiency in food grains) में सक्षम बनाया। SM कोई निश्चित प्रारम्भ-वर्ष नहीं देता।	Q6, Q8; MQ 1.2: Q2 (+ 10.7 Q2, 10.7 Q10, 10.7 Q22)	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep; RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1, 2025-May S2, 2025-Aug S2; Model Q	10.2, p. 10.6
10.2.9	हस्तक्षेपवादी (interventionist) 1960s–70s: कठोर trade and licensing controls और nationalisation की लहर (State द्वारा private sector से पूर्ण स्वामित्व और नियन्त्रण ले लेना) — 1969 में 14 banks और 1980 में 6 और। 1965–81 स्वतन्त्र भारत में वृद्धि की दृष्टि से सबसे ख़राब अवधि थी।	(+ 10.4 Q12)	MTP 2024-Dec S1	10.2, p. 10.6
10.2.10	औद्योगिक प्रतिगमन एवं मन्दन (industrial retrogression and deceleration, mid-1960s से) का कारण कमज़ोर कृषि-प्रदर्शन, घटता public investment तथा औद्योगिक वस्तुओं का संकीर्ण बाज़ार माना जाता है। (1965–81 की मन्दी के SM में दिए गए कारण: licence-raj, autarchic policies, तीन युद्ध, सूखे तथा 1973 और 1979 के oil shocks।)	Q5	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.2.11	कोई अर्थव्यवस्था तब अल्प-विकसित (underdeveloped) होती है जब जीवन-स्तर और उत्पादकता निम्न हों, कम उत्पादकता वाली कृषि मुख्य व्यवसाय हो, और उत्पादन-तकनीकें पिछड़ी हों।	Q7	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 10.4 1991 के आर्थिक सुधार (The Economic Reforms)

67 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 28 · RTP 2 · MTP 20 · Model Q 19

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.4.1	Early liberalisation: सुधारों के बीज 1980s में, विशेषकर 1985 के बाद, बोए गए; 1981–89 के उपाय ('early liberalisation' या 'reforms by stealth') उद्योग, व्यापार और कराधान से सम्बन्धित थे, और GDP वृद्धि बढ़कर 5.7% (Sixth Plan, 1980–85) तथा 5.8% (Seventh Plan, 1985–90) हो गई।	Q22	PYQ 2025-May	10.3, p. 10.7
10.4.2	Broad-banding (1980s): उद्योग-समूह नए licence के बिना मौजूदा क्षमता के भीतर अपना product mix बदल सकते थे — जैसे trucks से cars के उत्पादन पर जाना।	Q27, Q45	PYQ 2025-Sep, 2026-Sep	10.3, pp. 10.7 – 10.8
10.4.3	1980s के अन्य सुधार: उद्योगों की 25 व्यापक श्रेणियों का delicensing (1985); MRTP asset limit ₹20 crore से बढ़ाकर ₹100 crore (1985–86); बहु-बिन्दु (multipoint) excise duties के स्थान पर MODVAT; SEBI की स्थापना non-statutory body के रूप में (12 April 1988); OGL list का विस्तार (April 1990 तक 1,329 capital goods items); export incentives; यथार्थवादी (realistic) exchange rate; cement और aluminium पर price and distribution controls की समाप्ति। Currency demonetisation इनमें से एक नहीं था।	Q28	PYQ 2026-Jan	10.3, p. 10.8
10.4.4	MRTP Act, 1969 ने अपेक्षाकृत अधिक market power वाली बड़ी फर्मों का नियमन किया (licensing, capacity addition, mergers and acquisitions पर प्रतिबन्ध); 1991 की नीति ने इसका पुनर्गठन किया और इसके merger, amalgamation और takeover सम्बन्धी प्रावधान निरस्त (repeal) कर दिए।	Q5, Q15	PYQ 2024-Jun, 2025-Jan	10.2, p. 10.6; 10.4.4, p. 10.12
10.4.5	*विषय 10.2 देखें: import controls ने घरेलू उद्योग को संरक्षण दिया — import substitution का उद्देश्य घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देकर विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना था।*	Q13	MTP 2024-Dec S1	10.2, p. 10.5; 10.3, p. 10.8
10.4.6	*विषय 10.2 देखें: nationalisation = सरकार द्वारा private sector से पूर्ण नियन्त्रण और प्रबन्धन ले लेना (1969 में 14 banks, 1980 में 6)।*	Q12	MTP 2024-Dec S1	10.2, p. 10.6
10.4.7	भारत ने P. V. Narasimha Rao सरकार के अन्तर्गत 1991 के साहसिक आर्थिक सुधार (economic reforms) प्रारम्भ किए।	Q47; MQ 1.4: Q1	PYQ 2026-Sep; Model Q	10.4, p. 10.9
10.4.8	Dr Manmohan Singh (Finance Minister) को 1991 के सुधारों का प्रमुख शिल्पी (key architect) माना जाता है — SM केवल Narasimha Rao सरकार का नाम देता है।	MQ 1.3: Q3	MTP 2025-Aug S1	SM में नहीं (केवल MTP)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.4.9	1991 के सुधारों के कारण (SM सूची): revenue expenditure का लगातार revenue receipts से अधिक रहना, और fiscal deficit की पूर्ति भारी घरेलू एवं बाह्य ऋण से; बढ़ता public debt और ब्याज-भुगतान; 1990 के Gulf-war में तेल-मूल्यों में उछाल और balance of payments पर गम्भीर दबाव; कड़े import curbs से औद्योगिक उत्पादन में कमी; कठोर शर्तों वाले IMF ऋण पर निर्भरता; तथा नाज़ुक राजनीतिक स्थिति, जो आर्थिक संकटों के साथ मिलकर 'crisis of confidence' (विश्वास का संकट) बन गई। ऊँचे forex reserves इसका कारण **नहीं** थे।	Q3, Q32, Q46; MQ 1.2: Q2	PYQ 2024-Jun, 2026-May, 2026-Sep; Model Q	10.4, pp. 10.9 – 10.10
10.4.10	तात्कालिक कारण (immediate trigger) balance of payments crisis था: foreign exchange reserves न्यूनतम स्तर पर आ गए — केवल $1.2 billion, मुश्किल से दो सप्ताह के आयात के बराबर — 'the major context that triggered economic reforms'; सुधारों को गति गम्भीर आर्थिक, राजकोषीय (fiscal) एवं BoP संकटों से मिली (केवल stagnation से नहीं)।	Q39, Q41; MQ 1.3: Q2	MTP 2026-Apr S2, 2026-Apr S1; Model Q	10.4, pp. 10.9 – 10.10
10.4.11	1991 एक paradigm shift था: सोवियत संघ के विघटन (Soviet collapse) और China की outward-oriented सफलता के बाद, सुधारों ने अर्थव्यवस्था को अधिक market orientation और external openness की ओर बढ़ाया — markets बनाम state की भूमिका पर पुनर्विचार (liberalisation and opening up)।	Q19; MQ 1.2: Q1 (+ 10.6 Q5)	RTP 2025-Jan; MTP 2024-Dec S1; Model Q	10.3, p. 10.9; 10.4, p. 10.10
10.4.12	1991 के सुधार लोकप्रिय रूप से Liberalisation, Privatisation and Globalisation (LPG) कहलाते हैं — 'socialisation' इनमें से एक नहीं है; liberalisation का अर्थ है decontrol, deregulation और व्यवसाय करने की स्वतन्त्रता, जबकि PSUs का disinvestment, privatisation है।	Q1, Q2; MQ 1.4.1: Q1	PYQ 2022-Dec, 2023-Dec; Model Q	10.4, p. 10.10; 10.4.4, p. 10.13
10.4.13	दो उद्देश्य: (1) केन्द्र-निर्देशित, अत्यधिक नियन्त्रित अर्थव्यवस्था से 'market friendly' अर्थव्यवस्था की ओर पुनर्अभिमुखीकरण (reorientation); (2) fiscal deficit में पर्याप्त कमी द्वारा macroeconomic stabilisation। उपाय थे (a) inflation और प्रतिकूल BoP के विरुद्ध अल्पकालीन stabilisation measures तथा (b) संरचनात्मक कठोरताओं (structural rigidities) को दूर करने वाले दीर्घकालीन structural reform measures।	Q44; MQ 1.4.1: Q2	MTP 2026-Apr S1; Model Q	10.4, p. 10.10
10.4.14	Fiscal reforms (fiscal deficit घटाने के लिए): स्थिर एवं पारदर्शी tax structure; बेहतर tax compliance; सरकारी व्यय पर अंकुश पर ज़ोर; subsidies में कमी और उनकी समाप्ति; चुनिन्दा PSUs में सरकारी equity के एक भाग का disinvestment; private sector की भागीदारी को प्रोत्साहन। RBI के साथ September 1994 के एक समझौते का उद्देश्य 1997–98 तक money creation द्वारा deficit financing को चरणबद्ध रूप से समाप्त करना था।	Q20; MQ 1.4.1: Q3	PYQ 2025-May; Model Q	10.4.1, pp. 10.10 – 10.11

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.4.15	Monetary and financial sector reforms — फ़ोकस: सरकारी बैंकों के NPAs घटाना, प्रतिस्पर्धा लाना और बनाए रखना, interest rates का deregulation। उपाय: interest rate liberalisation और lending तथा deposit rates पर RBI के नियन्त्रणों में कमी; नए private sector banks और foreign banks के साथ प्रतिस्पर्धा; Narasimham Committee Report, 1991 (banking and financial sector) के अनुसार SLR और CRR में कमी; उदार branch licensing; asset classification, income disclosure और bad-debt provisioning पर prudential norms। Banks में foreign investment को सीमित करना फ़ोकस नहीं था।	Q26, Q29, Q31; MQ 1.4.2: Q1, Q2	PYQ 2025-Sep, 2026-Jan, 2026-May; Model Q ×2	10.4.2, p. 10.11
10.4.16	सुधार-पूर्व banking की विशेषताएँ थीं — administered interest rates, ऊँची reserve requirements, credit flow पर quantitative restrictions तथा बड़े पैमाने पर directed (priority-sector) lending — इसलिए 'very little lendable resources for the priority sector' इसकी विशेषता नहीं थी।	Q34	MTP 2025-May S2	10.4.2, p. 10.11 (सुधार-पूर्व विशेषताएँ अनुमानित; SM में सूचीबद्ध नहीं)
10.4.17	Liquidity Adjustment Facility (LAF) repo और reverse repo operations के माध्यम से banks को liquidity उपलब्ध कराती है।	MQ 1.4.2: Q3	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
10.4.18	1988 में (non-statutory रूप में) स्थापित SEBI को 1992 में capital market के स्वतन्त्र नियामक (independent regulator) के रूप में statutory मान्यता दी गई, ताकि पर्याप्त संसाधनों के जुटाव (mobilisation) और उनके कुशल आवंटन (efficient allocation) को सुगम बनाया जा सके।	Q17; MQ 1.4.3: Q1	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-May S2; Model Q	10.4.3, p. 10.12
10.4.19	Depository system प्रतिभूतियों (securities) को electronic (dematerialised) रूप में रखने और हस्तान्तरित करने में सक्षम बनाता है।	MQ 1.4.3: Q2	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
10.4.20	24 July 1991 को घोषित New Industrial Policy ने उद्योग का व्यापक deregulation किया और 'Licence Raj' समाप्त किया: 18 को छोड़कर सभी उद्योगों से licensing हटा दी गई (अब 5 — arms and ammunition, atomic substances, narcotic drugs and hazardous chemicals, alcoholic drinks, cigarettes and cigars); small-scale items de-reserve किए गए; public sector को संकुचित किया गया — यह सब private sector की उदार भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए।	Q9, Q35, Q38, Q40; MQ 1.4: Q2	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Aug S1, 2025-Dec S1, 2026-Apr S2; Model Q	10.4.4, p. 10.12
10.4.21	Public sector reservation सामरिक एवं सुरक्षा कारणों (strategic and security grounds) से घटाकर आठ उद्योगों तक सीमित किया गया; बाद में केवल दो शेष रहे — railway transport और atomic energy।	Q30; MQ 1.4.4: Q1	PYQ 2026-Jan; Model Q	10.4.4, p. 10.12
10.4.22	Public sector enterprises में सरकारी equity का disinvestment — अधिक स्वायत्तता (autonomy), professional management और क्रमशः घटते budgetary support के साथ — जिसका लक्ष्य कुशलता (efficiency) और उचित प्रतिफल (reasonable returns) था।	Q42	MTP 2026-Apr S1	10.4.4, p. 10.13

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.4.23	विदेशी निवेश: 51 percent तक FDI के लिए automatic approval, जिसे बाद में reserved उद्योगों को छोड़कर लगभग सभी उद्योगों तक बढ़ाया गया; FDI केवल चार क्षेत्रों में निषिद्ध है — retail trade, atomic energy, lottery business तथा betting and gambling। Globalisation strategy = ऊँची foreign equity limits, tariff reduction और rupee convertibility।	Q18, Q43; MQ 1.4.4: Q2	PYQ 2025-Jan; MTP 2026-Apr S1; Model Q	10.4.4, pp. 10.12 – 10.13
10.4.24	Trade policy reforms: आयात और निर्यात पर quantitative restrictions को समाप्त करना; tariffs में चरणबद्ध कमी और सरलीकरण के साथ अधिक outward-oriented व्यवस्था; import licensing की समाप्ति (positive OGL list के स्थान पर negative list); export duties हटाई गईं। Peak tariff 355% (1990–91) → 85% (1993–94) → 50% (1995–96) → 10% (2007–08)।	Q21; MQ 1.3: Q1; MQ 1.4.5: Q2	PYQ 2025-May; Model Q ×2	10.4.4 – 10.4.5, p. 10.13
10.4.25	Exchange rate: July 1991 में dollar के मुकाबले rupee का 18–19% अवमूल्यन (devaluation); March 1992 में dual exchange rate; March 1993 में एकीकृत करके float करने दिया गया — 1993 से managed floating; 1994 से rupee current account पर convertible।	Q16, Q33, Q43	PYQ 2025-Jan; RTP 2025-May; MTP 2026-Apr S1	10.4.4 – 10.4.5, pp. 10.13 – 10.14
10.4.26	SEZs को tax incentives और duty exemptions द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।	MQ 1.4.5: Q1	Model Q	SM में नहीं (केवल Model Q)
10.4.27	यथार्थवादी (depreciated) exchange rate निर्यात बढ़ाती है: 1985–86 से 1989–90 के बीच rupee के REER में लगभग 30% का depreciation किया गया, जिससे निर्यात को सहायता मिली और forex पर दबाव घटा।	MQ 1.6: Q1	Model Q	10.3, p. 10.8
10.4.28	*विषय 10.7 देखें: food products के marketing और food product e-commerce में automatic route के अन्तर्गत 100% FDI की अनुमति है।*	Q4	PYQ 2024-Jun	10.7.1, p. 10.19
10.4.29	*विषय 10.7 देखें: 'Make in India' (2014) निवेश और manufacturing को सुगम बनाता है — अधिक निवेश से aggregate demand बढ़ने की सम्भावना है।*	Q8	MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1	10.7.2, p. 10.22
10.4.30	*विषय 10.7 देखें: DPIIT = Department for Promotion of Industry and Internal Trade।*	Q10	PYQ 2024-Sep	10.7.2, p. 10.22
10.4.31	*विषय 10.7 देखें: FIPB को May 2017 में समाप्त करके उसके स्थान पर Foreign Investment Facilitation Portal (FIF) लाया गया; RoDTEP (2021) ने MEIS का स्थान लिया।*	Q23, Q24, Q25	PYQ 2025-May (×2), 2025-Sep	10.7.2, pp. 10.23 – 10.24
10.4.32	GST, Constitution (101st Amendment) Act, 2016 द्वारा अधिनियमित हुआ; Supreme Court के May 2022 के निर्णय ने माना कि Union और State legislatures को GST कानून बनाने की 'equal, simultaneous and unique powers' प्राप्त हैं। (SM केवल 1 July 2017 को GST लागू होने की बात देता है, p. 10.22।)	Q11, Q14	PYQ 2024-Sep; MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल PYQ/MTP)

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.4.33	ऐसे public finance विषय जिनका अध्याय 10 में कोई आधार नहीं: राज्यों को statutory grants-in-aid, Article 275 के अन्तर्गत हैं; Finance Commission, Union taxes के devolution और grants-in-aid की सिफ़ारिश करता है ('trade tax' की नहीं); 16th Finance Commission के अध्यक्ष Dr Arvind Panagariya हैं।	Q6, Q36, Q37	MTP 2024-Aug, 2025-Dec S1 (×2)	SM में नहीं (केवल MTP)
10.4.34	Government failure तब होती है जब सरकारी हस्तक्षेप अप्रभावी रहे और नई तथा अधिक गम्भीर समस्याएँ पैदा करे।	Q7	MTP 2024-Aug	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 10.5 1991 के सुधारों के बाद GDP वृद्धि-दर (GDP Growth Rates)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 1 · RTP – · MTP 2 · Model Q 4

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.5.1	GDP growth rate को आर्थिक संवृद्धि का सबसे विश्वसनीय सूचक (indicator) माना जाता है (इसीलिए उत्तर-कुंजी में 'gross production' को सर्वश्रेष्ठ सूचक माना गया है)।	Q3	MTP 2025-May S2	10.5, p. 10.15
10.5.2	सुधारों से तीव्र वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता (global competitiveness) आई: विश्व अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण, market orientation, तेज़ी से बढ़ता private investment, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र (auto components, telecom, software, pharma), स्थिर FDI, लगभग आठ महीने के आयात के बराबर forex reserves, घटती निर्धनता — pandemic वर्ष 2020 को छोड़कर औसत GDP वृद्धि सराहनीय रही।	MQ 1.4: Q1	Model Q	10.4, pp. 10.14 – 10.15; Summary, p. 10.31
10.5.3	Table 10.1 (GDP growth, 1991–2021): न्यूनतम 1991 (1.06%) और 2020 (–6.60%); अधिकतम 1999 (8.85%), फिर 2021 (8.68%) और 2010 (8.50%)। औसत 1991–2000 ≈ 5.6%; 1992–2001 ≈ 6.0%; 2001–2010 ≈ 6.8%।	MQ 1.4.6: Q1, Q2	Model Q ×2	10.5, Table 10.1, p. 10.15
10.5.4	औसत वृद्धि की विधि: n वर्षों का औसत = योग ÷ n, इसलिए लुप्त वर्ष = (n × औसत) – ज्ञात वर्षों का योग (मुद्रित हल: x + 7.9 + 8.5 = 3 × 8.2 = 24.6, अतः x = 8.2%)।	Q1	PYQ 2024-Jun	SM में नहीं (केवल PYQ)
10.5.5	भारत में inflation सामान्यतः Consumer Price Index (CPI) से मापी जाती है।	Q2; MQ 1.6: Q1	MTP 2024-Dec S1; Model Q	SM में नहीं (केवल MTP)

विषय 10.6 NITI Aayog — भारत के रूपान्तरण का साहसिक क़दम (NITI Aayog: A Bold Step for Transforming India)

18 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 7 · RTP 3 · MTP 12

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.6.1	1 January 2015 को Planning Commission (जो लगभग चौंसठ वर्ष से कार्यरत था) के स्थान पर National Institution for Transforming India (NITI) Aayog लाया गया, ताकि 'spur innovative thinking by objective experts' हो सके और राज्यों की आवाज़ एवं प्रभाव बढ़ाकर 'co-operative federalism' को बढ़ावा मिले; यह सरकार के 'Think Tank' और 'directional and policy dynamo' के रूप में कार्य करता है।	Q2, Q16, Q17	PYQ 2024-Sep; MTP 2026-Apr S2, 2026-Apr S1	10.6, p. 10.16

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.6.2	NITI Aayog के उद्देश्यों में ग्राम-स्तर पर विश्वसनीय योजनाएँ (credible plans) बनाने की व्यवस्था विकसित करना और उन्हें क्रमशः सरकार के उच्चतर स्तरों पर समेकित (aggregate) करना शामिल है (साथ ही राज्यों के साथ साझा राष्ट्रीय दृष्टि — shared national vision — तथा cooperative federalism को बढ़ावा)।	Q1	PYQ 2024-Jun	10.6, p. 10.16
10.6.3	NITI की भूमिका सीमित है: यह राष्ट्रीय (पंचवर्षीय) योजनाएँ नहीं बनाता, व्यय पर नियन्त्रण नहीं करता, राज्य-योजनाओं की समीक्षा नहीं करता, और budgeting प्रक्रिया से बाहर है — इसलिए न पंचवर्षीय योजनाएँ (five-year plans) बनाना और न ही राज्यों को वित्तीय संसाधन आवंटित करना इसका कार्य है।	Q4, Q11	RTP 2025-May; MTP 2024-Dec S1, 2025-Apr S1	10.6, p. 10.18
10.6.4	NDAP (National Data and Analytics Platform) भारत सरकार के data तक पहुँच को सुगम और बेहतर बनाता है।	Q3, Q7	PYQ 2024-Sep, 2025-Jan	10.6, p. 10.17
10.6.5	Electric vehicles: E-Amrit, electric vehicles सम्बन्धी समस्त जानकारी का one-stop destination है; Shoonya अभियान (campaign) का उद्देश्य electric vehicles के प्रयोग में तेज़ी लाकर वायु-गुणवत्ता (air quality) सुधारना है।	Q9, Q10 (+ 10.7 Q1)	PYQ 2024-Jun, 2025-May, 2026-Jan	10.6, p. 10.17
10.6.6	'LiFE' (Lifestyle for Environment) प्रचलित 'use-and-dispose' अर्थव्यवस्था के स्थान पर टिकाऊ जीवन-शैली के विकल्पों (sustainable lifestyle choices) की परिकल्पना करता है। (SM में 'Life' लिखा है और इसका पूर्ण रूप नहीं दिया गया।)	Q12, Q14	MTP 2025-Aug S1, 2025-Dec S1	10.6, p. 10.17
10.6.7	'Methanol Economy' कार्यक्रम का उद्देश्य भारत का oil import bill और GHG emissions घटाना, तथा coal reserves और municipal solid waste (industrial waste नहीं) को methanol में बदलना है।	Q13 (+ 10.7 Q11)	PYQ 2024-Sep; MTP 2025-Aug S2	10.6, p. 10.18
10.6.8	NITI Aayog की सात प्रमुख पहलें (key initiatives): LiFE, NDAP, Shoonya, E-Amrit, India Policy Insights (IPI), Methanol Economy, Transforming India's Gold Market। कृषि में start-up ecosystem का निर्माण कृषि-क्षेत्र का उपाय है, NITI की पहल नहीं।	Q15, Q18	PYQ 2026-Sep; MTP 2025-Dec S1	10.6, pp. 10.17 – 10.18
10.6.9	Atal Tinkering Labs, NITI Aayog (Atal Innovation Mission) की पहल हैं।	Q6	MTP 2024-Dec S1	SM में नहीं (केवल MTP)
10.6.10	*विषय 10.4 देखें: New Economic Policy ने liberalisation के माध्यम से अर्थव्यवस्था का विस्तार किया — कम tariffs, deregulation, private एवं foreign players के लिए बाज़ार खोलना — इसलिए A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की व्याख्या करता है।*	Q5	MTP 2024-Dec S1	10.4, p. 10.10
10.6.11	*विषय 10.2 देखें: पंचवर्षीय योजनाओं (five-year plans) का लक्ष्य समानता एवं वितरणात्मक न्याय (equity and distributive justice) के साथ तीव्र वृद्धि था (सन्तुलित, न्यायपूर्ण वृद्धि)।*	Q8	RTP 2025-Sep, 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	10.2, pp. 10.4 – 10.5

विषय 10.7 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान दशा — एक संक्षिप्त अवलोकन (The current state of the Indian Economy: A brief overview)

57 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 36 · RTP 4 · MTP 23

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.7.1	Primary sector = कृषि और उसके सम्बद्ध क्षेत्र (allied sectors — livestock, dairy, fisheries) — आजीविका का सबसे बड़ा स्रोत; भारत milk, pulses, jute और spices का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है, अतः milk production एक primary-sector गतिविधि है।	Q18	PYQ 2025-Jan; MTP 2025-Apr S1	10.7.1, p. 10.18
10.7.2	भारत की 47 per cent जनसंख्या प्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है; 2021–22 में agriculture and allied का GVA हिस्सा 18.8% था; food grains उत्पादन 315.7 million tonnes (2021–22)।	Q24	PYQ 2025-May	10.7.1, p. 10.19
10.7.3	सभी 23 अनिवार्य (mandated) फ़सलों का MSP, उत्पादन की all-India weighted average cost का 1.5 गुना (डेढ़ गुना) निर्धारित किया जाता है।	Q16, Q33	PYQ 2025-Jan, 2026-Jan	10.7.1, pp. 10.19 – 10.20
10.7.4	Food Corporation of India (FCI) खाद्यान्नों का buffer stock रखता है; MSP को Cabinet Committee on Economic Affairs स्वीकृति देती है।	Q12, Q13	MTP 2024-Dec S1 (×2)	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.5	APEDA = Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority, जिसे agri-products के export promotion का दायित्व सौंपा गया है; भारत शीर्ष दस agri-exporters में से एक है।	Q4	PYQ 2024-Jun	10.7.1, p. 10.19
10.7.6	FDI liberalisation: food products के marketing और food e-commerce, telecommunication services (सभी services and infrastructure providers) तथा coal sale and mining में automatic route के अन्तर्गत 100% FDI; insurance में FDI cap 49% से बढ़ाकर 74%। Telecom अब public sector का एकाधिकार (monopoly) नहीं है — केवल railway transport और atomic energy आरक्षित हैं।	Q47 (+ 10.4 Q4)	PYQ 2024-Jun; MTP 2025-Dec S1	10.7.1, p. 10.19; 10.7.2, p. 10.23; 10.7.3, p. 10.26; 10.4.4, p. 10.12
10.7.7	कृषि-उपाय (SM सूची): PM KISAN — किसानों को आय सहायता (income support); Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana — फ़सल-हानि या क्षति झेलने वाले किसानों के लिए बीमा; Paramparagat Krishi Vikas Yojana — जैविक खेती (organic farming) और soil health; Per Drop More Crop — खेत-स्तर पर जल-उपयोग दक्षता (water use efficiency); Kisan Rail — कृषि उपज की logistics में सुधार; साथ ही MSP, Soil Health Cards, Agri Infrastructure Fund, FPOs, Micro Irrigation Fund।	Q7, Q25, Q27, Q29, Q34	PYQ 2024-Sep, 2025-May, 2025-Sep (×2), 2026-May; MTP 2025-Aug S1	10.7.1, p. 10.20
10.7.8	E-NAM एक अखिल-भारतीय (pan-India) electronic trading portal है जो मौजूदा APMC mandis को जोड़कर कृषि वस्तुओं के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार (unified national market) बनाता है।	Q5, Q23, Q36, Q45	PYQ 2024-Jun, 2026-May; RTP 2025-Jan; MTP 2025-Aug S2	10.7.1, p. 10.20

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.7.9	कृषि सम्बन्धी समस्याएँ: छोटी और बिखरी जोतें (small and fragmented holdings), निम्न कृषि उत्पादकता और subsistence farming के कारण marketable surplus बहुत कम रहता है और किसानों की घरेलू एवं निर्यात बाज़ारों में भागीदारी की क्षमता घटती है; साथ ही नई technologies को कम अपनाना और monsoons पर भारी निर्भरता।	Q6, Q20	PYQ 2024-Jun; MTP 2025-Jan S2	10.7.1, pp. 10.20 – 10.21
10.7.10	भारतीय कृषि मुख्यत: वर्षा-आधारित (rain-fed) है (लगभग दो-तिहाई क्षेत्र), इसलिए यह दावा कि लगभग 80% कृषि-क्षेत्र सिंचित (irrigated) है, ग़लत है।	Q42	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.11	Index of Eight Core Industries (ICI) में Coal, Crude Oil, Natural Gas, Refinery Products, Fertilisers, Steel, Cement और Electricity शामिल हैं — IIP में items के भार (weight) का 40.27%; information and communication कोई core industry नहीं है।	Q32, Q37	PYQ 2026-Jan, 2026-May	10.7.2, p. 10.22
10.7.12	Manufacturing Purchasing Managers' Index (PMI) 55.4 पर था (31 January 2023); Global Innovation Index में भारत की रैंक 2015 के 81st से सुधरकर 2022 में 40th हो गई।	(+ 10.8 Q4, 10.8 Q5)	PYQ 2025-May, 2025-Sep	10.7.2, pp. 10.22, 10.24
10.7.13	DPIIT (Department for Promotion of Industry and Internal Trade) औद्योगिक विकास के लिए industrial policy और रणनीतियाँ बनाता एवं लागू करता है।	(+ 10.4 Q10)	PYQ 2024-Sep	10.7.2, p. 10.22
10.7.14	'Make in India' (2014), एक 'Vocal for Local' पहल, निवेश को सुगम बनाती है, नवाचार (innovation) को बढ़ावा देती है और भारत को manufacturing, design और innovation का केन्द्र (hub) बनाती है; 'Make in India 2.0' 27 क्षेत्रों पर केन्द्रित है — 15 manufacturing और 12 service sectors।	Q14, Q31 (+ 10.4 Q8)	PYQ 2026-Jan; MTP 2024-Aug, 2024-Dec S1, 2025-Dec S1	10.7.2, p. 10.22
10.7.15	Ease of Doing Business: World Bank की Doing Business Report 2020 में भारत 63rd स्थान पर रहा (2019 में 77th) — 14 स्थानों की छलाँग।	Q43	MTP 2025-May S2	10.7.2, p. 10.22
10.7.16	PM Gati Shakti National Master Plan, multimodal infrastructure के एकीकृत नियोजन (integrated planning) के लिए data-आधारित निर्णयों को सुगम बनाता है, जिससे logistics cost घटती है।	Q3, Q54	PYQ 2024-Jun, 2026-Sep	10.7.2, p. 10.23
10.7.17	Production Linked Incentive (PLI) Scheme (March 2020, 14 प्रमुख क्षेत्र) भारत की manufacturing क्षमताओं और export competitiveness को बढ़ाने के लिए निर्माताओं को incentives देती है; अब इसे white goods (air conditioners और LED lights) तक बढ़ाया गया है।	Q26, Q56	PYQ 2025-Sep, 2026-Sep	10.7.2, p. 10.23
10.7.18	FAME-India (Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric Vehicles) electric और hybrid vehicle technology के manufacturing तथा उसकी टिकाऊ वृद्धि (sustainable growth) को बढ़ावा देती है।	Q15	PYQ 2025-Jan	10.7.2, p. 10.23

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.7.19	'Udyami Bharat' का उद्देश्य Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) का सशक्तीकरण है।	Q8, Q35	PYQ 2024-Sep, 2026-May	10.7.2, p. 10.23
10.7.20	Small-scale industries को छोटे व्यवसायों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता (financial and technical assistance) देकर बढ़ावा दिया जाता है (MNCs को subsidy देकर या labour laws समाप्त करके नहीं)।	Q19	MTP 2025-Jan S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.21	PM MITRA (PM Mega Integrated Textile Region and Apparel) textiles में cutting-edge technology आकर्षित करने तथा FDI और स्थानीय निवेश बढ़ाने के लिए विश्व-स्तरीय औद्योगिक infrastructure सुनिश्चित करती है।	Q17, Q55	PYQ 2025-Jan, 2026-Sep	10.7.2, p. 10.23
10.7.22	FIPB को May 2017 में समाप्त करके उसके स्थान पर Foreign Investment Facilitation Portal (FIF) लाया गया; RoDTEP (Remission of Duties and Taxes on Export Products, 2021) ने MEIS का स्थान लिया, जो निर्यात पर छिपे (hidden) केन्द्रीय, राज्य एवं स्थानीय शुल्कों की वापसी (rebate) करता है।	(+ 10.4 Q23, 10.4 Q24, 10.4 Q25)	PYQ 2025-May (×2), 2025-Sep	10.7.2, pp. 10.23 – 10.24
10.7.23	Start-up India Programme देश में विचारों और नवाचार (ideas and innovation) के लिए सुविधा-प्रदाता (facilitator) का कार्य करता है।	Q57	PYQ 2026-Sep	10.7.2, p. 10.24
10.7.24	ECLGS = Emergency Credit Line Guarantee Scheme, एक पूर्णतः गारंटीकृत (fully guaranteed) emergency credit line।	Q39	PYQ 2026-May	10.7.2, p. 10.24
10.7.25	National Manufacturing Policy का लक्ष्य 2025 तक GDP में manufacturing का हिस्सा 25 percent तक बढ़ाना है।	Q28	PYQ 2025-Sep	10.7.2, p. 10.24
10.7.26	भारत के वृद्धि-पथ (growth trajectory) की अनूठी विशेषता: कृषि से सीधे services sector की ओर बदलाव करके secondary sector को लाँघ जाना (bypassing)।	(+ 10.8 Q6)	PYQ 2026-Jan	10.7.3, p. 10.25
10.7.27	Services (NIC 2008, Box 2) में शामिल हैं: trade and vehicle repair, transportation and storage, accommodation and food, information and communication, finance and insurance, real estate, professional and technical, administrative support, public administration and defence, education, health and social work, arts and recreation। Construction (जैसे किसी बाँध — dam — का) इस सूची में नहीं है — यह एक औद्योगिक (secondary) गतिविधि है।	Q9, Q40	PYQ 2024-Sep; RTP 2025-May	10.7.3, pp. 10.25 – 10.26
10.7.28	Services sector सबसे बड़ा क्षेत्र है (भारत के GVA का 53.89%), सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला क्षेत्र है और इसकी labour productivity सबसे अधिक है; सुधारों के बाद से knowledge-based और IT services ने वृद्धि को गति दी है।	Q21, Q38, Q46, Q51 (+ 10.8 Q1)	PYQ 2024-Jun, 2026-May; MTP 2025-Jan S2, 2025-Aug S2, 2026-Apr S1	10.7.3, p. 10.26
10.7.29	Services sector को सबसे अधिक FDI inflows मिलते हैं — कुल FDI equity inflows के 60 per cent से अधिक।	Q30	PYQ 2026-Jan	10.7.3, p. 10.26

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.7.30	Services exports (software, business और travel services; भारत WTO के शीर्ष 10 service exporters में) विदेशी मुद्रा (forex) अर्जन का प्रमुख स्रोत हैं — IT और financial services की मज़बूत माँग services trade surplus को GDP के लगभग 3.7% पर बनाए रखती है।	Q44	RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	10.7.3, p. 10.26; 10.4, p. 10.14
10.7.31	संरचनात्मक बाधा (structural constraint): वृद्धि के बावजूद अर्थव्यवस्था ऊँचे fiscal deficit, बढ़ती असमानताओं (inequalities), inflation और ऊँचे public debt (FY21/22 में GDP का 86%) से बाधित है — ऊँची असमानता (high inequality) बनी हुई निर्धनता की व्याख्या करती है।	Q49 (+ 10.8 Q3)	MTP 2025-Jan S2, 2026-Apr S1	Summary, p. 10.31; 10.4, p. 10.15
10.7.32	कहा जाता है कि कार्यशील जनसंख्या (working population) का लगभग 23 per cent भाग service sector में लगा है।	Q41	MTP 2025-May S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.33	Demographic dividend का लाभ उठाने के लिए भारत को कौशल विकास (skill development) को बढ़ावा देना होगा।	Q48	MTP 2026-Apr S2	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.34	तीव्र GDP वृद्धि के बावजूद अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं (emerging economies) की तुलना में भारत का per capita GDP कम बना हुआ है।	Q50	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.35	GDP base year का संशोधन (revision) एक structural reform है जो GDP के मापन को प्रभावित करता है।	Q52	MTP 2026-Apr S1	SM में नहीं (केवल MTP)
10.7.36	*विषय 10.6 देखें: E-Amrit, electric vehicles सम्बन्धी समस्त जानकारी का one-stop destination है।*	Q1	PYQ 2024-Jun	10.6, p. 10.17
10.7.37	*विषय 10.6 देखें: Methanol Economy, coal reserves और municipal solid waste (industrial waste नहीं) को methanol में बदलती है।*	Q11	PYQ 2024-Sep	10.6, p. 10.18
10.7.38	*विषय 10.2 देखें: green revolution ने खाद्यान्न (विशेषकर गेहूँ — wheat) का उत्पादन बढ़ाने के लिए high yielding seed varieties तथा जल, उर्वरक एवं कीटनाशकों (water, fertiliser and pesticides) के गहन प्रयोग का सहारा लिया।*	Q2, Q10, Q22	PYQ 2024-Jun, 2024-Sep; RTP 2026-Jan; MTP 2025-Jan S2, 2025-Apr S1	10.2, p. 10.6
10.7.39	*विषय 10.8 देखें: Russia-Ukraine युद्ध के बाद भारत को crude oil और commodities की ऊँची कीमतों, लगातार वैश्विक supply disruptions, कड़ी financial conditions और ऊँचे घरेलू inflationary pressures का सामना करना पड़ा।*	Q53	PYQ 2026-Sep	10.8, p. 10.27

विषय 10.8 निष्कर्ष (Conclusion)

7 Scanner प्रश्न · आवृत्ति PYQ 5 · RTP – · MTP 2

संदर्भ	विद्यार्थी के लिए One-liner	Scanner प्रश्न	कब पूछा गया	SM स्रोत
10.8.1	World Bank का India Development Update (IDU), November 2022: Russia-Ukraine युद्ध के बाद भारत को crude oil और commodities की ऊँची कीमतों, लगातार वैश्विक supply disruptions, कड़ी financial conditions और ऊँचे घरेलू inflationary pressures का सामना करना पड़ा; फिर भी 2022–23 की July–September अवधि में real GDP 6.3% बढ़ा, और अपने विशाल घरेलू बाज़ार के कारण भारत अन्य emerging markets की तुलना में अधिक सुरक्षित (insulated) और लचीला (resilient) है।	Q2 (+ 10.7 Q53)	PYQ 2024-Sep, 2026-Sep	10.8, p. 10.27
10.8.2	*विषय 10.7 देखें: tertiary (services) sector का भारत के GVA में सबसे अधिक योगदान है (53.89%) ।*	Q1	PYQ 2024-Jun	10.7.3, p. 10.26
10.8.3	*विषय 10.7 देखें: भारत अनूठे ढंग से कृषि से सीधे services sector की ओर बढ़ा।*	Q6	PYQ 2026-Jan	10.7.3, p. 10.25
10.8.4	*विषय 10.7 देखें: PMI = Purchasing Managers' Index; 2022 में भारत की GII रैंक 40th थी (2015 में 81st) ।*	Q4, Q5	PYQ 2025-May, 2025-Sep	10.7.2, pp. 10.22, 10.24
10.8.5	*विषय 10.7 देखें: आय और संसाधनों के वितरण में ऊँची असमानता वृद्धि के बावजूद बनी हुई निर्धनता की व्याख्या करती है।*	Q3	MTP 2025-Jan S2	Summary, p. 10.31
10.8.6	विदेशी मुद्रा के शुद्ध अन्तर्प्रवाह (net inflows — FDI, portfolio flows, services surplus) से foreign exchange reserves बढ़ते हैं; भारत के पास लगभग आठ महीने के import cover के बराबर reserves हैं।	Q7	MTP 2025-Dec S1	10.4, p. 10.14 (कारण SM में नहीं)

भाग B — अध्याय 10 One-liner पुनरावृत्ति तालिका (Revision Sheet)

दोहराव हटाकर, Study Material के क्रम में। भाग A की वह पंक्ति (या पंक्तियाँ) देखने के लिए, जिसमें पूरा पाठ, Scanner प्रश्न और SM पृष्ठ दिए हैं, किसी 'भाग A संदर्भ' पर click करें। केवल ★★★ पंक्तियाँ ही इस अध्याय में ICAI के लगभग 43% प्रश्नों को कवर करती हैं।

इकाई — भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy)

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
1	1st–17th शताब्दी AD: सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर; आत्मनिर्भर गाँव + वाणिज्यिक नगर।	★★	10.1.1
2	ब्रिटिश शासन: भारत कच्चे माल का निर्यातक बना; भेदभावपूर्ण tariffs ने हस्तशिल्प नष्ट किए → भूमि पर अत्यधिक भीड़ (over-crowded land), subsistence farming, zamindari, कृषि का पतन।	★	10.1.2
3	औपनिवेशिक उद्योग असन्तुलित (lopsided) — cotton और jute; producer goods पिछड़े; manufacturing NDP का ~7% (1946)।	★	10.1.3
4	**Nehruvian model: Planning Commission, five-year plans, समानता एवं वितरणात्मक न्याय के साथ वृद्धि (growth with equity and distributive justice)।**	★★★	10.2.3
5	1950s की विचारधाराएँ: Nehru (heavy industry) बनाम Gandhian (small-scale, cottage, village republics)।	★	10.2.5
6	IPR 1948: atomic energy, arms and ammunition, railways पर State का एकाधिकार; IPR 1956 ने public sector का अति-विस्तार किया।	★	10.2.5
7	1958 BoP crisis → 1966 तक import controls; संरक्षण/import substitution।	★	10.2.4, 10.4.5
8	Hindu growth rate = 3.5% (1950–80 के दौरान)।	★	10.2.6
9	**1965 से पूर्व कृषि-रणनीति institutional (land reforms, cooperatives); green revolution mid-1960s: HYV seeds, जल, उर्वरक, कीटनाशक; गेहूँ (wheat)।**	★★★	10.2.7, 10.2.8
10	Nationalisation: 1969 में 14 banks + 1980 में 6; MRTP Act 1969 ने अधिक market power वाली बड़ी फर्मों पर अंकुश लगाया।	★★	10.2.9, 10.4.4
11	1965–81 वृद्धि की सबसे ख़राब अवधि: licence-raj, autarchic policies, तीन युद्ध, सूखे, 1973 और 1979 के oil shocks।	★	10.2.9, 10.2.10
12	Early liberalisation 1980s (1985 के बाद), 'reforms by stealth'; वृद्धि 5.7% / 5.8%।	★	10.4.1
13	1980s: 25 श्रेणियाँ delicensed; broad-banding (trucks ↔ cars, नया licence नहीं); MRTP limit ₹20 → ₹100 crore; MODVAT; SEBI 12 April 1988 (non-statutory)।	★★	10.4.2, 10.4.3
14	REER का ~30% depreciation (1985–86 से 1989–90) → निर्यात बढ़े।	MQ	10.4.27
15	1991 के सुधार P. V. Narasimha Rao सरकार के अन्तर्गत (शिल्पी Dr Manmohan Singh — SM में नहीं)।	★	10.4.7, 10.4.8
16	कारण: ऋण से वित्तपोषित fiscal deficits, ब्याज का बोझ, Gulf-war oil shock, IMF की शर्तें, 'crisis of confidence'।	★★	10.4.9
17	Trigger: BoP crisis — forex reserves $1.2 bn, मुश्किल से दो सप्ताह का आयात।	★	10.4.10

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
18	Market orientation और external openness की ओर बदलाव; LPG (socialisation नहीं)।	★★	10.4.11, 10.4.12
19	दोहरे उद्देश्य: market-friendly reorientation + fiscal deficit घटाकर stabilisation; उपाय = stabilisation (अल्पकालीन) + structural (दीर्घकालीन)।	★	10.4.13
20	Fiscal reforms: पारदर्शी कर (transparent taxes), tax compliance, व्यय पर अंकुश, subsidies में कटौती, disinvestment, निजी भागीदारी।	★	10.4.14
21	Monetary/financial: interest rate deregulation, private banks, SLR/CRR में कमी (Narasimham Committee 1991), branch licensing, prudential norms।	★★	10.4.15
22	सुधार-पूर्व banking: administered interest rates, ऊँची reserve requirements, credit restrictions।	★	10.4.16
23	SEBI: 1988 में स्थापना, 1992 में statutory मान्यता।	★	10.4.18
24	New Industrial Policy 24 July 1991: Licence Raj समाप्त (18 → 5 licensed industries); public sector → railway transport + atomic energy।	★★	10.4.20, 10.4.21
25	1991: MRTP के merger/takeover प्रावधान निरस्त; SSI items de-reserved; PSU equity का disinvestment (= privatisation, liberalisation नहीं)।	★★	10.4.4, 10.4.22, 10.4.12
26	51% तक FDI automatic approval; FDI केवल retail trade, atomic energy, lottery, betting & gambling में प्रतिबन्धित।	★	10.4.23
27	Trade: QRs समाप्त, import licensing हटाई गई, tariffs 355% → 10%।	★	10.4.24
28	Rupee का 18–19% अवमूल्यन (July 1991); 1993 से managed float; 1994 से current account पर convertible।	★★	10.4.25
29	**सुधार के बाद के लाभ: ~8 महीने के आयात जितना forex cushion; services trade surplus GDP का ~3.7%; परन्तु public debt GDP का 86% (FY21/22) और बढ़ती असमानता।**	★★★	10.5.2, 10.7.30, 10.7.31, 10.8.6
30	सुधार के बाद GDP वृद्धि सराहनीय, 2020 (−6.6%) को छोड़कर; शिखर 1999 (8.85%); GDP growth rate = वृद्धि का सबसे विश्वसनीय सूचक।	★	10.5.1, 10.5.2, 10.5.3
31	NITI Aayog ने 1 January 2015 को Planning Commission का स्थान लिया — think tank, co-operative federalism।	★★	10.6.1
32	NITI: ग्राम-स्तर की credible plans ऊपर की ओर समेकित; five-year plans नहीं, budgeting/fund allocation नहीं।	★★	10.6.2, 10.6.3
33	**NITI की पहलें: LiFE, NDAP (सरकारी data), Shoonya (EVs द्वारा air quality), E-Amrit (EV जानकारी), IPI, Methanol Economy, Gold Market।**	★★★	10.6.4, 10.6.5, 10.6.6, 10.6.7, 10.6.8
34	Primary: milk, primary है; 47% जनसंख्या कृषि पर निर्भर; agri GVA 18.8% (2021–22); food grains 315.7 mn tonnes।	★★	10.7.1, 10.7.2
35	MSP: 23 mandated फ़सलें, 1.5 × cost of production पर।	★	10.7.3
36	APEDA = Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority; food marketing/e-commerce तथा telecom में 100% FDI (automatic)।	★★	10.7.5, 10.7.6

#	One-liner	महत्त्व	भाग A संदर्भ
37	**कृषि योजनाएँ: PM KISAN (आय), PMFBY (फ़सल-हानि), PKVY (जैविक खेती), PDMC (जल), Kisan Rail (logistics), E-NAM (APMC mandis का एकीकृत बाज़ार)।**	★★★	10.7.7, 10.7.8
38	कृषि समस्याएँ: छोटी जोतें, निम्न उत्पादकता, subsistence farming, कम marketable surplus।	★	10.7.9
39	ICI: 8 core industries (coal, crude, gas, refinery, fertilisers, steel, cement, electricity) = IIP का 40.27%; PMI 55.4; GII 40th (2022)।	★★	10.7.11, 10.7.12
40	**Industry policy: DPIIT; Make in India 2014 (2.0: 15 mfg + 12 services); EoDB रैंक 63 (2020)।**	★★★	10.7.13, 10.7.14, 10.7.15
41	**Gati Shakti (multimodal नियोजन), PLI (Mar 2020, white goods), FAME (EVs), Udyami Bharat (MSMEs), PM MITRA (वस्त्र — textiles)।**	★★★	10.7.16, 10.7.17, 10.7.18, 10.7.19, 10.7.21
42	**FIPB → FIF (May 2017); RoDTEP ने MEIS का स्थान लिया (2021); Start-up India; ECLGS; NMP: 2025 तक GDP का 25%।**	★★★	10.7.22, 10.7.23, 10.7.24, 10.7.25
43	**Services: secondary को लाँघा; GVA का 53.89%; सबसे तेज़ वृद्धि; सबसे ऊँची labour productivity; FDI equity का >60%।**	★★★	10.7.26, 10.7.28, 10.7.29
44	Construction कोई service नहीं है (NIC 2008 Box 2 सूची)।	★	10.7.27
45	IDU (World Bank, Nov 2022): तेल, supply disruptions, कड़ी finance, inflation; भारत लचीला (resilient)।	★	10.8.1